

He Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं ० 1 2]

नई दिल्ली, शनिवार, मार्च 20, 1976 (फाल्गुण 30, 1897)

No. 12] NEW DELHI, SATURDAY, MARCH 20, 1976 (PHALGUNA 30, 1897)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दो जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1 PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

(Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India)

मिविमडल मिववालय (कार्मिक तथा प्रणामिक सुधार विभाग) केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्यूरो नई दिल्ली, दिनाक 20 फरवरी 1976

सं० ए०-19036/2/76-प्रशासन-5—निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एव पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतव्ह्रारा, श्री राजिन्दर कुमार शर्मा को दिनाक 31-1-76 के अपराह्म में अगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना, नई दिल्ली में अस्थायी रूप से पुलिस उप-अधीक्षक नियुक्त करते हैं।

स० ए०-20014/42/प्रणासन-1-- प्रपने मूल विभाग में प्रत्यावर्तन हो जाने पर, केन्द्रीय प्रन्येषण ब्यूरो में प्रतिनियुक्ति केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क एव मीमा-शुल्क के प्रधिकारी श्री सुभाष चन्द्र मिद्रा को दिनाक 2-2-76 के अपराह्म में केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, कलकत्ता में अपने पद के कार्यभार से मुक्त कर दिया गया है श्रीर उन्हें सहायक समाहर्ता, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क कूच बिहार के पाम इ्यूटी के लिए रिपोर्ट करने के निदेश भी दे दिए गए है।

स० ए०-35018/15/75-प्रशासन-5 —-पुलिस उप-महा-निरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतद्द्वारा, श्री फनीन्द्र लाल भौमिक पुलिस उप-निरीक्षक, कलकत्ता पुलिस को दिनाक 1 फरवरी, 1976 से श्रगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्यूरो के दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना प्रभाग, कलकत्ता शाखा मे श्रस्थायी रूप से प्रतिनियुक्ति पर पुलिस निरीक्षक नियुक्त करते हैं।

दिनाक 21 फरवरी 1976

म० ग्रार०-8/74-प्रशासन-5—भारत ग्रल्यूमिनियम कम्पनी लि०, कोरबा (मध्य प्रदेश) में उप-सतर्कता ग्रधिकारी के रूप में चयन हो जाने पर, श्री भोलन दास, पुलिस उप-प्रधीक्षक, केन्द्रीय ग्रन्वेषण ब्यूरों ने दिनाक 12-12-75 के ग्रपराह्न में ग्रपने पुलिस उप-प्रधीक्षक, केन्द्रीय ग्रन्वेषण ब्यूरों के पद का कार्यभार त्याग दिया। उप-सतर्कता ग्रधिकारी के रूप में नियुक्ति के लिए उनकी सेवाए दिनाक 12-12-75 से भारत ग्रल्लुमीनियम कम्पनी लि०, कोरबा को सौप दी गई है।

2 निवर्तन की आयु प्राप्त कर लेने पर, श्री भोलन दास, पुलिस उप-अधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो दिनाक 31-1-76 के अपराह्म से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

506G1/75

सं० पी० एफ०/एस०/-1/70-प्रणा० --- निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस-महानिरीक्षक, विणेष पुलिस स्थापना, एतद्द्वारा, श्री एस०के० पक्सेना, लोक-प्रभियोजक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, लखनऊ शाखा को प्रोप्ति पर दिनांक 20 दिसम्बर, 1975 के पूर्वोह्न से अगले आदेण तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में तदर्थ के आधार पर वरिष्ठ लोक-अभियोजक नियुक्त करते हैं।

दिनांक 23 फरवरी 1976

सं० ए०-19036/1/76-प्रणासन-5 — निदेणक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतव्हारा, श्रान्ध्र प्रदेश राज्य पुलिस से प्रतिनियुक्ति निरीक्षक श्री के० सुब्बन्ना को दिनांक 10-2-76 के श्रपराह्न से श्रगले श्रादेश तक के लिए केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना में पुलिस उप-श्रधीक्षक नियुक्त करते हैं।

गुलजारी लाल अग्रयाल प्रणासन श्रधिकारी (स्था०) केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्यूरो

सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान (परीक्षा स्कंध)

उच्च श्रेणी ग्रेड सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा, 1976 नई दिल्ली, दिनांक 20 मार्च 1976

सं० 13/9/75-प्रबन्ध (1)--केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा के उच्च श्रेणी ग्रेड की प्रवर सूची में वृद्धि करने हेतु सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान, नई दिल्ली के परीक्षा स्कन्ध, द्वारा 17 श्रीर 18 सिक्षम्बर, 1976 को बम्बई, कलकत्ता, दिल्ली मद्रास, नागपुर तथा विदेशों में स्थित कुछ चुने हुए भारतीय दूतावासों में एक सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा ली आएगी।

- 2. पात्रता की गर्ते :—-उम्मीदवार स्थायी श्रथवा नियमित रूप से लगा हुआ श्रस्थायी श्रधिकारी होना च।हिए जो केन्द्रीय सचि-वालय लिपिक सेवा में काम करता हो श्रीर निम्नलिखित गर्ती को पूरी करता हो :—-
- (क) सेवा अवधि:—-केन्द्रीय सिववालय लिपिक सेवा के अवर श्रेणी लिपिक ग्रेड में 1-1-1976 को पांच वर्ष की अनु-मोदिस तथा लगातार नेवा से कमन हो।
- (ख) भ्रायु:--1 जनवरी,1976 को 45 वर्ष से ऋधिक नहीं हो।

अनुसूचित जातियों/श्रनुसूचित आदिम जातियों और कुछ अन्य निर्धारित वर्गी के लिए ऊपरी आयु सीमा में छूट होगी।

(ग) टंकण परीक्षा :—जब तक स्रवर श्रेणी ग्रेड में पुष्टि के लिए संघ लोक सेवा आयोग/सिनवालय प्रशिक्षण साला/सिचवालय प्रशिक्षण साला/सिचवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान (परीक्षा स्कन्ध) द्वारा आयोजित मासिक/लैमासिक टंकण परीक्षा से छूट प्राप्त नहीं, उसे इस परीक्षा की अधिसूचना की तारीक्ष को ख्राया इससे पहले ऐसी परीक्षा पास होनी चाहिए।

- 3. फीस :—13/- (ग्रनुस्चित जातियों/अन्स्चित शादिम जातियों के लिए 3/- ४०) ।
- 4. पूरे विवरण तथा ग्रावेदन पत्न मचिवालय प्रणिक्षण तथा प्रवन्ध संस्थान (परीक्षा स्कन्ध), पश्चिम खण्ड-I, रामकृष्णपुरम, नई दिल्ली-110023 को 1.00 रुपया (रिजस्ट्री
 बारा ग्रावेदन पत्न मंगवाने के लिए 2.00 रुपये) के रेखिल
 ("प्राप्त कर्ता लेखा") भारतीय पोस्टल ग्रार्डर जो सचिवालय
 प्रणिक्षण तथा प्रवन्ध संस्थान (परीक्षा स्कन्ध) को रामकृष्णपुरम् (वितरण) डाकघर, नई दिल्ली पर देय हों, भेज कर ग्रयवा
 संस्थान के बिन्नी काऊल्टर पर नकद भुगतान करके प्राप्त कर सन्तते
 हैं।
- 5. भरे हुए ग्रावेदन पत्र संस्थान को 19 मई, 1976 (2 जून, 1976 विदेशों में तथा श्रंडमान एवन् निकोबार द्वीप समूह में तथा लक्षद्वीप में रहने वाले उम्मीदवारों के लिए) तक ग्रवश्य पहुंच जाने चाहिए।

उच्च श्रेणी ग्रेड (रेल बोर्ड) सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा, 1976

सं० 13/9/75-प्रबन्ध (2)—रेल बोर्ड सचिवालय लिपिक सेवा के उच्च श्रेणी ग्रेड की प्रवर सूची में वृद्धि करने हेतु सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान, नई दिल्ली के परीक्षा स्कन्ध, द्वारा 17 श्रीर 18 सितम्बर, 1976 को दिल्ली में एक सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा ली जाएगी।

- 2. पात्रता की णतें :---उम्मीदवार स्थायी अथवा नियमित रूप से लगा हुआ अस्थायी अधिकारी होना चाहिए जो रेल बोर्ड सचि-वालय लिपिक सेवा में काम करता हो और निम्नलिखित गर्ती को पूरी करता हो :---
 - (क) सेवा अवधि :---रेल बोर्ड सचिवालय लिपिक सेवा के अवर श्रेणी ग्रेड में 1-1-1976 को पांच वर्ष की अनुमोदित तथा लगातार सेवा से कमन हो।
 - (ख) श्रायु:--1 जनवरी, 1976 को 45 वर्ष से श्रिधिक नहीं हो । श्रमुस्चित जातियों/श्रमुस्चित श्रादिम जातियों श्रीर कुछ श्रन्य निर्धारित वर्गी के लिए उपरी श्रायु सीमा में छुट होगी।
 - (ग) टंकण परीक्षा :--जब तक अवर श्रेणी ग्रेड मे पुष्टि के लिए संघ लोक सेवा आयोग/मिनिवालय प्रिणिक्षण शाला/मिविवालय प्रिणिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान (परीक्षा स्कन्ध) हारा आयोजित मासिक/वैमासिक टंकण परीक्षा से छूट प्राप्त न हो, उसे इस परीक्षा की अधिसूचना की तारीख को अयवा इसमें पहने ऐसी परीक्षा पास होनी वाहिए।
- 3. फीस: --- रु० 12/- (अनुसूचित जातियों/अनुसूचित स्रादिम जातियों के लिए 3/- रु०)।

4. पूरे विषरण तथा आवेदन पत्न सचिवालय प्रणिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान (परीक्षा स्कन्ध) पिष्चम खण्ड-1, राम-कृष्णपुरम, नई दिल्ली-110022 को 1-00 ष्पया (रिजिस्ट्री द्वारा आवेदन पत्न मंगवाने के लिए 2-00 ष्पये) के रेखित ("प्राप्त कर्ता लेखा)") भारतीय पोस्टल आर्डर जो सचि₃ वालय प्रणिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान (परीक्षा स्कन्ध) को राम-कृष्णपुरम (वितरण) डाकचर, नई दिल्ली पर देम हों, प्रणिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान करने पर नकद भुगतान करके प्राप्त कर सकते हैं।

5. भरे हुए श्रावेदन पत्न संस्थान को 19 मई, 1976 तक अवगय पहुंच जाने चाहिए।

> मदन लाल निदेशक (परीक्षा)

गृह मंत्रालय

महानिदेश।लय, के० रि० पु० दल

नई दिल्ली-110001, दिनांक 17 फरवरी 1976

सं० घ्रो०-II-916/73-स्थापना —-राष्ट्रपति, निम्नलिखित कनिष्ठ चिकित्सा ग्रिधिकारियों के के० रि० पु० दल से त्याग-पत उनके ममक्ष दिये हुये दिनांक से स्वीकृत करते हैं :----

- 1. डा० बालाकृष्णा बस्तीया 15-12-75 पूर्वाह्न
- 2. डा०पी० बी० बेन्केटेश्वरा 25-12-75 पूर्वाह्न

दिनांक 18 फरवरी 1976

सं० म्रो०- $\Pi-117/71$ -स्थापन। —-राष्ट्रपति, स्वर्गीय श्री पी० के० वैल।युधन, सहायक कमान्डैंट, रिजर्व, पुलिस दल, को मौलिक रूप में उप-पुलिस, प्रधीक्षक के पद पर दिनांक, 1-7-74 से नियुक्त करते हैं।

ए० के० बन्द्योपाध्याय, सहायक निदेशक (प्रशासन)

समन्वय निदेशालय पुलिस बेतार

नई दिल्ली, दिनांक 19 फरवरी 1976

सं० ए०-38/5/74-वायरलैस—-निदेशक, पुलिस दूर संचार समन्वय निदेशालय, (पुलिस बेतार) के निम्नलिखित श्रिधिकारियों को उक्त निदेशालय में अगले आदेशों तक स्थानापन्न श्रतिरिक्त सहायक निदेशक के पद पर वेतनमान में ६० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200/—नियुक्त करते हैं:----

- 1. श्रीपी०जे० जकरिया . 1-1-1976 (पूर्वाह्म)
- श्री भी० सितारमन . 2-2-1976 (पूर्वाल्ल)
- श्री ख॰ सैफुला . 21-1-1976 (पूर्वाह्न)

सं० ए०-36/19/75-बेतार----ग्रण्डेमान तथा निकोबार द्वीप प्रणासन द्वारा श्री बी० के० मिल्ला, ग्रांतिरिक्त सहायक निदेशक, समन्त्रय निदशालय (पुलिस बेतार) को पुलिस रेडियो प्रधिकारी के पद पर प्रतिनियुक्ति हेतु चुने जाने के फलस्वरूप, उन्हें दिनांक 3 अक्टूबर, 1975 (पूर्वाह्म) को कार्यभार से मुक्त कर दिया गया।

> छत्नपति जोशी, निदेशक पुलिस बेतार

महानिरीक्षक का कार्यालय केन्द्रीय श्रौद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110003, दिनांक 9 फरवरी 1976

सं० ई०-38013(3)/1/76-प्रणा०-1—राष्ट्रपति, निरी-क्षक एस० पी० दिवेदी को दिनांक 17 जनवरी, 76 के अपराल्ल से आगामी आदेश जारी होने तक केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल यूनिट, टी० आई० एफ०, नैनी का स्थानापक रूप से सहायक कमांडेंट नियुक्त करते हैं, जिन्होंने श्री शिवराज सिंह के स्थान पर उसी तारीख से उक्त पद का कार्यभार सम्भाल लिया। दिल्ली को स्थानान्तरित होने पर श्री शिवराज सिंह ने पद का कार्यभार 17 जनवरी, 76 के अपराल्ल से छोड़ा।

सं० ई०-38013(3)/1/76-प्रशा०1---राष्ट्रपति, निरी-क्षक एस० के० बनर्जी को दिनांक 12 जनवरी, 76 के पूर्वाह्म से ग्रागामी ग्रादेण जारी होने तक केन्द्रीय ग्रीद्योगिक सुरक्षा बल यूनिट, दुर्गापुर इस्पात संयंत्र, दुर्गापुर का स्थानापन्न रूप से सहायक कमांडेंट नियुक्त करते हैं ग्रोर उन्होंने उसी तारीख से उक्त पद का कार्यभार सम्माल लिया।

दिनांक 12 फरवरी 1976

सं० ई०-38013(3)/1/76-प्रशा०-1— राष्ट्रपति, निरीक्षक के० सी० भूम्बला को दिनांक 21 जनवरी 76 के पूर्वाह्म से प्रागामी आवेश जारी होने तक केन्द्रीय भौद्योगिक सुरक्षा बल यूनिट, बैंक नोट मुद्रणालय, देवास, का स्थानापन्न रूप से सहायक कमांडेंट नियुक्त करते हैं भौर उन्होंने श्री के० ए० बेलिग्रप्पा के स्थान पर उसी तारीख के पूर्वाह्म से उसी पद का कार्यभार सम्भाल लिया। श्री के० ए० बेलिग्रप्पा ने दिनांक 21 जनवरी, 76 के पूर्वाह्म से उक्त पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ई०-38013(1)/4/75-प्रशा०-1—दुर्गापुर से स्थाना-न्तरित होने पर, श्री पी० सी० वधवा, आई० पी० एस० (हरियाणा 1952) ने श्री पी० पी० सिंह, आई० पी० एस० (बिहार 1956) के स्थान पर दिनांक 19 जनवरी, 76 के पूर्वाह्न से केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल के उप-महानिरीक्षक (पूर्वी क्षेत्र) के पद का कार्यभार सम्भाल लिया । उनका मुख्यालय कलकत्ता में होगा । दुर्गापुर को स्थानान्तरित होने पर, श्री सिंह ने उसी तारीख से पद का कार्यभार छोड़ दिया ।

दिनांक 16 फरवरी 1976

सं॰ ई॰-16013(2)/4/75-प्रशा॰-1—मेघालय सरकार से प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरित होने पर श्री ग्रार० चोंगथू, ग्राई॰ पी॰ एस॰ (ग्रासाम-1962) ने दिनांक 27 जनवरी 76 के पूर्वाह्न से केन्द्रीय श्रौद्योगिक सुरक्षा बल, पूर्वी क्षेत्र के सहायक कमांडेंट पद का कार्यभार सम्भाल लिया। उनका मुख्यालय कलकत्ता में होगा।

दिनांक 23 फरवरी 1976

सं० ई०-32015(2)/4/75-प्रशासन-1—-राष्ट्रपति, पुन-नियुक्ति पर, ले० कर्नेल एम० श्रीवास्तव को दिनाक 27 जनवरी, 76 के पूर्वाह्म से श्रागामी श्रादेश जारी होने तक, केन्द्रीय श्रौद्योगिक सुरक्षा बल का ग्रुप कमाडेट नियुक्त करते हैं। उनका मुख्यालय कलकत्ता में होगा।

> एल० एस० बिष्ट, महानिरीक्षक

वित्त मंत्रालय (ग्रयेकार्य विभाग) भारत प्रतिभूति सृद्रणालय

न।सिकरोड़, दिनांक 10 फरवरी 1976

सं० 1889/(ए०)—-श्री डी० पी० जाबोटकर जिनकी मुद्रांक पूर्ति श्रधिकारी के रूप में तदर्थ नियुक्ति श्रधिसूचना सं० 3596/ए० दि० 18-3-75 के अनुसार हुई थी, श्रव वे दि० 24-1-76 से नियमित कर दिये गये हैं।

श्री वाय० श्रार० वैध जिनकी तदर्थ नियुक्ति श्री डी० पी० जांबोटकर के रिक्त पद पर मुद्रांक पूर्ति श्रधिकारी के रूप में श्रिधि-सूचना सं० 1038/ए० दिनाक 6-10-75 के श्रनुसार हुई थी श्रब वे स्थानापन्न रूप में दि० 24-1-76 से काम करते रहेगे।

वि० ज० जोशी, महाप्रबंधक, भारत प्रतिभृति मुद्रणालय

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग महालेखाकार कार्यालय , उड़ीसा

भुवनेश्वर-751001, दिनाक 3 फरवरी 1976

सं० का० ग्रा० मी० 1389---महालेखाकार, उडीसा, भुवनेश्वर ने श्री बी० एन० मूर्ति, लेखा-ग्रधिकारी को 5-2-76 से 30-4-76 तक 86 दिनों की ग्राजित छुट्टी सेवा निवृत्त पूर्व ग्रवकाण के रूप में स्वीकृत किया है।

श्रवकाण समाप्ति के दिन 30-4-76 ग्रपराह्म से श्री बी० गन० मृति सेवा निवृत्त होंगे।

जी० श्रार० सूद, सहायक महालेखाकार (प्रशासन)

महालेखाकार महाराष्ट्र-1 का कार्यालय बम्बई-400020, दिनांक 10 फरवरी 1976

सं० एडिमिन०, 1/म्राई० ए० डी०/31-बोल्यूम-॥--महा-लेखाकार महाराष्ट्र 1 बम्बई म्रधीनस्थ लेखा सेवा के निम्नलिखित स्पदस्यों को उनके नाम के सम्मुख निर्दिष्ट किये गये दिनाक से भ्रागामी स्रादेण तक स्थानापश्च रूप से लेखा श्रधिकारी नियुक्त करते हैं ---

—— क्रम सं०	 नाम		 दिना <i>क</i>	
1.	श्री व्ही० एस० रगनाथन्		22-11-75	 पूर्वाह्न
2.	श्री बी०पी०गोरे		22-11-75	भ्रपराह्म
3	श्री एस० डी० करंदीकर		24-11-75	पूर्वाह्न
4	श्री पी० ई० टोणगांवकर		21-11-75	ग्रपराह्न
5.	श्री एन० सीयारा मन्		1-1-76	भ्रपराह्न
6	श्री सी० श्रार० नारायणन्		1-1-76	पूर्वाह्न
7.	श्री सी० एस० घ्रार० श्रीप	दम्	31-12-75	भ्रपराह्म

ए० बी० पालेकर, वरिष्ठ उपमहालेखाकार (प्रशासन)

मुख्य लेखा परीक्षक उत्तरी रेलवे

नई दिल्ली-1, दिनांक 17 फरवरी 1976

स० प्रशासन/17-14/72/33098—प्रधीनस्थ रेलवे लेखा परीक्षा सेवा के श्रस्थायी सदस्य श्री खेम राज श्रातम श्रनुसूचित जाति, श्रनुभाग श्राधकारी को श्रागामी श्रादेश तक दिनांक 9 फरवरी, 1976 में स्थानापन्न तौर पर मण्डल सेवा लेखा परीक्षक कार्यालय, उत्तर रेलवे, जीधपुर में लेखा परीक्षा श्रिधकारी के रूप में नियुक्त किया गया है।

सं० प्रशासन/17-14/72 (33098)—अधीनस्य रेलवे लेखा परीक्षा सेवा, के स्थायी सदस्य श्री इन्द्रजीत सिंह, श्रनुभाग श्रिधकारी को श्रागामी आवेश तक दिनांक 9 फरवरी, 1976 पूर्वाह्म से स्थानापन्न तौर पर मण्डल लेखा परीक्षक कार्यालय, उत्तर रेलवे फिरोजपुर में लेखा परीक्षाधिकारी के रूप में नियुक्त किया गया है।

के० एस० रगामूर्ती, मुख्य लेखा परीक्षक

रक्षालेखा विभाग

कार्यालय, रक्षा लेखा महा नियन्त्रक

नई दिल्ली-22, दिनांक 16 फरवरी 1976

स० 40011(2)/75-प्रशा० ए०—(1) वार्धक्य निवर्तन की ग्रायु प्राप्त कर लेने पर निम्नलिखिन लेखा ग्रधिकारियो को प्रत्येक के सामने लिखी तारीख के अपराह्न से पेशंन स्थापना को श्रन्तरित कर दिया जाएगा।

% म	नाम रोस्टर संख्या	ग्रेड	पे शन	स्थापना	को		संगठन		- **
स०	सहि त		म्रांतर	ग की तारीर	ब				
1		3		4				5	
1. श्री श	ीनल चन्द्र चटर्जी	स्थायी लेखा - प्रधिकारी	3	1-3-76	रक्षा	लेखा	नियन्त्रकः,	(फैक्ट्रीज)	कलकत्ता।
	(पी० 21)		· -						

1 2		3		4	5
सर्व श्री					
 वेद प्रकाण गरदाना (पी०/363) 	म्थामी	लेखा	मिध हारी	30-6-76	रक्षा लेखा नियन्त्रक, उत्तरी कमान जम्मू।
3 डी०एन०माडके (पी०/579)	स्थायी	लेखा	स्रधिकारी	31-3-76	रक्षालेखानियन्त्रक (फैक्ट्रीज)कलकता।
4 जी० बी० पारखी (पी०/633)	स्यापी	ले ⁄द्या	त्र धि कारी	30-4-76	रक्षा तेखा नियन्त्रा', (ग्रफसर) पूना।

श्री डी॰ एन॰ माउने स्थायी लेका श्रिधिकारी को सेवा निवृत्ति पूर्व 5-2-76 से 31-3-76 तक 56 दिन की श्रीजित छुट्टी मज्र की गई है।

(2) सिविल सेवा विनियमावली जिल्द I के अनुच्छेद 459 (अ) के प्रावधाना के अन्तर्गत स्वेच्छा से सेवा निवृत्ति का नोटिस दे दिए जाने पर, अनुसधान एव विकास सगठन, सी० वी० ग्रार० डी० ई० ग्रवादी के साथ प्रतिनियुक्ति पर सेवारत और रक्षा लेखा नियन्त्रक (फॅक्ट्रीज) कलकत्ता की प्रोफार्मा नफरी पर विद्यमान श्री पी० वी० अनन्त नारायणन स्थायी लेखा ग्रिधिकारी (रोस्टर स० पी०/160) को 1 श्रप्रैल 1976 पृविद्वित्त से पेंशन स्थापना को ग्रन्तरित कर दिया जाएगा।

एस० के० सुन्दरम रक्षालेखा अपर महानियन्त्रक

	रक्षालेखा ग्रपर महानियन्त्रक
रक्षा मझालय	12 श्रीजी० श्रार० चारी, 12 सितम्बर 1970
भारतीय श्रार्डनेन्स फैक्टरिया सेवा.	स्थानापन्न प्रबन्धक (श्रवकाण प्राप्त)
महानिदेशालय, श्रार्डनेन्स फैक्टरिया कलकत्ता-700016, दिनांक 22 जनवरी 1976	13 श्री ए० एम० वात्ते, 12 सितम्बर 1970 स्था नापन्न उप-प्रबन्धन (म्रवकाश प्राप्त)
म० 7/76/जी०—राष्ट्रपति ने निम्नलिखित श्रिधिक्ारियों को	14 श्री भ्रार०एम० चौधुरी, 12 सितम्बर 1970
डी० ए० डी० जी० ग्रो० एफ०/उप-प्रबन्धक के पद पर, प्रत्येक के	स्थानापन्न उप-प्रबन्धक (भ्रवकाश
सामने दर्णायी गई तारीख से पुष्ट करते हैं :	प्राप्त)
1. श्री एच० दत्ता, 15 जून, 1970	15 श्री एम० जी० जोशी, 12 सितम्बर 1970
स्थानापन्न सीनियर डी० ए० डी०	स्थायी प्रबन्धक (ग्रवकाश
जी० श्री० एफ० (ग्रवकाण प्राप्त)	प्राप्त)
 श्रीवी० हौरीदोष, 15 जून, 1970 स्थानापश्च उप-प्रबन्धक श्रीवी० के० खोसला, 15 जून, 1970 	16. श्री सी०पी० मेहता, 12 सितम्बर 1970 स्थानापन्न उपप्रबन्धक (ग्रवकाश प्राप्त)
स्थानापम्न प्रबन्धक 4. श्री एस० एन० दास,	17. श्रो ए० डब्ल्यू० भारती, 12 सितम्बर 1970 स्थानापन्न उप-प्रबन्धक (श्रवकाण प्राप्त)
. श्री एम० सरूप, 13 जून, 1970 स्थानापन्न प्रबन्धक 6. श्री एम० सरूप, 12 सितम्बर, 1970 स्थानापन्न प्रबन्धक	18. श्री टी० के० श्रीनियासन्, 12 सितम्बर 1970 स्थानापन्न उप-प्रबन्धक (श्रवकाश प्राप्त)
7. श्री सी० म्रार० घोष, 12 सितम्बर, 1970	19 श्रीबी०के०दत्ता, 12 सितम्बर 1970
स्थानापम्न प्रबन्धक	स्थायी प्रबन्धक
8. श्री के० विषवनाथन्, 12 सितम्बर, 1970	20. श्री जी०एफ० मेसकारीनइस, 12 सितम्बर 1970
स्थायी प्रबन्धक	स्थानापन्न प्रबन्धक
9. श्री स्नार०सी० जी ला, 12 मितम्बर, 1970	21 श्री एन०सी० मुखर्जी, 12 सितम्बर 1970
[स्थाना पन्न प्रबन्ध क	स्थानापन्न उप प्रबन्धक (श्रवकाश
10. श्री जी० सान, 12 सितम्बर 1970	प्राप्त)
स्थानापन्न प्रबन्धक	22 श्रीजे० एस० साइन, 12 सितम्बर 1970
11. श्री पी० के ० सो नी, 12 सितम्बर 1970	स्थानापन्न उप-प्रबन्धक (ग्रयवाण)
स्थायी प्रबन्धक	प्राप्त)

2382	THE GAZETTE	OF INDIA,	MARCH 20	0, 1976	(PHALGUNA 30, 1897)	[PART III—SEC. 1
	एन० सेन,		1970	43.	श्री बी० डी० विण्वास,	12 सितम्बर 1970
	न्निसीनियर डी० ए० र्ड	70			स्थानापम प्रबन्धक	•
ऋो० ए				44.	श्री एल० एम० श्रीरामन्,	12 सियम्बर 1970
. =	राय, रथानापन्न सीनियर	र 12 मितम्बर	1970		स्थानापर प्रबन्धक	_
•	० डी० जी० स्रो० एफ०			4.7	श्री के० के० ग्रोवर	19 सितम्बर 1970
	शिप्राप्त)				स्थानापम्न प्रबन्धक (दिबंगत)	
	ोर कुमार घो ष,		1970	46.	श्री एस० ग्रार० चक्रवर्ती.	12 पितम्बर 1970
स्थाना	ग्न उप-प्रबन्ध क (दिवगत)	l			स्था । पन्न प्रबन्धक	
26. श्रीवी	सी० नियोगी,	12 नित∓बर	1970	47.	श्री वी० एस० दक्षिणामूर्ति,	12 सितम्बर 1970
स्थानाप	।न्न सीनियर डी० ए० डी ०	o			स्थानापन्न उप-प्रबन्धक	
जी० ग्रं	ो० एफ०			48.	श्री वी० वी० एस० राव,	12 सितम्बर 1970
27. श्रीएल	० श्राई० एस० हेनरी,	12 सितम्बर	1970		स्थानापन्न प्रबन्धक	
स्थाना	पन्न प्रबन्धक			49.	श्री एफ० ई० जोली,	12 सितम्बर 1970
28. श्री एन	० एन० मंडल,	12 सितम्बर	1970		स्थानापन्न प्रबन्धक (श्रवकाश	
स्थानाप	<mark>ान्न उप-प्रबन्ध</mark> क (श्रवकाष	ग			प्राप्त)	
प्राप्त)				50.	श्री वी० लाल,	12 सितम्बर 1970
,	०एन० धीर,	12 सितम्बर	1970		स्थानापम प्रबन्धक	
•	। प्रज्ञासम्बन्धक (स्रवका			51.	श्री के० ग्रार० पदमानाभन,	12 सितम्बर 1970
प्राप्त)					स्थानापन्न प्रबन्धक	
,	ा० थाँ मस,	12 सिप्तस्य	1970	52.	श्री ग्रार० पदमानाभन,	12 सितम्बर 1970
	। स्न उप-प्रबन्धक (भ्रवकाः				स्थानापन्न उप-प्रबन्धक	
प्राप्त े	•			5.3.	श्री मुन्नु लाल, स्थानापन्न प्रबन्धक	12 सितम्बर 1970
,	, , एन० सरकार,	12 ਜ਼ਿਰਾਕਾ	1070		श्री डी० के० सरकार,	12 सितम्बर 1970
	, सीनियर डी० ए० डी		1970	0.1	स्थानापन्न उप-प्रबन्धक	12 (((() -() 15) ()
स्याया म्रो ०ए	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	O		5.5	श्री के०पी० सिंह,	12 सितम्बर 1970
•		10 fra	1000	00.	स्थानापम्न उप-प्रबन्धकः	12 (4()*4(1970
	• एन ० था कर,	12 सितम्बर	1970	F.C.	्श्री जे० के० जैन,	12 सितम्बर 1970
	पन्न प्रबन्ध क			50.		12 (सतम्बर 1970
	एम० मोहीले, —	12 सितम्ब	(1970		स्थानापभ उप-प्रबन्धक	6
	पस्र प्रबन्धक	_		57.	श्री एस० मुखर्जी,	12 सितम्बर 1970
34. श्रीएस	०पी० कुलकर्णी,	12 सितम्बर	1970		स्थानापन्न प्रबन्धक	
स्थाना	पन्न प्रबन्धक			58	. श्री ए० के० रास्तोगी,	12 सितम्बर 1970
35 श्रीबी	· बी ० चटर्जी,	12 सितम्बर	1970		स्थानापस उप-प्रबन्धक	
स्थाना	पन्न उप-प्रबन्धक			59	श्री डी० के० देसरकार,	12 सितम्बर 1970
36. श्री जी	त सिद्ध.	12 सितम्बर	1970		स्थानापन्न उप-प्रबन्धक	
	पम्न उप-प्रबन्धक	2-100	1070	80	. श्री एस० के० भाटिया,	12 सितम्बर 197(
	के० घोष, स्थानापन्न	10 fuzzz		00	स्थानापन्न उप-प्रबन्धक	12 (44.4) 1970
	_	12 सितम्बर	. 1970	0.1		
	न्धक (दिवंगत)	_		61	. श्री म्रो०पी० गुरुवारा,	12 सितम्बर 1970
38. श्रीश्रा		12 सितम्बर	1970		स्थानापन्न उप-प्रबन्धक	_
स्थाना	पम्न उप-प्रबन्धक			62	. श्री एस० म्रार० राव,	12 सितम्बर 197(
39. श्री एस	ा० के० दलाल,	12 सितम्ब	1970		स्थानापन्न उप-प्रबन्धक	
स्थाना	पन्न उप प्रबन्धक			63	. श्री दीपक चौधरी,	12 सितम्बर 1970
40. श्री एच	। ० पी० एस० श्रहलुवालिय	ा 12 सितम्ब	T 1970		स्थानापन्न उप-प्रबन्धक	
	पन्न एस० भ्रो०ग्रेड-1			64	. श्री एम० एम० मेनन,	12 सितम्बर 1970
41. श्री ए ^स	-	12 सितम्बर	T 1070		स्थानापन्न उप-प्रबन्धक	-= / /// 4 / 4 / 7 / 7 / 7 / 7 / 7 / 7 / 7
41.श्राए र स्थाना		1	79/0	e =	. श्री घ्रार० के० घ्रग्रवाल,	10 f azet 40-
				00	. आ आरण्कण अप्रवास, स्थानापन्न उप-प्रबन्धक	12 सितम्बर 1970
	_	12 सितम्ब	1970	_		•
	पम्न सीनियर डी० जी०			66	. श्री ग्रार० गोविन्दराजन्,	12 सितम्बर 197
	o डी० जी० स्रो० एफ <i>०</i>				स्थानापन्न उप-प्रबन्धक	

67.	श्री डी० एस० प्रसाद,	12 सितम्बर	1970	89.	श्री जे० सिंह,	1ली	ाः भ्रापैल	1971
	स्थानापप्त डी० ए० डी० जी०				स्थान (गप्त उग-प्रबन्धक			
	ग्री० एफ०	_		90.	श्री एन० वेंकटरामन,	1ली	ग्रप्रल	1971
68.	श्री जे० पी० दासगुप्ता,	12 मितम्बर	1970		स्थानापम उप-प्रबन्धक	_		
	स्थानापन्न डी० ए० डी० जी०			91.	श्री के० सुन्दरामृति,	1ली	ग्रप्रैल	1971
	ग्रो० एफ ०	_			स्थानापन्न उप-प्रबन्धक	_		
69.	श्री भ्रार० एन० बोस,	12 सितम्बर	1970	92.	श्री एस० लक्ष्मीनारायण,	1र्लाः	ग्रप्रस	1971
	स्थानापम उप-प्रबन्धक	_			स्थानापन्न उप-प्रबन्धक	_		
70	श्री वी० सी० पास,	12 सितम्बर	1970	93.	श्री श्रीकृष्ण दास,	1ली	श्रप्रस	1971
	स्थानापन्न उप-प्रबन्धक	_			स्थानापन्न उप-प्रबन्धक		_	
71.		12 मितम्बर	1970	94.	श्री म्रार० शिव प्रसाद,	1ली	भ्रप्रेल	1971
	स्थानापन्न उप प्रबन्धक				स्थानापन्न उप-प्रबन्धक			
72.	श्री ग्रार०सी० गुप्ता,	13 सितम्बर	1970		श्री एस० के० घोष, उप-प्रबन्धकः		ग्रप्र ल	1971
	स्थानापश्च उप प्रबन्धक			96.	श्री डी० म्राई० श्रीवास्तव,	1ली	ग्रप्र ैल	1971
73.	श्री एम० एन० भट्टाचार्जी,	13 सितम्बर	1970		स्थानापन्न उप प्रबन्धक			
	स्थानापन्न उप-प्रबन्धकः (ग्रवकाः	श		97.	श्री पी० सत्यनारायण,	1ली	श्रप्र स	1971
	प्राप्त)				स्थानापन्न उप-प्रबन्धक			
74.	श्री टी० पी० सुन्दरम्,	13 सितम्बर	1970	98.	श्री टी० के० बनर्जी,	1लीं	ग्रप्रैल	1971
	स्थानापन्न उप-प्रबन्धक (ग्रवकाश				स्थानापस उप प्रबन्धक			
	प्राप्त)			99.	श्री के० पी० एस० मेनन,	10 €	तम्बर	1971
75.	श्री ग्रार० पी० जीहरी,	13 सितम्बर	1970		स्थानापन्न उप-प्रबन्धक (ग्रवकाण			
	स्थानापश्च उप-प्रबन्धक				प्राप्त)			
7£.	श्री सी० एस० रानपीसी,	13 सितम्बर	1970	100.	श्री जी० ग्रार० सुन्दरम्,	10 ₹	ततम्ब <i>र</i>	1971
	स्थान।पन्न उप-प्रबन्धक				स्थानापन्न डी० ए० डी० जी०			
77.	श्री जे०सी० दुरेजा,	13 सितम्बर	1970		भ्रो०एफ०			
	स्थानापन्न उप-प्रबन्धक			101.	श्रीके०गुप्ता, स्थानापन्न डी०	26 िि	तम्बर	1971
78.	श्री सी० वेनूगोपाल,	13 सितम्बर	1970		ए० डी० जी० ग्रो० एफ०			
_	स्थानापन्न उप-प्रबन्धक				(ग्रवकाश प्राप्त)			
79.	श्री एन० एल० एस० मृति,	13 सितम्बर	1970	102.	श्रीएम०मित्रा,	26 रि	प् तम्ब र	1971
	स्थानापन्न उप-प्रबन्धक	, , , , ,			स्थानापन्न उप-प्रबन्धक			
80.	श्री एम० बी० जी० जी० बटचा,	13 सितम्बर	1970	103.	श्री ए० रामामूर्ति,	26 f	पतम्ब र	1971
00.	स्थानापन्न उप-प्रबन्धक	10 (00:-0	1070		स्थानापन्न उप-प्रबन्धक			
81.		13 सितम्बर	1970	104.	श्री एस० कृष्णामूर्ति,	26 सि	तम्बर	1971
O ,,	स्थानापन्न उप-प्रबन्धक (भ्रवकाण		1070		स्थानापक उप-प्रबन्धक			
	प्राप्त)	!		105.	श्री वी० कृष्णामूर्ति,	26 सि	सतम् ब र	1971
82	श्री डी० के० दास गुप्ता,	20 सितम्ब	₹ 1970		स्थानापश्च .उप-प्र बन्ध क			
02.	स्थानापम उप-प्रबन्धक	20 (44)	< 1370	106.	श्री एस० के० वाधवन,	26 िं	सतम्बर	1971
		0.1 F rance			स्थानापम्न उप-प्रबन्धक			
83.	श्री एस्० बनर्जी,	21 सितम्बर	. 1970	107.	श्री एल० एन० गर्मा,	26 f	संसम्बर	1971
	स्थानापम्र उप-प्रबन्धकः				स्थानापम्न उप-प्रबन्धक (ग्रवकार	Г		
84.	श्री जी० भरकार,स्थानापन्न उप-	1ल। श्र मतू ब	1970		प्राप्त)			
	प्रबन्धक (श्रवकाश प्राप्त)			108	श्री ए० डब्स्यू लाल वा नेय,	26 f	सतम्बर	197
85.	श्री वी० एम० गुप्ता,	24 नवम्बर	1970		स्थानापन्न उप-प्रबन्धक			
	स्थानापन्न उप-प्रबन्धक			109.	श्री ए० के० मिश्रा,	26 सि	तम्बर	1971
86.	र्धाः सी० पी० प्रग्रवाल,	4 जनवरी	1971		स्थानापम्न उप-प्रबन्धक			
	स्थानापन्न उप-प्रबन्धक			110.	श्री एन० एस० शर्मा,	26 f	सतम्बर	197
87.	श्री एम० सिंह,	16 जनवरी	1971		स्थानापन्न उप-प्रबन्धक		·	- • ·
•	स्थानापन्न उप-प्रबन्धकः			111.	श्रीकें ० एन० चटर्जी,	26 f	सतम्बर	197
ΩQ	श्री श्रार० मोहनारामन,	ाली ग्राप्रैल	1971		स्थानापन्न डी० ए० डी० जी०		. , ,	
00.	स्थानापन्न उप-प्रकारक	िस आसल	, 13/1		ग्रो० एफ० (भ्रवकाण प्राप्त)			
	रचातायस उपन्यकत्वक्				. ,			

2384	THE GAZETTE (OF INDIA,	MARCH 20,	1976	(PHALGUNA 30, 1897)	[PA	RT III—	SEC. 1
	ं ० एम० देशपाण्डे , ।पन्न उप-प्रबन्धयः	26 सितम्बर	1971	131-	श्री के० के० सोधी, स्थानापन्न उप-प्रबन्धक	`7	—— —— —— निवासक्र	1972
113. श्री ए	स० एनै० तिवारी, तपन्न उप-प्रबन्धक	26 सितम्बर	1971	132.	श्री एम० सिगराम, स्थानापम्न उप-प्रबन्धकः	17	दिस म्बर	1972
114. श्री ए		1 श्रक्तूबर	1971	133.	श्री जी० खेरा, स्थानापम्न उप-प्रबन्धक	30	दिसम्बर	1972
प्राप्त	•	14 नवम्बर	1971	134.	श्री टी० रामाकृष्णा, स्थानापम्न उप-प्रबन्धक	1	जनवरी	1973
स्थान	ापन्न उप-प्रबन्धक			135	श्री के० एम० एल० भटनागर, स्थानापन्न उप-प्रबन्धक (दिवंगत)		जन व री	1973
स्थान	ी० एन० बनर्जी, पपन्न उप-प्रबन्धक — ० = ६) दिसम्बर		136.	श्री जी० ग्रग्नवाल, स्थानापम्न अप-प्रबन्धक	1	श्रप्रंत	1973
	ापम्न उप-प्रबन्धक	15 दिसम्बर		137.	श्री एस० एन० गुप्ता, स्थानापम्न उप-प्रबन्धक	14	म्रप्रै ल	1973
स्थान	ो० के० शर्मा, पपन्न उप-प्रबन्धक	4 जनवरीं		138.	श्री बी० कृष्णन, स्थानापन्न उप-प्रबन्धक	20	श्रप्रैल	1973
119 श्रीव स्थान ग्री०	ापन डो० ए० डी० जी०	11 जनवरी	1972		श्री ए० के० बनर्जी, स्थानापक्ष उप-प्रबन्धक		ज् ला ई	
120 श्रीम्र स्थान	।(र० रामानाथने, ।।पन्न उप-प्रबन्धक (श्रवकाश	20 जनवरी	1972	140.	श्रीक्रार०संकरारामन, स्थानापक्ष डी० ए० डी० जी० स्रो० एफ०	3 f	सितम्बर	1973
•	,		1972		श्री के० राव चौधुरी, स्मानापम्न उप-प्रबन्धक		प्र स्तूब र	
प्राप्त	•		1972		श्री एस० के० पी० विश्वनाथन, स्थानापस्न उप-प्रबन्धक श्री पी० रमैया,		श्रमतूबर शहसम्ब	
	ापन्न उप-प्रबन्धक (श्र व काश				श्रापाण रमया, स्थानापम्न उप-प्रबन्धक श्रीडी० ए० श्रीनियासन,		प्रव त्बर	
123. श्री डी	र् ो० संथानम, गापन्न उप-प्रबन्धक	1 ग्रप्रैस	1972		श्री बार्ष प्रश्नामित्रात् स्थानापन्न उप-प्रबन्धक श्री बार्ष पी० श्ररोरा,		श्र•तूबर श्र•तूबर	
124. श्रीके	ि डी० बोस, स्थानापन्न ।बन्धक (श्रवकाण प्राप्त)	8 श्रप्रैल	1972		न्यानापन्न उप-प्रबन्धक श्री ए० सी ० पिलाई,		श्रम्तूबर	
12.5. श्रीजे	o जी o बेलान,	30 श्रप्रैल	1972	1.20	स्थानापन्न उप-प्रबन्धक	10		1070
स्थान प्राप्त	ापन्न उप-प्रबन्धक (ग्रवकाश)	*		147.	श्री के० सी० सिक्का, स्थानापम्न उप-प्रबन्धक	15	ग्र क्तूब र	1973
	म० के० मेनन, तपन्न उप-प्रबन्धक	1 मई,	1972	148-	श्री एस० कृष्णामूर्ति, स्थानापम्न डी० ए० डी० जी०	15	श्रक् तूबर	1973
	६० कुनहीरामन, गपन्न उप-प्रबन्धक (ग्रवकाश	17 जुलाई	1972		ग्रो० एफ० दिनाँक 13 फरवरी 1	976	·	
स्थान प्राप्त	, प्रार० डी० सपरी, गपन्न प्रबन्धक (क्रयकाश)	29 श्रगस्त		स्थायी श्रकस	तं भाग 13 एपरा 1 तं 12/76/जी०डी० जी० श्रो ग्रिप्रधीक्षकों को दिनांक 1ली मार्च, र (श्रेणीIIराजपत्नित) की श्रेष् हर्ष नियुक्त करते हैं:	ि ए 1968	3 से सहाय	क स्टाफ
	ो० श्रार० मूर्ति, गपन्न उप-प्रबन्धक	9 श्र क् तूबर	1972		 श्री समरेन्द्र नाथ मित्रा (ग्रब ग्रव श्री विश्वनाथ चटर्जी (श्रब ग्रव 		•	
	स० एस० सेशन, पन्न उप-प्रबन्धक (श्रवकाश)	9 श्र व तूबर	1972		3. श्री शम्भुनाथ सिन्हा (श्रव श्रव 4. श्री कृष्ण चन्द्र भट्टाचार्य, 5. श्री धर्म चन्द वर्मा (भव धिवंगह	'काश	•	

- श्री धीरेन्द्र प्रगाद श्रीवास्तवा
- 7. श्री ग्रले हमन (ग्रब ग्रव गाश प्राप्त)
- 8. श्री के० ए० बी० लिंगम् (ग्रव श्रवकाश प्राप्त)
- 9. श्री मनोरंजन भट्टाचार्य (अब अवकाश प्रत्त)
- 10. श्री गोबिन्द चन्द्र भट्टाचार्य
- 11. श्री मनमोहन लाल नन्दा
- 12. श्री अमुल्य कुमार घोष चौधुरी (प्रव श्रवकाश प्राप्त)
- 13. थी रवीन्द्र नाथ बोस
- 14. श्री प्रकाश चन्द्र दत्ता (ग्रब श्रवकाश प्राप्त)
- सं० 13/76/जी०—-डी० जी० ग्रो० एफ०, निम्निखित स्थानापम ग्रधीक्षकों को तहायक स्टाफ ग्रफनर (श्रेणी II राज-पित्र) की श्रेणी में स्थानापम हैसियत से उनके नामों के सामने दर्णायी गई तारीखों से श्रागामी ग्रादेण न होने तक, सहर्ष नियुक्त करते हैं ——
- श्री हर पद चौधुरी (खब ख्रवकाण प्राप्त), 1ली मार्च,
 1968।
 - 2. श्री हरिभूषण घोष, 1 ली मार्च, 1968
 - 3. श्री प्रफुल्ल नाथ मान्याल, 1 ली, मार्च, 1968।
- 4. श्री तीर्थ प्रमाद बाग्ची (प्रव अवकाण प्राप्त), 1ली मार्च, 1968।
 - 5. श्री कनाई लाल मुखर्जी, 1 ली मार्च, 1968
 - 6. श्रीहरिपद चटर्जी, 1लीमार्च, 1968।
- 7. श्री मनीन्द्र नाथ मोहता (अव श्रवकाश प्राप्त) 1ली, मार्च, 1968।
- 8. श्री णिलानन्द ब्रह्मचारी (श्रव श्रवकाण पाप्त), 1ली मार्च, 1968।
- 9. श्री पुलिन बिहारी घोष (য়व য়वक।য় प्राप्त), 1ली मार्च, 1968।
 - 10. श्री सत्य व्रत नाग, 1ली मार्च, 1968।
 - 11. श्री गोपाल चन्द्र दासगुप्ता (ग्रब-भ्रवकाश प्राप्त),
 - 1 लीमार्च, 1968।
 - 12. श्री तिमिर रंजनदत्ता, 1ली मार्च, 1968।
 - 13. श्री श्रमिय रजन बोस, 1ली मार्च, 1968।
 - 14. श्री निर्मल चन्द्र सेन गुप्ता, 1ली मार्च, 1968।
 - 15. श्री भूपति भूषण विश्वास, 1ली मार्च, 1968।
 - 16. श्री णान्ति कुमार बनर्जी, 1ली मार्च, 1968।
- ा 17. श्री राजेण्वर मित्रा (श्रव श्रवकाण प्राप्त), 1ली **मार्च**, 1968 ।
 - 18. श्री क्षिरोद लाल सेन गुप्ता, 1ली मार्च, 1968।
 - 19. श्री ग्रमरेन्द्र न।थ चौधुरी, 1ली म।र्च, 1968।
- 20. श्री प्रवाण कुमार मुखर्जी (यव भ्रवकाश प्राप्त), 1ली मार्च, 1968।
 - 21. श्री कृष्ण लाल देवनाथ, 1ली मार्च, 1968।
- 22. श्री सुरेश चन्द्र बनर्जी (श्रव श्रवकाश प्राप्त), 1ली मार्च, 1968।
 - 23. श्री कालीपद मुखर्जी, 1 ली मार्च, 1968।
- 24. श्री एस० शिवशंकरन (श्रव श्रवकाश प्राप्त), 1 ली मार्च, 1968।
- 2-506- GI/75

- 25. श्री नारायण दाम चौधुरी, 1 ली मार्च, 1968।
- 2.6. श्री सुबोध चन्द्र चौधुरी (श्रव श्रवकाण प्राप्त), 1ली मार्च, 1968।
- 27. श्री गुरू प्रसाद मजुमदार (अब अवकाण प्राप्त), 1ली मार्च, 1968।
- 28. श्री सुनील कुमार दत्ता (पत्र श्रव চাম ঘোণা), 1 ली मार्च, 1968।
- 29. श्री भवानी प्रसाद दत्ता (ग्रव गवकाण प्राप्त), 1नी मार्च, 1968।
 - 30. श्री नलिनी मोहन चटर्जी, 1ली मार्च, 1968।
- 31. श्री सुबोध कुमारमित्तर (श्रव श्रवकाश प्राप्त), 1ली मार्च, 1968।
- 32. श्री सुधीर चन्द्र बोस (ग्रव श्रवकाण प्राप्त), 1ली मार्च, 1968।
- 33. श्री पतित पावन जाना (श्रव ग्रवकाण प्राप्त), 1 ली मार्च, 1968।
 - 34. श्री बिपुलेन्द्र नाथ मिल्ला, 1र्ली मार्च, 1968।
 - 35. श्री ब्योमकेश मानिक, 1ली मार्च, 1968।
- 36. श्रीमती श्रवेषी मज्मदार (श्रव श्रवकाश प्राप्त), 1ली मार्च, 1968।
- 37. श्री जीवन कृष्ण वनर्जी (ग्रन श्रवकाण प्राप्त) 14वीं श्रमस्त, 1968।
- 38. श्री विभूति लाल बनर्जी (ग्रन सन्वकःण प्राप्त), 14वी श्रमस्त, 1968।
- 39. श्री नरेन्द्र मोहन गांगुली (ग्रव घ्रवकाण प्राप्त), 14वीं भगस्त, 1968।
 - 40. श्री रघुनाथ दासगुष्ता, 14वी ध्रगस्त, 1968।
- 41. श्री शीतल चन्द्र मजुमदार (श्रव थवागण प्राप्त), 14वी श्रगस्त, 1968।
- 42. श्री श्रमिलेण्यर मुकर्जी (श्रव श्रवकाण प्राप्त) 11वीं नवस्बर, 1968।
 - 43. श्री महिम रंजन घोषाल, 10वी दिसम्बर, 1968।
- 44. श्री बी० बेंकिटेण्वरन (श्रय अवक्त)ण प्राप्त), 10वी दिसम्बर, 1968।
 - 45. श्रीवी० कैलाशम, 6वी अस्तुबर, 1969।
 - 46. श्री पार्वती कुमारगोस्वामी, 6वी श्रक्तूबर, 1969।
 - 47. श्री श्रन्नदा मोहन घोष, 6वीं श्रक्तूबर, 1969।
- 48. श्री हेमतीष कुमार नाथ (ग्रव ধ্वकाण प्राप्त), 6वी ग्रक्तूबर, 1969।
 - 49. श्री ग्रनिमेश दासगुप्ता, 2री दिसम्बर, 1969।
 - 50. श्री निर्मल चन्द्र दाम, 15वी दिसम्बर, 1969।
- 51. श्री राधा रमन चटर्जी (য়ঐ য়ঀয়াण प्राप्त), 25वी जून, 1970।
 - 52. श्री प्रशान्त कुम।रमल्लिक, 18वी प्रगस्त, 1970।
- 53. श्री साधन बिहारी सरकार (श्रब अवकाश प्राप्त), 25वीं मितम्बर, 1970।
- 54. श्री मोहिनी मोहन कर (अब अवकाण प्राप्त), 30वी सितम्बर, 1970 ।

- 55. श्री रजीत कुमारदास, 14वी दिसम्बर, 1970।
- 56 श्री प्रभाव चन्द्रनाथ, 1ली अप्रैल, 1971।
- 57 श्री गणेण लाल गागुली (श्रब श्रवकाण प्राप्त), 1ली श्रप्रेल, 1971।
 - 58 श्री यिम्तिभ्षण चौधुरी, 13वी दिसम्बर, 1973।
 - 59. श्री हालिका प्रसाद सुकुल, 13वी दिसम्बर 1973।
 - 60 श्री सन्तीय कुमार सेंग, 13वी दिसम्बर, 1973।
 - 61. श्री मानिकलाल गागूली, 13वी दिसम्बर, 1973।
 - 62 धी राम नारायण प्रसाद देव, 13वी दिसम्बर, 1973।
 - 63 थी निर्णान्य भूषण चक्रवर्ती 13वी दिसम्बर, 1973।
 - 64 शी सांबतः प्रकाण गोस्वामी, 13वी दिसम्बर, 1973।
- 65 शी परिमल चन्द्र बोम (अब अवकाण प्राप्त), 13वी दिसम्बर, 1973।
 - 66. श्री शिवचन्द्र सरकार, 14वी दिसम्बर, 1973।
 - 6 र पो (बन्स भूषण चौधुरी, 11वी जनवरी, 1974।
 - GU प्रेन्तिक्षित कुमः मिना, 14वी दिसम्बर, 1973।
 - 69 ं ी प्रमोद चन्द्र राय, 14वी दिसम्बर, 1973।
 - 70. श्री बारोन्द्र नाथ घोष, 14वी दिसम्बर, 1973।
 - 71. १री धीरेन्द्र नाथ साहा, 14वी दिसम्बर, 1973।
 - 72 शी रमनी रंजन नाग, 14वी दिसम्बर, 1973।
- 73 भा भारिकृमार बोस (भाव दिवंगता), 14वी दिसम्बर, 1973।
- 74 थो अजित कुमार देव (श्रव अवकाण प्राप्त), 14वी दिसस्तर, 1973।
 - 75 श्री कियान मीह्न, 1ली जनवरी, 1974।
- 76. श्री जोगेश नन्द्र राय (श्रब श्रवकाश प्राप्त), 11वी जनवरी, 1974।
 - 77 शी जोगेश चन्द्र सेन, 11वी जनवरी, 1974।
- 78 भोर सनोरञन प्य (प्रत्र श्रवकाश प्राप्त) 11वी जनवरी, 1974 ।
 - 79 भीमतो जन् राजागोपालन, 11वी जनवरी, 1974।
 - 80. थो सुमोन नन्द्र राय, 28वी फरवरी, 1974।
 - 81 मीएक बीर मेन समी, 20वी अगस्त, 1974।
 - 82 ५३८वर वनवराः मजुमदार, 20वी श्रगस्त, 1974।
 - 83. या तुलकी चरण दास, 20वी श्रगस्त, 1974।
 - 84. थो सुगील कुमारदाम, 9वी सितम्बर, 1974।
 - 85 श्री सुनोत्र कुमार सेनगुष्ता, 20वी सितम्बर, 1974।
 - 86 थी कितियास गुहा, 10वी श्रक्तूबर, 1974।
 - 87 अः नारायण गगोपाध्याय, 2री दिसम्बर, 1974।
 - 88 'गेमर्ज' ज्योत्पनाभेन, 2री दिसम्बर, 1974।
 - 89 भी व ामपाइन, 2री जनवरी, 1975।
 - 90 थी स्थोर चन्द्रदास, 2री जनवरी 1975।
 - 91. र्श्वारयोन्द्र माथ हाजरा, 2री जनवरी 1975।
 - 92 भी प्रिय गोराल गोस्त्रामी 29वी मई 1975।
 - 93. थी प्रशिद हम। रवस् 29वी मई 1975।
 - 94. भी भिशाण कुमार चक्रवर्ती भी सितम्बर, 1975।
 - 95 दो विकार तनगुष्ता, उसी अन्तूबर, 1975।
 - 9 ,, श्रो लंकती वारायण सामन्त, 4थी नवम्बर, 1975।
 - 97 का स्थेतिकुमार दत्ता, 4थी नवस्वर, 1975।
 - 98. श्री दिली। मेरा, 4थी नवम्बर, 1975।

सं० 15/76/जी०---डी० जी० ग्रो० एफ०, निम्नलिखित स्थानापन्न सह।यकोको सहायकस्टाप श्रफसर (श्रेणी II राजपत्नित) की श्रेणी में स्थानापन्न हैं सियत से प्रत्यक के सामने दर्णायी गई ग्रवधि के लिए तदर्थ ग्राधार पर सहर्ष नियुक्त करते हैं:---

- 1. श्री सुरेन्द्र नाथ बिख्वास 13वी जून, 1975 से 26वी जनवरी 1976 तक।
- 2. श्री ग्रमल कुमार साहा ाली ग्रगस्त, 1975 से 26वी जनवरी 1976 तक।

महानिदेशक, भ्रार्डनैन्स फैक्टरिया भृष्यालय स्टेनोग्राफर सेवा

स० 14/76/जी०— डी० जी० ग्रो० एफ० ने श्री वैद्यनाथ नटराजन्, डी० जी० ग्रो० एफ० के स्थानापन्न पी० एस० को स्टेनो-ग्राफर सेलेक्णन ग्रेड/डी० जी० ग्रो० एफ० के पी० एम० (श्रेणी-II राजपित्रत) की श्रेणी में स्थानापन्न हैंसियत से 9वी मार्च, 1970 से ग्रागामी ग्रादेश न होने तक, सहर्ष नियुक्त किया। (इस महा निदेशालय की ग्राधिसूचना स० 10/73/जी०, दिनाक 31वी मार्च, 1973 एतद्दारा निरस्त की जाती है)।

एम० पी० च्रार० पित्राय, सहायक महानिदेशक, श्रार्डनैन्स फैन्टरियां

श्रम मंत्रालय

म्रभ्रक खान श्रम कल्याण निधि, बिहार

करमा, दिनाक 30 ग्रक्तूबर 1975

स० अश्रवः 4(37)/75—श्री एस० पी० गर्गा, सर्वेक्षक, कोयला खान श्रम कल्याण संस्था, की नियुक्ति महायक ग्रभियन्ता, ग्रश्नक खान श्रम कल्याण संस्था के पद पर तिथि 20-9-75 (पूर्वाह्म) से तदर्थ श्राधार पर श्रमले ग्रादेश तक की गई।

म्रार० पी० सिन्हा कल्याण म्रायुक्तः म्रश्नक खान श्रम कल्याण कोष, बिहार, करमा

कोयला खान श्रमिक कल्याण सस्था जगजीवन नगर, दिनाक 10 फरवरी 1976

सं अशासन-12(4)/72—य० एन० एफ० पी० ए० परियोजन के लिए केन्द्रीय कार्यालय, धनवाद में कोयना खान कल्याण श्रायुक्त, धनवाद के सहायक सचिव शी के० के० मुखर्जी को तारीख 19-1-76 (पूर्वाह्म) से कल्याण प्रशासक के पद पर नदर्ध श्राधार पर नियुक्त किया गया है।

> ग्रार० पा० सिन्हा, कोथला खान कल्याण श्रायक्त धनबाद

वाणिज्य मंत्रालय

मुख्य नियंत्रक, स्रायात-निर्यात का कार्यालय स्रायात तथा निर्यात व्यापार नियंत्रण (स्थापना)

नई दिल्ली, दिनाक 19 फरवरी 1976

दिनांक 24 फरवरी 1976

सं० प्रणा० (राज०) 1---राष्ट्रपित, मूल नियमावली के नियम 56 के अनुच्छेद (जे०) के अन्तर्गत केन्द्रीय सिजनालय सेना के अनुभाग अधिकारी वर्ग के स्थायी अधिकारी एवं इस कार्यालय में नियंत्रक, आयात निर्यात (केन्द्रीय सिजनालय सेना), श्री एम० एम० सांधी को 20-12-1975 (पूर्वाह्म) से सरकारी सेना से निवृत्त होने की स्वाइति देते हैं।

पी० के० कौल, मुख्य नियंत्रक, श्रायात-निर्यात

संगुक्त मुख्य नियंत्रक, ग्रायात-निर्यात का कायलिय मद्रास-600001, दिनांक 4 फरवरीं 1976

विषय:—-ग्रायात लाइसेंस संख्या पी० एल० 2734305|सी०|
एक्स एक्स| 56|एम०| 39-40|पी० 11, दिनांक 8-7-75
केन्द्रीय रेणम बोर्ड, बम्बई को सर्वश्री राधा सिल्क इम्पोरियम नं० 1, सन्नाधि स्ट्रीट माइलपुर, मद्रास 4 के नाम मे
प्राधिकारी पत्र के साथ जारी की गई सीमाशुल्क प्रति को
रह करना।

उनत उल्लिखित लाइसेंस केन्द्रीय रेशम बोर्ड, बम्बई को सर्वेश्री राधा सिल्क इम्पोरियम नं० 1, सन्नाधी स्ट्रीट, माइलपुर, मद्रास-4 के नाम में प्राधिकार पत्न के साथ कच्चे रेशम का प्रायात करने के लिए प्रदान किया गया था।

- 2. फर्म ने उपर्युक्त लाइसेस की सीमाशुल्क प्रयोजन प्रति की अनुलिपि प्रति के लिए इस आधार पर प्रावेदन किया है कि मूल लाइसेस खो गया है। यह बताया गया है कि लाइसेस के अप्रयुक्त मूल्य 1,07,787 रुपण् के लिए उपयोग में नहीं लाया गया था। अपने दावे के समर्थन में सर्वश्री राधा सिल्क इम्पोरियम (प्रा०) सि० माइलपुर, मद्रास-4 ने एक शपथ पत्न दाखिल किया है।
- 3. मैं संतुष्ट हूं कि उनत लाइसेस की मूल सीमाणुल्क प्रति खो गई है श्रीर निदेश देता हूं कि आंवेदक को उन्त लाइसेंस की सीमाणुल्क प्रति की अनुलिपि प्रदान की जानी चाहिए। उन्त उल्लिखित लाइसेस की गूल सीमाणुल्क प्रयोजन प्रति रह की जाती है।

(मिसिल संख्या : एन० एस० एफ०/6/जे० एस०-74/ ई० पी० सी०-3 से जारी)

> है ० दा० रशीद, उप-मुख्य नियंत्रक, श्रायात निर्यात कृते संयुक्त मुख्य नियंत्रक, श्रयात-निर्यात

वस्त्र म्रायुक्त का कार्यालय

बम्बई-400020, दिनांक 17 फ परी 1976

सं० ई० एस० ठी० 1-2(615)~--योनात राष्ट्रपति, वुनकर सेवा केन्द्र, वम्बई के सहायक निदेशक, दितीय थेणी (पी० और डी०) श्री शामन्ना रबीन्द्रन को 12 दिसम्बर, 1975 के पूर्वाह्र से, श्रन्य ग्रादेश होने तक, उसी केन्द्र में सहायक निदेशक प्रथम श्रेणी (पी० भीर डी०) के पद पर, सहर्थ नियुक्त करते हैं।

राजेन्द्र पाज स्पूर, वस्त्र <mark>श्रायुक्त</mark>

बम्बई-400020, दिनांक 18 फरवरी 1976

स० ६० एस० टी० 1-2(657)—नस्त्र प्रापुता, श्रपने बम्बई स्थित प्रादेशिक कार्यालय के प्रवर्तन निरोक्षक (टेक्नीकल) श्री जगवीश प्रसाद त्यागी को 20 जनवरो, 1976 के पूर्वीह्न से, श्रन्य श्रादेश होने तक, उसी कार्यालय में सहाथक निरोक्षक द्वितीय श्रेणी (नान टेक्नीकल) के पद पर महर्ष नियुक्त करते हैं।

का॰ पा॰ मोलकंडन, उप निदेशक

कम्पनी कार्य विभाग

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

(प्रशासन शाखा-1)

नई दिल्ली, दिनाक 17 फरवरी 1976

मं० प्र०-1/1(825)—स्थायी अधीक्षक तथा पूर्त निदेशक (वस्त्र) बम्बई के कार्यालय में स्थानापक्ष सहायक निदेशक (ग्रेड-II) श्री एम० डी० नायर दिनांक 31 जनवरी, 1976 के अपराह्म से निवर्तन श्रायु (58 वर्ष) होने पर सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

दिनांक 20 फरवरी 1976

सं० प्र० 1/1(1013)—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान एतद्बारा पूर्ति तथा निपटान निदेशक, बम्बई के कार्यालय में गोदी निरीक्षक श्री एन० एल० परमेश्वरम को दिनाक 2 फरवरी, 1976 के पूर्वाह्म से तथा श्रागामी श्रादेशों के जारी होने तक उसे कार्यालय बम्बई में सहायक निदेशक (ग्रेड-II) के पद पर तदर्थ श्राधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

श्री परमेण्वरम की सहायक निदेशक (ग्रेड-11) के पद पर नियुक्ति पूर्णतः ग्रस्थायी तथा उच्च न्यायालय दिल्ली में श्री एम॰ कुप्पुस्वामी द्वारा दायर दीवानी याचिका सं० 739/71 के निर्णय के ग्रधीन होगी।

कें० एत्तर कोहली, उप मिदेशक (प्रशासन), कृते महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

प्रशासन शाखा-6

नई दिल्ली, दिनांक 18 फरवरी 1976

सं० प्र०-6/247(398)/62-11—पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय के श्रधीन उत्तरी निरीक्षण मंडल, नई दिल्ली में भारतीय निरीक्षण सेवा, श्रेणी-1 के ग्रेड-JI की इंजीनियरी शाखा में उप निदेशक निरीक्षण श्री जी० श्रार० भाटिया दिनांक 31 जनवरी, 1976 के श्राराह्म से निवर्तन श्रायु होने पर सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

दिनांक 20 फरवरी 1976

सं० प्र०-6/247(291)/73—-पूर्ति तथा निपटान महा-निदेणालय के प्रधीन कलकत्ता निरीक्षण मंडल में स्थायी भंडार परीक्षक तथा स्थान।पन्न सहायक निरीक्षण प्रधिकारी (इंजी०) श्री एस० के० तरफदार दिनाक 31-12-75 (ग्रपराह्म) से एफ० ग्रार०-56(जे०) के श्रधीन सरकारी सेवा से निवृत्त कर दिए गए।

दिनांक 21 फरवरी 1976

सं० प्र०-6/247(149)/56---पूर्ति तथा निपटान महा-निदेणालय के ग्रधीन कलकत्ता निरीक्षण मंडल में स्थायी भंडार परीक्षक तथा स्थानापन्न सहायक निरीक्षण ग्रधिकारी (इंजीनियरी) श्री एच० के० घोष दिनांक 31-1-76 (ग्रपराह्न) से एफ० ग्रार०-56(जे०) के ग्रधीन सरकारी सेवा से निवृत्त कर दिए गए।

सं० प्र०-6/247 (125)/58-111—पूर्ति तया निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली के ग्रधीन निरीक्षण निदेशक कलकता के कार्यालय में भारतीय निरीक्षण सेवा, श्रेणी-1 के ग्रेड-111 की इंजीनियरी शाखा के निरीक्षण श्रधिकारी श्री देवन्नत चौधुरी दिनांक 31 जनवरी, 1976 के श्रपराह्न से वर्तन श्रायु (58) वर्ष होने पर सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

सं० प्र०-6/247 (509)/65—पूर्ति तथा निपटान महा-निदेशालय, नई दिल्ली के श्रधीन निरीक्षण निदेशक कलकत्ता के कार्यालय में भारतीय निरीक्षण सेवा, श्रेणी-1 के ग्रेड-111 की इंजी-नियरी गाला में निरीक्षण ग्रधिकारी श्री बी० बी० मिला दिनांक 31 जनवरी, 1976 के ग्रपराह्म में निवर्तन ग्रायु होने पर सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

> सूर्य प्रकाश, उप निदेशक (प्रशासन), इते महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

कार्यालय मुख्य वेतन तथा लेखा अधिकारी नई दिल्ली, दिनांक 11 फरवरी 1976

स० ए०-32014/75-76/प्रणासन (समन्वय)/5627-29— मुख्य वेतन तथा लेखा अधिकारी, पूर्ति, पुनर्वास तथा खाद्य और कृषि मंत्रालय, नई दिल्ली ने अपने संगठन के श्री श्रो० पी० शर्मा, श्रनुभाग अधिकारी (वेतन तथा लेखा) को 30-1-76 श्रपराह्म से मुख्य वेतन तथा लेखा अधिकारी, पूर्ति विभाग, नई दिल्ली के कार्यालय में आगामी श्रादेश तक वेतन तथा लेखा अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया है।

इनकी पदोन्निति से नामिका (पेनल) मे इनसे वरिष्ठ व्यक्तियों के दावों और श्रधिकारों पर कोई प्रतिकृल प्रभाव नही पड़ता है। इनकी पदोन्नति मुख्य बेतन तथा लेखा श्रधिकारी के संगठन (बेतन तथा लेखा श्रधिकारी) भर्ती नियम 1974 की शर्ती के ग्रध्यहीन है।

> जे० बी० दत्ता, वेतन तथा लेखा श्रधिकारी

भारतीय सर्वेक्षण विभाग महासर्वेक्षक का कार्यालय इ. दिनांक 20 फरवरी 19

देहरादून, दिनांक 20 फरवरी 1976

सं० स्था० 1-5047/1117-एल० पी० श्रार०—भारत के महासर्वेक्षक, श्री हस्दिव, रजिस्ट्रार, महासर्वेक्षक कार्यालय, भारतीय सर्वेक्षण विभाग, देहरादून, को सेवाकाल की श्रवधि के समाप्त होने पर दिनाक 31 जनवरी, 1976 श्रपराह्न से सरकारी सेवा से सहर्ष निवृत्त करते हैं।

सं० स्था० 1-5048/1117-एल० पी० ब्रार०—भारत के महासर्वेक्षक, श्री बी० ब्रार० पन्त, स्थापना एवं लेखा ब्रधिकारी, मानचित्र ब्रभिलेख एवं निर्गम कार्यालय (मा० प्र०), भारतीय सर्वेक्षण विभाग, देहरादून, को दिनांक 30 नवस्बर, 1975 अपराह्म से सेवाकाल की खबधि के समाप्त होने पर सरकारी सेवा से सहर्ष सेवा निवृत्त करते हैं।

धर्म पाल गुप्ता, मेजर इंजीनियर्स, सहायक महासर्वेक्षक

श्राकाशवाणी महानिदेशालय नई दिल्ली, दिनांक 12 फरवरी 1976

सं० 2/12/75-एस० तीन—महानिदेशक, श्राकाशवाणी, एतव्द्वारा श्री एल० डी० गर्मा, वरिष्ठ इंजीनियरी सहायक, श्राकाश-वाणी, जोधपुर को 21-1-76 (पूर्वाह्म) से श्रगले ब्रादेशों तक, जम्मू में स्थानापन्न रूप से, तदर्थ श्राधार पर, सहायक इंजीनियर के पद पर नियुक्त करते हैं।

हरजीत सिह, प्रशासन उपनिदेशक **कृते** महानिदेशक

शुद्धि-पश्च

नई दिल्ली, दिनाक 18 फरवरी 1976 इस निदेशालय की श्रिधसूचना सं० ए० 31014/1/ 74-स्टाफ-छः (वाल्यूम दो) दिनांक 4-12-75 में कृपया निम्नलिखित गुद्धियां की जाएं:---

ऋम संख्या 39 के सामने

श्री एस० सत्याधर्मा के स्थान पर

श्री एस० सत्यनारायण पदा जाय ।

क्रम सं० 73 के सामने

श्री बी० एन० मैध्यू के स्थान पर

श्री बी० एम० मैथ्यू पढ़ा जाय।

ऋम सं० 75 के सामने

श्री एम० एन० ग्रथारलु के स्थान पर श्री एम० एन० ग्रथायले पढ़ा जाय।

> प्रेम कुमार सिन्हा, प्रशासन उपनिदेशक, कृते महानिदेशक

नई दिल्ली-110001, दिनाक 19 फरवरी 1976 स० 2/37/60-एस०-दो---महानिदेशक, आकाशवाणी, श्री आर० पी० सक्सेना, प्रणासनिक अधिकारी, आकाणवाणी, लखनऊ को दिनाक 9-12-75 (पूर्वाह्न) से दूरदर्शन केन्द्र, आकाशवाणी, लखनऊ मे वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी के पद पर स्थानापन्त रूप से, तदर्थ श्राधार पर, कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं।

दिनाक 23 फरवरी 1976

स० 10/49/61-एस०-दो--महानिदेशक, श्राकाशवाणी, श्री पी० मोहम्मद, वरिष्ठ लेखाकार, केन्द्रीय विश्रय एकक, श्राकाशवाणी, बम्बई को दिनाक 27-1-76 (पूर्वाह्न) से रेडियो कश्मीर, श्रीनगर में प्रशासनिक श्रीधकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से, तदर्थ श्राधार पर, कार्य करने क लिए नियुक्त करते हैं।

2 श्री मोहम्मद का 3-2-1976 को देहवसान हो गया।

इन्द्र सैन पाधी, श्रनुभाग प्रधिकारी, **क्रुते** महानिदेशक,

सूचना श्रीर प्रसारण मंत्रालय विज्ञापन श्रीर दृश्य प्रचार निदेशालय नई दिल्ली-1, दिनाक 19 फरवरी 1976

स० ए० 19012/2/74-स्थापना-2—विमापन श्रीर दृश्य प्रचार निदेशक श्री एन० एन० बहल को इस निदेशालय में 4 फरवरी 1976 (पूर्वाह्न) से श्रगले ग्रादेश तक नियमित श्राधार पर स्थानापन्न क्षेत्रीय प्रदर्शनी श्रीधकारी नियुक्त करते हैं।

रोशन लाल जैन, उप निदेशक (प्रशासन), **फुते विज्ञा**पन और दृश्य प्रचार, निदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्भी, दिनाक 19 फरवरी 1976

स० 9-15/75-एडिमन-1--म्बास्थ्य सेवा महानिदेशालय ने श्रीमती मेहर सुल्तान। जफर को 22 श्रप्रैल 1972 से राज-कुमारी अमृतकौर परिचर्या महाविद्यालय नई दिल्ली, मे श्रप्रेजी की प्राध्यापिका के स्थायी पद पर स्थायी रूप से नियुक्त किया है।

सं० 11-2/75-एडिमन-1—श्री एस० श्रीनिवासन ने 31 जनवरी 1976 के ग्रंपराह्न को स्वारथ्य सेवा महानिदे- णालय में प्रणासन एवं सतर्कता निदेशक के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

स० ए० 1 20 2 2 / 1 / 76-(सी०एस०एस०) /एडिमिन-1--राष्ट्रपति ने स्वास्थ्य और परिवार नियोजन मवालय के सवर्ग के ग्रेड-2 श्राशुलिपिक श्री डी० एन० हीगरा को 9 परवरी, 1976 के पूर्वाह्न में आगामी आदेशों तक स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय में विरिष्ठ निजी सहायक (केन्डीय सिववालय आशुलिपिक सेवा का ग्रेड-1) के पद पर नियुक्त विया है।

> सूरज प्रकाश जिन्दल, उप निदेशक प्रशासन

दिल्ली दुग्ध योजना

नई दिल्ली-8, दिनाक 20 फरवरी 1976

स० 3-2/75-स्थापना (विशेष)—श्री एस० सी० सूरी, हरी पर्यवेक्षक/सहायक प्रबंधक को 22-10-75 से 6 माह से अन्धिक प्रबंध के लिए प्रथवा अन्य कोई नियमित व्यवस्था किए जाने तक, जो भी पहले हो, दिल्ली हुग्ध योजना के प्रवीन, प्रबंधक, दुग्ध सग्रहण श्रीर श्रवशीतन केन्द्र/पारी प्रबंधक (राजपविता, द्वितीय श्रेणी) के पद पर स्थानापन रूप में नियुवत किया गया है। 2स पद पर उनकी यह नियुक्ति पूर्णतया तदर्थ एव अस्थायी है।

श्रानन्द मोहन लाल, ग्रध्यक्ष

परमाणु ऊर्जा विभाग भारी पानी परियोजनाए

बम्बई-400008, दिनाक 29 जनवरी 1976

सदर्भ स० भाषाप/स्था०/1/व-22/597—भारी पानी परि-योजनात्री के, विशेष-कार्य-प्रधिवारी, भाभा परमाणु अन्स्ध न केन्द्र के, श्री श्रच्युत मृतुद वैद्या, स्थायी सहायक लेखापाल तथा सहायक लेखा प्रधिवारी जो श्रव भारी पानी परियोजनाश्री (मुख्य कार्यालय) मे उसी ग्रेड मे प्रांतनियुक्त हैं, को भारी पानी परियोजना (तूतीकोरिन) मे, श्री गोपाल कृष्ण, लेखा श्रधिकारी-II जो छुट्टी पर है के स्थान पर 1 दिसम्बर 1975 (पूर्वाह्न) से 31, दिसम्बर 1975 (श्रपराह्न) तक के लिए लेखा श्रधिकारी-II स्थानापन्न स्प से नियुक्त करते हैं।

दिनाक 12 फरवरी 1976

सदर्भ स० भाषाप/स्था०/1/शि-25/1014—भारी पानी परियोजनाओं के निशेष-कार्य-अधिकारी, श्री शिवपुत्तरेवणा शिवल्याली, भाभा परमाणु अनुसधान केन्द्र के स्थायी निम्न श्रेणी लिपिक तथा स्थानापन्न सहायक लेखापाल जो अब भारी पानी परियोजना (कोटा) में उसी ग्रेड में प्रतिनियुक्त हैं को भारी पानी परियोजना (कोटा) में 16 जनवरी 1976 से 120 दिन या जब तक भारी पानी परियोजना (कोटा) में नियमित सहायक लेखा श्रिधकारी की नियुक्त हो जो भी पहले हो, तक के लिए सहायक लेखा श्रिधकारी नियुक्त करते हैं।

संवर्भ सं० भाषाप/स्था०/1/म-13/1013—भारी पानी परि-योजनात्रों के विगेष-कार्य-अधिकारी, भाभा परमाणु श्रनुसंधान केन्द्र के श्री वसंत कृष्णा, महागांवकर, स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक तथा भारी पानी परियोजनाएं (मुख्य कार्यालय) के स्थानापन्न सहायक लेखापाल को उसी परियोजना में जनवरी 31, 1976 से मार्च 19, 1976 सक के लिए श्री ए० एम० येंगा, सहायक लेखा श्रधिकारी, जो श्रव छुट्टी पर है के स्थान पर सहायक लेखा श्रधिकारी नियुक्त करते हैं।

> टी० सी० सत्यकीति, वरिष्ठ प्रणासन अधिकारी

पर्यटन श्रौर नागर विमानन मंत्रालय भारत मौभम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली-3, दिनांक 13 फरवरी 1976

सं० ई० (1) 03768—वैधशालाओं के उप-महानिदेशक, (जलवायु विज्ञान और भू-भौतिकी) पूना के कार्यालय के श्री एम० एम० वाधवानी स्थानापन्न सहायक मौसम विशेषज 31 दिसम्बर 1975 के श्रपराह्म से निवर्नन की ग्रायु पर षहुंचने पर सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

मं० ६० (1) 04202—विधनालाम्रों के महानिदेशक नई दिल्ली के मुख्य कार्यालय के श्री जी० ग्रन्पा राय स्थानापन्न सहायक मौभम विशेषज्ञ 31 जनवरी 1976 के अपराह्म से निवर्तन की श्रायु पर पहुंचने पर सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

सं० ई० (1) 06680—-वैधशालाओं के महानिदेशक एतद्शारा निदेशक, कृषि मौसम विज्ञान पूना कार्यालय के खबनायिक सहायक श्री श्रार० सी० दूबे की 1-1-1976 के पूर्वीत्व से 29-3-1976 तक नवासी दिन की श्रवधि के लिए स्थानायन रूप में सहायक मौसम विशेषश्र नियुक्त करते हैं।

स्थानापन्न सहायक मौसम विशेषज्ञ श्री दूबे, निदेशक कृषि मौसम विज्ञान के कार्यालय में ही तैनात रहेगे।

> एम० श्रार० एन० मनियन मौसम विशेषज्ञ, क्रते वेधणालाओं के महानिदेशक

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय नई दिल्ली; दिनांक 5 फरवरी 1976

स० ए० 31014/1/75-ई० सी०--महानिदेणक नागर विमानन ने निम्नलिखित 18 श्रिधकारियो को 1 फरवरी, 1976 से नागर विमानन विभाग के वैमानिक संचार संगठन में सहायक संचार श्रिधकारी के ग्रेड में स्थाई रूप से नियुक्त किया है:--

- 1. श्री बी० बी० दत्ता
- 2. श्री रामजी सिंह
- 3. श्री ए० के० नारायणन

- 4. श्री जे० एस० वेदी
- 5. श्री एस० के० सेन
- 6. श्री के० सी० सेनगुप्ता
- 7. श्री बी० के० राय
- श्री पी० श्राई० इडीकुला
- 9. श्री मोहम्मद ग्रली
- 10. श्री मधु एस० मेनन
- 11. श्री एच० देव
- 12. श्री के० एस० चोपड़ा
- 13. श्री के० एम० मैध्यू
- 14. श्री एस० मधु
- 15. श्री ग्रार० के० मित
- 16. श्री एस० एस० गिल
- 17. श्री के० स्वामीनाथन
- 18. श्री एस० गोविंदराजन

हरबंस लाल कोहली, उप निदेशक प्रशासन कृते महानिदेशक नागर विमानन

नई दिल्ली, दिनांक 17 फरवरी 1976

सं० ए०-32013/14/75-ई० सी०---इस विभाग की दिनांक 15 नवम्बर 1975 की समसंख्यक प्रधिसूचना के साथ पठित इस विभाग की दिनांक 20 प्रक्तूबर 1975 की प्रधिसूचना सं० ए०-32013/14/75-ई० सी० के ऋम में राष्ट्रपति ने श्री पी० पालोज की तदर्थ ग्राधार पर संचार प्रधिकारी के रूप में पदोन्नति की श्रवधि 30 ग्रप्रैल 1976 तक प्रथवा इस पद के नियमित ग्राधार पर भरे जाने तक, इनमें से जो भी पहले हो, बढ़ा दी है।

इस विभाग की दिनांक 9/10 जनवरी 1975 की श्रिष्टिस्चना सं० ए० 32013/6/72 ई० सी॰ के क्रम में राष्ट्रपति ने श्री श्रार० एच० सुब्रह् मण्यम की भी तदथं श्राधार पर नागर विमानन विभाग में संचार ग्रिधिकारी के रूप में पदोन्निति की श्रविध 30 श्रप्रैल 1976 तक श्रथवा इस पद के नियमित श्राधार पर भरे जाने तक, इनमें जो भी पहले हो, बढ़ा दी है।

दिनांक 19 फरवरी 1976

सं० ए०-32014/1/75-ई० सी०--महानिदेशक नागर विमानन ने वैमानिक संचार स्टेशन, कलकत्ता में संचार सहायक श्री साईबाला गुप्ता को 24 जनवरी 1976 से सहायक संचार श्रिधकारी के पद पर नियुक्त किया है तथा उन्हें उसी स्टेशन पर तैनात किया है।

सं० ए० 32013/4/75-ई० सी०—राष्ट्रपति ने बैमानिक संचार स्टेशन, बम्बई के श्री टी० श्रार० शेषाद्री, सहायक तकनीकी श्रिधकारी, को 31-1-1976 (पूर्वाह्न) से तथा श्रगले श्रादेश होने तक नियमित श्राधार पर तकनीकी श्रिधिकारी के पद पर नियुक्त किया है तथा उन्हें क्षेत्रीय निदेशक, बम्बई क्षेत्र, बम्बई एयरपोर्ट, बम्बई के कार्यालय में तैनाब किया है।

सं० ए०-39012/1/76-ई० सी०—-राष्ट्रपति ने निदेशक, रैडियो निर्माण एवं विकास एकक, सफदरजंग एयरपोर्ट, नई दिल्ली के कार्यालय मे श्री मोहिन्दर कुमार सेठ, तकनीकी प्रधिकारी का त्यागपत्न 5-2-1976 (अपराह्न) से स्वीकार कर लिया है।

दिनांक 23 फरवरी 1976

सं० ए०-38013/1/75-ई० सी०---निवर्तन श्रायु प्राप्त फरने के परिणामस्वरूप सरकारी सेवा से सेवानिकृत्त होने पर नियंत्रक संचार, वैमानिक संचार स्टेशन, सफदरजंग एयर-षोर्ट, नई दिल्ली के कार्यालय मे श्री सी० एल० मगु, सहायक संचार श्रधिकारी ने 31 जनवरी 1976 (श्रपराह्न) से ग्रपने पद का कार्यभार त्याग दिया।

हरबंस लाल कोहली, उपनिदेशक प्रशासन

नई दिल्ली-110022, दिनांक 18 फरवरी 1976 सं 0ए०-19014/85/72-ई०(एच०)——निवर्तन श्रायु प्राप्त करने पर श्री एस० के० गांगुली ने नागर विमानन विभाग में निदेशक वैमानिक संचार के पद का कार्यभार त्याग दिया क्षथा 31 जनवरी 1976 के श्रपराह्म से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

> टी० एस० श्रीनियासन, सहायक निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 20 फरवरी 1976 सं० ए०-12032/5/75-ई० ए०—-श्री जी०एस० बटुरा सहायक विमान क्षेत्र ग्रधिकारी, सफदरजंग एथरपोर्ट, नई दिल्ली ने 29 दिसम्बर, 1975 के ग्रपराह्म से सरकारी सेवा से त्याग पत्न दे दिया।

> चित्तरजन कुमार वत्स, सहायक निदेशक प्रशासन

केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क समाहर्तालय पटना, दिनांक 10 फरवरी 1976

मि० सं० 11(7) 5-स्था०/75/1589—स्थापना श्रादेश सं० 442/75 दिनांक 6-12-75 जो मि० सं० 11(3) 43-स्था०/73/एल०/75256-84 दिनांक 9-12-75 द्वारा पृथ्ठांकित किया गया तथा जिसके द्वारा श्री विश्वनाथ प्रसाद सिन्हा, निरीक्षक (व० श्रे०) केन्द्रीय उत्पाद तथा सीमा शुक्क को रु० 650-30-740-35-810-दं०रो०-35-880-40-1000 द० रो०-40-1200 तथा नियमान्तर्गत देय सामान्य भत्तो के सिहत के वेतनमान में श्रधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद, द्वितीय श्रेणी के रूप में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया था, के श्रनुसरण मे श्री विश्वनाथ प्रसाद सिन्हा ने श्रधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद (निवारण) धनवाद के रूप में दिनांक 1-1-76 के पूर्वाह्म में कार्यभार ग्रहण किया।

दिनांक 20 फरवरी 1976

मि० सं० 11(7) 5-स्था०/75/1788—इस कार्यालय के स्थापना श्रादेश सं० 410/75 दिनांक 4-11-75 जो मि० सं० 11(3) 43-स्था०/73/लुज०/63725-47 दिनांक 5-11-75, द्वारा पण्डांकित किया गया तथा जिसके वारा दो निरीक्षक (व० श्रे०), केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क को रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 तथा नियमान्तर्गत देय सामान्य भत्तों सहित के वेतनमान में श्रधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद, द्वितीय श्रेणी के रूप में नियुक्ति की गई है। श्री भुदेव नारायण झा, निरीक्षक (व० श्रे०) श्रधीक्षक, द्वितीय श्रेणी, केन्द्रीय उत्पाद, वांकीपुर रेज, पटना, के रूप में दिनांक 12-1-76 के श्रपराह्म में कार्यभार ग्रहण किया।

हरि नारायण साहु, समाहर्ता, केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क, पटना

केन्द्रीय उत्पादन शुल्क ममाहर्ता कार्यालय, इसाहाबाद, दिनांक 13 फरवरी 1976

सं० 11/1976 — केन्द्रीय उत्पादन णुल्क समाहर्तालय मुख्यालय, इलाहवाद में तैनात श्री वंदरनाथ प्रसाद स्थानापन्न प्रशासन श्रीधकारी (मुख्यालय) ने दिनाक 31-1-1976 को (दोपहर के बाद) केन्द्रीय उत्पादन गुल्क समाहर्ता कार्यालय के मुख्यालय, इलाहाबाद में प्रशासन श्रीधकारी (मुख्यालय) के कार्यालय का कार्यभार श्री धर्म किशोर सक्सेना सहायक मुख्य नेखा श्रीधकारी, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समाहर्ता कार्यालय, मुख्यालय, इलाहाबाद को सौप दिया श्रीर वे उसी तारीख श्रीर समग में सरकारी नेवा से निवृत्त हो गये।

एच० बी० दास समाहर्ता

-केन्द्रीय जल भ्रायोग

नई दिल्ली, दिनांक 19 फरधरी 1976

सं० क-32012/9/75-प्रशासन पांच — विभागीय पदोप्रति समिति (श्रेणी-दो) की सिफारिश पर श्रध्यक्ष, केन्द्रीय
जल श्रायोग श्रपने प्रसाद से श्री सी० जी० देशपांडे, श्रनुसंधान
महायक को केन्द्रीय जल श्रौर विद्युत श्रनुसंधानशाला, पूना
में सहायक श्रनुसंधान श्रीवकारी (इंजीनियरी) के पद पर 65030-740-35-810-द० रो० -35-880-40-1000-द० रो०40-1200 रुपये के वेलनमान में नियमित रूप से स्थानापन्न
होने के लिए उनके पदभार ग्रहण करने की तिथि तथा समय
से श्रागामी पदेण होने तक नियुक्त करते हैं।

2. श्री देण पाने केन्द्रीय जल श्रीर विश्वत् श्रनुसंधानणाला, पूना में सहायक श्रनुसंधान श्रिधकारी (इंजीनियरी) के संवर्ष में अपने पदभार ग्रहण करने की तिथि में दो वर्ष की श्रविध के लिए परिकीक्षा पर होंगे ।

> कें० पी० बी० मेनन, श्रवर सचिव, इत्ते श्रध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग

केन्द्रीय भूमि जल बोर्ड

फरीदाबाद, दिनांक 18 फरवरी 1976

सं० 3-307/73-सी० एच० (ई०):—जा० एल० बेंकटा-रतनम सहायक भू रसायनिश्च, केन्द्रीय भूमि जल बोर्ड, पश्चिम उत्तर क्षेत्र, चण्डीगढ का त्याग पत दिनांक 28-11-75 (ग्रय-राह्म) से स्वीकार किया गया है।

सं० 3-294/73-सी० एच० (ई०): —शी ग्रार० एस० लीहीपाण्डेय सहायक जल भू विज्ञानी केन्द्रीय भूमि जल बोर्ड, जिला यूनिट, न्निबेन्द्रम का त्याग पत्न जो उन्होंने प्रयने पन्न नं० ग्रार० एस० एल० / ग्रार०-जे० एम० एस०/मी० जी० डब्ल्यू० बी०/ 75-2 दिनांक 15-12-75 दिया दिनांक 19-1-76 (ग्राराह्न) में स्वीकार किया गर्वा है।

दिनांक 19 फरवरी 1976

सं० 3-420/75-सी० एच० (ई०) :—-थी जे० के० वर्मा को सहायक जल भू विज्ञानी वर्ग-II (राजपित्रत) के प्रन्तर्गत वेननमान 650-30-740-35-810-ई० वी०-35-880-40-1000 -ई० वी०-40-1200 पर प्रस्थाई रूप से केन्द्रीय भूमि जल बोर्ड में उनके मुख्यालय गोहाटी के साथ दिनांक 20-1-76 (पूर्वाह्र) से प्रगले ग्रादेण तक नियुक्त किया जाता है।

सं० 3-414/75-सी० एच० (ई०) :— डा० श्रात्माराम पाडेथ को महायक जल भू विज्ञानी वर्ग-LI (राजपितत) के पद पर वेतनमान 650-30-740-35-810-ई० बी०-35-880-40-1000-ई० बी०-40-1200 के श्रन्तर्गत श्रस्थाई श्राधार पर केन्द्रीय भूमि जल बोर्ड में उनके मुख्यालय श्रहमदा-बाद के साथ दिनांक 22-11-75 (पूर्वाह्र) से अगले श्रादेण तक नियुक्त किया जाता है।

सं० 3-411/75-सी० एच० (ई०):--श्री ग्रजेय कुमार मिश्रा को सहायक जल भू विज्ञानी वर्ग-II (राजपित्रत) के पद पर वेतनमान 650-30-740-35-810-ई० बी०-35-880-40-1000-ई० बी०-40-1200 के ग्रन्तर्गत ग्रस्थाई ग्राधार पर केन्द्रीय भूमि जल बोर्ड में उनके मुख्यालय कलकत्ता के साथ दिनांक 30-12-75 (पूर्वाह्न) से ग्रगले ग्रादेण तक नियुक्त किया जाता है।

बी० के० बवेजा, मुख्य जल-भू विज्ञानी

सवारी डिव्या कारखाना

महाप्रबन्धक का कार्यालय

मद्रास, दिनांक 23 फरवरी, 1976

सं० का० णा० /रा० सा० /९/ विविध 11:—श्री एम० डी० खाजा मोहिदीन, मुख्य श्रिभिकत्प सहायक (श्रेणी III) को स्थानापन्न रूप से श्रेणी III मेवा में सहायक यांत्रिक इंजी-नियर /जिग व टूल के रूप में दिनांक 16-1-76 से 7-2-1976 तक तदर्थ रूप से पदोन्नति की गयी है।

श्री एस० शंकरिंलगम, स्थानापन्न निर्माण प्रबंधक/बिजली (व॰ मा॰) (तदर्थ) को दिनांक 24-1-76 के श्रपराह्म से

श्रस्थाई सहायक विजली इंजीनियर/ निर्माण के रूप में रिवर्ट किए। गया है।

श्री पी० श्रार० नारायणन, स्थानापन्न उत्पादन इंजीनियर/ प्रगति/ फर्निसग (व० मा०) (तदर्थ) को श्रेणी 11 सेवा में 7-2-1976 के श्रपराह्म से प्रत्यावित्त किया गया है।

> एस० सुक्रमणियन, उप मुख्य कार्मिक ग्रधिकारी कृते महा प्रबन्धक

उत्तर रेलवे

नई दिल्ली, दिनांक 18 फरवरी 1976

सं० 4 — -पृष्ठांकन संख्या 752-ई/104-11 (ई/ए) दिनां 3 24-9-71 के अन्तर्गत प्रसारित उत्तर रेलवे की 18-9-71 को अधिसूचना संख्या 142 के अनुसार 1-1-1966 से दर्जा II के सेवा में अनिन्तम रूप से स्थायी किये गये निम्नलिखित सहायक चिकित्सा अधिकारियों को उसी तारीख से अन्तिम रूप से सहायक चिकित्सा अधिकारी के रूप में स्थाई कर दिया गया है:----

- 1. डा० जी० सी० चन्द्रा
- 2. डा० जे० सी० सलुजा
- 3. ভাত ভীত एনত चक्रवर्ती
- 4. डा० ग्रार० सी० मित्रा
- 5. डा० एस० के० गांगुली
- 6. डा० डी० ग्रार० राव
- 7. डा० ए० एन० बोस
- 8. डा० मनोरंजन सैन
- डा० एस० डी० एन० सिन्हा
- 10. डा० एस० सी० पी० वर्मा
- 11. डा० जे० एन० मेहता
- 12. डा० पी० सी० चऋवर्ती
- 13, डा० पी० डी० चटर्जी
- 14. डा० के० एल० मुखर्जी
- 15. डा० एस० जी० बसु
- 16. ভা০ ৰী০ সা
- 17. डा० एस० ग्रार० चक्रवर्ती
- 18. डा० ए० घोष
- 19. डा० एन० एन० बसु
- 20. डा० डी० डी० बनर्जी
- 21. डा० सुकुमार मंडल
- 22. डा० के० सी० सूत्रधार
- 23. डा० के०सी० दास गुप्तो
- 24. डा० बी० के० चन्द्रा
- 25. डा० के० सी० मोदक
- 26. डा० श्ररण कुमार
- 27. डा० एस० पी० बसु
- 28. डा० निरषद सन्तरा
- 29. डा० (श्रीमती) एस० श्रीवास्तवा
- 30. डा० एम० एन० माथ्र

- 31. डा० जे० एस० खालसा
- 32. डा० एन० के० वर्मा
- 33. डा० बी०पी० जैन
- 34. डा० एस० एन० पी० श्रयबाल
- 35. डा० सी०एम० भखर्जी
- 36. डा॰ एस॰ राउत
- 37. डा० एम० एम० गौरी
- 38. डा॰ एस॰ डे
- 39. ডা০ एम০ সার্থি জ্ঞান
- 40. डा० एम० एम० छवेरिया
- 41. डा० ए० के० घोष
- 42. डा० जी० एस० सक्सैना
- 43. डा० ग्रो०पी० गोयल
- 44. डा० ग्रार० पी० माथ्र
- 45. डा०एन० के० कोहली
- 46. डा॰ एस॰ सी॰ श्रीवास्तव
- 47. डा० जे० पी० सिंह
- 48. डा० के० एन० गुप्ता
- 49. डा० प्रेम प्रकाश
- 50. डा० शमशाद प्रली
- 51. डा० एस० एन० अग्रवाल
- 52. डा० (श्रीमती) एम० एल० खान
- 53. डा॰ एल॰ श्रार॰ मृंजल
- 54. डा० वी० के० संध्या
- 55. डा० एस० पी० कोहली
- 56. डा० एस०पी० म्राहजा
- 57. डा० बी० डी० घोष
- 58. डा० ग्रो० पो० मित्तल
- 59. हा० ए० पी० भ्रारोडा
- 60. डा० (श्रीमती) एस० सल्जा
- 61. डा० एच० पी० राजमलानी
- 62. डा०ए० कें० जौली
- 63. डा० एस० एस० एस० सिघल
- 64. षा० दी० एन० महरोल्ला
- 65. डा० एम० एल० दीवान
- 66. डा० एम० बी० सिह
- 67. डा॰ एम० सी॰ गुप्ता
- 68. डा० (श्रीमतो) ऊषा गोयल
- 69. डा० एस० एम० गोविल
- 70. डा० कुलवना राय
- 71. डा० वी० के० वर्मा
- 72. डा० के० सी० मिश्र
- 73. डा० वाई० मान सिह
- 74. डा० (श्रोमती) एस० मल्होत्रा
- 75. डा॰ राजेन्द्र पाल
- 76. डा० राजकुमार
- 77. डा० एस० एन० श्रीवास्तव
- 78. ४४१० (श्रीनसो) के० राजकुमार
- 79. डा॰ (श्रोमतो) सतोव शर्मा 3—506 GI/75

- 80. डा॰ एस० सी० गुप्ता
- 81. डा० भार० एन० माथ्र
- 82. डा॰ ए० के० बोस
- 83. डा॰ (श्रीमती) एल॰ डी॰ तहिलियानी
- 84. डा० राम देवानानी
- 85. डा० भो०पी० शर्मा
- 86. डा० एस० के० कपुर
- 87. आ० अगदीश राज
- 88. डा॰ श्रार० एन० शर्मा
- 89. डा॰ बी॰ पी॰ श्रीवास्तव
- 90. डा॰ जे॰ एस॰ वठला
- 91. डा० ग्रार० के० गोस्वामी
- 92. डा० शशी वर्मा
- 93. डा० (श्रीमती) सी० जे० गर्ग
- 94. डा॰ (श्रीमती) रण्मी गोयल

इपने प्रतिरिक्त निम्नलिखित चिकित्सकों को उनके नाम सामने दी गयी तारीख से इस रेलवे पर दर्जा II की सेवा में सहायक चिकित्सा प्रधिकारी के रूप में प्रनन्तिम रूप से स्थाई किया गया है:——

ऋ० सं०	चिकित्सक का नाम	ग्र नस्तिम रूप	से स्थाई
		करने को	तारोख

1. डा० चिम्मन लाल

15-8-73

2. हा० एम० एम० बनर्जी

1-4-73

वेद प्रकाश साहनी, महा प्रबन्धक

कम्पनो कार्य विभाग कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनी श्रविनियम 1956 मेहर पिब्लिकेशंस (श्रान्धा) प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

हैदराबाद, दिनांक 17 फरवरी 1976

सं० 524 टी० (560) :— कम्पनी श्रिधिनियम की धारा 560 (5) के अनुसरण में एतत्द्वारा सूचना दी जाती है कि मेहर पब्लिकेशंस (श्रान्धा) प्राइवेट लिमिटेड का नाम श्राज रजिस्टर से काट दिया गया गया है और उक्त कम्पनी विषटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 सिटरस प्रॉडक्टस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

हैवराबाद, विनांक 17 फरवरी 1976

सं० 1162 (560) टी० :--- कम्पनी प्रधिनियम की धारा 560 उपधारा (3) के भ्रनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जातीं है कि इस तारीख से तीन माह के भ्रवसान पर सिटरस प्रोंडेक्टस प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृल कारण दिशित न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया आएगा धौर उक्त कम्पनी विघटित कर दी आयगी।

> म्रोमप्रकाश जैन कम्पनी रजिस्ट्रार मान्ध्र प्रदेश, हैवराबाद

कम्पनी प्रधिनियम, 1956 भौर नेलै वीनस्प लिमिटेड (इन लिकुडेशन) लिमिटेड के विषय में।

दिनांक 13 फरवरी 1976

सं० 1919/लिख/ एस० 560 (5) /75 :— कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के श्रनुसरण में एतद्दारा सूचना दी जाती है कि नेले बीनस लिमिटेड (इन लिकुडेशन) लिमिटेड का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विषटित हो गई है।

पी० <mark>श्रन्नपूर्ना</mark> कम्पनियों का रजिस्ट्रार

कम्पनी अधिनियम 1956 एवं नरकाटियागंज शुगर मिल्स लिमिटेड के विषय में ।

बम्बई, दिनांक 21 फरवरी 1976

सं० 16454 (560) (3) :—कम्पनी प्रक्षिनियम, 1956 श्रौर नरक।टियागंज णुगर मिल्स लिमिटेड के विषय में।

कमानी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनुसरण में एतदहारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के श्रवसान पर नरकाटियागंज शुगर गिला किमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिशित न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा श्रीर उक्त कम्पनी विश्व-टित कर दी जाएगी।

एस० नारायणन कम्पनियों का भ्रतिरिक्त राजस्ट्रार महाराष्ट्र

क्षणानी अधिनियम, 1956 **ग्रीर भरतपुर डेरी प्राईवेट** शिविटेड के विषय भें।

जयपुर, दिनांक 23 फरवरी 1976

मंख्या—सांख्यिक //1198/:—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती हैं कि इस तारीख से तीन महिने के अवसान पर भरतपुर डेरी प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृल कारण विशत नहीं किया गया तो रजि- [स्टर से काट दिया जायेगा और कम्पनी विषदित कर दी जायेगी।

कम्पनी श्रधिनियम, 1956 भौर मैसर्स भग्नवाल एग्रो इण्ड-स्ट्रीयल मैन्युफ्रैक्चरर्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

जयपुर, विनांक 23 फरवरी 1976

संख्या-सांख्यिकी/1341 : कम्पनी ष्रधिनियम, 1956 की धारा 560 (3) के अनुसरण में एतदद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस सारीख से तीन महिने के अवसान पर अग्रवाल एग्रो इण्डस्ट्रीयल मैन्युफैक्चरसं प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृल कारण दिशित नहीं किया गया सो रिजस्टर से काट दिया जायेगा और कम्पनी विचटित कर दी जायेगी।

रामवयाल कृरील कम्पनियों के रजिस्ट्रार राजस्थान, जयपुर

कार्यालय भायकर भायुक्त, दिल्ली-2 नई दिल्ली, दिनांक 19 फरवरी 1976 आयकर

फ० सं० जुरि-दिल्ली/2/75-76/40753 :--भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43 वां) की धारा 124 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों तथा इस संबंध में जारी किए गए पिछले सभी भादेश/ अधिसूचनाभों में संशोधन करते हुए श्रायकर श्रायुक्त, दिल्ली-2, नई दिल्ली निदेश वेते है कि नीचे दी गई अनुसूची के कालम-2 में निर्देश ख्रायकर श्रायकर श्राधकारी उकत श्रनुसूची के कालम-2 में जिल्लिखत व्यक्तियों या व्यक्तियों के वर्गों, श्राय या के वर्गों श्रीर मामले या मामलों के वर्गों के सबंध में श्रपने कार्य करेंगे । इनमें वे व्यक्ति या व्यक्तियों के वर्ग, श्राय या श्राय के वर्ग, मामले या मामलों के वर्ग शामिल नहीं होंगे तो उक्त श्रिधनियम की धारा 127 के अन्तर्गत किसी श्रन्य श्रायकर मधिकारी की सौंपे गए हों या इसके बाद सौंपे जाये:--

कसं० भ्रायकर श्रधिकारी का **मधिकार क्षेत्र** पदनाम

2

1. श्रायकर श्रधिकारी ठेकेदार क / ऐसे सभी व्यक्ति या सर्किल वार्ड 'ए' नई दिल्ली व्यक्तियों के वर्ग, माय

1

िएसे सभी व्यक्ति या व्यक्तियों के वर्ग, भाय या भाग के वर्ग, भामले या मामलों के वर्ग जो भागकर श्रीधकारी, ठेके-दार सकिल, दिल्ली के प्रक्षिकार-क्षेत्र में भासे हों तथा जिनके नाम भग्नेजी के 'ए' से 'एम' (दोनों प्रक्षरों को छोड़कर) प्रक्षर के भन्तर्गत हो।

3

जगदीश चन्द

नई दिल्ली

षायकर भायुक्त, दिल्लो-22

1. डेकेवार सर्किल वार्ड-'ई' । यह आवेश 20-2-76 से

जो भायकर भ्रधिनियम

1961 की धारा 127

श्रन्तर्गत सौंपे गए हैं।

ऐसे सभी व्यक्तिया

व्यक्तियों के वर्ग, श्राय

4. मायकर मधिकारी, ठेकेवार

सकिल वार्ड 'डी' नई दिल्ली

1	2	3	1	2	3
	निधकारी, ठेकेवार है 'वी' नई दिल्ली	ख / ऊपर मद (क) के अन्तर्गत आने वाली फर्मों के सभी साझेदार व्यक्ति। क/ ऐसे सभी व्यक्ति या व्यक्तियों के वर्ग, आय या आय के वर्ग तथा मामले या मामलों के वर्ग जो ठेके- वार सिंकल दिल्लो के अधिकार केल में आते हो तथा जिनके नाम अंग्रेजी के 'एन' से 'जेड' (दोनों अक्षरों की मिलाकर) अक्षर के		मधिकारी, ठेकेदार ' ई ' न ई दिल्ली	या आय के वर्ग तथ मामले या मामलों के वर्ग जो श्रायकर श्रिष्ठ नियम, 1961 की धार 127 के अन्तर्गत सीं गए हैं। ऐसे सभी व्यक्ति य व्यक्तियों के वर्ग, श्राय या श्राय के वर्ग तथ मामले या मामलों के वर्ग जो श्रायकर श्रिष्ठिनय 1961 की धारा 12 के अन्तर्गत सौपे गए हैं
	र्म्याधकारी ठेकेदार ई 'सी' नई दिल्ली	श्चन्तर्गत हो। ख/ ऊपर मद (क) के श्चन्त- गैत श्चाने वाली फर्मौ के सभी साझेदार व्यक्ति। ऐसे सभी व्यक्ति या व्यक्तियों के वर्ग, आय या श्चाय के वर्ग तथा मामले या मामलों के वर्ग जो श्चायकर श्चांश्चित्यम	संख्या जुनि नियम 1961 ((1) द्वारा प्रव शक्तियों का प्रय	1961 का 43वां) त शक्तियों तथा इस गिग करते हुए श्रायक ते हैं कि ठेकेदार सर्वि	गू होंगी। 0662:—-श्रायकर श्रिधि की धारा 124 की उपधार संबंध में प्राप्त श्रन्य सर्भ रुर श्रायुक्त दिल्ली-2, ना रुल, दिल्लो में निम्नलिखित

लागू होगा।

प्ररूप आई० टी॰ एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त निरीक्षण कार्यालय भ्रजीन रेंज, जालन्धर जालन्धर, तारीख 4 मार्च 1976

निवेश सं० 1494—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार, श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पण्डात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम ग्रिधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-६० से अधिक है ग्रीर जिसकी सं० जैसा कि ग्रिधिकृत विलेख नं० 2728 जून 1975 में है तथा जो जालन्धर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद ग्रिमुची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्री-कर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, जालन्धर, में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख जून 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ध्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ध्रधिक है धौर ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत 'उक्त भिध-नियम' के श्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उम्रत अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ घन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब 'उक्त ग्रधिनियम' की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, 'उक्त ग्रधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) : ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों ग्रथीतः →

- 1. श्री राज गोपाल श्रलाईस राम गोपाल सुपुत्र रामजी दास सुपुत जवान्द लाल वासी विक्रमपुरा, जालन्धर (श्रन्तरक)
- 2. श्री कृष्ण लाल सुपुत्र राम लाल सुपुत्र रामचन्द डबस्यू एफ० 145 श्रली मोहल्ला जालन्धर (श्रन्तरिती)
 - 3. जैसा कि नं 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
 - 4. कोई भी व्यक्ति जो इस सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हित-बद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की श्रविध या सत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वीवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त गब्दो श्रौर पदों को, जो 'उक्स अधिनियम', के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही शर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में विया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2728 जून, 1975 को रजिस्ट्रीकरण ग्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> रवीन्द्र कुमार, सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 4-3-1976

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

अमृतसर, दिनांक 21 फरवरीं, 1976

निदेश सं० ए० बी० श्रार०/263/75-76--यतः मुझे, वीं० भार० सगर,

मायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है भौर जिसकी सं० 50 है तथा जो गली नं० 10, न्यू भाबादी, भालमगढ़ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजर्ट्रवर्ता अधिवारी के वार्यालय श्रवोहर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जुलाई, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) श्रीर अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रत: भ्रव, 'उक्त श्रधिनियम', की धारा 269-ग के श्रनु-सरण में, मैं, 'उक्त श्रधिनियम', की धारा 269-घ की उप-भ्रारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रधीत्:—

- श्री कपूर सिंह, गुरदेव सिंह सुपुत्रान श्री श्रेरसिंह सुपुत्र श्रीं दयाल सिंह वासी गिदङ्खाली तहसील फाजिल्का। (श्रन्तरक)
- श्री सोहन लाल सुपुत्र श्री प्रर्जन वास सुपुत्र श्री तोता राम गली नं ० 10, नई प्रावादी, श्रवोहर।

(भ्रन्तरिती)

- 3. जैसा कि नं० 2 में है तथा किरायेदार, यि हों। (वह व्यक्ति जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है।
 (बह व्यक्ति, जिसके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिसबढ़ है)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के शिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सृचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ध्यांक्तयों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्धों और पदो का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति नं० 50, गली नं० 10, नई श्राबादी, श्रालमगढ़ (श्रबोहर) जैसा कि रिजस्ट्रीइन्त विलेख नं० 973, जुलाई, 1975 को रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी श्रबोहर में हैं।

> वी० ग्रार० सगर, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर

तारीख: 21-2-76

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०---

मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, ग्रमृतसर

अमृतसर, दिनांक 21 फरवरी, 1976

निदेश सं० ए० बी० भार०/264/75-76--यतः मुझे, वी० घार० सगर म्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु० से प्रधिक श्रौर जिसकी सं० मकान है, तथा जो गली शान टाकी वाली श्रबोहर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबड अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्दोकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय प्रबोहर में रजिस्द्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908का 16) के श्रधीन जुलाई, 1975 पूर्वोक्स सम्पत्ति के उिचत के दृश्यमान प्रतिफल स्रिए मस्य **भन्तरित की गई है और मुक्ते यह** विश्वास का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिपात से अधिक है भीर मन्तरक (भन्तरकों) मीर धन्तरिती (ग्रन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में, सुविधा के लिए;

म्रत: ग्रब, 'उक्त प्रधिनियम', की घारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, 'उक्त ग्रिधिनियम', की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन विम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत्:--- 1. श्री मंगत राय सुपुत्र श्री सौदागर चन्द सुपुत्र श्री रोनी राम वासी गली ज्ञान टाकी वाली, श्रवोहर।

(भन्तरक)

 श्रीमती प्यारी सिंह सुपुत्री श्री ही रा सिंह सपुत्र श्री भगवाना सिंह, वासी श्रवोहर ।

(भन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 पर है तथा किरायवार यदि हो। (वह व्यक्ति, जिनके स्रधिभोग में सम्पत्ति है)

 कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति मे रुचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिसके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबक है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भ्रजन के संबंध में कोई भी भाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की श्रविध या सत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की सामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, भघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त अधिमियम, के घट्याय 20-क में परिभाषित है, वही मर्थ होगा जो उस घट्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान गली ज्ञान टाकी वाली, अबोहर जैसा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 941, जुलाई, 1975 को रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी अबोहर में है।

> वी० घार० सगर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर घायुक्त (निरीक्षण) धर्जनरेंज, घ्रमृतसर

तारीख: 21-2-76

प्ररूप आई० टी० एन० एस० --

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269(व) (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, ध्रम्तसर

अमृतसर, विनांक 21 फरवरी, 1976

निदेश सं० जी० एस० पी०/265/75-76---यतः मुझे बी० ग्रार० सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' वहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विण्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क० से प्रधिक है

भौर जिसकी सं० भूमि है तथा जो नजदीक नौशेरा बहादर में स्थित है (भौर इससे उपाबब धनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री ता ग्रधिकारों के कार्यालय गुरदासपुर में रजिस्ट्रीकरण षधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जुलाई, 1975 सम्पत्ति को पूर्वोक्स के उचित मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है **और मुझे यह विश्वास करने** का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्सरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नही किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिम्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अम्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, 'उम्रत ध्रधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उम्रत अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के मधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः——

 श्री पृथी सिंह सुपुत्र श्री केसर सिंह सुपुत्र श्री बुध सिंह, गांव नौशेरा।

(भ्रन्तरक)

2. श्री प्रजीत सिंह, सरवार सिंह, तारा सिंह, वतन सिंह, सुक्खन सिंह, सखन सिंह सपुत्रान, श्री नानक सिंह, गांव नौशेरा।

(भ्रन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में हैतथा किरायेदार, यदि हों। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पक्ति है)

 कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है।
 (वह व्यक्ति जिनके बारे में मधीहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिसबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त समाति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अस्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-माणित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2908, जुलाई, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी गुरदासपुर में है।

> वीं० म्रार० सगर ्सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, ममृतसर

तारीख: 21-2-76

प्ररूप माई० टी० एन० एस०---

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, श्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 21 फरवरी, 1976

निवेश सं० जीं० एस० पी०/75-76—यतः मुझे वी० श्रार० श्रार० सगर

म्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के भ्रष्टीन सक्षम ग्रिधकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु०से घिषक है भीर जिसकी सं० भूमि है तथा जो नजवीक नौशेरा बहादर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) राजस्ट्रीवर्ता श्राधकारी के कार्यालय गुरदासपुर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जुलाई, 1975 को पुर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए धन्सरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से मधिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (झन्सरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्तं अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नही किया गया है :--

- (क) भन्तरण से हुई। किसी भ्राय की बाबत, 'उक्त भ्रधिनियम' के भ्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी घन या घन्य घास्तियों को, जिन्हे भारतीय धायकर घिंघिनयम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त प्रधिनियम', या धनकर घिंघिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ घन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविद्या के लिए;

भत: अभ 'उनत मधिनियम' की घारा 269-ग के अनुसरण मे, में 'उनत अधिनियम,' की घारा 269-च की उपधारा (1) के मधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, मर्थात्:— श्री मिनखी तथा पृथी सुपुत्रश्री केसर सिंह सुपुत्र बुध सिंह गांव नौशेरा।

(ग्रन्तरक)

- 2. श्री ग्रजीत सिंह, सरवार सिंह, तारा सिंह, जनन सिंह, लक्खन सिंह, सखन सिंह सपुत्रान श्री नानक सिंह, गाँव नौशेरा। (ग्रन्तरिती)
- जैसा कि नं ० 2 में है तथा किरायदार, यदि हो ।
 (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पक्ति है)
- कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हों।
 (वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के शिये कार्यवाहियां गुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की ग्रविध या तत्सम्बक्षी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबा किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जो सकेंगे।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त ग्रब्दों भीर पदों का, जो 'उक्त ध्रधिनियम,' के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही धर्ष होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2941, जुलाई, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी गुरदास पुर में है।

> वी० श्रार० सगर, सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, श्रमृतसर

तारीख: 21-2-76

मोहरः

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

म्रायकर म्र**धिनिय**म, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के म्र**धीन** सूचना

भारत सरकार

सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भ्रमृतसर

अमृतसर, दिनांक 6 मार्च, 1976

निदेश सं० बी० टी० डी०/267/75-76--यतः मुझे, वी० ग्रार० सगर

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्य 25,000/- रु० से ग्रिष्ठक है भौर जिसकी सं० धरती का दुकड़ा, रतन नगर गोनिधाना रोड, है तथा जो भटिंडा में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय भटिंडा में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के भधीन जन, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से सम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्नह प्रतिशत से अधिक है भौर अन्तरक (अन्तरकों) श्रोर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त श्रिधिनयम, के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रम्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धनकर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः श्रव उक्त ग्रधिनियम को धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, में, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रयीत :---

4-506GI/75

1. श्रजिन्द्र सिंह सुपुत्र श्री गुरचरन सिंह नजदीक पंज रतन होटल गोनिश्राना रोड, भटिंडा।

(भ्रन्तरक)

2. मैसर्स पंज रत्न होटल, गोनिम्राना रोड, भटिंडा। (म्रन्तरिती)

3. जैसा कि नं ० 2 में है तथा किरायेदार, यदि हो तो । (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की धविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की धविध, जो भी
 धविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
 हितवब किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी
 के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती का दुकड़ा रतन नगर गोनिम्नाना रोड, भटिंडा में जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 1847 जून, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता म्रधिकारी के कार्यालय में लिखा है।

> वी० भ्रार० सगर, सक्षम मधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

तारीख: 6-3-76 मोहर्: प्ररूप भाई०टी०एन०एस० ---

श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, भ्रमृतसर

अमृतसर, दिनांक 6 मार्च, 1976

निदेश सं० बी० टी० डी०/268/75-76—यत: मुझे, बी० श्रार० सगर

आयकर अधिनियम,

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनयम' कहा गया है), की धारा 269 ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से श्रिधिक है श्रीर जिसकी सं० धरती का टुकड़ा, रतन नगर, गोनिश्राना रोड, है तथा जो भटिंडा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय भटिंडा में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जून, 1976

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रधि-नियम के श्रधीन, कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रधिनियम, या धनकर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

श्रतः श्रव उक्त श्रिधिनियम, की धारा 269-ग के श्रतु-सरण में, मैं, उक्त श्रिधिनियम, की धारा 269च की उपधारा (1) श्रिधीन निम्निखित व्यक्तियों, श्रर्थात्:—

- गुरचरन सिंह सपुत्र श्री रतनसिंह नजदीक पंज रत्न होटल गोनिम्राना रोड भटिंडा (प्रन्तरक)
- मैंसर्ज पंज रत्न होटल, गोनिम्रामा रोड, भटिडा। (ग्रन्सरिती)
- जैसा कि नं० 2 में है तथा किरायेदार, यदि हो तो ।
 (वह व्यक्ति जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह ध्यक्ति जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्य सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ब्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी श्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो 'उक्त ग्रिधिनियम', के ग्रध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वहीं ग्रथं होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पलाट रत्न नगर, गोनिम्नाना रोड, भटिंडा में जैसा कि रजिस्ट्री-कृत विलेख मं० 1868 महीना जून, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी भटिंडा के कार्यालय में लिखा है।

> वी० श्रार० सगर, सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

ता**रीख**: **6-3-7**6

प्रकृप प्राई० टी० एन० एस०-----

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज, श्रमृतसर

अमृतसर, विनांक 6 मार्च, 1976

निदेश सं० एम० एण्ड टी०/269/75-76—यत: मुझे, बी० श्रार० सगर आयकर अधिनियम,

1961 (1961 का 43) (जिसे इनमे इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से प्रधिक है

भीर जिसकी सं० धरती का टुकड़ा, है तथा जो सुरजा राम मार्कीट, मलोट में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय मलोट में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जून, 1975 को पूर्वोक्त

सम्पत्ति के उलित याजार मूल्य में कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तिरित की गई है प्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पण्द्रह प्रतिशत प्रधिक है और यह कि प्रन्तरक (ग्रन्तरको) भीर प्रन्तिरती (ग्रन्तरितियों) के कीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देण्य से उक्त ग्रन्तरण लिखिण में वास्तिक रूप से किथा गया हैं:-

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रधि-नियम के ग्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; ग्रीर
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर, श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के श्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

श्रतः श्रव उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रनु-सरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269घ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रेणीत् श्री जसवंत सिंह सुपुत्र चौधरी हरजी राम मार्फत जसवंत सिंह एण्ड सन्ज, काटन गिनिंग श्रोर प्रैसिंग फैक्टरी, श्रबोहर।

(ग्रन्तरक)

श्री म्रात्मा राम सुपुत्र वेलेती राम, श्री विजय कुमार सुपुत्र श्री फूल चन्द, श्री पवन कुमार सुपुत्र श्री राजा राम मार्फत वलायती राम राजा राम कमीणन ऐजेन्ट, सुरजा राम मार्किट, मलोट।

(श्रन्सरिती)

- 3. जैसा कि नं० 2 में है तथा किरायेदार, यदि कोई हो। (वह व्यक्ति जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)
- काई व्यक्ति जो सम्पक्ति में रुचि रखता हो।
 (यह व्यक्ति जिसके बारे में प्रश्लोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पक्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्यक्ति के ब्रर्जन के निए कार्यवाहिया, करता है।

. उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सबध में कोई भी आकंप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पधा का, जो उक्त ग्रिधिनयम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

भ्रनुसूची

धरती का दुकड़ा, सुरजा राम मारकीट, मलोट जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 711 महीना जून, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी मलोट के कार्यालय में लिखा है।

> वी० म्रार० सगर, सक्षम मधिकारी सहायक श्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमुलसर

तारीख 6-3-76 मोहर: प्ररूप ब्राई० टी० एन० एस०--

भ्रायकर श्रीधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 3 मार्च, 1976

निवेश सं० 1477---यतः मुझे रवीन्द्र कुमार भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु० से मधिक है ग्रौर जिसकी सं० जैसाकि श्रनुसूची में है तथा जो जालन्धर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय आलन्धर में रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन जून, 1975 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत प्रधिक है भीर यह कि भन्तरक (भ्रन्तरकों) भ्रौर अन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं कियागया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त ग्रिधिनियम के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्रिपाने में सुविधा के लिए;

मतः ग्रब उक्त भिधितियम की धारा 269-ग के भ्रतुसरण में, मैं, उक्त अधितियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के भ्रभीत निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रधीत्:— श्री महिन्द्र कुमार सुपुत्र श्री रामजीदास सुपुत्र जवन्द कुमार एन० डी० 112, विकम पुरा, जालन्धर गहर।

(ग्रन्तरक)

- 2. श्री मती सरस्वती बाई पत्नी श्री राम लाल सुपुत्र श्री रामचन्द डब्ल्यू० एफ०-145, ग्राली मुहल्ला, जालन्धर। (श्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

 जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के प्रजैन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की लामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
 श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रीधिनयम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2624, जून 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, जालन्धर में लिखा है।

> रवीन्द्र कुमार, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर **ग्रायुक्त** (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालस्वर

तारीख: 3-3-1976

प्रकप आई० टी० एन० एस०---

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन, रेंज, जालन्धर

दिनांक 3 मार्च 1976

निदेश सं० 1478---यतः मुझे रवीन्द्र कुमार म्रायकर भ्रधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु० से ग्रधिक है ग्रौर जिसकी सं० जैसा कि श्रधिकृत विलेख नं० 4041, जुलाई 1975 में है तथा जो जालन्धर में स्थित है (श्रीर इससे उिपाबद्ध भ्रनुसुची में भ्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन जुलाई, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दुश्यमान प्रतिकल के लिए ग्रन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भौर अन्तरक (प्रम्तरकों) भौर अन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-थ की उपघारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रर्थात:---- श्रीमती सरदारी पत्नी रामजीदास, विकरमपुरा, जालन्धर।

(ग्रन्तरक)

 श्रीमती सरस्वती बाई, पत्नी राम लाल सुपुन्न रामचन्य ष्टरुप् एफ-145, श्रली मोहल्ला, जालन्धर।

(भ्रन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है ।

(बह व्यक्ति, जिसके श्रक्षिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(बह व्यक्ति जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षर) जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उयत सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजगत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं ० 4041, जुलाई; 1975 को रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिप्तकारी जालन्धर में लिखा है।

> रवीन्द्रं कुमार, सक्षम मधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुजंन रेंज, जालन्धर

तारी**ज: 3-3-7**6

[PART III—SEC. 1

प्रकृप आई • टी • एन • एस • ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्स (निरीक्षण)

म्रर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 3 मार्च 1976

निदेश सं० 1484- -यतः मुझे रयीन्द्र कुमार म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आरा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित धाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है ग्रौर जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 4044 जुलाई, 1975 में है सथा जो जालन्धर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची मे श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन जुलाई, 1975 को पृत्रोंबत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत श्रधिक है भीर यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्त-लिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उयत अधिनियम', के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भ्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्षारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

श्रतः श्रब 'उक्त श्रधिनियम', की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं 'उक्त श्रधिनियम', की धारा 269-य की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखत व्यक्तियों, श्रथीत् :-- श्री मोहिन्त्र कुमार पुत्र रामजीदास सुपुत्र जीवन्द लाल वासी विक्रमपुरा, जालन्धर ।

(श्रन्तरक)

2 श्री कृष्ण लाल सुपुत्र रामलाल पुत्र रामचन्द उरल्यू० एफ-145, श्रली मोहल्ला, जालन्धर ।

(भ्रन्तरिती)

3 जैसा कि न० 2 में है। (वह व्यक्ति जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)

4 कोई भी व्यक्ति जो सम्पत्ति में रिच रखता हो। (वह व्यक्ति जिनके बारे मे अधोहस्ताक्षरी जःनता है कि वह सम्पत्ति में हितबस हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजंन के संबन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अघोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त मध्यों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्र**मुस्**ची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीक्वत विलेख नं० 4044 जुलाई 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता भिष्ठकारी जालन्धर में लिखा है।

> रवीन्द्र **कुमा**र, सक्ष**म श्रधिकारी** सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, जालस्थर

तारीख: 3-3-76

प्ररूप आई० टी० एम० एस०----

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, ज(लन्धर

जालन्धर, दिनांक 4 मार्च 1976

निदेश सं० 1485--यतः मृझे रत्रीन्द्र कुमार,

श्रायकर श्रिधिनयम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्त बाजार मूच्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी स० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4042, जुलाई, 1975 में है तथा जो जालन्धर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ प्रमुख्नी में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्रीकर्ती श्रिधकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूह्य से कम के दृश्यमाम प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूह्य, उसके दृश्यमाम प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमाम प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिमत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विखित में वास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिकों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट मुद्दी किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

असः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नसिखित अ्यक्तियों, अर्थातः :—

- श्री प्रताप चन्द परनी रामजीवास सुपुत्र जावन्द लाल वासी विकमपुरा, जालन्धर । (भ्रन्तरक)
- श्री रामप्रकाश पुत्र राम लाल पुत्र राम चन्द इन्त्यू एफ-अली मोहल्ला, जालन्छर ।

(प्रन्तरिती)

3 जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके भ्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4 कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में ठिच रखता हो। (यह व्यक्ति, जिनके बारे मे अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुँ।

उस्त सम्पत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी खा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्यास्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त मध्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भ्रष्यं होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं ० 4042 जुलाई, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> रवीन्द्र कुमार, सक्षम श्रधिकारी महायक श्रायंकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्थन रेंज, जालन्धर

नारीख: 4-3-76 मोहर प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

श्रायकर श्रिविनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक शायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, आलन्धर

जालन्धर, दिनांक 4 मार्च 1976

निवेश सं० 1486--यतः मुझे रवीन्द्र कुमार, म्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु० से प्रधिक है भ्रौर जिसकी सं ० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं ० 3767, जुलाई, 1975 में है तथा जो जालन्धर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद अन्सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण मधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख जुलाई, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (ग्रन्तरिसियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उन्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, 'उनत ग्रिधिनियम', के श्रिधीम कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (का) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर भिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर भिधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

श्रतः श्रव 'उक्त श्रधिनियम', की धारा 269-ग के श्रमुसरण में, में, 'उक्त श्रधिनियम', की धारा 269-थ की उपधारा (1) के श्रधीम, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रयात् :--- श्री प्रशोत्तम लाल सुपुत्र रामजीवास सुपुत्र जिवन्द लाल वासी नेहरू प्राउन्ड रोड, जालन्धर।

(मन्तरक)

2. श्री राम प्रकाश, बन्सीलाल, कृष्ण लाल, सुपुत्र राम लाल सुपुत्र राम चन्द वासी डब्ल्यू एफ 145, प्रली मोहल्ला, जालन्धर।

(भ्रन्सरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में धिन रखता हो।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में ध्रधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी, करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिम की श्रविध जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से, किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिम के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ध्रन्थ व्यक्ति द्वारा घ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो 'उक्त श्रिक्षियम', के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं मर्थ होगा जो उस श्रष्टयाय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3767 जुलाई, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> रवीन्द्र कुमार, सक्षम श्रधिकारी सहायक द्यायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 4-3-76

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०----

म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के म्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनाक 4 मार्च 1976

निरोश स० 1487---यतः मुझे रवीन्द्र कुमार भायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पक्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु० से श्रधिक है श्रीर जिसकी स० जैसावि श्रनुसूची मेहै तथा जो जालन्धर मे स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णिन है) रजिस्द्रीकर्ता प्रधिकारी के बार्यालय जासन्धर में रजिस्द्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जुलाई, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिक्ल के लिए प्रन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है ग्रीर ग्रन्तरक (ग्रन्तरको) भौर अन्तरिसी (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नही किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबस, उक्त ग्रिधिनियम, के श्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी घन या श्रन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त श्रधिनियम, याधनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः भ्रष उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में, मै, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के भ्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथित :--5-5000/75

- शी प्रताप चन्द सुपुत्र श्री रामजी दास सुपुत्र श्री जवन्त लाल निवासी एन० डी०-112, विक्रम पुरा, जालन्धर। (ग्रन्तरक)
- 2 श्री रामप्रकाण सुपुत्र श्री राम लाल सुपुत्र श्री राम चन्द ृष्टब्स्यू० एफ-145, श्राली मुहल्ला जालन्धर। (श्रन्तरिती)
- 3. जैसानं० 2 में है। (बह व्यक्ति जसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्ति यो में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
 हिसबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी
 के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

हपष्टीकरण — इसमे प्रयुक्त शब्दो श्रीर पदो का, जो उक्त श्रिधिनयम, के श्रध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस शब्याय मे दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकत विलेख नं० 2620, जून, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी जालन्धर में लिखा है ।

> रवीन्द्र कुमार, सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीखा: 4-3-76

मोहरः

प्ररूप माई०टी०एन०एस०---

धायकर धिं वियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर त्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 4 मार्च 1976

निदेश सं० 1488---यतः मुझे रवीन्द्र कुमार धायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से प्रधिक है भ्रौर जिसकी सं० ज़ैसा कि अनुसूची में है तथा जो जालन्धर में स्थित है (ब्रौर इससे उपाबद्ध ब्रनुसूची में ब्रौर पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर मे रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जून, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पम्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है भीर धन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में धास्तविक रूप से कथित नही किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, 'उक्त भ्रधिनियम', के श्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी द्याय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपन्ने में सुविधा के लिए;

द्यतः, भव, 'उन्त प्रधिनियम' की धारा 269-ग के धनुसरण में, में, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-च की उन-खारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथति:-

- देवेन्द्र कुमार सुपुत्र श्री देवराज सुपुत्र श्री जवन्द लाल एन एल-60, बाजार कलां, जालन्धर । (ग्रन्तरक)
- 2. श्री राम प्रकाण सुपुत्र श्री राम लाल सुपुत्र श्री रामचन्द निवासी डब्ल्य एफ-145, अली मुहल्ला, जालन्धर। (ग्रन्सरिती)
- 3. जैसा कि नं० 2 मे है।

(बह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में इचि रखता है।
(बह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि बह सम्पत्ति में हितबदा है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के ग्रर्जंभ के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपल्ल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्परक्षीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो 'उन्तं श्रीधनियम', के भव्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही भवें होगा, जो उस भव्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3005, जून, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी जालन्धर में लिखा है।

> रवीन्द्र कुमार, सक्षम प्रधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 4-3-76

प्रकृप माई० टी० एन० एस०-----

आयंकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के मधीन सूचना 🗡

भारत सरकार

भार्यालय, सहायक भार्यकर भार्युक्त (निरीक्षण) भर्जन रेज जलन्भर

जालन्धर, दिनाक 4मार्च 1976

निदेश स० 1489—यतः मुझे रवीन्द्र कुमार, श्रायकर अधिनियम

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा

269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूत्य 25,000/- रु० से ग्रधिक है

श्रौर जिसकी स० जैसा कि रजिस्ट्रीक्वत विलेखन० 3006, जून, 1975 तथा जो जालन्धर में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख जून, 1975 को पूर्वोवत

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित साजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत ग्रधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है –

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त श्रधि-नियम के अधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविक्षा के लिए, और
- (का) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्सियों की, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिन्यम. 1922 (1922 का 11) या उवत ग्रिधिनियम. या धनकर ग्रिधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्श्र ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्राया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

श्रत श्रव उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-म के ग्रमु-सरण में, में, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियो, ग्रथित हंस रानी ग्रलाइस सरदारो पत्नी देवराज सुपुत्न जवान्द लाल वासी एन एल-60, बजार कला, जालन्धर द्वारा दर्शना पुत्नी देवराज पत्नी नरिन्द्र भल्ला

(भ्रन्तरक)

 सरस्वती बाई पत्नी रामलाल डब्ल्यू एफ 145, अली मोहल्ला, जालन्धर।

(भ्रन्तरिती)

3. जैसा कि न० 2 में है।

(वह व्यक्ति. जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4 कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
(वह व्यक्ति जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहिया णुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सबध में कोई भी धाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तृत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जीभी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरण ---इसमे प्रयुक्त शब्दो श्रीर पदो का, जो उक्त ग्रिधिनियम, के श्रध्याय 20-क मे यथा-- परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा, जो उस े श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 3006, जून, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> रवीन्त्र कुमार, सञ्जम मधिकारी सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेज, जालन्धर

तारी**खः 4-3-7**6

प्ररूप माई० टी० एन० एस०---

भायकर भधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 4 मार्च 1976

निदेश सं 1490— यत मुझे रवीन्द्र कुमार, आयकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्स श्रीधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से श्रिधिक है और जिसकी सं जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेखनं 3004, जून; 1975 में ह तथा जो जालन्धर में स्थित है (श्रोरइ ससे उपाबद्ध श्रमुची में और पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन जून, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है भीर अन्तरक (श्रन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तिषक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये, और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रस्य ग्रास्तियों
 को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या
 धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
 प्रयोजनार्थ ग्रन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
 या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
 लिए;

भ्रतः ग्रब उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्निलिखत व्यक्तियों, श्रधीन :--- श्रीमती सरवारो रानी भ्रलाइस हंस रानी पत्नी देवराज सुपुत्र जवन्दलाल वासी एन एल 60, बजार कलां, जालन्धर।

(म्रन्तरक)

 श्री कृष्णलाल सुपुत्र राम लाल् सुपुत्र रामचन्द डब्ल्यू एफ 145, अली मुहल्ला, जालन्धर ।

(म्रन्तरिती)

3. जैसा कि न० 2 में है।

(वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
 श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोवत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हित-बद्ध किसी ध्रन्य व्यक्ति ब्रारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रधिनियम के ग्रध्याय 20-वः में परिभाषित हैं, वहीं ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

भूमि जैसा कि राजस्ट्रीकृत विलेख नं० 3004, भून, 1975 को राजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> रवीन्द्र कुमार, सक्षम ग्रंधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 4-3-1976

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर <mark>ग्रायुक्त (निरीक्षण)</mark> ग्रर्जन रेज, जासन्धर

जालन्धर, दिनाक 4 मार्च, 1976

निदेश स० 1491---यतः मुझे रवीन्त्र कुमार, (1961 ग्रधिनियम, 1961 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उषत भ्रधिनियम' गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से प्रधिक है श्रौर जिसकी स० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 3036, जून, 1975 में है तथा जो जालन्धर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वॉणत है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर मे रजिस्दीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के मधीन जून, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत से ग्रधिक है ग्रौर यह कि ग्रन्तरक (ग्रन्तरको) ग्रौर भ्रन्तरिती (भ्रन्तरितियो) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तया पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उस्त ग्रन्तरण लिखित में यास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11), या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट मही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिये;

श्रतः श्रव उक्त श्रिधिनियम की घारा 269-ग के श्रनुसरण में, मै, उक्त श्रिधिनियम की घारा 269-म की उपधारा (1) के श्रिधीन निम्मलिखित व्यक्तियो, श्रिशीत :---

 उमा पुत्री देवराज सुपुत्र जवन्दलाल मोहल्ला, माहली गेट, फगवाड़ा, ।

(ग्रन्तरक)

2 श्री बन्सी लाल सुपुत्त रामलाल सुपुत्त रामचन्द डब्ल्यु एफ-145, श्रली मूहल्ला, आलन्धर।

(भ्रन्तरिती)

- 3. जैसा कि न० 2 मे है। (बह क्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग मे सम्पत्ति है)
- कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो ।
 (वह स्यक्ति, जिनके बारे में भ्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पर्ध्वीकरण: इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो 'उक्त अधि-नियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसू**च**ी

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 3036, जून, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> रवीन्द्र कुमार, सक्षम अधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजैन रेज, जालन्धर

तारीख: 4-3-76

प्ररूप आई० टी० एम० एस०⊸---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जनरेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 4 मार्च 1976

निदेश सं० 1492--यतः मुझे रवीन्द्र कुमार, ध्रधिनियम 1961 (1961 का इसमें इसके पण्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है भौर जिसकी सं० जैसा कि श्रधिकृत विलेख नं० 3037, जून, 1975 में है तथा जो जालन्धर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्याक्षय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन जून, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अम्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में

(क) अम्सरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बखने में सुविधा के लिए; और/या

वास्तविक रूप से कथित नही किया गया है:--

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजमार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, पै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— दिवन्द्र कुमार सुपुत्र देवराज सुपुत्र जवान्द लाल एन एल-60 बजार कलां, जालन्धर।

(श्रन्तरक)

 श्री राम प्रकाश सुपुत्र रामलाल सुपुत्र रामचन्द डब्स्य एफ-145, ग्रली मुहल्ला, जालन्धर।

(भ्रन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई त्यक्ति जो सम्पत्ति में रूचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिसबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की ताभील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वव्हीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3037, जुन, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी जालन्धैर में लिखा है।

> रवीन्द्र कुमार, सक्षम श्रधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, जालन्धर

तारीख: 4-3-76

प्रारूप बाई०टी०एन०एस०-------

धायकर स्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनाक 4 मार्च 1976

निदेश सं० 1493---यतः मुझे रवीन्द्र कुमार, श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रु० से श्रधिक है

भौर जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2729, जून, 1975 में है तथा जो जालन्धर में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध श्रन्सूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन जून, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के

PART III-SEC. 11

उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए घन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके धृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत द्याधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप मे कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत 'उक्त ग्रिधिनयम', के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के वायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या ग्रन्थ ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'जन्त ग्रिधिनियम', या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मे सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रंथ 'उस्त ग्रंघिनियम', की घारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, 'उस्त ग्रंघिनियम', की घारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रंथीत्:— 1. प्रतापचन्द सुपुत रामजीदास सुपुत जवान्दलाल एन जी० 112, विकस पुरा, जालन्धर ।

(श्रन्तरक)

 श्री रामप्रकाम सुपृत्त रामलाल डब्ल्यु एफ-145, प्रली मुहल्ला, जालन्धर ।

(भ्रन्तरिती)

3 जैसा किनं० 2 में है।

(वह ब्यक्ति जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

वि कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीवत सम्पत्ति के धर्जन के लिये एतद्द्वारा कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की लारीख से 45 दिन की शवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की शवधि, जो भी शवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 455 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, घन्नोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पटिकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त श्रधिनियम', के शध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही शर्ष होगा, जो उस शब्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2729, जून, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता म्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> रवीन्द्र कुमार, सक्षम ग्रधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजैन रेंज, जालन्धर

तारीख: 4-3-76

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर घायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 4 मार्च 1976

निदेश सं० 1495—यतः मुझे रवीन्द्र कुमार, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास फरने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/— रु० से अधिक है श्रौर जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3038, जून 1975 में है तथा जो जालन्धर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रन्सूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जून, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे कुन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचनें में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः अब, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के भ्रनुसरण में, में, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रथीत्:—

- श्रीमती हंसरानी श्रलाइस सरदारो पत्नी देवराज सुपुत्र जवन्दलाल, एन एल-60, बजार कर्ली, जालन्धर। (ग्रन्तरक)
- श्रीमती सरस्वती काई पत्नी रामलाल सुपुत्र रामचन्द डब्ल्यु एफ-145, ग्रली मुहल्ला, जालन्धर । (ग्रन्तरिती)
- जैसा कि नं० 2 में है।
 (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पक्ति है)
- कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति म रुचि रखता हो ।
 (वह श्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भ्रजेंन के सम्बन्ध में कोई भी भ्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपद्ध में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थायर सम्पत्ति में हितबब किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्हीकरण :--इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों को, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसाकि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3038, जून, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी जालन्धर म लिखा है।

> रवीन्द्र कुमार सक्षम म्रधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजैन रेंज, जाल-भ्रर

सारी**ख: 4-3-7**6

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

भायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 4 मार्च 1976

निदेश सं० 1496—यतः मुझे रवीन्द्र कुमार, प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उवत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3142 जून,1975 में है तथा जो जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन जून, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित है श्रौर मुझे यक्ट विश्वास कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत संघधिक है - ग्रौर - ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) **मौर** मन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में भारतिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) ध्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, 'उक्त प्रधिनियम', के ध्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हे भारतीय ग्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त ग्रधिनियम', या जन-कर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव 'उक्त श्रधिनियम' की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, 'उक्त श्रधिनियम' की धारा 269-व की उप-धारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रवांत:— श्री उमा सुपुत्र देवराज सुपुत्र जवान्दलाल मोहली गेट, फगवाङ्गा ।

(ग्रन्तरक)

 श्री बन्सी लाल सुपुत्र रामलाल सुपुत्र रामचन्य डब्ल्यू एफ-145, धली मुहल्ला, जालन्धर।

(ग्रन्तरिती)

3. जैसाकि नं० 2. पर है।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो । (वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्मंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति दारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखिक्त में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस मध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3142, जूम, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> रवीन्त्र कुमार, सक्षम प्रधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, जालन्धर

तारीख: 4-3-76

मोहरः

6---506GI/75

प्ररूप प्राई०टी०एन०एस०----

भायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के भधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक द्यायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 4 मार्च 1976

निदेश सं० 1497—यतः मुझे रवीन्द्र कुमार, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्नत ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से प्रधिक है भ्रौर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में दी है तथा जो जालन्धर में स्थित है (भ्रोर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भ्रोर पूर्ण रूपसे वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन जून, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के अचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है ग्रौर यह कि ग्रन्तरक (भ्रन्तरकों) धीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उनत प्रन्तरण लिखित में वारितवक रूप से कथित नही किया गया है:---

- (क) श्रस्तरफ से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रधि-नियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐरी विसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 वा 11) या उक्त भ्रधिनियम या हत-क्रण भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में गतिशा के लिए;

श्रत: श्रव उमत श्रधिमियम की धारा 269-ग के धनु-सरण में, मै, उबत श्रधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-- श्रीमती सरदारो रानी ग्रलाईस हंस रानी सुपुत्री देवराज सुपुत्र श्री जवन्द लाल, एन० एल०-60, बाजार कलां, जालन्धर ।

(ग्रन्सरक)

- 2. श्री कृष्णलाल सुपुत्र राम लाल सुपुत्र श्री राम चन्द डब्ल्यू० एफ०-145, ग्रली मृहल्ला, जालन्छर। (भन्तरिती)
- 3. जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में इचि रखता हो।
 (वह व्यक्ति जिनके बारे में प्रघोहस्ताकरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबक्क है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति के संबंध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की श्रविध या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविष्ठ, जो भी
 श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में दो किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3039 जून; 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> रवीन्द्र कुमार, सक्षम भ्रधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजैन रेंज, जालन्बर

तारीख: 4-3-76

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुवत (निरीक्षण),

धर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 4 मार्च 1976

निदेश सं० 1498—यतः मुझे रवीन्द्र कुमार, प्रायकर प्रधिनियम, 1961
(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है भीर जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3040, जून, 1975 में है तथा जो जालन्धर में रिथत है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रमुख्वी में भ्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रजिरद्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन जून, 1975
को पूर्वीकत सम्पत्ति क उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरको) आर अन्तरित (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
सम्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन करदेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

भत: अब उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के भ्रनुसरण में, मै, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियो, भ्रथीत्:—— श्रीमती हंसरानी ध्रलाईस सरदारो रानी विधवा श्री देवराज सुपुत्र जवान्दलाल वासी एन० एल०-60, बजार कर्ला, जालन्धर।

(भ्रन्तरक)

2. श्री बन्सीलाल सुपुत्र राम लाल सुपुत्र रामचन्द डब्ल्यू एफ० 145 श्रली मुहल्ला, जालन्धर । (ग्रन्तरिती)

 जैसा कि नं० 2 में है । (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

 कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है किय ह सम्पत्ति मे हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लियं कायंवाहिया करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास जिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अग्नि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3040 जून, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> रवीन्द्र कुमार, सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, जालन्धर

तारीख: 4-3-76

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 4 मार्च 1976

निवेश सं० 1499--यतः मुझे रवीन्त्र कुमार, श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है भीर जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3041, जून, 1975 में है तथा जो जालन्धर में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्र<mark>धिकारी के</mark> कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जून, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यभान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उकत अन्सरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नही किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर वेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स्त्र) ऐसी किसी आय या किसी धन या अम्य धास्तियों की, जिन्हें भारतीय श्रीयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ण अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए धा, श्विपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः अब उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मै, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के ग्रिधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, पर्यातः—

1. श्री जगदीश कुमार सुपुत्र देवराज सुपुत्र जवान्व लाल एन० एल०-60, बजार कला, जालन्धर।

(ग्रन्तरक)

- 2. श्री बन्सी लाल सुपुत्र रामलाल सुपुत्र रामधन्द डब्ल्यू० एफ०-145, धली मुहल्ला, जालन्धर । (ध्रन्तिरती)
- जैसा कि नं० 2 में है।
 (वह व्यक्ति, जिसके ब्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो ।
 (वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हित बद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी ब्राक्षेप:--

- (क) इस सृचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी खासे 45 दिन की अवधि या तत्संबधी व्यक्तियों पर सृचना की तामी के से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पर्क्तीकरण:---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3041, जून, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> रवीन्द्र कुमार, सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, जालन्धर

तारीखः 4-3-76

प्ररूप आई० टी० एन• एस•-

भायकर भिर्मितयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के भधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 4मार्च 1976

निदेश सं० ए० पी०-1500-यतः मुझे रवीन्द्र कुमार,

म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ४० से घ्रधिक है भीरजिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में है तथा जो जालन्धर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रन्सूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्टीकरण म्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के मधीन जून 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिप्त की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल कापन्द्रह प्रतिशत ग्रधिक है भौर भ्रन्तरक (श्रन्तरकों) भौर भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में धास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है-

- (क) ध्रम्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रधि-नियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धनकर भ्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रव उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रन्-सरण में, मै, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीतः--

- श्रीमती हं परानी ग्रलाईस सरदारो रानी विधवा श्री देवराज सुपुत्र श्री जबन्दलाल निवासी, एन० एल०-60, बाजार कलां, जालन्धर। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री रामप्रकार्ग, बन्सीलाल, कृष्णकाल, सुपुत्र श्री रामलाब सुपुत्र श्री राम चन्द निवासी डब्ल्य्० एफ०-145, ग्राली मुहल्ला, जालन्धर। (ग्रान्तरिती)
- 3. जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में ६चि रखता हो।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में श्रघोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की ध्रविध या सत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की सामील से 30 दिन की ध्रविध, जो भी
 ध्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:—इसमें प्रयुवत मध्यों भीर पदों का, जो उक्त भिक्षितयम, के श्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं भर्य होगा, जो उस भध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3141, जून 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी जालन्ध्र में लिखा है।

> रवीन्द्र कुमार, सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, जालन्धर

तारीख: 4-3-76

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०----

द्यायकर मिश्चितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म(1) के म्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर श्रामुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 4 मार्च 1976

निदेश सं० 1501—-यतः मृत्ते रवीन्द्र कुमार, ग्रायकर अधिनियम,

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रक्षिनियम' कहा गया है), की धारा 269-म्त्र के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से प्राधिक है

भीर जिसकी सं ज जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं 3140, ज्न, 1975 में है तथा जो जालन्धर में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध धनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जून, 1975 को पूर्वोक्त

- •सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए ध्रन्ठरित की गई है धौर मुझे यह विण्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृण्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृण्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिग्रत ग्रिधिक है धौर यह कि ध्रन्तरक (ध्रन्तरकों) धौर प्रन्तरिती (ध्रन्तरितियो) के बीच ऐसे ध्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल. निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ध्रन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:-
 - (क) मन्तरण से हुई किसी माय की बाबत उक्त भिध-नियम के मधीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर
 - (ख) ऐसी किसी ग्राय था किसी धन या श्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत ग्रिधिनियम, या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

शतः ग्रव उक्त शिक्षितयम की धारा 269-ग के भ्रनु-सरण में, मैं, उक्त शिक्षितियम, की धारा 269 व की उपधारा (1) के शिथीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीत् 1 श्रो जगदोश कुमार सुपुत्र देवराज सुपुत्र जवान्दल, ल एन० एल०-60, बजार कलां, जालन्धर।

(अन्तरक)

- 2. श्री बन्सी लाल सुपुत्र राम लाल सुपुत्र रामचन्द डब्ल्यू॰ एफ॰-145, ग्रली मुहल्ला, जालन्धर। (ग्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में भ्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के म्रर्जन के लिए कार्यवाहिया गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की प्रविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविधि, जो भी प्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाणन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उस्त श्रिधिनियम, के श्रध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं. बही श्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3140, जून, 1975 को रजिस्टीकर्ता श्रविकारी जालन्धर में लिखा है।

> रवीन्द्र कुमार; सक्षम प्रक्षिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, जालन्धर

तारीख 4-3-76 मोहर: प्रकप आई० टी० एन० एस०-

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज, जाल*न*धर जालन्धर, दिनांक 4 मार्च, 1976

निदेश सं॰ 1502--यतः मुझे रवीन्द्र कुमार, मायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है भौर जिसकी सं० जैमा कि रजिस्ट्रोकृत विलेत्तख नं० 2618 जून 1975 में है तथा जो जालन्धर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वींगत है) रजिस्ट्रीकर्चा अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, जुन, 1975 को पूर्वोक्त सम्पक्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझेयह विश्वास करन का कारण है वि यदा'पूर्वोवत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकृत के पन्द्रह प्रतिशात से अधिक है और अन्तरक (अन्सरको) और अन्सरिती (अन्तरितियों) **के ब**िक्र ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, नि≭न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिश्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया या या किया जाना चाहिए था, या छिपाने में स्विधा के लिए;

मत: अब 'उम्त अधिनियम' की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीम निम्नलिखित ध्यक्तियों, अर्थात् :---

1. श्री राजगोपाल श्रलाईस राम गोपाल सुपुत्र रामजीदास सुपुन्न जवान्दलाल , एन० डी०-112, विक्रमपुरा, जालन्धर।

(ग्रन्तरक)

- 2. श्री कृष्ण लाल सूप्त्र राम लाल सूप्त्र रामचन्द **ड**ब्ल्यू० एफ०-145, **ग्र**ली मुहल्ला, जालन्धर । (भ्रन्तरिती)
- 3. जैसाकि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिक्षिगेग में सम्पत्ति है)
- (4) कोई भी व्यक्ति जो इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्संबर्धी ध्यक्तियो पर भूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खा) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अम्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जासकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्धों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिमाणित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भ्मि जैता कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2618 जून, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> रवीन्द्र कुमार, सक्षम प्रधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जाल**न्धर**

सारीख. 4-3-76

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 4 मार्च 1976

निदेश सं० 1503--यतः मुझे रवीन्द्र कुमार, 1961 (1961 का 43) (जिसे द्यायकर द्यधिनियम, इसमें इसके पण्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुपये से अधिक है भौर जिसकी सं० जैमा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2727, जून, 1975 में है तथा जो जालन्धर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध मनसूचो में म्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता म्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, जन, 1975 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दुभ्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है ग्र**ौर** मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि वथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पग्बह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कियात नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के श्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्वं में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य म्रास्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 कां 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्नतः अब 'उक्त ग्रिधिनियम' की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, 'उक्त अधिनियम', की घारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः—

- श्री मोहिन्द्र कुमार सुपुत्र रामजीवास सुपुत्र जवान्दलाल वासी एन० डी०-112, विकमपुरा, जालधर। (मन्तरक)
- 2. श्रीमती सरस्वती बाई विधवा श्री रामलाल सुपुत्र रामचन्द डःल्यू एफ-145, ग्रली महन्ला, जालन्धर। (ग्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)
- कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रूचि रखता हो।
 (वह ल्यक्ति, जिसके बारे में प्रघोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के म्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपद्ध में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितअद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2727, जून, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> रविन्द्र कुमार, सक्षम प्राधिकार सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, जालघर

तारीख: 4-3-76

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, नई दिल्ली-1

4/14क, भ्रासफअली मार्ग, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 26 फरवरी 1976

निर्देश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० प्रार०-III/
जुलाई-1/883 (42)/75-76/----प्रतः मुझे, चं० वि० गुप्ते,
आयकर अधिमियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी को यह
बिश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
प्रौर जिसकी सं० डक्स्यू०-25 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-11, नई
दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से
विजित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के श्रधीन, तारीख 15-7-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तिधक रूप से कथित नहीं किया गया है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या विस्या जानां चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मत: मब 'उन्त मधिनियम' की धारा 269-ग के भनुसरण में, में, 'उक्त मधिनियम', की धारा 269-व की उपधारा (1) के मधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, मर्थात्:— 7—506GI/75

- मै० डी० एल० एफ० यूनाईटेड लि०, ४०-एफ० क्नाट पर्लंस, नई दिल्ली (अन्तरक)
- 2. मैं ॰ मोहता काटन मिल्स (प्रा॰) लि॰, 59, गोलफ लिकस, नई बिल्ली। (ग्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:-

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही भ्रष्ट होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भ्रनुसूची

एक प्लाट की भूमि जिसका नं० 25, ब्लाक नं० 'डब्ल्यू०' है, क्षेत्रफल 1528 वर्ग गज है, जोकि निवासी कालौनी ग्रेटर कैलाश-11, नई विल्ली के बाहापुर गांव, दिल्ली की यूनियन टैरीटरी में निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व: प्लाट नं० डब्स्यू०-27 पश्चिम: प्लाट नं० डब्स्यू०-27

उत्तर : सड्क

दक्षिणः अन्य की भूमि

चं० वि० गुप्ते, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज , दिल्ली, नई दिल्ली

तारी**व** : 26-2-1976

मोहरः

प्रस्प भाई० टी० एन० एस०-----

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) $rac{1}{2}$ शर्जन रेज $rac{1}{2}$, दिल्ली-1 $rac{4}{14}$ क, श्रासफश्रली मार्ग, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 26 फरवरी 1976

निर्देश रां० प्राई० ए० सी०/एक्यु०/1/एस० प्रार०-111/ प्रक्तूबर-1 (15)/975/75-76—यतः मुझे, चं० वि० गुप्ते, आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है और जिसकी रां० 4-ई है तथा जो कनाट पर्लंस, नई दिल्ली मे स्थित है (ग्रौर इससे उपावड ग्रनुसूची मे पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्री-कर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक 10-10-1975

को पूर्वोधत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त

सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत के अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की वाबत 'उक्त ग्रिधिनियम', के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों, को जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त श्रधिनियम', या धन-कर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तिन्ति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या विया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

हत प्रव, 'उनत अधिनियम' की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, मै, 'उनत ग्रिधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रिधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात:---

- मै० भोला नाथ एण्ड ब्रदर्म (एग़० यू० एफ०), के द्वारा मै० भोला नाथ ब्रदर्स ज्वैलरस, क्ताट सर्कम, नई दिल्ली। (अन्तरक)
- 2 मैं० लाल चन्द हर नारायण एण्ड ग्रमर चन्द सेठ, 4-ई०, कनाट पलेस, नई दिल्ली। (ग्रन्गरिती)
- 3. मैं० रघु मल एण्ड सण्म, दिल्ली (2) मैं० देना बैक (3) मैं० प्रानन्द फाइनैन्प (प्रा०) लि० (वह व्यक्ति जिसके प्रधिभोग में सम्पति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिप्तबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किए जा सकेंगें।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो 'उक्त श्रिक्षित्यम', के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस शब्याय में दिया गया है।

अनुसूची

लिजहोल्ड भूमि पर बनी दुकान जिसका नं ० 4, फ्लैंट नं ० 9, ब्लाक नं ० ई० 'है, कनाट पलेस, नई दिल्ली मे, है । जिसमे एक साझा जीना जोकि इस जायदाद और मूल चन्द ट्रस्ट या इसके हिस्सेदारों के बीच प्रयोग किया जाता है, उन सभी श्रधिकारों सहित निम्न प्रकार से स्थित है:——

पूर्व : साझा रास्ता कनाट हाउस, विकेता की जायदाद नथा जायदाद जोकि बेची गई जायदाद के बीच।

पश्चिम: कनाट पलेस, मुख्य सड्क

दक्षिण: साझा दिवार एल० नारायण दत्त ठेकेदार, या

इनके हिस्सेदार के बीच

उत्तर: साझा दिवार तथा सीढीयां मूल चन्द की जायदादयाइसके हिस्सेदारों के दीचा

> चं० वि० गुप्ते, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज I, दिल्ली, नई दिल्ली 1

तारीखाः 26-2-1976

प्ररूप माई० टी० एन० एस०-----

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेज-I दिल्ली-1

> 4/14 क, श्रासफन्नली मार्ग, नई दिल्ली। नई दिल्ली, दिनांक 26 फरवरी 1976

निर्देश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यू०/1 /एस० ग्रार०-111/
ग्रगस्त 1/75-76—ग्रत: मुझे, चं० वि० गुप्ते,
श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से श्रधिक है
ग्रौर जिसकी सं० एस०-222 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-11, नई
दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्व रूप से विणत
है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16)के ग्रधीन,
तारीख 7-8-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उधित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत 'उक्त प्रधिनियम,' के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त भ्रिधिनियम,' या धन-कर भ्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

म्रतः भ्रव 'उक्त मधिनियम' की धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, 'उक्त भ्रधिनियम' की धारा 269-थ की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भर्यात्:—

- मैं० डी० एल० एफ० यूनाईटिड लि०, 40-एफ०, कनाट पलैंस, नई दिल्ली (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमती कमलेश कपूर, पत्नी श्री एस० के० कपूर, द्वारा श्रार० चौपड़ा एण्ड कं० चाटर्ड एकाउन्टैन्ट, डी० बी० रोड़, बटाला (पंजाब)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

प्लाट की भूमि का दुकड़ा जिसका नं० 222, ब्लाक नं० 'एस०' है, और क्षेत्रफल 454 वर्ग गंज है, निवासी कालीनी ग्रेटर कैलाग्र-II, नई दिल्ली के बाहापुर गांव, दिल्ली की यूनियन टैरीटरी में निम्न प्रकार से स्थित है:---

पूर्व :

सर्विस लेन

पश्चिम:

सङ्क

उत्तर:

प्लाट नं० एस०-220

दक्षिण:

प्लाट नं० एस०-224

चं० वि० गुप्ते, सक्षम प्राधिकारी सहायक घ्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) [घ्रर्जन रेंज I, दिल्ली, नई दिल्ली

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेज-I, दिल्ली-1

4/14 क, ब्रासफब्रली मार्ग, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 26 फरवरी 1976

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यु०/ 1/एस० श्रार०- /जुलाई 11—/(38) 900/75-76—श्रत: मुझे, चं० वि० गुप्ते,

आयकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भूल्य 25,000/- रु० से ग्रिधिक है

श्रौर जिसकी सं० ई-263 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-1 नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची मे पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 30-7-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार श्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत श्रिक है श्रीर यह कि अन्तरक (अन्तरकों) श्रीर श्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत 'उक्त ध्रिधिनियम के श्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त भ्रधिनियम' या भ्रनकर भ्रधिनियम, 1957 (1957का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती भ्रारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः श्रब उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में; मैं, 'उन्त प्रधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीत्:—

- श्रीमती पताशो देवी, पत्नी चं० चेत सिंह, निवासी मकान नं० 1876, गुरदशारा रोड़, कोटला मुबारकपुर नई दिल्ली (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमती चन्द्र मोहीनी निगम, पत्नी डा० इन्देशवर निगम, निवासी ई-263, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली (ग्रन्तरिती) की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की श्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी
 श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो 'उक्त ग्रधिनियम' के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

एक मंजिला मकान जोकि फीहोल्ड प्लाट की भूमि पर बना हुआ है, जिसका क्षेत्रफल 215 वर्ग गज है, और नं० 263, ब्लाक नं० 'ई०' है निवासी कालौनी गेटर कैलाश-1, नई दिल्ली के याक्वत गांव, दिल्ली की यूनियन टैरीटरी में निम्न प्रकार से स्थित हैं:---

पूर्व: रोड़

पश्चिम: प्लाट नं० ई-261

उत्तर: गोड़ दक्षिण: सर्विस रोड़

> चं० वि० गुप्ते, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-II, दिल्ली; नई दिल्ली-1

तारीख: 26-2-1976

प्ररूप आई० टी० एन० एस० -

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-II, दिल्ली-1
4/14क, ग्रासफग्रली मार्ग, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 19 फरवरी 1976

निर्देश सं० श्राई० ए० सीं०/एक्यु०/11/2085/1083/75-76—श्रतः मुझे, एस० एन० एल० ग्रग्नवाल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की द्यारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/— रुपये से श्रिष्ठक है और जिसकी सं० सीं०-32 है तथा जो चिनीग्रोत बस्ती, पहाङ्गंज, मुलतानी डान्डा, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुस्ची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जून 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख
के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रति-शत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तविक
कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उ**म्त** अधिनियम' अधिनियम, (1957 या धन-कर 1957 प्रयोजनार्थे का 27) के अन्तरिली द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- 1. श्री कृष्ण लाल खन्ना, सुपुत्र श्री बहादुर चन्द खन्ना, नियासी 4/94, रामेण नगर, नई दिल्ली। (श्रन्तरक)
- श्रीमती जनक रानी, पत्नी श्री रचवीर लाल शर्मा निवासी सी-32, चिनीग्रोत बस्ती, मुलतानी डान्डा, पहाड़ गंज, नई दिल्ली। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरु करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगें।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान जो 100 वर्ग गज क्षेत्रफल प्लाट पर बना हुआ है, जिसका नं र सी-32 है, चिनी स्रोत बस्ती, मुलतानी डान्डा, पहाड़गंज, नई दिल्ली में है।

एस० एन० एल० अग्रवाल, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 19-2-1976

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की सारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-II दिल्ली-1

4/14 क, श्रासफग्रली मार्ग, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 19 फरवरी 1976

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यु०/11/1084/2195/ 75-76----म्रत: मुझे, एस० एन० एल० भ्रम्नवाल

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 17-सी० है तथा जो भावु कालोनी फील मिस्तान के पास, माडल बस्ती, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध

पास, माडल बस्ती, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड़ अनुसूची में पूर्व रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के

दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है

और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत - श्रधिक है और यह कि अन्तरक
(अन्तरकों) श्रौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के
लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में बारतिविक रूप से कथित नहीं विया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अत: अब, 'उन्त अधिनियम' की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, 'उन्त अधिनियम' की घारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- 1. श्रीमती राम माला देवी (2) श्री सातीण कुमार (3) श्री गैलेन्द्र कुमार (नावालिंग) (4) कुमारी सीमा रानी (नावालिंग) दोनों श्रीमती राम माला देवी (प्राकृतिक संरक्षक) के द्वारा, निवासी 4578, डिप्टी गंज, सदर बजार, दिल्ली। (श्रन्तरक)
- 2. श्री राधे मोहन गोयल (2) श्री बृज मोहन गोयल, सुपुत्र श्री बाबु राम गोयल, निवासी 32, मनोहर मार्किट, कटरा नील, चांदनी चौक, दिल्ली-6 (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

अनुसूची

एक प्लाट जिसका नं० 17-सीं० है, श्रीर क्षेत्रफल 200 वर्ग गज है, भाबु लाल कालीनी के अन्दर, फीलिमिस्तान सिनेंमा के पास, माडल बस्ती नई दिल्ली में है। यह प्लाट निम्न प्रकार से स्थित है:---

पूर्व: प्लाट नं० 17-डी पश्चिम: प्लाट नं० 17-डी उत्तर: 60% चौडी सडक

दक्षिण: 15' चौड़ी सड़क

एस० एन० एल० अग्रवाल, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख [19-2-1976 मोहर:

PART III—SEC. 1] THE GAZETTE OF INDIA, M.			
प्ररूप आई० टी० एन० एस०			
श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा			
269-घ (1) के अधीन सूचना			
भार त सरकार			
कार्यालय, महायंक श्रायंकर श्रायुक्त (निरीक्षण)			
ग्रर्जन रेंज- Π , दिलेंजी -1			
4/14 क, ग्रासफग्रली मार्ग, नई दिल्ली			
नई दिल्लो, दिनांक 21 फरवरी 1976			
निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यु०/11/1085/2101/			
75-76ग्रतः मुझे एस० एन० एल० भ्रग्नवाल			
आयवर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे			
इसमें इसके पण्यात् 'उन्त अधिनियम' कहा			
गया है) की धारा 2.69-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी			
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका			
उचित क्षाजार मूल्य 25,000√- रुपएसे श्रधिक हैं			
ग्रीर जिसकी सं० 65 से 85 है तथा जो चौक कूतव रोड, सदर			
बाजार, दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपावखें ग्रनुसूची मे पूर्व			
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली			
मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16)			
के भ्रधीन, तारीख जून 1975			
को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सेकम के			
दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और			
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीवत सम्पत्ति			
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान			
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अस्तरक			
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के			
लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उपत अन्तरण			
लिखित में वास्तविक रूप से विषित मही किया गया है :			

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और /या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के भ्रनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः---

1. श्री कृष्ण मोहन बिजली, सुपुत्त श्री सैन दास मेहरा बनाम बिजली पहलवान, (2) श्रीमती सन्धुरो रानी, पत्नी श्री० कृष्ण मोहन बिजली, निवासी 31-32, न्यू रोहतक रोड़ नई दिल्ली (ग्रन्तरक)

2. श्रीमती राम पियारी, पत्नी श्री गियान चन्द (2) श्री गियान चन्द (4) श्री गियान चन्द सुपुत्र श्री एल० हंग राज, निवासी मकान नं० 8, पंजाबी मकान, नंएनी, श्रलाहाबाद (यू० पी०) (3) श्री हरी शंकर, सुपुत्र श्री कस्तूरी लाल, निवासी 73, राजा गार्डन, नई दिल्ली (4) श्रीमती राज रानी, पत्नी श्री कस्तूरी लाल (5) श्रीमती कमला विग, पत्नी श्री वृज मोहन, निवासी टी०-438, श्रहाता किंदारा, दिल्ली (6) श्री सतीश लाल, सुतुत्र श्री हरी चन्द, निवासी एफ०-55, मलका गंज, दिल्ली । (श्रन्तरिती)

जैसा कि अनुसूची में दिया गया है (वह व्यक्ति जिसके अधि भोग में सम्पत्ति है)

किरायदारों के नाम (निम्न स्तर)

दुकान नं ०

 -		
1.	मै० बनदेव सिंह एण्ड सण्स	65
2.	मैं० बाटा इन्डिया लि०	66-67
3.	मै० बन्सी लाल रोशन लाल	68
4.	मै० नरीन्द्र कुमार अशोक कुमार	69
	मै० सीना राम किदार नाथ	70-71
6.	मै० ग्रमर नाथ वर्मा एण्ड कं०	72-73
7.	श्री जोगिन्द्र सिंह	75
8.	मै० स्टार लाईट हाउस	75
9	मैं० शादी लाल जैन	76
10.	मै० फरान्टीग्रर काकरी हाउम	77
11.	मै० मोहन प्रकाण स्वर्ण कुमार	82
12.	मै ० दिल्लो ग्लास हाउस	80-81
13.	मैं० जयाना क्राच कं० गाडश्रोन	78-79
14.	मै० कृष्ण लाल हरबंस लाल	
15.	मै० ग्रार० एस० मृत्ख राज	83
16.	मैं० सैंठी जरनल स्टोर	84
17.	म ० बोम्बे ग्लास हाउस	85
	पहली मंजिल	
18.	म [ै] ० ए० दास एण्ड कं०	74
19.	श्री दुर्गा दास नायर	
20.,	म [ै] ० मलीक ट्रडीग कं०	•
21.	एच० इन्द्र सिंह	
22.	मैं० प्रदीप कैंबल कं०	
	मै० मंगत राम एण्ड सन्स	
24.	श्री चन्द्र भान	

को य<mark>ह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन</mark> के लिए कार्य<mark>वाहियां करता हूं</mark> ।

, उक्त सम्पक्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीखा से 45 विन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितयद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त मञ्ज्वों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

एक दुर्माजला मकान जिसका क्षेत्रफल 6110 वर्ग गज है स्रोर मुन्यसिपल नं ० 65 से 85 है, चौक कूतब रोड़, सदर बजार, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:

पूर्वः श्रन्यकी जायदाद पश्चिमः र्स्तामण्डीपान

उत्तर: रोड़

दक्षिण: लाला चन्न लाल के कब्जे का ग्रहाता।

एस० एन० एल० श्रग्रवाल, सक्षान श्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 21-2-1976

मोहरः

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०--

म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की ् घारा 269-घ (1) के म्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायक्षर श्रायुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज 11 दिल्ली-1
4/14 क, श्रासफश्रली मार्ग, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 27 फरवरी 1976

निर्वेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यु०/11/1086/75-76/ श्रत: मुझे, एस० एन० एल० श्रग्रवाल श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा ' 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से श्रिष्ठिक है श्रौर जिसकी सं० बी०-2 है तथा जो ईस्ट श्रजाद नगर, शाहदरा इलाका, दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्व रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख जून 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत
बिलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्श्य से उक्त अन्तरण लिखित में, वास्तिक रूप से
कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत 'उक्त ग्रिध-नियम,' के प्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, ग्रीर / या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्राय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त श्रिधिनियम,' या धन कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

ग्रत: ग्रब 'उक्त ग्रिधिनियम' की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत:—

- 1. श्रीमती तेज कौर पत्नी श्री विदार सिंह, निवासी बी०-2 ईस्ट श्रजाद नगर, दिल्ली-51 (श्रन्तरक)
- 2. श्री वास देव मनखण्ड, सुपुत्न श्री शादी राम मेनखण्ड, द्वारा स्टेट बैंक श्राफ बिकानेर एण्ड जयपुर, कृष्ण नगर, दिल्ली-51 (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोधत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उदत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीखा से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पक्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्तिद्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो 'उक्त श्रिधिनियम,' के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसृची

एक मंजिला मकान जोकि 107.5 वर्ग गज क्षेत्रफल के प्लाट पर बना हुआ है, जिसका नं बी०-2 है, ईस्ट आजाद नगर, दिल्ली में है। यह मकान निम्न प्रकार से स्थित है:---

पूर्व:

प्लाट नं० बी०-2 का भाग

पश्चिम:

प्लाट नं० 2-ए

उत्तर :

रोड

दक्षिण:

प्लाटन० 2-बी० काभाग

एस० एन० एल० अग्रवाल, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज II,दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 27-2-1976

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

नई दिल्ली, दिनांक 27 फरवरी 1976

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यु०/1 1/1087/75-76---श्रत: मुझे, एस० एन० एल० श्राधाल

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त भ्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- क० से भ्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० मृत्यसिपल नं० 1/53 है तथा जो गांव चन्द्रावाली, शाहदरा, विस्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपावक अनुसूची में पूर्ण रूप से विगत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिवकारी के कार्यालय, दिस्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रीविनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रीवान, तारीख जुन 1975

को पूर्बोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) वे बीच एंसे अन्तरण वे लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उवन अन्तरण लिखिन में वास्तविक रूप से कथिल नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-य के अनुसरण मे, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के स्रश्रीत निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--8---506GI/75

- 1. श्री विनोद कुमार जैन, सुपुत्र श्री बसंत लाल जैन (2) श्रीमती बृज किशोरी जैन, पत्नी श्री बंसत लाल जैन (3) श्रीमती कमला देवी जैन, सुपुत्री श्री बसत लाल जैन, निवासी 1 120, गली सनधीयन फाउनटैन, दिल्ली। (श्रन्तरक)
- 2. श्रीमिति विमला वती जैन, पत्नी श्री० सत पाल जैन, निवासी एल०/5728, बलबीर नगर, गली नं० 16, आहुदरा, विल्ली-32 (श्रनारिती)
- 3. मैं० हिन्दुस्तान पैट्रोलियम कारपोरेशन लि०, पारलिया-मैंन्ट स्ट्रीट, नई दिल्ली । (बह व्यक्ति जिसके प्रभिभोग में सम्पति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में शक्तामन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अजिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभ्रोहस्ताक्षरी के पास निवित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदों का, जो उन्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

भूमि का दुकड़ा जिसका क्षेत्रफल 1030 वर्ग गज है भीर खसरा नं० 2828/977/439 2952/980/400, 1967/978/439 तथा 1971/979/440 है, मुन्यसिपल नं० 1/53 है, जोकि राजस्व राज्य के गांव चन्द्रावला बनाम शाहदरा, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:——

पूर्व: ग्रन्य की जायबाद

पश्चिम: श्रन्य ब्लिडिश

वत्तर: जी०टी०रोड़

दक्षिण: जैन समाज की जायदाद

एस० एन० एल० श्रप्रवाल, सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज ^{II}, दिल्ली, नई दिल्ली-।

तारीख: 27-2-1976

प्ररूप आई० टीन एन० एस०----

न्नायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक द्यायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-11) दिल्ली-1

4/14 क, श्रासफश्रली मार्ग, नई दिल्ली। नई दिल्ली, दिनांक 28 फरवरी 1976

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/II/एस० ग्रार०-II/ श्रक्तू शर/1062 (20)/75-76--- ग्रतः मुझे एस० सी० पारीजा ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिने इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम,' वहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति. जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- व्यये से अधिक है श्रीर जिसकी स० जे०-7/70 का 1/3 भाग राजौरी गार्डन, दिल्ली है तथा जो में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूचेंट में पूर्ण रूप विणित है), रिजर्स्ट्राकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय, दिल्ली मे भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 31-10-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का जारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिष्यत श्रिक्षक है और अन्तरक (अन्तरको) और श्रन्तरिती (श्रन्तरितियो) के बीच ऐने अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण कि लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण कि लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त

- (क) अन्तरण र हुई किसी आय की बाबत उक्त आधि-नियम के अधीन कर देने के धन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किया आय या किसी धन या अन्य ग्रास्तियों को, जिन्द भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 ा 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था छिपाने में सिविधा के लिए;

भ्रतः श्रव उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मै, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ध की उपद्यारा (1) के भ्रधीन निग्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत :--

- 1. श्री दलीप सिंह, सुपुत्र एस० जसवन्त सिंह, निवासी ज-7/70, रजौरी गार्डन, नई दिल्ली। (श्रन्तरक)
- 2. श्री खेम चन्द माथला सुपुत्र श्री टोपन दास माथला, द्वारा मैं० खेम चन्द माथला, निवासी 506, वरतन मार्किट, सदर बजार, दिल्ली। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस मूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से विसी व्यक्ति द्वारा;
- (छ) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबढ़
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ता औ के पाम
 लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अनुस्ची

एक ढ़ाई मंजिला का 1/3 भाग जोकि फीहोल्ड प्लाट पर बना हुआ है, जिसका क्षेत्रफल 160 वर्ग गज है, और नं० जे० 7/70 है, राजौरी गार्डन, ततारपुर गांव के क्षेत्र, दिल्ली राज्य, दिल्ली मे निम्न प्रकार से स्थित है.——

पूर्व: सर्विस रोड़

पश्चिम: सर्विस लेन

उत्तर: प्लाटनं० जे-711 पर मकान दक्षिण: प्लाटनं० 7/69 पर मकान

> एस० सी० पारीजा, सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज III, दिल्ली,नई दिल्ली

तारीख: 28-2-1976

मोहर.

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेज III दिल्ली-1 4/14 क, श्रासफग्रली मार्ग, नई दिल्ली।

नई दिल्ली, दिनाक 28 फरवरी 1976

निर्देश स० ग्राई० ए० सी०/एक्यु०/III/एम० ग्रार०-II/ ग्रक्तुबर/1061 (19)/75-76--ग्रत मृझे एस० सी० पारीज। धायकर ध्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे 'उक्त' श्रिधिनियम' कहा गथा पश्चात की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ६० से अधिक है ब्रौर जिसकी सं० जे \circ -27/70 का 1/3 भाग है तथा जो राजौरी गार्डन दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपावत अनुपूची में पूर्ण हप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, दिल्ली मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 31-10-1975 की पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है रम्यमान और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पनद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखिन उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिन में बास्तविक रूप से कथित नही किया गया है:--

- (ग) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त आंधानयम' के अधीन कर दन के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बजन में सुविधा के लिए; आर/या
- (छ) ऐसो किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या विया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत. अब 'उम्त अधिनियम' का धारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, 'उम्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन, निम्नेलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

- 1 श्री कुलिबन्द्र सिंह, सुपुत्र एस० जसवन्त सिंह निवासी मकान न० 2103, प्रेस नगर, नई दिल्ली। (ग्रन्तरक)
- 2 श्री खेम चन्द बाथला, सुपुत्र श्री टोपन दास बाथला, द्वारा मै० खेम चन्द बाथला, निवासी 506 वरतन मार्किट, सदर बाजार, दिल्ली।
 (श्रन्तरिली)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबंध में कोई भी आक्षेप .--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध विसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण: --इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अनुसूची

एक ढ़ाई मैजिला मकान का 1/3 भाग जोकि फ्रीहोल्ड प्लाट पर बना हुन्ना है, जिसका क्षेत्रफल 160 वर्गगज है, ग्रीर नं० जे-70 हे, राजौरी कार्डन, ततारपुर गांव के क्षेत्र, बिल्ली राज्य, दिल्ली में निम्म प्रकार से स्थित है:—

पूर्व: सर्विस रोड़ पश्चिम सर्विस लेन

उत्तर . प्लाट न० जे०-7/71 पर मकान दक्षिण . प्लाट न० जे०-7/69 पर मकान

> एस० सी० पारीजा, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेज 111, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख . 28-2-1976

माहर:

प्रसप आई॰ टी० एन० एस०-

भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीम सूचना

भारत सरकार

मार्यालय, महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज III दिल्ली-1 4/14 क, श्रासफग्रली मार्ग, नई दिल्ली। नई दिल्ली, दिनांक 28 फरवरी 1976

निर्देश स० आई० ए० सी०/एक्यु०/III/एस० आर०-II/ अक्तूबर/1050(18)/75-76—अत: मुझे, एस० सी० पारीजा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधोन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- २० से अधिक है

स्रीर जिसकी स० जे०-7/70 का 1/3 भाग है तथा जो राजौरी गार्डन, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से बॉणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 31-10-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखत उद्देश्य ने उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से किया नहीं किया गया है: --

- (क) अन्तरण से हुई किसो आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्य मे कमी करने या उससे बचने मे सुविधा के लिए; ग्रीर/मा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर आधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनाये अन्तिरिता द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया नाना चाहिएथा, छिपाने में सुविधा के निए;

न्नत: अब उबत अधिनियम का धारा 269-म के अनुसरण में, में, उस्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्मालिखित व्यक्तियों, अर्थात् .---

- 1. श्री श्रमरजीत सिंह, सुपुत एस० जसवस्त सिंह, निवासी 2103, प्रेम नगर, नई दिल्ली। (श्रन्तरक)
- 2. श्री खेम चन्न माथला, सुपुन्न श्री टोपन वास भाटला, द्वारा मैं० खेम चन्द माथला, निवासी 506 बंतन मार्किट, सदर बाजार, दिल्ली। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित्त के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के श्राजन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना ने राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ने 45 दिन की अवधि या तरसंबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भोतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकड़ किसी अन्य न्यिक्त द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में विम् जा सकींगे।

स्परितासरण:--इसमे प्रवृत्त शब्दो और पटा का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

एक ढ़ाई मंजिला माकन का 1/3 भाग जोकि फीहोल्ड प्लाट पर थना हुमा है, जिसका नं० जे० 7/70 है, स्रौर क्षेत्रफल 160 वर्ग गज है, राजौरी गार्डन, तसारपुर गांव के क्षेत्र, विल्ली राज्य, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:——

पूर्व:

सर्विस रोड

पश्चिम :

सर्विस लेन

उत्तर :

प्लाट नं० जै-7/70 पर मकान

दक्षिण :

प्लाट नं० जे०-7/69 पर मकान

एस० सी० पारीजा, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-111, दिल्ली, नई विल्ली

तारीख: 28-2-1976

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 264-घ(1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक ग्रायकर श्रायुक्स (निरीक्षण) $% \frac{1}{2} = \frac{1}{2} = \frac{1}{4} = \frac{1}{4$

नई दिल्ली, दिनाक 28-2-1976

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यु० III/एस० श्रार०-II/ श्रगस्त/1000 (14)/75-76—श्रतः मुझे, एस० सी० पारीजा श्रायकर श्रिवियम, 1961 (1961

का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम श्राधिकारी को यह विश्वाम करने हा कारण है कि स्वावः सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-श्पये से श्रिधक है और श्रीर जिसकी स० 83 है तथा जो वैस्ट एवैन्यु रोड़, पजाबी बाग, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्सा श्रिधकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 26-8-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से अन्त अन्तरण लिखित में बास्तविव का से स्थित नहीं तिथा गया है:——

- (क) अन्तरण स हुई किर्स आय की बाबत उपत अधिनयम, के अधीन कर देने के अन्तरक फे दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; श्रीर/पा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिगों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः भ्रव उन्त श्रिधिनियम की धारा 269-ग क भ्रनुसरण मे, मैं, उक्त श्रिधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात:--

- 1. श्री श्रवतार सिह सेठी, सुपुत्र एस० तेजा सिह, निवासी 2/39, पंजाबी बाग, दिल्ली (श्रन्तरक)
- 2. श्री भोंकार सिंह, सुपुत्र एस० सरवार सिंह, लिंग रोंड़, कटक (उडीसा) (श्रन्सरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्बोवत सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए ार्यत्राहियाँ करता हू ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में सम्माप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के
 पाम लिखिन में किए जा सकरें।

स्वस्टीकरण :--- इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

प्लाट न० डब्ल्यू० ए०/83 का भाग जिसका क्षेत्रफल 300 वर्ग गज है, श्रौर जोकि पंजाबी बाग, माधीपुर गांव के क्षेत्र, दिल्ली राज्य, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :---

पूर्व: प्लाट न० अब्ल्यू० ए०/83 का हिस्सा, क्षेत्रफल 366.66 वर्ग गज) है, ओकि पृथपाल सिंह को बेचा गया

है।

पश्चिम . विक्रय मार्किट उत्तर: सर्विस लेन

दक्षिण: वैस्ट एवैन्यू रोड़

एस० सी० पारीजा, सक्षम श्रक्षिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-III (४स्ली नई दिल्ली-)

तारी**ख**: 2**8-2-197**6

मोक्षर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

ब्रायकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज III दिल्ली-1 4/14 क, श्रासफग्रली मार्ग, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 28 फरवरी 1976

निर्वेश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू०/III/एस० म्रार०-III/
म्रगस्त/999 (12)/75-76— म्रतः मुझें, एस० सी० पारीआ
म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है),
को धारो 269-ख के म्रधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु० से म्रधिक है
म्रौर जिसकी सं० 83 है तथा जो वैस्ट एवेन्यू रोड़ पजाब बाग, दिल्ली
में स्थित है (म्रौर इससे उपाबद्ध म्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है),
रिजस्ट्रीकर्त्ता म्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण म्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के म्रधीन, तारीख
26-8-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूस्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल क पन्द्रह प्रतिशास से अधिक है और श्रन्तरक (अन्तरको) श्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तराम स् हुई किसी आय की बाबत 'उनत अधिनयम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व मे कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और∤या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

%तः श्रव 'उक्त ग्रधिनियम' की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, 'उक्त ग्रधिनियम' की धारा 269-थ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्निलिखित व्यक्तियो, ग्रथीत :—

- 1. श्री श्रवतार सिंह सेठी, सुपृष्ट एस० तेजा सिंह, निवासी 2/39, पंजाबी बाग, दिल्ली (श्रन्तरिक)
- 2. श्री प्रीथपाल सिंह, सुपुत्र एस० सरदार सिंह, निवासी लिन्क रोड़ कटक (उड़ीसा) (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंग।

ृरुसर्टा भरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो 'जनत अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसुची

पुर्वः

प्लाट नं० 81

पश्चिम :

प्लाट नं० डब्ल्यू० ए०/83 का भाग जोकि श्री ग्रोंकार सिंह को बेचा गया है, जिसका क्षेत्रफल

300 वर्ग गज है। ँ

उत्तर :

सर्विस लेन

दक्षिण: वैस्ट एवेन्यू रोड़

एस० सी० पारीजा, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-III दिल्ली नई दिल्ली

तारीख: 28-2-1976

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज दिल्ली-1 4/14क, श्रासफग्रली मार्ग, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनाक 4 मार्च 1976

निर्देश सं० श्रार्ट. ए० सी०/एक्यू० 1/एस० न्नार०- III/ जुलाई-II (4)/886/75-76—ग्रंत, मुझे, नं० वि० गृप्ते आयकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे ६समे इसके पण्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विण्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से प्रधिक है ग्रौर जिसकी सं० 10 है तथा जो पंचणील मार्ग, नई दिल्ली (चाणक्यापुरी) में स्थित है (ग्रौर इससे उबाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 19-7-1975

को पूर्वोक्त सम्पति के

उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोवत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्वह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उवत प्रन्तरण लिखित में वामाविक म्प में कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त अधिनियम, के श्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व मे कमी करने या उससे बचने मे सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

श्रप्त: श्रव उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-ग के **धनुसरण** में, मैं, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत :-

- 1. श्री जे॰ एस॰ सहानी, सुपूत्र श्री माया दास सहानी, निवासी 20, श्रमरीता शेर गिल मार्ग, नई दिल्ली। (ग्रन्तरक)
- 2. मैं० राजधानी वाणीज्य लि०, हिमालया हाउम, कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के शर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख रा 15 दिन की श्रविध या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का टुकड़ा जिसका क्षेत्रफल करीब 2181.6 वर्ग गज है, ग्रीर जो प्लाट नं० 30, ब्लाक नं० 48 पर स्थित है, उस जगह पर जो दिल्ली की नयी राजधानी बनाने के लिए एक्वायर हुई है, जिसका मुन्यसिपल नं० 10 है, पंचणील मार्ग, चाणक्यपुरी, नई दिल्ली, दिल्ली नगर निगम के क्षेत्र के अपनंगम है, जिस पर दुर्मजिला मकान, बरसाती, गैरेज तथा नौकरों के मकान है तथा चारो तरफ सीमा दिवार बनी हुई है, जिस की सीमाएं निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व : - प्लाट नं० 48, नया प्रीमिसीस नं० 11, पचशील

मार्ग, नई दिल्ली

पश्चिम: प्लाट न० 29, ब्लाक नं० 48, नया प्रीमिसीस न०

9, पंचशील मार्ग, नई दिल्ली

उत्तर: सर्विस रोड

पक्षिण: पुर्वी पश्चिमी मुख्य सड्क

चं० वि० गुप्ते, सक्षम भ्रधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज 1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 4-3-1976

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०----

माणकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध(1) के ग्रिधीन सूचना भारत सरकार

> कार्यालय, सहायक श्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रर्णन रेंज, चण्डीगढ 156, सैक्टर 9-बी

> > चण्डीगढ़, दिनाक 28 फरवरी 1976

निवेश सं० एल० डी० एच०/श्रार०/1574/75-76—-ग्रत. मुझे विवेक प्रकाश मिनोचा, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज चण्डीगढ

ष्ठायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाधार मृह्य 25,000/- ह० से श्रधिक है

श्रीर जिसकी स० कृणि भूमि 12 कनाल है तथा जो गाम ढडारी कला, तहसील श्रीर जिला लुधियाना में स्थित हैं (श्रीर इससे उपावड अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), रजिस्ट्रीकर्सा श्रधिकारी के कार्यालय, लुधियामा में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीम, तारीख जून 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विख्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृध्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृध्यमान प्रतिफल के पन्नह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य मे उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस 'उक्त अधि-नियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रंधिनियम, 1922 (1922 वा 11) या 'उक्त ग्रंधिनियम', या धनकर श्रंधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रत: ग्रब 'उक्त ग्रधिनियम' की धारा 269-ग के प्रनृ-सरण में, मैं, 'उक्त ग्रिधिनियम', की धारा 269 घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्निखित व्यक्तियों, ग्रथीत्:——

- 1 श्री मघर मिंह पुत्र श्री रत्ना निवासी गांव ढंडारी कला तहसील ग्रौर जिला लिधियाना (ग्रन्तरक)
- 2 सर्वश्री दर्शन सिंह श्रीर नछत्तर सिंह पुत्र श्री फकीरीया निवासी गाय ढंडारी कला तहसील श्रीर जिला लुधियाना (श्रन्तरिती) को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्य सम्पत्ति के शर्जन के लिए वार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ऋर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
 श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दो ग्रीर पदी का, जो 'उक्त ग्रिधिनयम', के श्रध्याय 20-क मे यथा-परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय मे दिया गया है।

अमुसूचा

कृषि भूमि 12 कनाल जो कि गांव ढंडारी कला, तहसील और जिला लुधियाना में स्थित है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख न० 2600 जून 1975 में रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी लुधियाना के कार्यालय में लिखा है।)

> विवेक प्रकाश मिनोचा, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, चण्डीगढ

तारी**ख** : 28-2-1976

मोहरः

प्ररूप भाई०टी०एन०एस०---

भायकर प्रधिनियम, 1961 1961 का 43) की धारा 269-ष(1) के प्रधीन सूचना भारत सरकार

> कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, घण्डीगढ़ 156, सैंक्टर 9-बी

> > चण्डीगढ़, दिनांक 28 फरवरी 1976

भायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से भिधिक है

स्रौर जिसकी सं कृषि भूमि 12 कनास है तथा जो गाव ढंडारी कला, तहसील स्रौर जिला लुधियाना में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध स्रमुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्सा स्रधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, तारीख जून 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मूह्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई िकसी ग्राय की बाबत 'उक्त ग्रिष-नियम' के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर / या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रत्य प्रास्तियों को, जिम्हें भारतीय ग्रायकर ग्रीधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर ग्रीधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तिरिती धारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

ग्रत: घव उक्त घिनियम की धारा 269-ग के घनु-सरण में, मैं, उक्त घिनियम, की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों ग्रथीत् :---9--506GI/75

- 1. श्री मघर सिंह पुत्र श्री रत्ना निवासी गांव ढंडारी कला तहसील और जिला लुधियाना (ग्रन्सरक)
- 2. सर्वश्री गुरदेव सिंह भौर सुखदेव सिंह पुत्र श्री फकीरीया निवासी गांव ढंडारी कला, तहसील श्रौर जिला लुधियाना (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के म्रर्जन के संबंध में कोई भी म्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से
 45 विन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी
 श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्हीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जी उक्त प्रधिनियम, के प्रध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वहीं प्रयं होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 12 कनाल जो कि गांव ढंडारी कला तहसील ग्रौर जिला लुधियाना में स्थित है।

(जैसे कि रिजस्ट्रीकृत के विलेख नं० 2579 जून, 1975 में रिजस्ट्रीकर्त्ता प्रधिकारी लुधियाना के कार्यलय में लिखा है।

> विषेक प्रकाश मिनोचा, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख: 28-2-1976

प्ररूप ग्राई० टी० एत० एस०--

म्रायकर स्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-य (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, चण्डीगढ़ 156, सैक्टर 9-बी चण्डीगढ, दिनांक 28 फरवरी 1976

निदेश सं० एल०डी० एच०/ग्रार०/1572/75-76—म्रतः मुझे विवेक प्रकाश मिनोचा, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्राजंन रेंज, चण्डीगढ़ श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उफ्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से श्रधिक है ग्रीर जिसकी सें० कोठी नं० 33-बी० है तथा जो विकास नगर, पखोबाल रोड, लुधियाना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा श्रधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख जून 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथिस नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त श्रिधिनियम के श्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम या धनकर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भत: श्रव उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (-1) के भ्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथांत :—

- 1. श्री दीन दयाल तलवाड़ पुत्र श्री जगन नाथ तलवाड़ निवासी 33-बी, विकास नगर प**खो**वाल रोड लुधियाना (ग्रन्तरक)
- श्री संतोख सिंह पुत्र श्री केहर सिंह ग्रीर श्री केहर सिंह पुत्र श्री बसावा सिंह निवासी विकास नगर पखोवाल रोड, लुधियाना (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की श्रविध या तस्त्रबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
 श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में
 हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी
 के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पद्यों का, जी उक्त अधिनियम के श्रद्ध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस श्रद्ध्याय में दिया गया है।

अमुसुची

कोठी नं० 33-बी, विकास नगर पखोबाल रोड, लुधियाना (जैसे कि रिजस्ट्रीकृत के विलेख नं० 1567 जून 1975 में रिजस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी लुधियाना के कार्यालय में लिखा है।)

> विवेक प्रकाश मिनोचा, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, चण्डीगढ

तारीय: 28-2-1976

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस० -

म्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च(1) के श्रधीन सूचना

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, चण्डीगढ़ 156, संकटर 9-बी चण्डीगढ़, दिनांक 28 फरवरी 1976

निदेश एन० डी॰ एच०/सी०/123/75-76---- प्रतः मुझे विवेक प्रकाश मिनोचा, सहायक घायकर घायुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज, चण्डीगढ

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उकत भ्रधिनियम कहा गया है) की धारा 269 ख के भ्रधीन सक्षम को, यह प्राधिकारी विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से भ्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० 1/2 भाग कोठी नं० 43-की है तथा जो उधम सिंह नगर लुधियाना में स्थित है (श्रीर इससे उपायद श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख जुन 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरको) भीर अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निखित उद्देश्य से उनत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी अन्य की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अम्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

ग्रत: अब, उक्त ग्रिधिनियम, की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं उक्त ग्रिधिनियम, की धारा 269-च की उपधारा (1) के ग्रिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों ग्रिथीत्:--

- 1. श्री श्रोम प्रकाश पुत्र श्री हीरा नंद डी-2/31, जनक पुरी बिल्ली (श्रन्तरक)
- 2. श्री सोहन लाल **घई पु**त्र श्री वन्सीराम 301 नीलम बिल्डिंग, सी॰ फेस रोड बम्बई-37 (ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति क श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविध या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी
 अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो लक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दियां गया है।

धनुसूची

1/2 भाग कोठी नं ० 43-बी, जोकि उधम सिंह नगर लुधियाना में स्थित है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीइत के विलेख नं० 2974, जून 1975 में रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी लुधियाना के कार्यालय में लिखा है।)

> विवेक प्रकाण मिनोचा; सञ्जन प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, चण्डीगढ़

तारीख: 28-2-1976

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

भ्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, चण्डीगढ़ 156, सैक्टर 9-बी

चण्डीगढ, दिनांक 28 फरवरी 1976

निवेश सं० एल० डी० एच०/सी०/122/75-76---प्रतः मुझे विवेक प्रकाश मिनोचा, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, चण्डीगढ़

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से प्रधिक है और जिसकी सं ।/2 भाग कोठी नं ० 43-बी है तथा जो उधम सिंह नगर लुधियाना में स्थित है (और इससे उपायद्ध धनुसूची में प्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ध्रधीन तारीख जून 1975 को

पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के कृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ब्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या म्रन्य म्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय स्रायकर मिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त म्रिधिनियम या धन-कर भ्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मत: मब उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) मुधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, मुर्धात :---

- श्री राम सरूपपुत्र श्री हीरा चन्द 43-बी, उधम सिंह नग^र, (ध्रम्तरक)
- 2. श्री सोहन लाल धई पुत्र श्री बन्सी राम 301 नीलम बिल्डिंग सी-प्रेस रोड बम्बई 37 (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त गब्दो श्रीर पदों का, जो 'उक्त श्रधिनियम' के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 भाग कोठी नं० 43-बी, जोकि उधम सिंह नगर सुधियाना में स्थित है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 2973 जून, 1974 में रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी लुधियाना के कार्यालय में लिखा है।)।

> विवेक प्रकाश मिनोचा, स्वाम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 28-2-1976

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

आयकर **शक्षिनियम,** 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायकत (मिरीक्षण),

ध्रर्जन रेंज, चण्डीगड 156 सैंबटर 9-बी

चन्डीगढ़, दिनांक 28 फरवरी 1976

निदेश स० एस० डी० एस० /सी०/121/75-76--- प्रतः मझे विवेक प्रकाश मिनोचा, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोज चण्डीगढ़

आयकर अधिनियम, 1961 (1961

का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की घारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक हैं ग्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 46-ए है तथा जो इण्डस्ट्रीयल एरिया ए लुधियाना मे स्थित हैं (ग्रीर जिससे उपावस अनुसूची मे ग्रीर पूर्ण रूप वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख जून 1975।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में सास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रिष्ठित्यम के श्रिष्ठीत कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ध) ऐसी किसी भाय या किसी धन या प्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट मही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब 'उक्त धिधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—

- 1. श्री ज्ञान प्रकाश पुत्र श्री तारा चन्द मोहल्ला बन्दिया, लुधियाना (भ्रन्तरक)
- 2. श्री राम साहित्र पुत्र श्री तीर्थ सिंह 54 इण्डस्ट्रीयल पुरिया 'ए' लुधियाना (श्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां मुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की सारीख से 45 विन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (बा) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ भिसी भन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा मकेंगे।

स्पच्छीकरण:---इसमें प्रयुक्त शन्दो भीर पदों का, जो 'उक्त धधि-नियम' के घध्याय 20-क में परिभाषित है, वही धर्म होगा, जो उस घट्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 46-ए, जोकि इण्डस्ट्रीयल एरिया 'ए' सुधियाना मे स्थित है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 2956 जून, 1975 में रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी लुधियाना के कार्यालय में लिखा है।

> विवेक प्रकाश मिनोचा, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर <mark>प्रायुक्त (निरीक्षण</mark>) ग्रर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख: 16-2-76

प्रकृष भाई० टी० एन० एस०---

भायकर श्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

156, सैंक्टर 9-बी

चण्डीगढ, दिनांक 28 फरवरी 1976

निदेश सं० एल० डी० एच०/सी०/105/75-76—म्प्रत: मुक्षे विवेक प्रकाश मिनोचा, सहायक श्रायकर श्रायकत (निरीक्षण) अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० रो श्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० मकान नं० बी-/538 है तथा जो मिल्लर गंज, लुधियाना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूण रूप से विणित है), रिब्स्ट्रीकर्त्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख जून 1975।

पूर्षोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है धौर मुझे यह विध्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से धिक है और धन्तरक (धन्तरकों) धौर धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रिधिनियम के श्रिधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या ग्रन्थ भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

श्रतः अब उक्त श्रिष्ठिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित क्यक्तियों, ग्रिष्ठीत् :---

- 1. श्री श्रर्जन सिंह पुत श्री बाबू सिंह बी-XV/538, मिल्लर गंज लुधियाना (ग्रन्तरक)
 - मैं० बी० डी० ट्रेडर्ज मिल्स रोड, लिधयान (ग्रन्तिरिती)
 - 1. में खुराना भैमीकलज
 - (i) मैं० स्रोसीसीए टिड ट्रांन्सपोर्ट कारपोरेणन
 - (ii) में धार० एस० इलेक्ट्रिक एंड जैनरल सटोरज बी-XV/538, मिल्लर गंज लुधियाना (वह व्यक्ति, जिसके अभिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यबाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी ब्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ब्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्थ व्यंक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण --- इसमे प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदो का, जो 'उक्त श्रधिनियम' के श्रध्याय 20-क मे यथा-परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

मकान नं बी 0-XV/538 जोकि मिल्लर गंज लुधियिना में स्थित है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 2255 जून 1975 में रजिस्ट्रीकर्ती प्रधिकारी लुधियाना के कार्यलय में लिखा है।)

> विवेक प्रकाश मिनोचा, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख: 28-2-1976

प्ररूप प्राई०टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, चण्डीगढ़ 156, सैक्टर 9-बी

चण्डीगढ़, दिनांक 28 फरवरी 1976

निर्देश सं० [एलं० डी० एच०/सी०/15/5/75-76—श्रतः मुझे विवेक प्रकाश मिनोचा, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज चण्डीगढ

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके प्रश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विध्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-इ० से प्रधिक है और जिसकी सं० (प्लाट क्षेत्रफल 607 वर्गगज है तथा जो टैगोर नगर, स्विल लाईन, लुधियाना में स्थित है (ग्रीर इससे उपावड़ श्रमुस्ति। में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ती ग्रधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जून 1975

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः श्रव उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनु-सरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रधीत :---

- श्री गरिन्द्र कुमार पुत्र थी हंस राज निवासी कूचा कर्ता राम, धास मण्डी लुधियाना (अपन्तरक)
- 2. श्रीमित राज रानी सँहगल पत्नी श्री श्रोम श्रैस सँहगल निवासी कूचा मलेरी मल 261/1 लुधियाना (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरु करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण---इसमें प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो उक्त श्रिधि-नियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही ग्रर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट क्षेत्रफल 607 वर्ग गज जोक्ति टैगोर नगर स्विल लाईनज लुधियाना में स्थित है।

(जैसे कि रिजिस्ट्रीकृत बिलेख गं० 2307 जून 1975 में रिजिस्ट्रीकर्त्ती प्रधिकारी लुधियाना के कार्यलय में लिखा है।)

> विवेक प्रकाण मिनोचा, सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 28-2-1976

प्ररूप ग्राई०टी०एन०एस०--

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्स (निरीक्षण)
भ्रजीन रेंज, चण्डीगढ़
156, सैंक्टर 9-बी
चण्डीगढ़, दिदांक 5 मार्च 1976

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रु० से प्रधिक है और जिसकी सं० 8 कनाल 0 मरले भूमि है तथा जो गांव सुने तहसील जोर जिला लुधिता। में स्थित है श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यलय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जून 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पग्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त मिधिनियम' के ग्रधीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये, ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या घन्य घास्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या धन-कर घिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ घन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, डिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रव 'ज्क्स ग्रधिनियम,' की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, में, 'जक्त ग्रधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीम निम्मलिखित व्यक्तियों प्रणीत्:—

- 1. श्री चनन सिंह पुत्र श्री रण सिंह निवासी गांव सुनेत, तहसील श्रीर जिला लुश्चियाना (ग्रन्सरक)
- 2. मुख्य श्रधिकारी कवीर को श्रप्नेटिव हाऊस बिल्डिंग सोसायटी लिमिटेड गांव सुनेत सहसील और जिला लुधियाना (श्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों झीर पदों का, जो उक्त भिधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही झर्च होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

भ्रनुसूची

8 कनाल । मरले भूमि जो कि गांव सुनेत, तहसील और जिला लुधियाना में स्थित है।

(जैसे कि रिजस्ट्रीकृत के विलेख नं० 2045, जून, 1975 में रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी लुधियाना के कार्यालय में लिखा है।

> े विवेक प्रकाश मिनोचा, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, चण्डीगढ

तारीख: 5 मार्च 1976

मोहरः

प्ररूप माई० टी० एन० एस०-----

भायकर श्रिष्ठिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-ष (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेज, चण्डीगढ़
156. सैंक्टर 9-बी

चण्डीगढ़, दिनांक 5 मार्च 1976

निदेश सं० एस० डी० एच०/सी०/81/75-76--- प्रतः मुझे विवेक प्रकाश मिनोचा, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेज चण्डीगढ

थायकर घिनियम, 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त श्रिधिनयम' कहा गया है), की धारा 269घ के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु० से अधिक है और

जिमकी सं० 8 कनाल 0 मरले भूमि है तथा जो गांव सुनेत लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1975

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के पृथ्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत शक्षिक है और भन्तरक (ग्रन्तरकों) भीर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित महीं किया गया है:——

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, 'उक्त ग्रिधिनियम', के ग्रिधीन कर देने के श्रन्तरक के दायिस्व में कभी भारने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर /या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त ग्रधिनियम', या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

मतः अब 'उक्त मधिनियम', की धारा 269-ग के मनुसरण में, में, 'उक्त मधिनियम', की धारा 269-म की उप्धारा (1) के अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--- 1. श्री विक्रम सिंह पुत्र श्री करतार सिंह निवासी गाव सुनेत, तहसील ग्रौर जिला लुधियाना (শ্रन्तरक)

2 मुख्य ग्रधिकारी कबीर कोग्राप्रेटिव हाउस बिल्डिंग सोसायटी लिमिटेड, गांव सुनेक्ष, तहमील और जिला लुधियाना (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए एतब्द्वारा कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की ध्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की भ्रविध, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीक्षर पूर्वीवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (का) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीखंसे 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितयद किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो केउक्त अधिनयम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

8 कताल 0 मरले भूमि जोकि गांव सुनेत तहसील और जिला लुधियाना में स्थित है।

(जैसे कि रिजस्ट्रीकृत के विलेख नं० 2452 जून 1975 में रिजस्ट्रीकर्सा प्रधिकारी लुधियाना के कार्यालय में लिखा है।)

> विवेक प्रकाश मिनोचा, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) स्रजैन रेंज, चण्डीगढ

तारीख: 5 मार्च 1976

मोहर:

10-506GI/75

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अग्नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर घायुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेज चण्डीगक
156, सैक्टर 9-बी
चण्डीगह, दिनांक 5 मार्च 1976

् निदेश सं ० एल ० डी० एच०/सी०/82/75-7-6- — असः मुझे विवेक प्रकाश मिनोचा, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज चण्डीगढ़

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- २० से प्रधिक है

श्रोर जिसकी सं० 3 कनाल 1 11/12 मरले भूमि है तथा जो गांव सुनेत तहसील श्रोर जिला लुधियाना में स्थित है (श्रोर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधवारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन वारीख जन, 1975

1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून, 1975 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरफ के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रम्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वाराप्रकट नहीं कियांगया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः श्रव उक्त ग्रिधिनियम की घारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त श्रिधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा(1)के मधीन निम्नलिखित व्यक्तियों. यर्थात् :——

- 1. श्री क्पूर सिंह पुत्र श्री राम मिह निवासी गाव सुनेत तहसील भौर जिला लुधियाना (ग्रन्तरक)
- 2. मुख्य अधिकारी कबीर कोम्राप्रेटिय हाऊस बिल्डिंग सोसायटी लिमिटेड गांव सुनेत तहसील और जिला लुधियाना (म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाणन की तारीख़ से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बड़ी अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

4 कनाल 1 11/12 मरले भूमि जोकि गांव सुनेत तहसील भीर जिला लुधियाना में स्थित है।

(जैसे कि रिजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 3009 जून, 1975 में रिजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधकारी लुधियाना के कार्यालय में लिखा है।)

> वियेक प्रकाश मिनोचा, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजैन रेंज, चण्डीगढ

तारीख: **5 मार्च** 1976

प्ररूप माई० टी० एन० एस०----

म्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, स**हायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)** श्रर्जन रेज, चण्डीगढ़ 156, सैंबटर-9-बी

चण्डीगढ़, दिनाक 5 मार्च 1976

एलडीएच/सी/291/75-76----ग्रतः मुझे निदेश स० विश्वेक प्रकाश मिमोचा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया इसके पश्चात की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका 25,000/- र० से श्रधिक है उचित बाजार मृत्य श्रौर जिसकी स० 5 कनाल 72 मरले भूमि है तथा जो गाव सुनेत कहमील ग्रौर जिला लुधियाना मे स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुभूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना मे, राजिस्ट्रीकरण ग्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जुल(ई 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाज़ार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिभ्रत से धिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरित (अन्तरितयो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे बास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है:——

- (क) ध्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, 'ज़क्त ग्रिधितियम', के ग्रिधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करनेया उससे बच्चने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या घ्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर घ्रिष्ठिनियम, 1922 (1922 का 11)या 'उक्त ध्रिष्ठिनियम', या धन-कर प्रिष्ठिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ध्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः अब उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-ग के भनुसरण में में, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भर्यातः— श्री चनन सिंह पुत्र श्री रण सिंह, निकासी गांव सुनेत तहसील और जिला लुधियाना।

(भ्रन्तरक)

2 मुख्य श्रधिकारी कबीर कोश्रोपरेटिव हाऊस बिल्डिंग सोमायटी लिभिटेड गाव मुनेत तहसील और जिला लुधियाना। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रविध जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से, किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो 'उक्त श्रधिनियम', के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रथं होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अमुसुखी

5 कनाल 7½ मरले भूमि जोकि गाव सुनेत तहसील ग्रौर जिला लुधियाना में स्थित है।

(जैसे कि रिजस्ट्रीकृत के विलेख न० 3899 जुलाई 1975 में रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के कार्यालय में लिखा है।)

> विवेक प्रकाश मिनोचा, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, चण्डीगढ़

तारीख: 30-1-1976

मोहरः

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

भायकर प्रक्रिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)
भाजें न रेंज, चण्डीगढ़
156, सैक्टर, 9-श्री

चण्डीगढ़, दिनांक 5 मार्च 1976

एलडीएच/सी/1583/75-76--- प्रतः निदेश सं० मझे विवेक प्रकाश मिनोचा भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चातु 'उन्त श्रिष्ठिमियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का निः स्थावर सम्पत्ति, जिसका बाजार मुल्य 25,000/-रु० से अधिक हैं न्नौर जिसकी सं० 4 कनाल $9^{11}/_{12}$ मरले भूमि है तथा जो गांव सुनेत तहसील भ्रौर जिला लुधियाना में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता ग्राधकारी के कार्यालय, लुधियाना मे, राजिस्ट्रीकरण ग्राध-नियम 1908 (1908 का 16) के मधीन, तारीख जुलाई 1975 को

पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित महीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वागित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्सरिती द्वारा प्रकट मही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिये;

ग्रतः ग्रब, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के ग्रधीम निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथींतु:--- श्री सर्वण सिंह पुत्र श्री राम सिंह निवासी गांव सुनेत तहसील ग्रीर जिला लुधियाना।

(भ्रन्तरक)

 मुख्य अधिकारी कबीर कोन्नापरेटिच हाऊस बिल्डिंग सोसायटी लिमिटेड गांव सुनेत सहसील और जिला लुधियाना। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त गब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अमुसुची

4 कनाल 911/12 मरले भूमि जोिक गांव सुनेत तहसील श्रीर जिला लुधियाना में स्थित है। (जैसे कि रिजस्ट्रीकृत के विलेख मं० 3446 जुलाई 1975 में रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी लुधियाना के कार्यालय में लिखा है।)

> विवेक प्रकाश मिनोचा, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख: 5-3-76

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०---

धायकर मित्रिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ(1) के मधीम सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, चण्डीगढ़ 156, सैक्टर 9-बी

चण्डीगढ़, विनांक 5 मार्च 1976

निर्देश सं० एसएनपी/780/75-76—ग्रदः मुझे विवेक प्रकाण मिनोचा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्त बाजार मूख्य 25,000/- रु० से ग्रिधिक है भ्रीर जिसकी मं० फैक्टरी बिल्डिंग है तथा जो गांव जठेडी तहसील व जिला सोनीपत में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्व

भीर जिसकी मं० फैंक्टरी जिल्डिंग है तथा जो गांव जठेडी तहसील व जिला सोनीपत में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सोनीपत में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जून 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जिल्हा बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृष्यमान प्रतिफल को पन्त्रह प्रतिशत श्रीधक है और श्रन्तरित का उचित बाजार मूल्य, उसके वृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत श्रीधक है भौर श्रन्तरक (श्रन्तरिकों) भौर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रम्तरण के लिए तय पाया गया प्रति- कल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अम्सरण से हुई किसी आय की वाबत 'उक्त ग्रिधिनयम, के अधीन कर वेने के ग्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविश्वा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रव उक्त ग्रिधिनियम, की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, 'उक्त ग्रिधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत् :—

- 1. (i) श्री राम निवास मोदी पुत्र श्री नागर मल मोदी
 - (ii) श्रीमती शारदा देवी पत्नी श्री केसर देव मोदी
 - (iii) श्रीमती उमा देवी मोदी पत्नीश्री राम जीवन मोदी।
 - (iv) श्रीमती उपा देवी मोदी पत्नी श्री हरि भगवाम मोदी निवासी $\frac{4}{2}$ $\frac{9}{9}$ माडल टाऊन दिल्ली। (श्रन्तरक)

 मै० विकट्री रबड़ प्रोडक्टस, 20 वां मील जठेडी रोड डाकघर प्रलप सटेडीयम सोनीपत, (हरियाणा) प्रशासन कार्यालय, 41, खान मार्कट, न्यू देहली।

- (ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उपत सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यवितयों पर शूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबक्क
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:—इसमें प्रयुवत शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस श्रद्ध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फॅंक्ट्री बिल्डिंग जोकि गाव जठेड़ी तहसील व जिला सोनीपत में स्थित है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख न० 1217, जून, 1975 में रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी सोनीपत के कार्यालय में लिखा है।)

> विवेक प्रकाण मिनोचा, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, चण्डीगक्ष

तारीख: 5-3-76

प्ररूप द्याई० टी० एन० एस०--

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक घ्रायकर ध्रायुक्त (निरीक्षण) घर्जन रेज,

भुवनेश्वर, दिनांक 27 फरवरी 1976

निर्देश सं० 22/75-76/माईएसी (ए/मार)/बीबीएसमार---

यतः, मुझे जी० बी० यान्व प्रायकर प्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह धिश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं०-5(बी) है, जो भाभानगर (भुवनेण्वर) में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, भुवनेण्वर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 19-7-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के ग्रनुसार ग्रन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा- पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिगत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया ग्रया प्रतिफल, निम्नलिखित जद्देश्य से उक्त 'अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कियत महीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत 'उक्त ग्रिधिनियम', के श्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) एसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त श्रिधिनयम', या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के 'प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रत: श्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनु-सरण मे, में, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित ब्यक्तियों, श्रथीत:—- 1. श्री बी० के० अपनी पुत्र ए० डी अपी

(ग्रन्तरक)

2. श्री ई० बी० पास्त्र पुत्र ई० भारत पास

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उनत सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविध या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा, अम्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

यनुसूची

एक महला मकान भुवनेश्वर का भाभा नगर में स्थित है, जिसकी ज्लाट नं० 5(बी) है। यह मकान 19-7-75 तारीख में भुवनेश्वर सबरजिम्ट्रार श्राफिस में रिजिस्ट्रार हुआ, जिसकी छक्मेंट न० 4591 है।

जी० वी० यान्द, मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्राथकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भुवनेय्वर

तारीख: 27-2-1976

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०-

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भ्रारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ध्रायकर ध्रायकत (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज, नानपुर

कानपुर, दिनाक 4 फरवरी 1976

निर्देण स० 851/प्रजेन/सहाग्नपुर/75-76—प्रत, मुझे एफ० जे० बहादुर
ग्रायकर ग्रिधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषयास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से ग्रिधिक है और जिसकी स० श्रनुसूची के श्रनुसार है तथा जो श्रनुसूची के

धनुसार में स्थित है (ध्रौर इससे उपावद्ध धनुसूची में ध्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिनारी के कार्यालय सहारन-पुर में, रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 22-7-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के कृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितयो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथिन नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत 'उक्त श्रिश्चितयम', के ग्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या भ्रम्य ग्रास्तिमों को जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त ग्रिधिनियम', या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः भ्रव 'उन्त भ्रधिनियम', की धारा 269-ग के भ्रनुसरण में, मैं, 'उन्त भ्रधिनियम'. की धारा 269-व की उपधारा (1) के भ्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियो, भ्रषीत् :---

- 1. श्री लाला श्रंकण कुमार पुत्र सेठ भगवान दास निवासी श्रम्बाला रोड सहारनपुर श्रासल बजात खुद व मुख्तार श्राम मिनजानिव श्रीमती ग्रगगूरी देवी धर्मपत्नी सेठ भगवान वास (श्रन्तरक)
- 2. श्री सुरेन्द्र कुमार मित्तल पुत्र श्री मोहन लाल मित्तल निवासी मोहल्ला चौन्ताला सहारनपुर ।

(प्रनारिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियो पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
 श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियो में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्तीकरण ---इसमे प्रयुक्त गब्बो झौर पदो का, जो 'उक्त ग्रिधिनियम', के ग्रध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में विया गया है।

अनुसूची

श्रवल सम्पत्ति एक किता प्लाट जिस का क्षेत्र फल 1086 2/3 वर्ग गज बम्बर खसरा 773 सहराई मुतालिका नम्बर, 273 खेबट वाके शिवपुरी ईदरगाह रोड, जिला सहारनपुर 11,000 रु० मूल्य में हस्तातरित किया गया है।

> एफ० जे० बहादुर, सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेज, कानपुर

तारीख : 4-2-1976

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस० ----

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारी 269-घ(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर घायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, कानपूर

कानपुर, दिनांक 23 फरवरी 1976

निर्देश सं० 703/म्रर्जन/गाजियाबाद/75-76/2653~ म्रत: मुझे एफ० जे० बहादूर आयकर म्रधिनियम

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त धिक्षितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से ग्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० श्रनुसूची के श्रनुसार है तथा जो अनुसूची के श्रनुसार में स्थित है (श्रौर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, गाजियाबाद में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 10-7-1975 को पूर्वोक्त

सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य में कम के दृष्यमान पितपल के लिए ग्रन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृष्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत ग्रधिक है ग्रीर यह कि श्रन्तरक (ग्रन्तरको) ग्रीर ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तबिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:-

- /(क) ग्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त ग्रधि-नियम के ग्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, भ्रौर
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या ग्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत भ्रधिनियम, या धनकर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

न्नत: श्रव उक्त मधिनियम की धीरा 269-ग के श्रनु-सरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269म की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रर्थात् श्री बलजीत सिंह पुत्र बरकत सिंह निवासी 4724
 रोशमा रोड, देहली।

(ग्रन्तरक)

 श्री सुधीर गुष्ता पुत्र श्री हरी गम निवासी 302, श्राकाण दी बिल्डिंग, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हू।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबध में कोई भी आक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा.
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पब्होकरण +-इसमे प्रयुक्त शब्दो ग्रीर पदो का, जो उक्त ग्रिधिनियम, के ग्रध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही ग्रथं होगा. जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

श्रचल सम्पत्ति फैक्टरी बिल्डिंग नाम मैसर्स जयपाल उद्योग जो लोनी शाहदरा रोड, लोनी में स्थित है, 1,90,000 रु० मूल्य में हस्तांतरित की गई है।

> एफ० जे० बहादुर, सक्षम-अधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 23-2-1976

प्ररूप भाई०टी०एन०एस०~

म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के म्रधीन सूर्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रजन रेंज, कानपुर

कानपूर, दिनांक 23 फरवरी 1976

निर्देश सं० 509/ग्रर्जन/ गाजियाबाद/ 75-76/2654—- अतः, मुझे एफ० जे० बहादुर आयकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का

कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से म्रधिफ है

श्रीर जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार स्थित है (श्रीर इससे उपावक्ष अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गाजियाबाद में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1980 का 16) के श्रधीन, तारीख 14-7-1975

16) के श्रधान, ताराख 1/ को पूर्वोक्त सम्पत्ति के

उपित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत 'उक्त श्रधि-नियम' के श्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी म्राय या किसी धन या म्रन्य म्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्राय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त म्रिधिनियम', या धनकर म्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रत: ग्रज 'उन्त श्रिधिनियम' की धारा 269-ग के श्रनु-सरण में, मैं, 'उन्त श्रिधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत् :----11---506 GI/75

- श्री जगदीश चन्द्र मित्तल निवासी 152, गांधीनगर, गाजियाबाद।
- (2) श्री णिवचन्दर मित्तल निषासी 109 सरायकोना, बुलन्दशहर।
- (3) श्री श्रोम प्रकाश मित्तल निवासी के० एल-49 कविनगर गाजियाबाद।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती नैलाशी देवी पत्नी पं० जस्सी राम शर्मा

(2) श्रीमती इन्दुप्रभापत्नी श्री उमण चन्द गर्मा निवासी मोहल्ला काजीमल डासना गेट, गाजियाबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पक्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उमत सम्पत्ति के धर्जन के संबंध मे कोई भी ध्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की भ्रविध या तत्सक्षमधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
 श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृर्वीक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो 'उन्त श्रधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्य होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

श्रवल सम्पत्ति सालिष एक दो मंजिला मकान (पूर्व मुखी) जो लगभग 250 वर्ग गज क्षेत्र में बना हुआ है जो मोहल्ला पक्की मोरी, गाजियाबाद जिला मरठ मे स्थित है, 72,000 रु० मूल्य में हस्तांन्तरित किया गया है।

> एफ० जे० बहादुर सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, कानपुर

तारीखा : 23-2-1976

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस० -

भ्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-भ(1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

म्राजन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनाक 3 फरबरी 1976

निर्देश सं० 838/भ्रर्जन/सहारनपुर/75-76/2640---भ्रतः, मुझे एफ० जे० बहादूर ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, -जिसप्ता उचित बाजार मूल्य 25,000∤-क्ष्पये से अधिक हैं। ग्रौर जिसकी सं० ग्रनुसूची के ग्रनुसार है तथा जो ग्रनुसूची के अनुसार में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय सहारनपुर मे, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 22-7-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दुश्यमान प्रशिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है घीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उंदेश्य से उकत धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राप की बाबत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिश्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अस्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायें अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः, श्रव, 'उक्त ग्रधिनियम' की धारा 269-ग के मनुसरण में, मैं, 'उक्त ग्रधिनियम' की धारा 269-थ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथांत :--- कुमारी संयोगिता गुप्ता पुत्री स्व० श्री प्रकाश चन्द, गुप्ता निवासी बाजोरिया रोड, सहारनपुर।

(ग्रन्तरक)

2. मार्डन कोपरेटिय हाऊसिंग सोसाईटी लिमिटेड द्वारा सकेट्री श्री तिलोक चन्द पुत्र श्री हरी चन्द निवासी मोहल्ला चौनताला, सहारनपुर :

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त हाँती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा, अधोहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण: -- ६ समें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं धर्य होगा, जो उस ध्रध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

श्रचल सम्पत्ति प्लाट नं 1 की भूमि का टुक्कड़ा जिसका क्षेत्रफल 1200 वर्ग गज है श्रौर जो जनकपुरी (खानग्रालाम-पुरा) खसरा नम्बर्स 119/2, 3, 4 श्रौर 119/8, महल श्रमीर श्रहमद मौजा खानश्रालामपुरा में स्थित है 48,000 रु मूल्य में हस्तांन्तरित किया गया है।

> एफ जे० बहादुर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज, कानपुर

तारीख: 3-2-1976

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०---

ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रजन रज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 4 फरवरी 1976

निर्देश सं० 839/ग्रर्जन/महारनपुर/75-76/2641 ग्रतः मुझे एफ० जे० बहादुर

धायकर स्रिधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के स्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से स्रिधिक है

स्रोर ितसकी संव अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार है प्रिक्षेत्र है (श्रीर इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप रो विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहारनपुर मे, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 22-7-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तिरत की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है श्रीर यह कि धन्तरक (ध्रन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (ध्रन्तिरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त 'श्रधि-नियम' के ग्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व मे कमी करने या उससे बचने मे सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हे भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त श्रिधिनियम', या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्त्रिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः ध्रव 'उक्त ग्रधिनियम' की धारा 269-ग के ग्रनु-सरण में, मैं, 'उक्त ग्रधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत्:— कुमारी मधुलिका गुप्ता पुत्नी स्व० श्री प्रकाश चन्द गुप्ता निवासी बाजोरिया रोड, सहारनपुर।

(ग्रन्तरक)

2. मार्डन कोभ्रोपरेटिव हाऊसिंग सोसाईटी लिमिटेड द्वारा सकेट्री श्री विलोक चन्द पुत्र लाला हरी चन्द निवासी मोहल्ला, चौनताला, सहारनपुर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहिमां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जोभी
 श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्द्रो ग्रीर पदी का, जो 'उक्त ग्रधिनियम', के श्रध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही ग्रर्थ होगा, जो उस श्रष्टयाय में दिया गया है।

अनुसूची

श्रचल सम्पत्ति प्लाट नं० 1 की भूमि का दुकड़ा जिसका क्षेत्रफल 1200 वर्ग गज है ग्रीर जो जनकपुरी (खानग्रालामपुरा) खसरा नम्बर्स 119/4, 5 ग्रीर 119/8, महल ग्रमीर श्रहमद मौजा जनकपुरी (खानग्रालामपुरा) जिला सहारनपुर में स्थित है, 48,000 रु० मूल्य में हस्तान्तरित किया गया है।

एफ० जे०बहादुर सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कानपूर

तारीख: 4-2-1976

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 4 फरवरी 1976

निदेश सं० 844/श्रर्जन/सहारनपुर/75-76/2642--श्रतः, मुझे एफ० जे० बहादुर, प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 2.69-खा के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका बाजार मृल्य 25,000/- रु० से ग्रधिक है उचित भौर जिसकी सं श्रनुसूची के श्रनुसार है तथा जो श्रनुसूची के श्रनुसार स्थित है (श्रीर इससे उपावद श्रनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय," सहारपूनपूर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 22-7-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत ग्रधिक है ग्रीर ग्रन्तरक (भ्रन्तरकों) भ्रौर अन्तरिती (श्रन्तरितयों) के बीच तय पाया गया ऐसे मन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भ्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:−-

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत 'उक्त श्रिधिनियम' के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त श्रधिनियम', या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः, ग्रबं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में; मैं, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रधांत :---

- कुमारी मधुलिका गुप्ता पुत्नी श्री प्रकाश चन्त्र गुप्ता निवासी बाजोरिया रोड, सहारनपुर। (श्रन्तरक)
- 2. मार्डन कोम्रापरेटिव हार्ऊसिंग सोसाईटी लिमिटेड, द्वारा सकेटरी श्री बिलोक चन्द पुत्र लाला हरी चन्द निवासी मोहल्ला , चौनताला सहारनपुर। (ग्रान्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्स सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए एतवृद्वारा कार्यवाहियां मुरू करता हुँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के प्रति आक्षेप यदि कोई हो तो :-

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 विन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीसर पूर्वोक्त
 न्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाणन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रांप पदों का, जो जक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

श्रवल सम्पत्ति प्लाट न० 4 की भूमि का टूकड़ा जिस का क्षेत्रफल 1200 त्रगैंगज है श्रीर खसरा नम्बर्स 119/2, 3, 4 श्रीर 119/40, महल श्रमीर श्रहमद मौजा खानग्रालामपुरा सहारनपुर में स्थित हैं, 30,000 क० मूल्य में हस्तान्तरित किया गया है।

एफ० जे० बहादुर, सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

सारीख: 4-2-1976

मोहर :

श्रर्जन रेंज, कानपूर

प्ररूप ग्राई०टी०एन०एस०-

भ्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 4 फरवरी 1976

निर्देश नं० 845/ग्रर्जन/सहारनपुर/75-76/2643— श्रतः मुझे एफ० जे० बहादुर, ग्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से श्रधिक है श्रीर जिसकी स० ग्रनुसूची के ग्रनुसार है तथा जो ग्रनुसूची के ग्रनुसार हिथा है।, रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सहारनपुर में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए

16) के प्रधीन, तारीख 22-7-1975

अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत ग्रिधक हैं भ्रीर भ्रन्तरक (ग्रन्तरकों), भ्रौर भ्रन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भ्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:~~

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, 'उक्त स्रिधिनयम,' के श्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने मे सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त प्रधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात्:—

- कुमारी संयोगिता मुप्ता पुत्री स्व० श्री प्रकाश चन्द, निवासी बाजीरिया रोड सहारनपुर। (श्रन्तरक)
- 2. मार्डन कोपरेटिव हाऊसिंग सोसाईटी लिमिटेड द्वारा सक्रेटरी श्रीतिलोक चन्द पुत्र लाला हरी चन्द निवासी मोहल्ला चौनताला, सहारनपुर। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पक्ति के म्रर्जन के लिए कार्यकाहियां करता हं।

उनत सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधिबाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—हसमें प्रयुक्त शब्दो श्रीर पदो का जो 'उक्त श्रिधिनियम' के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, बही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

श्रचल सम्पत्ति प्लाट नं० 4 की भुमि का टुकड़ा जिसका क्षेत्रफल 1200 वर्ग गज है श्रीर जो जनकपुरी (खानश्रालमपुरा) खसरा नम्बर्स 119/2, 3, 4 श्रीर 119/4 महल श्रमीर श्रहमद मौजा खानश्रालमपुरा, सहारतपुर में स्थित है, 30,000 रु० मूल्य में हस्तान्तरित किया गया है।

एफ० जे० बहादुर, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रजैन रेंज, कानपूर

तारीख: 4-2-1976

प्ररूप श्राई॰ टी॰ एन॰ एस॰----

म्रायकर ऋधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के ऋधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 4 फरवरी 1976

निर्देश सं० 849/श्रर्जन/सहारनपुर/75-76/2644~-श्रतः, मुझे एफ० जे० वहादुर श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का

कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका

उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से प्रधिक है ग्रीर जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार स्थित है, (ग्रीर इससे उपाबड़ अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी का कार्यालय सहारनपुर में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16), के श्रधीन, दारीख 22-7-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
धृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से
श्रिष्ठिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, 'उक्त ध्रिधिनियम' के श्रधीन कर देने के ध्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या,
- (ख) ऐरी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 की 11) या 'उक्त श्रधिनियम,' या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रत: भ्रब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग क ग्रनुसरण में, मै, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-म की उपधारा (1) के भ्रधीन, निम्निखिल व्यक्तियों भ्रथीत:-- कुमारी मधुलिका गुप्ता पुत्नी स्व० श्री प्रकाश चन्द गुप्ता निवासी बाजोरिया रोड, सहारतपुर।

(श्रन्सरक)

2. मार्डन कोम्रोपरेटिव हार्ऊिसग सोसाइटी लिमिटेड द्वारा सक्रेटरी श्री तिलोक चन्द पुत्र लाला हरी चन्द निवासी मोहल्ला, चौनताका , सहारतपुर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिये वार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भ्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविध, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उवत स्थायर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रश्चोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो 'उक्त ग्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं भ्रषें होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

श्रवल सम्पत्ति प्लाट नं० 3 की भूमि का टुकड़ा जिसका क्षेत्रफल 1200 वर्ग गज है श्रौर जो खसरा नम्बर्स 119/3 का 119/बी महल श्रमीर श्रहमद मौजा खानश्रालाभपुरा जिला सहारनपुर में स्थित है, 30,000 ६० मूल्य में हस्तौन्तरित किया गया है।

> एफ० जे० बहादुर, गक्षम प्राधिकारी गहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 4-2-1976

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

नार्यालय, सहायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनाक 3 फप्वरी 1976

निर्देश स० $4850/श्रर्जन/सह।रनपुर/75-76/2645— श्रत, मूझे एफ० जे० बहादुर, <math>\mathfrak{p}_1$ यक्षर श्रिधिनयम,

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'जनत प्रधित्यम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है वि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपये से अधिक है भ्रौर जिसकी स० अनुसूची के अनुसार है तथा अनुसूची के अनुसार हि तथा अनुसूची के अनुसार स्थित है, (भ्रौर इससे उपावद्ध अनूसूची मे भ्रीर पूर्ण पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिवारी के वार्याक्षय सहारनपुर मे, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख 22-7-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उवित बाजार

मृत्य से नम ने दृष्धमान प्रतिपत्त के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृष्यमान प्रतिपत्त से ऐसे दृष्यमान प्रतिपत्त के पन्द्रह प्रतिभत से उधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के वीच ऐसे अन्तरित कि कि तय पाया ग्या प्रतिपत्त निम्नलिखित उद्देग्य से उसत अन्तरित निम्नलिखित उद्देग्य से उसत अन्तरित निम्नलिखित विषया स्था हिन्स से वास्तिव स्प

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम,' क अधीन न र देने ने अन रक के दायित्व में हमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, भ्रीर या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 वा 11) या 'उक्त अधिनियम,' या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उन्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन निम्नितिखित व्यक्तियो, उर्थात —

- 1 कुमारी सयोगिता गूप्ता पुत्री स्व० प्रकाण चन्द गुप्ता निवासी बाजौरिया रोड, सहारनपुर (अन्सरक)
- 2 मार्डन कोभ्रापरेटिव हाउसिंग सोसाईटी लिभिटेड हारा सेश्रेटरी, श्री लिलोक चन्द पुत्र हरी चन्द निवासी मोहल्ला चौनताका, सहारनपुर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी तरके पुर्वोक्त सम्पत्ति ने अर्जन ने लिए पार्यवाहियां करता हू।

उनन सम्पत्ति के सबध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना वे राजपत्न में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन का अविधि या तत्सबधी व्यक्तियों पर ग्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जा भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना वे राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी अन्य व्यन्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

रणस्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दो और पदो का जा 'उक्त अधिनियम,' ने अध्याय 20-क में परिभाष्ति है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

श्रवल सम्पत्ति प्लाट न ० 3 की भूमि का टूकड़ा जिसका क्षेत्रफल 1200 वर्ग गज है और जो जनकपुरी (खानश्रालम-पुरा) खसरा न ० 119/4 का 119/वी महल अमीर अहमद मौजा खानश्रालमपुरा सहारनपुर में स्थित है 30,000 ह० मुल्य में हस्तान्तरित किया गया है।

> एफ० जे० बहादुर, सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज कानपुर

तारीख: 23-1976

प्ररूप भाई०टी०एन०एस०---

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक द्यायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, कानपुर कानपुर,दिनांक 3 फरवरी 1976

निर्देश सं० 853/म्रर्जन/सहारनपुर/75-76/2646---श्रतः, मुझे एफ० जे० बहादुर श्रामकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास कारण है कि स्थावर सम्पनि, उचित बाजार मृह्य 25,000/- रुपये से अधिक ग्रीर जिसकी सं० ग्रनुसूची के ग्रनुसार है तथा जो ग्रनुसूची के अनुसार स्थित है (श्रौर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय सहारनपुर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, नारीख 22-7-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य

से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पण्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अग्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अग्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्स अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रिधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रत: ग्रब उक्त श्रीधिनियम की धारा 269-ग के श्रनु-सरण में, में, उक्त श्रीधिनियम की धारा 269-व की ज़पधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत :---

- कुमारी संयोक्ति गुप्ता पुत्री स्व० प्रकाश चन्द गुप्ता निवासी बाजोरिया रोड, सहारनपुर। (श्रन्तरक)
- 2. मार्डन कोपरेटिव हाउसिंग सोसाईटी लिमिटेड द्वारा सेकेटरी श्री जिलोक चन्द पुत्र लाला हरी चन्द निवासी मोहल्ला चौनताला, सहारनपुर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भ्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भ्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अ्थवित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण--इसमे प्रयुक्त शब्दो और पद्दो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

श्रचल सम्पत्ति प्लाट नं० 5 जिसका क्षेत्रफल 1200 वर्ग गज है श्रौर जो जनकपुरी (खानश्रालमपुरा) खसरा नं० 119/5 का 119/बी महल श्रमीर श्रहमद मौजा खानश्रालमपुरा में स्थित है, 30,000 रु० मूल्य में हस्तान्तरित किया गया है।

> एफ० जे० बहादुर, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, कानपूर

तारीख: 3-2-1976

मोहरः

प्ररूप ग्राईं० टी० एन०एस०---

ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के ग्रधीन सूचना

भारत मरकार

कार्यालय, महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, कानपुर

तानपुर, दिनांक 4 फरवरी 1976
निर्देश सं० 854/प्रर्जन/सहारनपुर/75-76/2647—
प्रतः, मुझे एफ० जे० बहादुर, आयकर प्रधिनियम
1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त प्रधिनियम कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से प्रधिक है और जिसकी सं० प्रमुख्यों के प्रमुखार है तथा जो प्रमुख्यों के प्रमुखार है तथा जो प्रमुख्यों के प्रमुखार है तथा जो प्रमुख्यों के प्रमुखार है तथा को प्रमुखार है। रिजस्ट्रीकर्सा प्रधिकारी के कार्यालय सहारन-पुर में, रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16)

के अधीन, तारीख 22-7-1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उलित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलियित उन्तेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथिन नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त प्रधि-नियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविद्या के लिए;

प्रत: भ्रव उक्त मधिनियम की धारा 269-ग के प्रनु-सरण में, में, उक्त मधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रधीत:---

- कुमारी मधुलिका गुप्ता पुत्री स्व० श्री प्रकार चन्द गुप्ता निवासी बाजोरिया रोड महारनपुर।
 - (अन्तरक)र
- 2. मार्डन कोपरेटिय हाउपिंग सोमाईटी विभिन्ते द्वारा रोकेटरी श्री विलोक चन्द पुत्र लाला हरी चन्द महोल्ला चीनताका, महारनपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्यांक्त सम्पत्ति के ग्राःत के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आधी :---

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाणन की तारीख से
 45 दिन की धवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तागील से 30 दिन की धवधि, जो भी
 धवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवीकत
 व्यक्तियों में से दिसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्ध किसी श्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा मकेंगे।

स्पष्टीकरण:—हसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

भ्रन्सूची

श्रचल सम्पत्ति प्लाट नं० 2 की भूमि का टुफड़ा जिसका क्षेत्रफल 1200 वर्ग गज है श्रीर जो जनकपुरी (खानश्रालम-पुरा) खसरा नं० 119/3 का 119/बी, महल श्रमीर शहमद मौजा खानश्रालमपुरा सहारनपुर में स्थित है, 30,000 रू० मूल्य में हस्ताश्रन्तरित किया गया है।

ाफ़ जे० बहादुर, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त, निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

ता**रीख**़ 4-2-1976

अधिक है

प्ररूप आई० टी० एन० एम०--

भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा

269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनाक 3 फरवरी 1976

निर्देश स० 787-ए/ग्रर्जन/सहारनपुर/75-76/2618—
ग्रतः, मुझे एफ० ए० बहादुर
ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे
इसके पश्चात् 'उम्रत ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
मे ग्रिधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- २० से

ग्रोर जिसकी स० ग्रमुस्ची के ग्रमुसार है तथा जो ग्रमुस्ची के ग्रमुसार स्थित है (ग्रीर इससे उपायद्ध श्रमुस्ची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय साहरमपुर म, रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16 के ग्रधीन तारीख 22-7-75 की

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृद्धों यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके धृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरको) ग्रीर अन्तरित (अन्तरितयो) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिपल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विखिन में वास्तिक है पर से कवित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक पंदायित्व में वभी करते या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी विसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियो की, जिन्हे भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922 (1942 का 1) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अस्तरिती क्षारा प्रकट नहीं किया गया था विशा जाना न्यहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

श्रत: अय उनत ग्र**धिनियम,** की धारा 269-म के ग्रनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के ग्रधीन, निम्नलिखिट व्यक्तियो, श्रधीत:--- 1 कुमारी सयोगिता गुप्ता पुत्ती स्व० श्री प्रकाण चन्द गुप्ता निवासी बाजोरिया रोड, सहारनपुर।

(ग्रन्सरक)

2, मार्डन कोपरेटिव हाउसिंग सोसाईटी लिमिटेड बारा सेक्षेटरी श्री बिलोक चन्द पुत्र लाला हरी चन्द निवासी मोहल्ला चौनताला, सहारनपुर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहिया करना ह।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी ध्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बौद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (प्य) इस भूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारोख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण ---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के श्रध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही शर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसुची

श्रनल सम्पत्ति प्लाट न० 2 जिसका क्षेत्रफल 1200 वर्ग गज है और जो जन 6 पुरी (खानश्रालमपुरा) सहारतपुर खसरा न० 119/2, 3, 4 और 119/4 महल श्रमीर श्रहमद मौजा खानश्रालमपुरा में स्थित है 36,000 रू० मूल्य में हस्तान्तरित किया गया है।

एफ० जे० बहादुर, मक्षम प्राधिकारी गहायक क्रायकर क्रायुक्त, (निरीक्षण) (भ्रजैन रेज), कानपूर

तारीख 3-2-1976

प्ररूप भाई० टी० एन० एस० →

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, भोपाल

भाषाल, दिनाक 21 फरवरी 1976

निर्देश स० प्राई० ऐ० सी० एक्बी/भोपाल/75-76---

ग्रत, मुझे त्री० के० सिन्हा, ग्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 260-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विण्वास करन का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से भ्रधिक है ग्रीर जिसकी स० कृषिभूमि है, जो जबलपुर में स्थित है (ग्रीर इससे उगाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय जलबलपुर में रजिस्ट्रीगृह अधि-नियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 24-7-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम क दुश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विषवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे

द्श्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है ग्रौर भ्रन्तरक

(अन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे

श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नही

किया गया है:---

- (क) प्रन्तरण स हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त प्रधिनियम, के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धनकर ग्रिधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः श्रव उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रयीत् :--~

- । (1) श्री टोगर सिह पुत्र तरवर सिह
 - (म) श्री रधुवर सिंह पुल मलकन सिंह लाघकी चौकी जबलपुर।

(भ्रन्तरक)

2 श्री स्वामी प्रसाद श्रीपारस मलभल अग्रवाल, निवासी कंटगी तहसील पाहन जबलपुर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी वरके पूर्वोक्स सम्पत्ति के क्रर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 4.665 एकड जो कि कटगी गाव पाटन जिला जबलपुर में स्थित है।

> वी० के० सिन्हा, सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज भोपाल।

तारीख: 21-2-1976

प्ररूप आई० टी• एन• एस•----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायुकर ग्रायुक्त निरीक्षण

श्चर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 21 फरवरी 1976

निदेश सं० भ्राई० ए० सी० एक्वी०/भोपाल/76-77/ श्रात:, मझे वी० के० सिन्हा, अधिनियम, 1961 (1961 (जिसे इसमें इसके पश्चाम् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- इपये से अधिक है श्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है, जो इन्दीर (पिपलया) में स्थित है (ग्रीर इसने उपावद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय इन्दौर में रजिस्ट्रीकृत श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 17-7-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उजित ब्राजार मूख्य सेकम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यदापूर्वोदत सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके धृथ्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (बन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीम ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित खहेण्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया चया है :---

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उन्स अधिनियम के अधीन कर देने क अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अभ्य आस्तियों की, जिन्हें नारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 भ 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रक नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए जा, छिपाने में सुनिधा के लिए।

जतः अब उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की घारा 269-म की उपचारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथींतु:--- श्री हबीय पृथा श्रम्दुल, निवासी 177 श्राजाद नगर, इन्दौर ।

(ग्रन्सरक)

2. श्री कृष्ण चन्द्र पुत्र श्री विश्वताथ ग्राचार्यः, निवासी 54 रूप राम नगर कालौनी इन्दौर।

(ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जम के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप यदि कोई हो, तो:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि सम में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हिसबर किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास शिक्षित में किए जा सकेंगे।

हपट्टीकरण: ---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जी उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस ग्राध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 6.66 एकड़ जो कि पिपलया हाना गांव इन्दौर में स्थित है।

> वी० के० सित्हा, सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, भोपाल

ता**रीख:** 21-2-1976

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 21 फरवरी 1976

निर्देश सं० म्राई० ए० सी० एक्बी/भोपाल/76-77/-श्रतः, मुझे बी० के० सिन्हा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख को अर्धान मक्षम प्राधिकारी को, यह विण्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है भीर जिसकी सं० मकान है, जो जबलपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपायद अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय जबलपुर में रजिस्ट्रीकृत ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 14-7-75 को प्रवेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम क दुश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की और मुझे यह विश्वास करने का कारण ह ययापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बुख्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक और अन्तरक (अन्तरको) और (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अम्तरण लिखित मे वास्त्रविक रूप भे कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किया आप की बाबत उक्त आहि -नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी वरने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रार/या
- (ख) ऐसी किसी आय यो किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) दा उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1657 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्रिती द्वारा अकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की घारा 269-घ की उपघारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--- श्री ए० बी० सिन्हा 1907, 51/25 नेपियर टाउन, जबलपुर।

(भ्रन्तरक)

2. श्री राम नाथ पाडे पुत्र श्री जय नारायण पांडे, बारसपुर गोपीगंज, बाराणसी 9942 प्रेम नगर. मदन महल बार्ड नागपुर रोड़, जबसपुर।

(भ्रन्तरिती)

को <mark>यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त मस्पत्ति के अर्जन के लिए</mark> कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवित्र का तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद क्समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति छारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संस्थित में हितयद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षर के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पथ्टीकरण— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(मकान) तीन ब्लाक नम्बर 1140, 1141, श्रीर 1142 जो कि मदन महल वार्ड, अबलपुर में स्थित है।

> बी० के० सिन्हा, सक्षम प्राधिकारी यहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

ता**रीख**; 21-2-76

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०--

म्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के म्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 21 जनवरी 1976

निदेश सं श्राई० ए० सी० एक्बी/भोपास/76-77/---श्रतः, मझे वी०के० सिन्हा श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 र० [से श्रधिक है स्रोर जिसकी सं० मकान है, जो जमाई छिन्दवाड़ा में स्थित है (भ्रौर इससे उपावत अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्दीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, छिन्दवाड़ा मे रजिस्द्रीकृत श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 7-7-75 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भ्रोर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (म्रन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उन्त श्रन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :~--

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रिधिनयम के श्रिधीन कर देने के श्रन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायंकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के ग्रधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत् :— श्री प्रताप सिंह पुत्र श्रीपिष्ठारा सिंह सिपाल, मेलसब स्कोयर, नागपुर।

(ग्रन्सरक)

2. श्रीमती कान्ता मिह पत्नी श्री तेबीन्दर सिंह निवासी श्रनीत फ्लेट कोलफील्ड बेलफेयर हास्पिटल जमाई, छिन्दवाणा, (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के भ्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ध्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45
 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी स्थक्त द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यवित द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण .—इसमे प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदो का, जो जक्त श्रिधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय मे दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान जिसकी माप $42' \times 42'$ वर्ग फुट जो कि जमाई तहसील, छिन्दवाणा में स्थित है।

वी० के० सिन्हा, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेज, भोपाल

तारीख: 21-2-1976

भारत मरकार कार्यालय, महायक श्रायकर श्रायुक्त (तिरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनाक 21 फरवरी 1976

निवेश सं० श्राई० ए० मी० एक्वी/भोपाल/76-77/---**प्रत**ः, मुझे बी० के० सिन्हा, श्रायकर ग्रिंगियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास 'उनत ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सप्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक हैं ग्रौर जिसकी स० कृषि भूमि है, जो नौगज, ग्वालियर में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबढ श्रनुसूची में भ्रीर पूण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिवारी के कार्यालय ग्वालियर में रजिस्ट्रीकृत ग्रिधिनियम , 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन 3-8-75 पुर्वोवत सम्पत्ति के उचित मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रष्ट प्रतिशत से अधिक है ग्रीर अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नही किया गण है :----

- (व) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन १२ देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करन या असे बचने मे सुविधा-क निर और/या
- (रा) ऐसी किसी आय या तिसी धन या अन्य आस्तिसों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा 2कट नहीं तिया गया था या किया जाना नाहिए था, छिपाने म सुविधा के लिए;

अतः, अब उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियो, श्रर्थात् :--- श्री श्रीधर लाल पुक्ष न।रायणदास जी सिंधी, श्री नानक राम पुत्र फीतलदास जी दयानी, मुखतीयार श्री भगवानदास पुत्र फीतलदास दयानी निवासी दोलत गंज, लक्कर, ग्वालियर द्वारा हेमनदास वुक सेलर जलामा सिंह की गोठ-टोपी बाजार, लक्कर, डा॰ नानक राम पुत्र फीतल दास दयानी, जनता वर्षत योजना, निवासी सरस्वती प्रकाणन के सामने, नहींम रोड भोपाल ।

(भ्रन्तरक)

- 2. (1) श्री रूस्तम सिंह पुत्र राम चरण एडवोकेट दुर्गा कालोनी, वालवजार लक्कर, ग्वालियर
- (2) श्री रामजी दास पुत्र रतन लाल रनिग पलोर मिल छतरी बाजार लक्कर, ग्वालियर।
- (3) श्री नारायण दास पुत्र विश्म्भर दयाल सिंह तैंग्रली वाड़ा, नया बाजार लश्कर, ग्वालियर।
- (4) श्री प्रकाश सिंह पुत्र विशम्भर दथाल सिंह, कन्डकटर, एम० पी० रोडवेज शिवपुरी।
- (5) श्री काशीराम पुत्र लाल चन्द निवासी लश्कर, ग्वालियर।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीसर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, ग्राभीहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेगे।

स्वान्हीकरण.---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त-अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 86 बीघा 7 विस्वा जो कि नोगंज ग्वालियर में स्थित है।

वी० के० सिहा, सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर ग्रायुक्स (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, भोपाल

तारीखा : 21-2-1976

प्ररूप आई० टी० एत० एस०----भायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के श्रिधीन ग्चना
भारत सरकार

कार्यालम, महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज -II अहमदाबाद

श्रहमद।बाद, दिनाक ७ फरवरी 1976

निदेश न० 285/ए० सी० नयू० 23-634/6-2-/75-76 -श्रत एमें पी०एन० मिसल प्रधिमियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् उवत ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- १० से श्रधिक है श्रीर जिसकी स० बडोदा गमवा स० न० 532 प्लाट न० 72 है, तथा जो विश्वास कालोनी वे पीछे जेनलपुर रोड अलकापुरी, बडोदा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिष्ट्रीकर्ता अधिकार्र के **बडो**वा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, 31-7-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है ग्रीर यह कि अन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रौर अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए त्तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उनत श्रन्तरण

(क) ग्रन्तरण में हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त प्रधि-नियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कसी यस यो उससे बचने में सुविधा ने निए, श्रौर/या

लिखित मे बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है -

(ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्ह भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

ग्रत ग्रब उन्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रन्-भरण में मैं, उक्त ग्रिधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीत निम्नलिखित व्यक्तियों ग्रथीत् :---

- (1) श्री सुनीत कुमार हीरालाल शाह श्री मुकेण कुमार हीरालाल शाह श्री हीरालात चुनी लाल शाह नतन भारत सोसायटी, श्रलका पुरी के पास बरोदा । (श्रन्तरक)
- (2) श्री कृष्णकान्त जयन्ती लाल पटेल, श्रीमती ज्योतिबेन सनहरीभाई पटेल, धेली पोल, वाडी, वडोदा। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पर्वोक्त सम्पक्ति के धर्जन के लिए कार्यबाहिया करता है।

ं उनत सम्पत्ति के श्रर्जन के संबंध में नोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपल्ल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तस्सवधी व्यक्तियो पर सूचना की तामीत से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में सभागत होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा,
- (ख) रस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख सें
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर राम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के
 गाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण ---इसमे प्रयुक्त शब्दो श्रौर पदो बा, जो 'उन्त श्रिधिनियम,' के श्रध्याय 20क में परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

वड़ादा कम्बा सन० 532 प्लाट न० 72 पर 5085 वर्गफुट खुली जमीन जो प्रलकापुरी, विश्वास कालोनी केपीछे, जेतलतुर रोड बड़ोदा में स्थित है जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिन वारी, बड़ोदा - II के जुलाई, 1975 के रिजस्ट्रीकर विलेख न० 4128 में प्रदर्शित है।

पी० एन० मित्तल, सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-II ग्रहमदयाद

नारीख *7-2-*1976 मॉहर प्ररूप आई० ही० एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च(1) के अधीन मूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर मायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-II, अहमदाबाद

श्रहमदाबाद, विनांक 6फरवरी 1976

निदेश नं० 286/ए० सी० क्यू० 23-635/19-8/75-76 — अतः मृझे पी० एन० मित्तंल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० वार्डनं० 1 नोंध नं० 3377 और 3378 पैकी जमीन है, तथा जो काजी मैदान , गोपीपुरा, सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुपूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1 4-7-1975

को पृथांक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रसिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोवत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नही किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्थ में कमी करने या उससे बचने मे सुविधा के लिए;
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

भत: भ्रब, उनत श्रिधिनियम की धारा 269-ग के श्रनु-सरण में, मैं, उनत श्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों श्रर्थात — 13—506QI/75 (1) श्री पुस्पसेन पानाचन्द जवेरी, श्री रमेश चन्द पानाचन्द जवेरी, श्रशोकभाई पानाचन्द जवेरी, 497, सरदार बल्लमभाई पटेल रोड, स्पराज, वम्बई-4

(ग्रन्तरक)

(2) विमल एपीटमेन्टस को० श्राप० हाउसिंग सोसायटी लि० की श्रोर से

चेयरमेन:---जयन्ती लाल मफत लाल शाह, वानिया शेरी, महीदरपुरा, सुरत

सेक्रेटरी: — श्रीमित मालविका विजयकुमार शाह विमल एपिटमेन्टम, गोपीपुरा, काजी मैदान सूरत (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर पूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजेपद्म में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम के श्रध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका नोध नं० 3377 श्रीर 3378 श्रीर कुल माप क्रमशः 87 श्रीर 121वर्ग गज है तथा जो वार्ड नं० 1 काजी मैदान गोपीपुरा सूरत में स्थित है जैंस। कि रजि-स्ट्रीकर्ता श्रधिकारी सूरत के जुलाई, 1975 के रजिस्ट्रीकृत विलेखनं० 3150 में प्रदर्शित है।

> पी० एन० मित्तल, सक्षम प्राधिकारी महायक प्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेज-II, स्रहमदाबाद

तारीखा : 6-2-1976

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०--

भायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज -II अहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 16 फरवरी 1976

निदेश सं० 287/ए० सी० क्यु० 23-636/6-1/75-76:-श्रतः मझे पी०एन० मित्तल, श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उषित बाजार मृल्य 25,000/- रु० से ग्रधिक है श्रौर जिसकी सं० सर्वे नं० 732 है, जो साधना नगर सोसायटी के पास कारेलीबाग, बड़ोदा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, बडोदा में रजिस्दीकरण भधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जुलाई, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार, मुख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल लिए म्रन्तरित है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति बाजार मुख्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से ऐसे प्रतिशत दश्यमाम प्रतिफल पन्द्रह प्रधिक (भ्रन्तरकों) और **ध्रन्त**रिती श्रोर श्रन्तरक (धन्तरितयों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त भ्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई निसी अप्तय की बाबत, 'उक्त धर्धिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रोर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा अकट नहीं निया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के तिए;

भ्रतः भ्रवः, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग के भ्रनुसरण में, में, 'उक्त ग्रधिनियम' की घारा 269-भ की उपधारा (1) के भ्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों भ्रणीत:— (1) डा० सुमंत लाल मोती लाल मोदीखाना रोड, ज्बिलीबाग के पीछ बड़ोदा।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मणीलाल छोटा लाल परीख 2. शान्ताबेन मणीलाल परीख 10, मिलन , बापू भाई वासी रोड, विले-पार्लेबम्बई।

(ग्रन्तरिती)

(3) राज्य कर्मचारी बीमा निगम , साधना को० श्रा०-सोसायटी के पास रुपम एरिया, कारेली बाग, बड़ोदा (बह ट्यकिन्द्वजिमके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के ध्रर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की भ्रविध, जो भी ध्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त गब्दों श्रीर पदों का, जो 'उक्त श्रिधिनियम', के श्रद्ध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रद्ध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भोन्कटिक नामक मकान व जमीन जिसका सर्वे नं १ 732 हिस्सा-बी०, श्रीर कुल माप 0-3 गुंथा 108 वर्ग गज है श्रीर जो साधनानगर सोसायटी के पास, कारेली बाग, बड़ोदा में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी बड़ोदा के जुलाई, 1975 के रजिस्ट्रीक्त विलेख नं 2736 में प्रदिशत है।

पी० एन० मिस्तल, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-II, भ्रहमदाबाव

तारीख: 16 फरवरी, 1976

प्ररूप आई० टी• एन• एस•----

भासकर घिष्टिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-म (1) के घिष्टीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहामक धायकर भागुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-1 अहमदाबाद

श्रहमवाबाद, विनाक 20 फरवरी, 1976

निदेश सं० ए० सी० क्यू० 23-1 704 (271) /1-1/75-76 यत: मुझे जे० कथूरिया श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 प्रायकर श्रधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रू० से श्रधिक है और जिसकी सं० सर्वो नं० 209, 209-1, 209-2, एफ० पी० नं० 269, टी० पी० एस० नं० 14, है, जो शाही बाग, श्रहमदाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 29-7-75 को पूर्वोकत सम्पत्ति के उचित

को पूर्वोकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रति-शस से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तिविक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त ग्राधि-नियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (खा) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तिमों ग्रथीत्ः— (1) श्री भरतकुमार चिनुभाई बैंकर, मधवन , डफनाला, णाहीबाग, ग्रहमदाबाद।

(श्रन्तरक)

(2) श्री जसवत लाल रामदास पटेल, श्यामलदास की-खडकी, गाम : क्षेत्रीज, तालुका - ग्रहमदाबाद डिस्ट्रीक्ट कैरा

(भ्रन्तरिती)

. को यह सूधना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हू।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त व्यक्ति, स्थावर सम्पत्ति में
 हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
 के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों को जो 'उक्त अधि-नियम' के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एश्र श्रविभक्त सम्पत्ति का श्राधा भाग (1304 वर्ग गज भूमि का श्राधा भाग) जिसका क्षेत्रफल 652 वर्ग गज है तथा जिसका सर्वे नं० 209, 209-1, 209-2, फायनल प्लाट नं० 269-ए प्लाट नं० 3, टी०पी० एस० नं० 14 है तथा जो दरीयापुर-काजीपुर, शाहीबाग, श्रहमदाबाद में स्थित है तथा जिसका पूर्ण, वरणम 20-7-75 वाले दस्तावेज नं० 10260 में दिया गया है।

जे० कथूरिया, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्राजन रेंज -2, ग्रहमदाधाव

तारीख: 20 फरवरी, 1976

प्ररूप शाई० टी० एन० एस०---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 268-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

भार्यालय, सहायभ श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज -1 अहमदाबाद

भ्रहमदाबाद, दिनांक 20 फरवरी, 1976

निदेश स० ए० सी० क्यू० ब23-1-704 (272)/ 1-1/-**ब्रायकर घ**धिनियम, 1961 (1961 का 43) **(**जिसे इसमें इसके पश्चात् 'इम्त अधिनियम' कहा गया है), 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचिस बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक **भौ**र जिसकी स० सर्वे न० 209,209-1, 209-2, एफ-पीं० नं० है 269-ए०, प्लाट नं० 3, है, जो दरीया पुर-काजीपुर, 3 श्रहमदाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय, कार्यालय, ग्रहमदाबाद मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 29-7-75 को पुर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए घ्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (ग्रन्तरको) और अन्तरिती (ग्रम्तरितियों) के भीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नही किया गया है:---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत उपत अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

म्रत: अब. उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के प्रनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के म्रधान निम्निखित व्यक्तियो, प्रथीत :-- (1) श्री भरतकुमार चिनुभाई बैंकर, मधुवन, उफनाला, शाहीबाग, श्रहमदाबाद।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री जयन्ती लाल जोईतराम पटेल, प्रयामलदास नी खड़की, गाम : कनीज, तालुका : अहमदाबाद डिस्ट्रीक्ट : कैरा

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रमुक्त शब्दो और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

एक प्रविभक्त श्रचल सम्पत्तिका श्राधा भाग (1304 वर्ग गज भूमि का श्राधा भाग) जिसका क्षेत्रफल 652 वर्ग गज है तथा जिसकी सर्वे दनठ० 209, 209-1, 209-2; फायनल प्लाट नं० 269-ए०, प्लाट नं० 3, टी० पी० एस० नं० 14, तथा जो दरीयापुर, न्काजीपुर, शाहीबाग, श्रहमदाबाद में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वरणान 29-7-75 वाले दस्तावेज नं० 10261 में दिया गया है।

जे० कथूरिया, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद

तारीख: 16-2-1976

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

अध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, भ्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 24 फरवरी 1976

निदेश सं० ए० सी० क्यू० 23-1-685 (275) /10-1/ 75-76:--यतः मुझे, जे० कथुरिया, ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुपए से अधिक है म्रौर जिसकी सं० सर्वे नं० 4-ए०, तथा 83-3-ए०-1 तथा 82-2-ए०-1, ब्लाक डीं०, पहली मंजिल है, जो सुपर मार्केट, बेडी नाका, जामनगर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में म्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता म्रधिकारी के कार्यालय, जामनगर में भारतीय राजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख जुलाई, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विभवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुम्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अम्परण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं विया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधि-नियम' के घधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त ग्रिधिनियम' की धारा 269-ध की उपद्यारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:——

(1) श्री श्रमृत लाल वेलजी बोढिया, नई जेल के पास, जामनगर।

(धन्सरक)

(2) श्री मुक्ताबेन वखत चन्द महेता, धनबाई डहला के पास, जमनगगर ।

(अन्तरिती)

(3) ग्रानन्द गैंस्ट हाउस, (मालिक एन० एम० पटेल तथा ग्राई० एस० मेहता) (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्यब्दीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

एक ग्रचल सम्पत्ति जो सुपर मार्केट की पहली मंजिल पर स्थित ब्लाक डी० का भाग है तथा जिसका प्लिन्थ क्षेत्रफल 2947 वग फुट है तथा जिसका सर्वे नं ० 4-ए०, 83-3-ए०-1 है तथा जो बेडी नाका जामनगर में स्थित है।

जे० कथूरिया, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

तारीख: 24-2-1976

प्ररूप आई ०टी ०एन ०एस ०--

भ्रायकर श्रिष्ठितियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ(1) के श्रुधीन सूचना

भारत सरकार

कार्य्यालय, सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण)

श्वर्णन रेंज 1, बम्बई
बम्बई, दिनाक 13 फरवरी 1976
निर्देश सं० ध्र० ई० 1 / 13071/ जुलाई, 75 / :—

मत: मुझे व्ही भ्रार० श्रमीन भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ६० से ग्रधिक है भौर जिसकी सं० नं० 128 (पार्ट) न्यु० सी० टी० सी० नं ० ए० / 720 है, जो विलेख बादा में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता ग्रधिकारी, के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है और यह कि ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) भौर भ्रन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उस्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रधि-नियम, के ग्रामीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या धन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या , उक्त भ्रधिनियम, या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुक्रिया के लिए;

भ्रतः भ्रव उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के भ्रनु-सरण में, में, उक्त भ्रधिनियम, की धारा 269-य की उपभारा (1) के भ्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रथीत्:—

- (1) श्री कासमल के० पोरखन्दरवाला एण्ड ग्रदसं (ग्रन्तरक)
- (2) हिलटन को० भा०हा० सो०लि० (ग्रन्तरिती)
- (3) सोसायटी के मेम्बर्स (वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रार्थन के संबंध में कोई भी भाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की धवधि, जो भी
 धवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की शारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंद्ध-बद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

भनुसूची

बृहत बस्बई के अन्तर्गत बस्बई ,रिजस्ट्रेशन उप जिले, बस्बई उपनगर जिले में बान्द्रा में 35ए और हिल रोड और बारन रोड के जंक्शन पर स्थित लगभग 887.59 वर्ग मीटर को वह समुचित भू-भाग अथवा भू-खण्ड या भू-स्थल उस पर बनी गृह-वाटिकाओं, चालकोठरियों अथवा रिहायणी मकानों और गैरेजों समेत-जिसका गैर-कृषिक सर्वेक्षण नं० 128 (आंशिक), न्यू सिटी सर्वेक्षण नं० ए/720 है तथा बृहत् बस्बई महानगरपालिका द्वारा जिसका मूल्यांकन एच्० बार्ड नं० 573 स्ट्रीट न० 35ए० के अधीन किया गया है, और जिसकी सीमा इस प्रकार घरी हुई हैं, अर्थात्—उत्तर में अथवा उत्तर की और हिल रोड से, विकाण में अथवा विकाण की और श्री थामस विलियम डी० अलिमडा, की सम्पत्ति से, पूर्व में या पूर्व की ओर बारन रोड से पश्चिम में या पश्चिम की ओर एनथानी राड्रीग्स के सम्पत्ति से।

व्ही मार० प्रमीन, सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 13-2-1976

मोहरः

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 5 बम्बई बम्बई, दिनांक 18 फरवरी, 1976

निर्देश सं० ग्र०ई० 5 | 366 | 23 | 75-76: — प्रतः मुझे, जे० एम० मेहरा ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 | र० से ग्रधिक है ग्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 1 सं० नं० 96 | 1 (पार्ट ग्रौर 96-बी (पार्ट) है, जो व्हिलेज हरीयाली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी का कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, 27-7-75

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उजित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अम्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रिधिनियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरफ के धायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य अन्तरिती धारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः अन उक्त ग्रीधिनियम की घारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त भ्रीधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के ग्राधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रामीत् :—

- (1) श्री प्रताप सिंह शोरजी वल्लभदास
- (2) श्रीमती खतिजाबाई एस० बरोडावाला
- (3) श्री जमनादास सी० कापडिया

(अन्तरक)

- (2) (1) श्री हिम्मत लाल के० दोशी
 - (2) श्रीमती ग्रलो० ग्रार० दुभाष

(भ्रन्तरिती)

को य**ह सूचना जारी करके पूर्वोक्त** सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है ।

अमुसूची

बम्बई नगर श्रीर बम्बई उपनगर रिजस्ट्रेशन जिले एवं उपजिले में हरियाली स्थित एवं श्रवस्थित लगभग 5353 वर्गगज श्रथित लगभग 4475.7 वर्गमीटर का वह समूचा भूखण्ड श्रथवा भूभागसर्वेक्षण सं० 96/1 (भाग) श्रीर सर्वेक्षण सं० 96-ख (भाग) में प्लाट नं० 1 हैं बृहतर बम्बई में ग्राम हरियाली, विकोली में नगर सर्वेक्षण सं० शून्य है तथा जिसे श्रनुबंध में दिए गए नक्शों में लाल रग की सीमारेखाशों से घर कर दिखाया गया है श्रीर जिसकी सीमाएं इस प्रकार घिरी हैं, श्रथित पूरव में श्रथवा पूरव दिशा की श्रीर बम्बई-प्रागरा रोड, पश्चिम में श्रथवा पश्चिम दिशा की श्रोर 50 फीट चौड़ी प्रस्तावित सड़क से, दक्षिण में श्रथवा दक्षिण दिशा की श्रोर सर्वेक्षण संख्या 96/बी० में 50 फीट चौड़ी सड़क, उत्तर में श्रथवा उत्तर दिशा की श्रोर सर्वेक्षण सं

जे० एम० मेहरा, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 5, बम्बई

तारीख 18 फरवरी, 1976 मोहर : प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 5 बम्बई बम्बई, दिनांक 28 फरवरीं 1976

निर्देश सं० घर्व 5/ 36/18/75-76 :--- अत: मुझे, जे०एम० मेहरा,

ग्रधिनियम, **भ्राय**कर 1961 (1961 (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), 2,69-खा के अधीन सक्षम को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रूपये से अधिक है **ग्र**ीर जिसकी सं० नं० 15 हि० नं० संबनंब 15 हिब्बनंब 15 संबनंब 52 है, जो मोहिलीं व्हींलेज में स्थित है (श्रीर इससे उपाबब अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, बम्बई में भारतींय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 15-7-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूह्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की

गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूह्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्सरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रोर/मा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या भ्रन्य भ्रास्तियों , को, जिन्हें भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः ग्रह, उन्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उबत ग्राधिनियम की धारा 269- घ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्मलिखित व्यवितयों, प्रधीत् :---

- (1) श्री धर्मपाल मेहरा
- (2) श्री वेद प्रकाश मेहरा
- (3) श्री देवप्रकाश मेहरा

(2) भैसर्स विजय सिन्थेटिक प्रोन्ट प्रा० लिम०

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के शिए कार्यवाहियां बरता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचनाके राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन की घ्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जासकेंगे।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम, के घष्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही धर्य होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बान्द्रा रजिस्ट्रेशन जिले में बम्बई उपनगर जिले के घन्तर्गत मोहिली में स्थित एवं श्रवस्थित वह सम्चा भूभाग ग्रथवा भूखण्ड उस पर बने श्रावासगृहों, गृहवाटिकाओं भ्रौर 'सीं'० ब्लाक नाम भवन समेत-जो बेनामे के हिसाब में माप में 7385 वर्गगज (6175 वर्गमीटर) भौर यथार्थ सर्वेक्षण के धनुसार 7657 वर्गगज (यानी 6401 वर्गमीटर) है श्रौर जिसके सर्वेक्षण संख्या इस प्रकार है:--

हिस्सा संख्या	सर्वेक्षण संख्या
14 (हिसा)	15
15 (हिस्सा)	15
16 (हिस्सा)	52
<u> </u>	- · - C

तथा जिसका करनिधारण बृहद् बम्बई महापालिका "एल॰" वार्ड 3938 (1) श्रोर 3938 (8) श्रोर शीट नं० 52 ए० के श्रन्तर्गत हुआ है, श्रीर जिसकी सीमाएं इस प्रकार घिरी हुई हैं ग्रर्थात् उत्तर में प्रथवा उत्तर की ग्रोर सर्वे-क्षण सं० 15 की सम्पत्ति के भाग से घौर जो मेहरा इण्डस्ट्री-यल कारपोरेशन का है, दक्षिण में दक्षिण की फ्रोर सर्वेक्षण सं० 52 की सम्पत्ति से, हिस्सा नं० 17 (हिस्सा), पूर्व में श्रथवा पूर्वकी भ्रोर सर्वेक्षण सं० 52 , हिस्सा नं० 18 घ्रौर पश्चिम में ग्रथवापश्चिम की ग्रोर कुला ग्रन्धेरारोड से ।

जे० एम० मेहरा, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 5, बम्बई

तारीख: 28 फरवरी, 1976

मोहर:

(स्रन्तरक)

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

भायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायक्षर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 19 फरवरी 1976

निदेण सं० ए० सि० -234/ग्रार-4/कल०/75-76:∽-श्रतः मझे, ए० के० बटब्याल

आयकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से श्रिधिक है

स्रोर जिसकीं प्लाट सं० 106 है तथा जो बागुर एवेन्यु में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध स्रनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से वाणत है), रजिस्ट्रीवर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, दमदम में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, तारीख 18-6-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृण्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृण्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त भ्रधिनियम, के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922का 11) या 'उक्त श्रधिनियम', या धन कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

श्रतः: अब उक्त श्रिधिनियम, की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं उक्त श्रिधिनियम, की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखत व्यक्तियों ग्रार्थात् :---14--506GI/75

(1) श्री प्रकाश चन्द्र सेठी

(ग्रन्तरक)

(2) श्री स्वपन साहा, तपन साहा, श्रीमती प्रियबाला साहा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पक्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की ग्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो 'उक्त श्रिधिनयम', के श्रध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

6 कट्ठा 5 स्कोयार फीट खाली जमींन, प्लाट सं० 106, ब्लाक -डी, बांगुर एवेन्यु, थाना -दमदम, जिला -24 परगना

> ए० के० बटब्याल, मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 4, कलकत्ता 54, रफीग्रहमद किदवाई रोड, कलकत्ता-16

तारीख: 19-2-1976

प्ररूप भ्राई० टी० एन० एस०----

भायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 27 फरवरी 1976

निदेश सं० 319 |एकुरे 111|75-76| कल०: -- भ्रपः मुझे, एल० के० वालसुत्रमनियन आयकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह, विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000|- क० से ग्रिधिक है श्रौर जिसकी सं० 11 है तथा जो डोभार लेन, कलकत्ता में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारीं के कार्यालय, आलिपुर में रजिस्ट्रीकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 14-7-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है श्रौर मुझी यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का

- को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—
 - (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम, के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने था उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
 - (छ) ऐसी किसी स्राय या किसी धन या अन्य म्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त म्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

् श्रत:, श्रब उक्त श्रधिनियम, की घारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त श्रधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के भ्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीत्:---

- (1) श्री अलोक कुमार घोष
- (2) श्री प्रतीप कुमार घोष,
- (3) श्री दिपंकर घोष, सबका पंता 1, बालीगंज पार्क, कलकत्ता 1 श्रौर 11, डोमार लेन, कलकत्ता ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती युशिका वर्मन 1/1, श्रीलाइचन्डो रोड, कलकत्ता-37

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भ्रजेंन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:--- -

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध खाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्थ व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्डीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

करीब 2 कट्टा 11 छटांक 26 स्को० फुट खाली जमीन जो 11 डोमार, लेन, थाना बालीगंज, कलकत्ता पर श्रब स्थित है भौर जो डिस्ट्रक्ट रेजिस्ट्रेशन, श्रालिपुर द्वारा रेजिस्ट्रीकृत दिलल सं० 6622/1975 का श्रनुसार है।

> एल० के० बालसुत्रमनियन सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ्र श्रजन रेंज III 54 रफी श्रहमद किदबाई रोड, कलकत्ता-16

तारीख: 27-2-1976

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

द्यायकर द्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक द्यायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज-III, 54. रफी अहमद किदवाई रोड, कलकत्ता,

कलजता-16, दिनांक 27 फरवरी 1976 निदेश सं० 220/ए०कु०रे०-III/75-76/कल०—-ग्रतः मुझे, एल० के० बालसुग्रमनियन आयकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से ग्रधिक है

भौर जिसकी सं० 11 है तथा जो डोभार लेन, कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 11-7-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है धीर यह कि धन्तरक (अन्तरको) और धन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्मिलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नही किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रिधिनियम के श्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

म्रत: म्रब उक्त मिनियम की घारा 269-ग के मनु-सरण में, मैं, उक्त मिधिनियम, की घारा 269-थ की उपघारा (1) के ग्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, मर्थात्:—

- 1. (1) श्रलोक कुमार घोष, (2) प्रतीप कुमार घोष, (3) दिपंकर घोष, सबका पता, 1, बालीगंज पार्क कलकत्ता श्रेरभी 11, डोभार लेन, कलकत्ता (ग्रन्तरक)
 - 2. श्रतिन्द्र नाथ शी 1 डी०, मन्डेभिला, गार्डनन्स कलकक्ता (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उनत सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किमी भन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त ग्रधिनियम के श्रध्याय 20का- में परिभाषित है वहीं अर्थे होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

करीब 2 कट्टा 10 छटाक खाली जमीन जो 11 डोभार लेन, थाना बालीगंज, कलकत्ता पर ग्रवस्थित ग्रीर जो रिजस्ट्रीर ग्राफ एसुरेन्सेस, कल० द्वारा रिजस्ट्रीकृत दलील स० 4032/1975 का ग्रनुसार है।

एल० के० बालसुब्रमनियन, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1114, रफीश्रहमद किदबाई रोड, क्लकत्ता-16

तारीख: 27-2-1976

प्ररूप भाई०टी०एन०एस०-

भ्रायकर भिधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ(1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 27 फरवरी 1976

निदेश सं० 318/ए०कु०रे० III/ 75-76/कलकसा--श्रतः, मुझे, एल० के० बालसुब्रमनियन ग्रायकर श्रिधिनियम 1961 (1961का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उम्त श्रधिनियम', कहा गया है), की धारा 269 ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से श्रिधिक है श्रौर जिसकी सं० 44 बी० है तथा जो बाबूराम घोष रोड, कलकत्ता मे स्थित है (श्रौर इससे उपाबड़ श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्या-लय, म्रालिपुर में, रजिस्ट्रीकरण म्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 7-7-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये श्रन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिभत श्रधिक है और यह कि प्रन्तरक (भ्रन्तरकों) भीर भ्रन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत 'उक्त ग्रीधिनियम' के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रम्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त श्रिधिनियम', या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः, श्रव 'उनत श्रधिनियम' की घारा 269-ग के श्रनु-सरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-न की उपघारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित अ्यक्तियों, अर्थात्:—

- 1. श्री प्रकाश चन्द्र राय 40, बाबूराम घोष रोड, कलकत्ता-40 (ग्रन्तरक)
- 2. श्री बिनय कृष्ण देव श्रौर माधुरी देव 4 उदबोधिनी लेन, कलकत्ता-3 (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप:-

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
 श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति, द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमे प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो 'उक्त श्रिधिनियम', के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही धर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

करीब 5 कट्ठा खाली जमीन जो 44 बी०, बाबूराम घोष, थाना यादबपुर, कलकत्ता पर श्रवस्थित।

> एल० के० बालसुब्रमिनयन; सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-III 54, रफी ग्रहमद किदवई रोड, कलकत्ता-16

तारीख: 27-2-1976

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 4 मार्च 1976

निदेश स० टि॰ प्रार०-78/सी०-79/कल०-1/75-76- यत/:

मुझे, स० क० चऋवर्ती भ्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका भुल्य 25,000/-स्० से अधिक श्रौर जिसकी सं० 23ए० रायेड स्ट्रीट एण्ड 53ए० बि०सी० एण्ड डी० रफी श्रहमद किदवर्ष रोड कलकत्ता है तथा जो कलकत्ता में स्थित है (ग्रौर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, 5 गवर्नमेंट पलैस, नार्थ मे, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख 4-7-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि मन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की शायत, 'उक्त अधिनियम,' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना थाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-क की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीत:---

- 1. श्री श्रजमेन्द्र कुमार बोस (2) श्रजित कृष्ण मिल्ल श्रीमती सिप्रा बोस (श्रन्तरक)
- श्री अहमद हुसैंन (2) मुसम्मद दौलत उन्नैसा
 (3) शेख नसीम अली (4) शेख सबीर अली (5) शेख
 श्ररीब अली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितअब किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्पब्दीकरण:—-इसमें प्रयुक्त मब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

23ए० रायेड स्ट्रीट, एण्ड 53ए० बी० सी० एण्ड डी० रफी ग्रहमद किदबई रोड, कलकत्ता में ग्रवस्थित 1 बीधा 2 कट्ठा जमीन पर ग्रवस्थित श्रविभक्त मकान का 1/4 हिस्सा ।

स० क० चक्रवर्ती, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I 54, रफी ग्रहमद किदवई रोड, कलकता-16

तारीख: 4-3-76

प्रसप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, ज्योति बिल्डिंग्स, गोपाल प्रभ रोड, एरनाकुलम, कोच्चिन-II एरनाकुलम्, दिनांक 4 मार्च 1976

निदेश सं० एल०सी०-55/75-76---यतः मुझे, एस० एन० चन्द्रघटन नायर म्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित क्षाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है ग्रीर जिसकी सं० ग्रनुसूची के ग्रनुसार है तथा जो कन्नूर जिला में कानतूर देड्डाम में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनु-सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कन्नूर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908(1908 का 16) के ध्रिधीन 9-6-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य कृष्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण कि यथापूर्धोक्त सम्पत्ति का उचित

मूह्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का

पन्द्रह प्रतिशत अधिक हैं और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और

श्रन्सरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया

प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तविक

- कप से कथित नहीं किया गया है :--
 (क) अम्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
 अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
 दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
 के लिए ; और/या
 - (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य भ्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गयाथा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

श्रतः ग्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त श्रिधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नेसिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

- 1. मैस० तिरुपति मिल्स लिमिटेड, कन्नूर (श्रन्तरक)
- (1) पुत्तनपुरिमल सदानन्दन (2) मुन्दनपुरिमल जगभाधन (ग्रन्तरिती)
 - 3. श्री पी० कृष्णन (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीखा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्भत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभा-षित है, वही अधि होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रमाण नं० 1244/75 तारीख 9-6-1975 के भ्रनुसूची के भ्रनुसार।

> एस० एन० चन्द्रचूटन नायर, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, एरनाकुलम

तारीख: 4-3-1976

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--------

न्नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत संग्कार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, विनांक 24 फरवरी 1976

निदेश सं० एक्स०/12/140(जून)/75-76—यतः मुझे, जी० रामनाथन

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उम्रत श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- हु से श्रधिक है और जिसकी सं प्लाट सं 3, टी एम०-2782 है, जो

श्रीर जिसकी सं० प्लाट सं० 3, टी॰एम०-2782 है, जो चोक्कीकुल्लम एक्सटेंशन मदुरै में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिध-कारी के कार्यालय, तल्लाकुल्लम (पन्न सं० 1911/75) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जून 1975 को

पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिक) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की काबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः धव उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में मैं, उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-ध की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रधीन्:—

- 1. श्रीमती मल्लीकाम्बाल मैलापुट, मद्रास (श्रन्तरक)
- श्रीमती स्यामलादेवी कामयगउन्डपट्टी 626521 (श्रन्तरिती)

को यह मुचना जारी करके रूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्ययाहियां करता हैं।

उपत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाट में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अमुसु ची

मदुरै, चोक्कीकुलम वार्ड 6, टी॰एस॰ सं॰ 2782 में प्लाट 3 में 13 सेंट की खाली भूमि।

> जी० रामनाथन, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, मद्रास

तारीख: 24-2-1976

मोहरः

प्ररूप आई० टी• एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 24 फरवरी 1976

निदेश $\mathsf{t}\mathsf{i} \circ \mathsf{X}/12/141(\mathsf{जून})/75-76$ —यतः मुझे, जी \circ रामनाथन ग्रधिनियम, 1961 (1961 ग्रायकर का (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु० से ग्रधिक है म्रौर जिसकी सं० प्लाट सं० 4, टी०एस० सं० 2782 है, कुलम, मदुरै में स्थित है (श्रौर इससे जो चोक्की में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्री-कर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, तल्लाकुलम (पत्न. सं० 1941/ 75) मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख जुन 1975 उचित पुर्वोक्स सम्पत्ति के बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे, दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई। किसी आय की बाबस उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिश्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; खौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

भ्रत: श्रव उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के मधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, भर्यात्:—

1. श्रीमती मल्लीकाम्बाल मद्रास (ग्रन्तरक)

2. श्रीमती श्रार० तरनी पवुपट्टी (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त माब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

मदुरै, घोक्कीकुलम, वार्ड 6, टी०एस. 2782, प्लाटसं० 4 में 11-3/8 सेंन्ट की खाली भूमि।

> जी० रामनाथन, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीखाः 24-2-1976

प्ररूप म्राई० टी० एन० एस०----

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के श्रधीन मुखना

भारत सरकार

क।र्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, मद्राय

मद्राम, दिनांक 24 फरवरी 1976

निदेश सं०एनस० | 12 | 142 (जून) | 75-76----यतः मुझे, जी० रामनाथन

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43), (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त श्रिधिनयम' कहा गया है) की धारा 269-घ के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- म० से श्रिधिक है श्रीर जिसकी सं० टी॰एस० सं० 2782 प्लाट सं० 5 है, जो चोक्कीकुलम मदुरें में स्थित है (श्रोर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिट्रीकर्ता ग्रिधकारों के कार्यालय, तल्लाकुलम (पत्न गं० 1962/75) मे भारतीय रिजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख जून 1975

को पूर्वोक्स सम्पन्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के प्रनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोकत सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से श्रीधक है श्रीर यह कि अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत 'उक्त श्रधि-नियम' के श्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों की, जिन्हे भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त श्रधिनियम' या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तिरिती द्वारा श्रकट नही किया गया था या विया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

श्रतः श्रव 'उक्त श्रधिनियम' की धारा 269-ग के श्रनु-सरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथित :--15—506GI/75 1. श्रीमती मल्लीकाम्बाल, मद्रास

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती क्रुष्णसामी, कामैयगजन्डनपट्टी (प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पन्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के संबध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी
 अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी स्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी श्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त ग्रब्दों ग्रीर पदों का, जो जक्त - ग्रिधिनियम के ग्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, बही ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मदुरै वार्ड 6, चोक्कीकुलम टी॰एस॰ सं॰ 2782, प्लाट सं० 5 में 9हूँ सेंट की खाली भूमि।

जी० रामनाथन, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, मद्रास

तारीख: 24-2-1976

प्ररूप आई०टी०एन०एस०----

भायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनाक 7 फरवरी, 1976

निदेश सं० आर० ए० सी० एक्यू० नं० 307/के०ग्रार०/ 96, 104,107 और 124/75-76-यतः मुझे, बी० वी० सुब्बाराव भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 13) (जिसे इसमें इसके पम्बात् 'चक्त श्रधिनियम' कहा गया है), श्रधीन सक्षम प्राधिकारी धारा 269-ख के को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है श्रीर भौर जिसकी सं० 12-6-22 भीर 12-7-20 है, जो हयाकतकान गली विजयवाडा में स्थित है (श्रीर इससे उपाधद्व श्रनुसूची में श्रौर पर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, विजयवाडा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 15-7-75 श्रीर 31-7-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाय करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रिधक है श्रीर अन्तरक (श्रन्तरकों) श्रोर अन्तरिनी (श्रन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया बदा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में नारतिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई लिमी आय की बाबत, उक्त प्रधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसस बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/गा
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्राय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

श्रतः प्रतः, उत्त अधिनियम, की भ्रारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रर्थात् :--

- महम्मद ग्रब्दुल हकीम पुत्र महम्मद ग्रब्दुल गफूर लब्बिपेट, विजयवाडा (ग्रन्तरक)
- 2 (i) तोकचिच्यु सुग्रमन्यम झरया पुत्र नरसिंहाराव (ii) रामनेनि राजेश्वरी, पत्नी साताराम ग्रम्मसु (iii) तोकचिच्यु नरासिंहा राव पुत्र सुग्रमण्यम (iv) श्रानन्द्राजु गोपाला स्वामी पुत्र समुदुष्ट् विजयवाड़ा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं :---

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उन्त अधिनियम', के भ्रष्टयाय 20-क मे परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

विजयवाङा रजिस्ट्री श्रिधिकारी से पाक्षिक श्रंत 15-7-75/31-7-75 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 2194/75; 563/75, 2538/75 मे श्रीर 2397/75 में निगमित श्रनुसूची सम्पत्ति।

बी० वी० सुब्बाराय, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुवत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीखा: 7-2-1976

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०--

भ्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्णन रेंज, काकीनाडा काकीनाडा, दिनांक 11 फरवरी 1976

निदेश सं० भ्रार०ए०सी० एक्यू० नं० 315/जे० न० 73/वी० एस०पी०/74-75--यतः मुझे, बी० वी० सुब्बाराव, मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से ग्रधिक है **ग्रौर** जिसकी सं० 8-1-9 (1) (2) ए० जी० रोड, है जो विजयनगरम में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, विजयनगरम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, 15-7-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के भ्रनुसार भ्रन्तरित की गई है भ्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दुग्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है ग्रीर यह कि ग्रन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उन्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या श्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम या धन-कर भ्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

श्रत: ग्रब उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के श्रधीन निम्निषिक्त व्यक्तियों, श्रशीत:—

- (1) श्रीमती पूसले कमलावती प० सुब्बाराव, विजय-नगरम (श्रन्तरक)
- 2. श्री प्रताप सिंह माजर, (2) भवर सिंह माजर, विजयनगरम . (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तर्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से विसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों स्रौर पदो का, जो उक्त स्रिधिनियम के म्रध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, यही म्रर्थ होगा, जो उस म्रध्याय में दिया गया है।

अनुसृची

विजयनगरम रजिस्ट्री श्रधिकारी से 15-2-1975 पाक्षिक श्रंत में पंजीकृत दस्तावेज नं० 3046/75 में निगमित स्रनु-सुची सम्पत्ति ।

> बी० वी० सुब्बाराव, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख: 11-2-1976

प्ररूप भ्राई० टी० एन० एस०---

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनाक 11 फरवरी 1976

निदेश सं० आर० ए०सी० एक्यू० 316/जे० नं० 74/वी०एस० पी०/ 74-75--यत: मृक्षे, बी० त्री० सुब्बाराव म्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु० से श्रधिक है भौर जिसकी सं० सर्वे नं० 198, 199/1,2,3 घारपूडि है, जो विजयनगरम में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, के कार्यालय, विजयनगरम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 15-7-75 को पर्वोक्त सम्पत्ति वे उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है ग्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिणत से ग्रधिक है भीर ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) भीर प्रन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भ्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया है :---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत 'उक्त ग्रिधि-नियम' के श्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त श्रिधिनियम', या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

ग्रत: ग्रब उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनु-सरण, में, मैं, 'उक्त ग्रधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों ग्रथीत् :— श्री पटनाला वेंकट बंगारू सेट्टी, विजयनगरम । (श्रन्तरक)

2. श्रीमती श्रालविल्ली सावित्रम्म, प० श्रप्पाराव, विजयनगरम (श्रन्तरिती) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी भ्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरण: — इसमे प्रयुक्त गब्दों भौर पदों का, जो 'उक्त ग्रिधिनियम', के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

विजयनगरम रिजस्ट्री श्रिधिकारी से 15-7-75 पाक्षिक श्रंत में पंजीकृत दस्तावेज नं० 3115/75 में निगमित श्रनु-सूची सम्पत्ति।

बी० वी० सुब्बाराव, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, काकीनाडा

तारीख । 11-2-76 मोहर: प्ररूप श्राई॰ टी॰ एन॰ एस॰----

धायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 19 फरवरी 1976

निदेश आर०ए० सी०स०एक्यू० 317/जे०-1 नं० 1139/एक्यू०-—यत: मुझे, बी० बी० मुब्बाराव श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से श्रिधिक है श्रीर जिसकी सं०एम० नं० 52 है, तथा जो कलिजोला गांव में स्थित है (और इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बिणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, काकीनाड़ा में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 क 16) के श्रिधीन, तारीख 31-7-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है आर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से विश्वत नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत 'उक्त ग्रिधिनियम', के ग्रिधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रम्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11), या 'उक्त भ्रधिनियम', या धनकर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत: अब, 'उक्त अधिनियम' की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की घारा 269-घ की उपक्षारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, स्रमात :--- 1. श्री कंठमणि रूतकुमार, राजामंद्रि

(ग्रन्तरक)

2. मोटु इंडस्ट्रीज, (प्रा०) लिमिटेड, राजामंद्रि (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्तः सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उस्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :- --

- (क) इस सूचना के राजपल्ल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्होकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दो और पदी का, जां 'उक्त अधिनियम', के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

राजामंत्रि रजिस्ट्री श्रधिकारी से 31-7-75 पाक्षिक श्रंत में पंजीकृत दस्तावेज नं० 4643/75 में निगमित श्रनुसूची संपत्ति।

> बी० वी० सुब्बाराव, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख: 19-2-76

प्ररूप धाई०टी०एन०एस०-

धायकर धिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के धिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाड़ा, दिनांक 19 फरवरी 1976

निदेश संब्धारव एव सीव संव एव सीव क्यूव 319/जेव/ मं० 158/ के० भ्रार०--यतः मुझे, बी० वी० सुब्बाराय, भायकर ग्रधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भ्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- ६० से ऋधिक है भ्रौर जिसकी सं० 27-6-115 है, जो प्रकाशम गल्ली विजय-वाड़ा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची मे ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता, ग्रिधकारी के कार्यालय, विजय-वाडा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 31-7-75 को पुर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्सरित की गई है श्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भौर भ्रन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत 'उक्त भ्रधि-नियम', के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त श्रधिनियम', या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

धतः श्रव 'उक्त श्रविनियम' की धारा 269-ग के श्रनु-सरण में, मैं, 'उक्त श्रविनियम' की धारा 269-च की उपधारा (1) के श्रवीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रयीत्:—— वेस्रि नरासिंहाराव श्रौर वेस्रि सुन्नाराव मिचलीपट-नम। (श्रन्तरक)

2. श्री सतपाल भींग, विजयवाडा (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (कं) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमे प्रयुवत शब्दों छौर पदों का, जो 'जक्त श्रक्षितियम' के श्रध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

विजयवाड़ा राजिस्ट्री श्रधिकारी से 31-7-75 पाक्षिक श्रंत में पंजीकृत दस्तावेज नं० 2559/75 में निगमित भनु-सूची संपत्ति।

> बी० वी० मुब्बाराव, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, काकीनाडा

सारीख: 19-2-1976

प्ररूप भाई०टी०एन०एम०----

भायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष-(1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण.), ग्रर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 19 फरवरी 1976

ं निदेश संब्ह्यारव्एव्सीव्क्यूव 320 जेवनंव-159/केब्ह्यारव---यतः मुझे, बीव्यीव्सुब्बाराय,

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ० से श्रधिक है

श्रोर जिसकी सं वं 27-6-115 प्रकाशम है, जो गल्ली, विजय-वाडा में स्थित है, (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, विजयवाडा मे रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, 31-7-1975 को

पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से श्रीवक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त भ्रधिनियम के भ्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रब उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण मे, मै, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों. श्रर्थान्:—

- - 2. दुलाव झीग, विजयवाडा (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अजञ्जिति**ए** कार्यवाहियां वरताहं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की भ्रविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी भ्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमे प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अमुसुश्री

विजयवाड़ा रजिस्ट्री श्रधिकारी से 31-7-75 पाक्षिक श्रंत में पंजीकृत दस्तावेज नं० 2560/75 में निगमित श्रनु-सूची संपत्ति।

> बी० वी० सुब्बाराव, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, काकीनाडा

· तारीख: 19-2-76

CABINET SECRETARIAT

(DEPARTMENT OF PERSONNEL AND ADMINISTRA-TIVE REFORMS)

CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 20th February 1976

No. A-19036/2/76-A.D.V.—Director, C. B. I. and Inspector General of Police, S.P.E. hereby appoints Shri Rajinder Kumar Sharma as Dy. S.P. in the C.B.I., S.P.E., New Delhi in a temporary capacity with effect from the afternoon of 31-1-76, until further orders.

No A-20014/42/75-AD-I.—Shri Subhas Chandra Mitra, an officer of Central Excise and Customs, on deputation to CBI as Inspector of Police, has been relieved of his dutles in the C.B I., Calcutta on the afternoon of 2-2-76 on repatriation to his parent Department, with instructions to report for duty to the Assistant Collector, Central Excise, Cooch Behar.

No. A-35018/15/75-AD.I.—Deputy Inspector General of Police, Special Police Establishment, hereby appoints Shri Phaniadra Lal Bhowmick Sub-Inspector of Police, Calcutta Police, on deputation as Inspector of Police in the Delhi Special Police Establishment Division of the Central Bureau of Investigation, Calcutta Branch in a temporary capacity, with effect from the forenoon of 1st February, 1976, until further orders.

The 21st February 1976

No. R-8/74-AD.V.—Consequent on his selection as Dy. Vigilance Officer in Bharat Aluminium Company Limited, Korba (Mudhya Pradesh), Shri Bholan Dæss, Dy. S.P., C.B.I., has iclinquished charge of his office as Dy. S.P./C.B.I. on the afternoon of 12-12-75. His services have been placed at the disposal of Bharat Aluminium Company Limited, Korba with effect from 12-12-75 (Λ.N.) for being appointed as Dy. Vigilance Officer.

2. On attaining the age of superannuation, Shri Bholan Dass, Dy. S.P./C.B.I. retired from Government service with effect from the afternoon of 31-1-76.

No. PF/S-1/70-AD-V.—Director, C.B.I. and IGP/SPE hereby appoints, Shri S. K. Saxena, Public Prosecutor, Central Bureau of Investigation, Lucknow Branch on promotion as Senior Public Prosecutor in the Central Bureau of Investigation on ad hoc basis with effect from the forenoon of 20th December, 1975 until further orders.

The 23rd February 1976

No. A-19036/1/76-AD-V.—The Director, Central Burean of Investigation and Inspector-General of Police, Special Police Establishment hereby appoints Shri K. Subbanna, a deputationist Inspector of Andhra Pradesh State Police as Deputy Supdt. of Police in the Central Burean of Investigation, Special Police Establishment with effect from the afternoon of 10-2-76 until further orders.

G. L. AGARWAL Administrative Officer (E)/CBI

INSTITUTE OF SECRETARIAT TRAINING & MANAGE-MENT

(EXAMINATION WING)

UPPER DIVISION GRADE LIMITED DEPARTMENTAL COMPETITIVE EXAMINATION, 1976

New Delhi, the 20th March 1976

No. 13/9/75-ARRNG(i).—Examination Wing of the Institute of Secretariat Training & Management New Delhi, will hold on 17th and 18th September, 1976 at Bombay, Calcutta, Delhi, Madras, Nagpul and at selected Indian missions abroad a Limited Departmental Competitive Examination for making additions to the Select List for the Upper Division Grade of the Central Secretariat Clerical Service.

2. Conditions of eligibility:

Must be a permanent or temporary regularly appointed officer of the Central Secretariat Clerical Service satisfying the following conditions:—

(a) LENGTH OF SERVICE: Must have, on the 1st January 1976, rendered not loss than five years approved and continuous service in the Lower Division Grade of the Central Secretariat Clerical Service.

- (b) AGE: Not more than 45 years on 1st January, 1976. Upper age limit relaxable for Scheduled Castes/Scheduled Tribes and certain other specified categories.
- (c) TYPEWRITING TEST: Unless exempted, he should have passed the Monthly/Quarterly Typewriting Fest held by the UPSC/STS/ISTM (Examination Wing) on or before the notification of this examination for the purpose of confirmation in the Lower Division Grade.
 - 3. FEE; Rs. 12/- (Rs. 3/- for S.Cs./S.Ts.)
- 4. Full particulars and application forms are obtainable from Institute of Secretariat Training & Management (Examination Wing), West Block 1, R.K. Puram, New Delhi-110022 by remitting Re. 1.00 (Re. 2.00 if the application form is desired to be despatched by Registered Post) by means of CROSSED (A/C Payee) INDIAN POSTAL ORDER payable to the Institute of Secretariat Training & Management (Examination Wing) at R.K. Puram (Delivery) Post Office New Delhi or on cash payment at the sale counter in Institute's office.
- 5. Completed application forms, must reach the Institute by 19th May, 1976 (2nd June, 1976 for candidates residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshdweep).

UPPER DIVISION GRADE (RAILWAY BOARD) LIMITED DEPARTMENTAL COMPETITIVE EXAMINATION, 1976

No. 13/9/75-ARRNG(ii).—Examination Wing of the Institute of Secretariat Training & Management, New Delhi, will hold on 17th and 18th September 1976 at Delhi a Limited Departmental Competitive Examination for making additions to the Select List for the Upper Division Grade of the Railway Board Secretariat Clerical Service.

2. Conditions of eligibility;

Must be a permanent or temporary regularly appointed officer of the Railway Board Secretariat Clerical Service satisfying the following conditions:—

- (a) LENGTH OF SERVICE: Must have, on the 1st January, 1976, rendered not less than five years approved and continuous service in the Lower Division Grade of the Railway Board Secretariat Clerical Service.
- (b) AGE: Not more than 45 years on 1st January, 1976. Upper age limit relaxable for Scheduled Castes/Scheduled Tribes and certain other specified categories.
- (c) TYPEWRITING TEST: Unless exempted he should have passed the Monthly/Quarterly Typewriting Test held by the UPSC/STS/ISTM (Examination Wing) on or before the notification of this examination for the purpose of confirmation in the Lower Division Grade.
 - 3. FEE: Rs. 12/- (Rs. 3/- for SOs./S.Ts).
- 4, Full particulars and application forms are obtainable from Institute of Secretariat Training & Management (Examination Wing), West Block 1, R.K. Puram, New Delhi-110022 by remitting Re. 1.00 (Rs. 2.00 if the application form is desired to be despatched by Registered Post) by means of CROSSED (A/C Payee) INDIAN POSTAL ORDER payable to the Institute of Secretariat Training & Management (Examination Wing) at R.K. Puram (Delivery) Post Office New Delhi or on cash payment at the sale counter in Institute's office.
- 5. Completed application forms must reach the Institute by 19th May, 1976.

MADAN LAL Director (Examinations)

MINISTRY OF HOME AFFAIRS DIRECTORATE GENERAL, CRPF

New Delhi-110001, the 17th February 1976

No. O.II-916/73-Estt.—The President is pleased to accept the resignations of the following Junior Medical Officers in the CRPF w.e.f. the dates noted against each:

- 1. Dr. Balakrishna Bastia—15-12-75 FN.
- 2. Dr. P. B. Venkateswara Rao-25-12-75 FN.

The 18th February 1976

No. O.II-117/71-Estt.—The President is pleased to appoint in a substantive capacity late Shri P. K. Velluyadhan, Asstt. Commandant, CRPF, in the rank of Dy. SP w.e.f. 1-7-74.

A. K BANDYOPADHYAY Assistant Director (Adm.)

DIRECTORATE OF COORDINATION (POLICE WIRELESS)

New Delhi-1, the 19th February 1976

No. A.38/5/74-Wireless.—S/Shri P. J. Zachariah, Extra Assistant Director (on ad hoc basis), V. Sitaraman and K. Saifullah, temporary Senior Technical Assistants of the Directorate of Coordination (Police Wireless) have been promoted to officiate as Extra Assistant Director in a temporary capacity in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—880—40—1000—EB—40—1200/- in the Directorate of Coordination (Police Wireless) with effect from the dates shown against them, until further orders:—

- S. No. Name and Date of assumption of the charge
- Shri P. J. Zachariah, Extra Assistant Director (on ad hoc basis)—1-1-1976 (FN).
- Shri V. Sitaraman, Sr. Tech. Assistant—2-2-1976 (FN).
 Shri K. Saifullah, Sr. Tech. Assistant—21-1-1976 (FN).

No. A.36/19/75-Wireless.—On his selection as Police Radio Officer in the A & N Administration, Port Blair on deputation basis, Shi B. K. Mitra, Extra Assistant Director of the Directorate of Coordination (Police Wireless) was relieved of his duties with effect from the afternoon of 3rd October, 1975.

C. P. JOSHI Director Police Telecommunications

OFFICE OF THE INSPECTOR GENERAL (CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE) New Delhi-110003, the 9th February 1976

No. E-38013(3)/1/76-Ad.I.—The President is pleased to appoint Inspector S. K. Banerjee to officiate as Assistant Commandant, Central Industrial Security Force Unit, T.I.F., Naini with effect from the afternoon of 17th January 1976, until further order, who assumed charge of the said post with effect from the same date vice Shri Sheoraj Singh, who relinquished the charge of the post with effect from the afternoon of 17th January 1976, on transfer to New Delhi.

No. E-38013(3)/1/76-Ad.I.—The President is pleased to appoint Inspector S. K. Banerjee to officiate as Assistant Commandant, Central Industrial Security Force Unit, Durgapur Steel Plant, Durgapur with effect from the forenoon of 12th January 1976, until further order and he assumed the charge of the said post with effect from the same date.

The 12th February 1976

No. E-38013(3)/1/76-Ad.I—The President is pleased to appoint Inspector K. C. Bhoombla to officiate as Assistant Commandant, Central Industrial Security Force Unit, Bank Note Press, Dewas with effect from the forenoon of 21st January 1976 until further order and he assumed the charge of the same post with effect from the forenoon of the same date vice Shri K. A. Belliappa who relinquished the charge of the said post with effect from the forenoon of 21st January 1976.

No. E-38013(1)/4/75-Ad.I—On transfer from Durgapur Sh. P. C. Wadhwa, IPS(Haryana-1952) assumed the charge of the post of Deputy Inspector General (Eastern Zone). Central Industrial Security Force with Headquarters at Calcutta with effect from the forenoon of 19th January. 1976 vice Shri PP Singh, IPS(Bihar-1956) relinquished the charge of the post with effect from the same date on transfer to Durgapur.

The 16th February 1976

No. F-16013(2)/4/75-Ad.I.—On transfer on deputation from Government of Meghalaya Shii R. Chongthu. IPS 16—506GI/75

(Assam-1962) assumed the charge of the post of Assistant Inspector General, Central Industrial Security Force. Eastern Zone, with Headquarters at Calcutta with effect from the forenoon of 27th January 1976.

The 23rd February 1976

No. E-32015(2)/4/75-Ad.I.—The President is pleased to appoint Lt. Col. M. Shrivastav, as Group Commandant, Central Industrial Security Force, with Headquarters at Calcutta, on re-employment with effect from the forewoon of 27th January 1976, until further order.

L S. BISHT Inspector General

- MINISTRY OF FINANCE (DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS) INDIA SECURITY PRESS, NASIK ROAD

Nasik, the 11th February 1976

No. 1889(A).—The ad hoc appointment of Shri D. P. Jambotkar as Stamp Supply Officer issued vide Notification No. 3596/(A) dated 18-3-1975 has been regularised with effect from 24-1-1976.

Shri Y. R. Vaidya, appointed on ad hoc basis as Stamp Supply Officer against the vacancy of Shri D. P. Jambotkar vide Notification No. 1038/(A) dated 6-10-1975 will continue to work on officiating basis with effect from 24-1-1976.

V. J. JOSHI General Manager

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, ORISSA Bhubageswar-751001, the 3rd February 1976

No. O.O.C.-1389.—The Accountant General has been pleased to grant to Sri B. N. Murti, Accounts Officer, earned leave for 86 days as L.P.R. with effect from 5-2-76 to 30-4-76. On expiry of leave Sri B. N. Murthy, will retire from service with effect from 30-4-76 A.N.

G. R. SOOD Assistant Accountant General (ADMN)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT-GENERAL, MAHARASHTRA-I

Bombay-400020, the 10th February 1976

No. Admn.I/IAD/31-Vol.II/10.—The Accountant General, Maharashtra-I, Bombay is pleased to appoint the following members of the subordinate Accounts Services to officiate as Accounts Officers with effect from the dates mentioned against each of them, until further orders:

Sr. No. Name and Date

- I Shri V. S. Ranganathan—22-11-75 F.N.
- 2. Shri B. P. Gore-22-11-75 A.N.
- 3. Shri S. D. Karandikar--24-11-75 F.N.
- 4. Shri P. E. Tongaonkar-21-11-75 A N
- Shri N. Seetharaman—1-1-76 A.N.
- 6. Shri C. R. Narayanan-1-1-76 F.N.
- 7. Shri C. S. R. Sripadam-31-12-75 A.N.

A. B PALEKAR Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE CHIEF AUDITOR NORTHERN RAILWAY

New Delhi-110001, the 17th February 1976

No. Admn/17-14/72/33098.—Shri Khem Raj Atam, (S/C) Section Officer (Audit) a temporary member of Subordinate Railway Audit Service, is appointed to officiate as Audit

Officer at Divisional Audit Office, Northern Railway, Jodhpur w.e.f. 9-2-1976 forenoon until further orders.

No. Admn/17-14/72/33098.—Shri Inderjit Singh, Section Officer (Audit) a permanent member of Subordinate Railway Audit Service, is appointed to officiate as Audit Officer at Divisional Audit Office, Northern Railway, Ferezepore w.c.f. 9-2-1976 forenoon until further orders.

K. S. RANGAMURTI Chief Auditor

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF DEFFENCE ACCOUNTS

New Delhi, the 16th February 1976

No. 49911 (2)/75-AN-A—(1) The undermentioned Accounts Officers will be transferred to the pension establishment with effect from the afternoon of the date shown against each on their attaining the age of superannuation.

S. No.	Name with Roster Numbe	Grade r	Date from which transferred to pension establish- ment	Organisation
Sar	vashri			
	tal Chandra Atterjee (P/21)	Permanent Accounts Officer	31-3-76	Controller of Defence Ac- counts (Fac- tories), Calcutta
	d Parkash rdana (P/363)	Permanent Accounts Officer	30-6-76	Controller of Defence Accounts, Northern Command, Jarumu.
	N. Mandke /579)	Permanent Accounts Officer.	31-3-76	Controller of Defence Ac- counts (Facto- ries), Calcutta
	B. Parkhi /633)	Permanent Accounts Officer.	30-4-76	Controller of Defence Accounts (Officers), Poona

Shri D. N. Mandke, Permanent Accounts Officer has been granted earned leave for 56 days from 5-2-76 to 31-3-76 pending his retirement.

(2) Having given notice of voluntary retirement from service under the provisions of Article 459 (i) of Civil Service Regulations Volume 1, Shri P. V. ANANTHANARAYANAN, Permanent Accounts Officer (Roster No. P/160) serving on deputation with the R & D Organisation, CVRDE, Avadi and borne on the proforma strength of the Controller of Defence Accounts (Factories), Calcutta will be transferred to the pension establishment with effect from the forenoon of 1st April 1976.

S. K. SUNDARAM Addl. Controller General of Defence Accounts (AN)

MINISTRY OF DEFENCE

INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE

DIRECTORATE GENERAL, ORDNANCE FACTORIES

Calcutta- 16, the 22nd January 1976

No. 7/76/G—The President is pleased to confirm the following officers in the grade of DADGOF/Dy. Manager with effect from the dates shown against each:—

	•	
1.	Shri H. Dutta, Offg. Sr. DADGOF (Retd)	15th June, 1970
	Shri V. Horidops, Offg. Dy. Manager	15th June, 1970
	Shri V. K. Khosla, Offig. Manager	15th June, 1970
	Shri S. N. Das, Offg. Manager	15th June, 1970
	Shri I. P. Misra, Offg. Manager	15th June, 1970
	Shri M. Sarup, Offg. Manager	12th Sept. 1970
	Shri C. R. Ghosh, Offg. Manager	12th Sept. 1970
	Shri K. Viswanathan, Permt. Manager	12th Sept. 1970
	Shri R. C. Chawla, Offg. Manager	12th Sept. 1970
	Shri G. C. Khanna, Offg. Manager	12th Sept. 1970
	Shri P. K. Soni, Permt. Manager	12th Sept. 1970
	Shri G. R. Chari, Offg. Manager (Retd)	12th Sept. 1970
	Shri A. M. Date, Offg Dy. Manager	
		12th Sept. 1970
14.	Shri R. M. Chowdhury, Offg. Dy.	
	Manager (Retd)	12th Sept. 1970
15.	Shri M. G. Joshi, Permt. Manager (Retd)	12th Sept. 1970
		12th Sept. 1970
	(Retd)	
17.	Shri A. W. Bharti, Offg. Dy. Manager	
	(Retd)	12th Sept. 1970
18.	Shri T.K. Srinivasan, Offg. Dy. Manager	
	(Retd)	12th Sept. 1970
19.	Shri B. K. Dutta, Permt. Manager	12th Sept. 1970
20.	Shri G. F. Mascarenhas, Offg. Manager	
		12th Sept. 1970
21.	Shri N. C. Mukherjee, Offg. Dy. Manager	
	(Retd)	12th Sept. 1970
	Shri J. S. Saini, Offg. Dy. Manager (Retd	12th Sept. 1970
23.	Shri .T. N. Sen, Offg. Sr. DADGOF	12th Sept. 1970
24.	Shri P. Roy, Offg. Sr. DADGOF (Retd)	12th Sept. 1970
25.	Shri Sudhir Kumar Ghosh, Offg. Dy.	
	Manager (Expired)	12th Sept. 1970
26.	Shri B. C. Neogi, Offg. Sr. DADGOF	12th Sept. 1970
	Shri LIS Henry, Offg. Manager	12th Sept. 1970
28,	Shri N. N. Mondal, Offg. Dy. Manager	
	(Retd)	12th Sept. 1970
	Shri S. N. Dhir, Offig. Dy. Manager	12th Sept. 1970
30.	Shri H. Thomas, Offg. Dy. Manager	
	(Retd)	12th Sept. 1970
	Shri D. N. Sarkar, Permt. Sr. DADGOF	12th Sept. 1970
	Shri B. N. Thacker, Offg. Manager	12th Sept. 1970
33.	Shri K. M. Mohile, Offg. Manager	125h Sept. 1970
34.	Shrl S. P. Kulkarni, Offg. Manager	12th Sept. 1970
35.	Shri B. B. Chatterjee, Offg. Dy. Manager	12th Sept. 1970
36.	Shri Jit Singh, Offg. Dy. Manager	12th Sept. 1970
37.	Shri A. K. Ghosh, Offig. Dy. Manager	-
20	(Expired)	12th Sopt. 1970
38.	Shri R. Singh. Offg. Dy. Manager	12th Sept. 1970
39.	Shri S. K. Dalal, Offg. Dy. Manager	12th Sept. 1970
4U, 41	Shri H. P. S. Ahluwalia, Offg. SO Gr. I	12th Sept. 1970
71.	Shri S. Sampath, Offg. Manager	12th Sept. 1970
42.	Shri C. R. Gupta, Offg. Sr. DADGOF	12th Sept. 1970
43.	Shri B. D. Biswas, Offg. Manager	12th Sept. 1970
44. 4<	Shri L. M. Sriraman, Offg. Manager	12th Sept. 1970
→ J,	Shri K. K. Grover. Offg. Manager	
	(Expired)	12th Sept. 1970
	_	

	III—SEC. I) TITE GREETIN	O1 11101111, 1111111		
	Shri S. R. Chakravorty, Offg. Manager	12th Sept. 1970	100. Shri G. R. Sundram, Offg. DADGOF	10th Sept. 1971
	Shri V. S. Dakshinamurthi, Offg. Dy.		101. Shri K. Gupta, Offg. DADGOF (Retd.)	26th Sept. 1971
	Manager	12th Sept. 1970	102. Shri M. Mitra, Offg. Dy. Manager	26th Sept. 1971
		12th Sept. 1970	103. Shri A. Ramamurthy, Offg. Dy. Munager	26th Sept. 1971
	Shri F. E. Jolly, Offg. Manager (Retd)	12th Sept. 1970	104. Shri S. Krishnamurthy, Offg. Dy.	26th Sept. 1971
	Shri B. Lal, Offg. Manager	12th Sept. 1970	Manager 105. Shri V. Krishnamurthy, Offg. Dy.	20th Sept. 1971
51.	Shri K. R. Padmanabhan, Offg. Manager	12th Sept. 1970		26th Sept. 1971
52.	Shri R. Padmanabhan, Offg. Dy. Manager	12th Sept. 1970	106. Shri S. K. Wadhawan, Offg. Dy. Mana-	
	Shri Munnu Lall, Offg. Manager	12th Sept. 1970		26th Sept. 1971
54.		12th Sept. 1970	107. Shri L. N. Sharma, Offg. Dy. Manager	
55.		12th Sept. 1970		26th Sept. 1971
56.		12th Sept. 1970	108. Shri A. W. Lalwaney, Offg. Dy. Manager	
57.		12th Sept. 1970		26th Sept. 1971
		12th Sept. 1970		26th Sept. 1971
59.	Shri D. K. De Sarkar, Offg Dy. Manager		111. Shri K. N. Chatterjee, Offg. DADGOF	act a contra
60.		12th Sept. 1970		26th Sept. 1971
61.		12th Sept. 1970	112. Shri P. M. Despande, Offg. Dy. Manager	26th Sept. 1971
62.		12th Sept. 1970	113. Shri S. N. Tiwari, Offg. Dy. Manager	26th Sept. 1971
	Shri Dipak Chaudhury, Offg. Dy. Manager		114. Shri N. C. Paul, Offg. Dy. Manager (Retd)	1st Oct. 1971
	Shri M. M. Menon, Offg. Dy. Manager	12th Sept. 1970	•	14th Nov. 1971
65.	Shri R. K. Agarwala, Offg. Dy. Manager	12th Sept. 1970		
	Shri R. Govindarajan, Offg. Dy. Manager		116. Shri G. N. Banerjee, Offg. Dy. Manager 117. Shri Balbir Singh, Offg. Dy. Manager	1st Dec. 1971 15th Dec. 1971
	Shri D. S. Prasad, Offg. DADGOF	12th Sept. 1970	118. Shri V. K. Sharma, Offg. Dy. Manager	
	Shri J. P. Das Gupta, Offg. DADGOF	12th Sept. 1970	119. Shri Baldeo Ram, Offg. DADGOF	4th Jan. 1972
	Shri R. N. Bose, Offg. Dy. Manager	12th Sept. 1970	120. Shri R. Ramanathan, Offg. Dy. Manager	11th Jan. 1972
	Shri B. C. Paul, Offg. Dy. Manager	12th Sept. 1970	(Retd)	20th June, 1972
	Shri I. S. Ahluwalia, Offg. Dy. Manager	12th Sept. 1970	121. Shri M. G. Bhate, Offg. Dy. Manager	2011 3410, 1972
	Shri R. C. Gupta, Offg. Dy. Manager	13th Sept. 1970	(Retd)	1st Feb. 1972
13.	Shri M. N. Bhattacharjee, Offg. Dy. Manager (Retd)	13th Sept. 1970	122. Shri K. S. Ratnaswamy, Offg. Dy. Mana-	150 1000 1772
		15th Sept. 1570	ger (Retd)	20th Feb. 1972
74.	Shri T. P. Sundaram, Offg. Dy. Manager	10.1 6 . 1070	123. Shri D. Santhanam, Offg. Dy. Manager	1st April, 1972
	(Retd)	13th Sept. 1970	124, Shri K. D. Bose, Offg. Dy. Manager	
	Shri R. P. Jauhari, Offg. Dy. Manager	13th Sept. 1970	(Retd)	8th April, 1972
	Shri C.S. Ranpise, Offg. Dy. Manager	13th Sept. 1970	125. Shri J. G. Bellan, Offg. Dy. Manager	
	Shri J.C. Dureja, Offg. Dy. Manager	13th Sept. 1970	(Retd)	30th April, 1972
	Shri C. Venugopal, Offg. Dy. Manager	13th Sept. 1970	126, Shri M. K. Menon, Offg. Dy. Manager	1st May, 1972
	Shri N.L.S. Murthy, Offg. Dy. Manager Shri M. B. G. G. Batcha, Offg. Dy.	13th Sept. 1970	127, Shri K. Kunhiraman, Offg. Dy. Manager	•
00.	Manager	13th Sept. 1970	(Retd)	17th July, 1972
81	Shri C. P. K. Menon, Offg. Dy. Manager	15th bopt. 1570	128. Shri R. D. Sapre, Offg. Dy. Manager	
01.	(Retd.)	13th Sept. 1970	(Retd)	29th Aug. 1972
82	Shri D. K. Das Gupta, Offg. Dy	Total Sept. 1770	129. Shri T. R. Murthy, Offg. Dy. Manager	9th Oct. 1972
V	Manager	20th Sept. 1970	130, Shri S. S. Seshan, Offg. Dy. Manager	
83.	Shri S. Banerjee, Offg. Dy. Manager	21st Sept. 1970	(Retd)	9th Oct. 1972
	Shri G. Sarkar, Offg. Dy. Manager		131. Shri K. K. Sodhi, Offg. Dy. Manager	7th Nov. 1972
•	(Retd.)	1st Oct. 1970	132, Shri M. Singaram, Offg. Dy. Manager	17th Dec. 1972
85.	Shri B. M. Gupta, Offg. Dy. Manager	24th Nov. 1970	133. Shri G. Khera, Offg. Dy. Manager	30th Dec. 1972
	Shri C. P. Agarwal, Offg. Dy. Manager	4th Jan, 1971	134. Shri T, Ramakrishna, Offg. Dy. Manager	18t Jan. 1973
	Shri S. Singh, Offg. Dy. Manager	16th Jan. 1971	135. Shri K. M. L. Bhatnagar, Offg. Dy.	1.4 In 1072
88.	Shri R. Mohanarangan, Offg. Dy.	Ist April 1971	Manager (Expired)	1st Jan, 1973
	Manager		136. Shri G. Agarwal, Offg. Dy. Manager 137. Shri S. N. Gupta, Offg. Dy. Manager	1st April, 1973 14th April, 1973
89.	Shri J. Singh, Offg. Dy. Manager	Ist April 1971	137. Shri S. N. Gupta, Ong. Dy. Manager 138. Shri V. Krishnan, Offg. Dy. Manager	20th April, 1973
90.	. Shri N. Venkataraman, Offg. Dy. Mana	l -	139. Shri A. K. Bamerjec, Offg. Dy. Manager	10th July, 1973
	ger	1st April 1971	140. Shri R. Sankara Raman, Offg. DADGOI	
91	Shri K. Sundaramurthy, Offg. Dy.		141. Shri K. Rao Choudhuri, Offg. Dy. Mana	•
	Manager	1st April 1971	142. Shri S. K. P. Viswanathan, Offg. Dy.	-
92.	. Shri S. Lakshminarayan, Offg. Dy.		Manager	15th Oct. 1973
	Manager	1st April 1971	143. Shri P. Ramaiah, Offg. Dy. Manager	15th Oct. 1973
	. Shri Srikrishan Das. Offg. Dy. Manager		144. Shri D. A. Srinivasan, Offg. Dy.	
	. Shri R. Shiva Prasad, Offg. Dy. Manager	• •	Manager	15th Oct, 1973
	. Shri S. K. Ghosh, Dy. Manager	1st April 1971	145. Shri Y. P. Arora, Offg. Dy. Manager	15th Oct, 1973
	Shri D. I. Srivastava, Offg. Dy. Manager	1st April 1971	146. Shri A. C. Pillay, Offg. Dy. Manager	15th Oct. 1973
97	7. Shri P. Satyanarayan, Offg. Dy.	مسمو ود و پ	147. Shri K. C. Sikka, Offg. Dy. Manager	15th Oct. 1973
	Manager	1st April 1971	148. Shri S. Krishnamurthy, Offg. DADGOF	
	3. Shri T. K. Banerjee, Offg. Dy. Manager	Ist April, 1971		
99	Shri K. P. S. Monon, Offg. Dy. Manager	10.1 6 1:=:		M.P.R. PILLAI
	(Reid.)	10th Sept. 1971	Asstt. Director General, C	ranence Factoric

D.G.O.F. HDQRS., CIVIL SERVICE	28. Shri Sunil Kumar Dutta (Since retired) 1st Mar. 196
Calcutta-700016, the 13th February 1976	29. Shri Bhabani Prasad Dutta (Since retired) 1st Mar. 196
	30. Shri Nalini Mohan Chatterjee 1st Mar. 196
No. 12/76/G.—The D.G.O.F. is pleased to appoint the undermentioned Permt. Superintendents to the grade of Assis-	31. Shri Subodh Kumar Mitter (Since retired) 1st Mar. 196
tant Staff Officer (Class II-Gazetted) until further order with	32. Shri Sudhir Chandra Bose (Since retired) 1st Mar. 196
effect from 1st Mar., 1968:—	33. Shri Patit Paban Jana (Since retired) 1st Mar. 196
1. Shri Samarendra Nath MITRA (Since retired)	34. Shri Bipulendra Nath Mitra 1st Mar. 196
2. Shri Biswanath CHATTERJEE (Since retired)	35. Shri Byomkesh Manik
3. Shri Shambhu Nath SINHA (Since retired)	 Smt. Atreyee Majumdar (Since retired) Shri Jiban Krishan Banerjee (Since retired) 14th Aug. 196
4. Shri Krishna Chandra BHATTACHARYA	38. Shri Bibhuti Lal Banerjee (Since retired) 14th Aug. 196
5. Shri Dharm Chand VERMA (Since retired)	39. Shri Narendra Mohan Ganguli (Since
6. Shri Dhirendra Prasad SRIVASTAVA	retired) 14th Aug. 196
	40. Shri Raghunath Dasgupta 14th Aug. 196
7. Shri Ale HASAN (Since retired)	41. Shri Sital Chandra Majumdar (Since
8. Shri K.A.V. LINGHAM (Since retired)	retired)
9. Shri Monoranjan BHATTACHARJEE (Since retired)	42. Shri Anileswar Mukehrjee (Since retired) 11th Nov. 196
10. Shri Gobinda Chandra BHATTACHARJEE	43. Shri Mahima Ranjan Ghosal 10th Dec. 196
11. Shri Monmohan Lal NANDA	44. Shri V. Venkiteswaran (Since retired) 10th Dec. 196
12. Shri Amulya Kr. GHOSH CHOWDHURY (Since re-	45. Shri V. Kailasan 6th Oct. 19
tired)	46. Shri Parbati Kumar Goswami 6th Oct. 196 47. Shri Annada Mohan Ghosh 6th Oct. 196
13. Shri Rabindra Nath BOSE	48. Shri Hemtosh Kumar Nath (Since retired) 6th Oct. 19
14. Shri Prakash Chandra DUTTA (Since retired)	49. Shri Animesh Dasgupta 2nd Dec. 196
	50. Shri Nirmal Chandra Das 15th Dec. 196
	51. Shri Radha Raman Chatterjee (Since
No. 13/76/G.—The D. G. O. F. is pleased to appoint the	retired)
under mentioned Offg. Superintendents to the grade of Assistant	52. Shri Prasanta Kumar Mallick 18th Aug. 19
Staff Officer (Class II-Gazetted) in an offg. capacity with effect from the dates specified, until further orders:—	53. Shri Sadhana Behari Sarkar (Since
from the dates specified, until ruthler orders.—	expired) 25th Sept. 19
1. Shri Hara Pada CHOWDHURY (Since	54. Shri Mohini Mohan Kar (Since retired) . 30th Sept. 197
retired) 1st Mar, 1968	55. Shri Ranjit Kumar Das 14th Dec. 197 56. Shri Probhat Chandra Nath 1st Apr. 197
	56. Shri Probhat Chandra Nath 1st Apr. 19
2. Shri Hari Bhusan GHOSH 1st Mar, 1968	
3. Shri Prafulla Nath SANYAL. 1st Mar. 1968	57. Shri Ganesh Lal Ganguli (Since retired) 1st Apr. 197
 Shri Prafulla Nath SANYAL. 1st Mar. 1968 Shri Tirtha Prasad BAGCHI (Since 	57. Shri Ganesh Lal Ganguli (Since retired) 1st Apr. 197 58. Shri Bibhuti Bhusan Chowdhury 13th Dec. 19
 Shri Prafulla Nath SANYAL. Shri Tirtha Prasad BAGCHI (Since retired) Ist Mar. 1968 	57. Shri Ganesh Lal Ganguli (Since retired) 58. Shri Bibhuti Bhusan Chowdhury 13th Dec. 19 59. Shri Kalika Prasad Sukul 13th Dec. 19
3. Shri Prafulla Nath SANYAL. 1st Mar. 1968 4. Shri Tirtha Prasad BAGCHI (Since retired) 1st Mar. 1968 5. Shri Kanai Lal MUKHERJEE 1st Mar. 1968	57. Shri Ganesh Lal Ganguli (Since retired) 58. Shri Bibhuti Bhusan Chowdhury 13th Dec. 19 59. Shri Kalika Prasad Sukul 13th Dec. 19 60. Shri Santosh Kumar Sen 13th Dec. 19
3. Shri Prafulla Nath SANYAL. 1st Mar. 1968 4. Shri Tirtha Prasad BAGCHI (Since retired) 1st Mar. 1968 5. Shri Kanai Lal MUKHERJEE 1st Mar. 1968 6. Shri Harl Pada CHATTERJEE 1st Mar. 1968	57. Shri Ganesh Lal Ganguli (Since retired) 58. Shri Bibhuti Bhusan Chowdhury 13th Dec. 19 59. Shri Kalika Prasad Sukul 13th Dec. 19 60. Shri Santosh Kumar Sen 13th Dec. 19
3. Shri Prafulla Nath SANYAL. 1st Mar. 1968 4. Shri Tirtha Prasad BAGCHI (Since retired) 1st Mar. 1968 5. Shri Kanai Lal MUKHERJEE 1st Mar. 1968 6. Shri Harl Pada CHATTERJEE 1st Mar. 1968 7. Shri Manindra Nath MOITRA (Since	57. Shri Ganesh Lal Ganguli (Since retired) 58. Shri Bibhuti Bhusan Chowdhury
3. Shri Prafulla Nath SANYAL. 1st Mar. 1968 4. Shri Tirtha Prasad BAGCHI (Since retired) 1st Mar. 1968 5. Shri Kanai Lal MUKHERJEE 1st Mar. 1968 6. Shri Harl Pada CHATTERJEE 1st Mar. 1968 7. Shri Manindra Nath MOITRA (Since retired) 1st Mar. 1968	57. Shrì Ganesh Lal Ganguli (Since retired) 58. Shrì Bibhuti Bhusan Chowdhury
3. Shri Prafulla Nath SANYAL. 1st Mar. 1968 4. Shri Tirtha Prasad BAGCHI (Since retired) 1st Mar. 1968 5. Shri Kanai Lal MUKHERJEE 1st Mar. 1968 6. Shri Harl Pada CHATTERJEE 1st Mar. 1968 7. Shri Manindra Nath MOITRA (Since retired) 1st Mar. 1968 8. Shri Silananda BRAHMACHARI (Since	57. Shrì Ganesh Lal Ganguli (Since retired) 58. Shrì Bibhuti Bhusan Chowdhury
3. Shri Prafulla Nath SANYAL. 1st Mar. 1968 4. Shri Tirtha Prasad BAGCHI (Since retired) 1st Mar. 1968 5. Shri Kanai Lal MUKHERJEE 1st Mar. 1968 6. Shri Harl Pada CHATTERJEE 1st Mar. 1968 7. Shri Manindra Nath MOITRA (Since retired) 1st Mar. 1968 8. Shri Silananda BRAHMACHARI (Since retired) 1st Mar. 1968	57. Shrì Ganesh Lal Ganguli (Since retired) 58. Shrì Bibhuti Bhusan Chowdhury
3. Shri Prafulla Nath SANYAL. 1st Mar. 1968 4. Shri Tirtha Prasad BAGCHI (Since retired) 1st Mar. 1968 5. Shri Kanai Lal MUKHERJEE 1st Mar. 1968 6. Shri Harl Pada CHATTERJEE 1st Mar. 1968 7. Shri Manindra Nath MOITRA (Since retired) 1st Mar. 1968 8. Shri Silananda BRAHMACHARI (Since retired) 1st Mar. 1968 9. Shri Pulin Behari GHOSH (Since retired) 1st Mar. 1968	57. Shrì Ganesh Lal Ganguli (Since retired) 58. Shrì Bibhuti Bhusan Chowdhury
3. Shri Prafulla Nath SANYAL. 1st Mar. 1968 4. Shri Tirtha Prasad BAGCHI (Since retired) 1st Mar. 1968 5. Shri Kanai Lal MUKHERJEE 1st Mar. 1968 6. Shri Harl Pada CHATTERJEE 1st Mar. 1968 7. Shri Manindra Nath MOITRA (Since retired) 1st Mar. 1968 8. Shri Silananda BRAHMACHARI (Since retired) 1st Mar. 1968	57. Shrì Ganesh Lal Ganguli (Since retired) 58. Shrì Bibhuti Bhusan Chowdhury
3. Shri Prafulla Nath SANYAL. 1st Mar. 1968 4. Shri Tirtha Prasad BAGCHI (Since retired) 1st Mar. 1968 5. Shri Kanai Lal MUKHERJEE 1st Mar. 1968 6. Shri Harl Pada CHATTERJEE 1st Mar. 1968 7. Shri Manindra Nath MOITRA (Since retired) 1st Mar. 1968 8. Shri Silananda BRAHMACHARI (Since retired) 1st Mar. 1968 9. Shri Pulin Behari GHOSH (Since retired) 1st Mar. 1968 10. Shrl Satyabrata NAG 1st Mar. 1968 11. Shri Gopal Chandra Das GUPTA (Since retired) 1st Mar. 1968	57. Shrì Ganesh Lal Ganguli (Since retired) 58. Shrì Bibhuti Bhusan Chowdhury
3. Shri Prafulla Nath SANYAL. 1st Mar. 1968 4. Shri Tirtha Prasad BAGCHI (Since retired) 1st Mar. 1968 5. Shri Kanai Lal MUKHERJEE 1st Mar. 1968 6. Shri Harl Pada CHATTERJEE 1st Mar. 1968 7. Shri Manindra Nath MOITRA (Since retired) 1st Mar. 1968 8. Shri Silananda BRAHMACHARI (Since retired) 1st Mar. 1968 9. Shri Pulin Behari GHOSH (Since retired) 1st Mar. 1968 10. Shrl Satyabrata NAG 1st Mar. 1968 11. Shri Gopal Chandra Das GUPTA (Since retired) 1st Mar. 1968 12. Shr Timir Ranjan Dutta 1st Mar. 1968	57. Shrì Ganesh Lal Ganguli (Since retired) 58. Shrì Bibhuti Bhusan Chowdhury
3. Shri Prafulla Nath SANYAL. 1st Mar. 1968 4. Shri Tirtha Prasad BAGCHI (Since retired) 1st Mar. 1968 5. Shri Kanai Lal MUKHERJEE 1st Mar. 1968 6. Shri Harl Pada CHATTERJEE 1st Mar. 1968 7. Shri Manindra Nath MOITRA (Since retired) 1st Mar. 1968 8. Shri Silananda BRAHMACHARI (Since retired) 1st Mar. 1968 9. Shri Pulin Behari GHOSH (Since retired) 1st Mar. 1968 10. Shrl Satyabrata NAG 1st Mar. 1968 11. Shri Gopal Chandra Das GUPTA (Since retired) 1st Mar. 1968 12. Shr Timir Ranjan Dutta 1st Mar. 1968 13. Shrl Amiya Ranjan Bose 1st Mar. 1968	57. Shrì Ganesh Lal Ganguli (Since retired) 58. Shrì Bibhuti Bhusan Chowdhury
3. Shri Prafulla Nath SANYAL. 1st Mar. 1968 4. Shri Tirtha Prasad BAGCHI (Since retired) 1st Mar. 1968 5. Shri Kanai Lal MUKHERJEE 1st Mar. 1968 6. Shri Harl Pada CHATTERJEE 1st Mar. 1968 7. Shri Manindra Nath MOITRA (Since retired) 1st Mar. 1968 8. Shri Silananda BRAHMACHARI (Since retired) 1st Mar. 1968 9. Shri Pulin Behari GHOSH (Since retired) 1st Mar. 1968 10. Shrl Satyabrata NAG 1st Mar. 1968 11. Shri Gopal Chandra Das GUPTA (Since retired) 1st Mar. 1968 12. Shr Timir Ranjan Dutta 1st Mar. 1968 13. Shrl Amiya Ranjan Bose 1st Mar. 1968 14. Shri Nirmal Chandra Sengupta 1st Mar. 1968	57. Shri Ganesh Lal Ganguli (Since retired) 58. Shri Bibhuti Bhusan Chowdhury
3. Shri Prafulla Nath SANYAL. 1st Mar. 1968 4. Shri Tirtha Prasad BAGCHI (Since retired) 1st Mar. 1968 5. Shri Kanai Lal MUKHERJEE 1st Mar. 1968 6. Shri Harl Pada CHATTERJEE 1st Mar. 1968 7. Shri Manindra Nath MOITRA (Since retired) 1st Mar. 1968 8. Shri Silananda BRAHMACHARI (Since retired) 1st Mar. 1968 9. Shri Pulin Behari GHOSH (Since retired) 1st Mar. 1968 10. Shrl Satyabrata NAG 1st Mar. 1968 11. Shri Gopal Chandra Das GUPTA (Since retired) 1st Mar. 1968 12. Shr Timir Ranjan Dutta 1st Mar. 1968 13. Shrl Amiya Ranjan Bose 1st Mar. 1968 14. Shri Nirmal Chandra Sengupta 1st Mar. 1968 15. Shri Bhupati Bhusan Biswas 1st Mar. 1968	57. Shrì Ganesh Lal Ganguli (Since retired) 58. Shrì Bibhuti Bhusan Chowdhury
3. Shri Prafulla Nath SANYAL. 1st Mar. 1968 4. Shri Tirtha Prasad BAGCHI (Since retired) 1st Mar. 1968 5. Shri Kanai Lal MUKHERJEE 1st Mar. 1968 6. Shri Harl Pada CHATTERJEE 1st Mar. 1968 7. Shri Manindra Nath MOITRA (Since retired) 1st Mar. 1968 8. Shri Silananda BRAHMACHARI (Since retired) 1st Mar. 1968 9. Shri Pulin Behari GHOSH (Since retired) 1st Mar. 1968 10. Shrl Satyabrata NAG 1st Mar. 1968 11. Shri Gopal Chandra Das GUPTA (Since retired) 1st Mar. 1968 12. Shr Timir Ranjan Dutta 1st Mar. 1968 13. Shri Amiya Ranjan Bose 1st Mar. 1968 14. Shri Nirmal Chandra Sengupta 1st Mar. 1968 15. Shri Bhupati Bhusan Biswas 1st Mar. 1968 16. Shri Santi Kumar Banerjee 1st Mar. 1968	57. Shri Ganesh Lal Ganguli (Since retired) 58. Shri Bibhuti Bhusan Chowdhury 59. Shri Kalika Prasad Sukul 60. Shri Santosh Kumar Sen 61. Shri Manik Lal Ganguli 62. Shri Ram Narayan Prasad Deo 63. Shri Nirmalaya Bhusan Chakraborty 64. Shri Sabitansu Prokash Goswami 65. Shri Parimal Chandra Bose (Since retired) 66. Shri Shiv Chandra Sarkar 67. Shri Benoy Bhusan Chowdhury 68. Shri Dilip Kumar Mitra 69. Shri Pramode Chandra Roy 70. Shri Barindra Nath Ghosh 71. Shri Dhirendra Nath Ghosh 72. Shri Ramani Ranjan Nag 73. Shri Adhir Kumar Bose (Since retired) 74. Shri Ajit Kumar Deb (Since retired) 75. Shri Krishan Mohan 76. Shri Krishan Mohan 77. Shri Krishan Mohan 78. Shri Krishan Mohan 79. Shri Krishan Mohan
3. Shri Prafulla Nath SANYAL. 1st Mar. 1968 4. Shri Tirtha Prasad BAGCHI (Since retired) 1st Mar. 1968 5. Shri Kanai Lal MUKHERJEE 1st Mar. 1968 6. Shri Harl Pada CHATTERJEE 1st Mar. 1968 7. Shri Manindra Nath MOITRA (Since retired) 1st Mar. 1968 8. Shri Silananda BRAHMACHARI (Since retired) 1st Mar. 1968 9. Shri Pulin Behari GHOSH (Since retired) 1st Mar. 1968 10. Shrl Satyabrata NAG 1st Mar. 1968 11. Shri Gopal Chandra Das GUPTA (Since retired) 1st Mar. 1968 12. Shr Timir Ranjan Dutta 1st Mar. 1968 13. Shri Amiya Ranjan Bose 1st Mar. 1968 14. Shri Nirmal Chandra Sengupta 1st Mar. 1968 15. Shri Bhupati Bhusan Biswas 1st Mar. 1968 16. Shri Santi Kumar Banerjee 1st Mar. 1968 17. Shri Rajeswar Mitra (Since retired) 1st Mar. 1968	57. Shri Ganesh Lal Ganguli (Since retired) 58. Shri Bibhuti Bhusan Chowdhury 59. Shri Kalika Prasad Sukul 60. Shri Santosh Kumar Sen 61. Shri Manik Lal Ganguli 62. Shri Ram Narayan Prasad Deo 63. Shri Nirmalaya Bhusan Chakraborty 64. Shri Sabitansu Prokash Goswami 65. Shri Parimal Chandra Bose (Since retired) 66. Shri Shiv Chandra Sarkar 67. Shri Benoy Bhusan Chowdhury 68. Shri Dilip Kumar Mitra 69. Shri Pramode Chandra Roy 70. Shri Barindra Nath Ghosh 71. Shri Dhirendra Nath Ghosh 72. Shri Ramani Ranjan Nag 73. Shri Adhir Kumar Bose (Since retired) 74. Shri Ajit Kumar Deb (Since retired) 75. Shri Krishan Mohan 76. Shri Jogesh Chandra Roy (Since retired) 76. Shri Jogesh Chandra Roy (Since retired) 76. Shri Jogesh Chandra Roy (Since retired) 77. Shri Krishan Mohan 78. Shri Jogesh Chandra Roy (Since retired) 79. Shri Krishan Mohan 79. Shri Jogesh Chandra Roy (Since retired) 79. Shri Krishan Mohan 70. Shri Jogesh Chandra Roy (Since retired) 71. Shri Jogesh Chandra Roy (Since retired) 75. Shri Krishan Mohan 76. Shri Jogesh Chandra Roy (Since retired)
3. Shri Prafulla Nath SANYAL. 1st Mar. 1968 4. Shri Tirtha Prasad BAGCHI (Since retired) 1st Mar. 1968 5. Shri Kanai Lal MUKHERJEE 1st Mar. 1968 6. Shri Harl Pada CHATTERJEE 1st Mar. 1968 7. Shri Manindra Nath MOITRA (Since retired) 1st Mar. 1968 8. Shri Silananda BRAHMACHARI (Since retired) 1st Mar. 1968 9. Shri Pulin Behari GHOSH (Since retired) 1st Mar. 1968 10. Shri Satyabrata NAG 1st Mar. 1968 11. Shri Gopal Chandra Das GUPTA (Since retired) 1st Mar. 1968 12. Shr Timir Ranjan Dutta 1st Mar. 1968 13. Shri Amiya Ranjan Bose 1st Mar. 1968 14. Shri Nirmal Chandra Sengupta 1st Mar. 1968 15. Shri Bhupati Bhusan Biswas 1st Mar. 1968 16. Shri Santi Kumar Banerjee 1st Mar. 1968 17. Shrl Rajeswar Mitra (Since retired) 1st Mar. 1968 18. Shrl Kshirode Lal Sengupta 1st Mar. 1968	57. Shri Ganesh Lal Ganguli (Since retired) 58. Shri Bibhuti Bhusan Chowdhury 59. Shri Kalika Prasad Sukul 60. Shri Santosh Kumar Sen 61. Shri Manik Lal Ganguli 62. Shri Ram Narayan Prasad Deo 63. Shri Nirmalaya Bhusan Chakraborty 64. Shri Sabitansu Prokash Goswami 65. Shri Parimal Chandra Bose (Since retired) 66. Shri Shiv Chandra Sarkar 67. Shri Benoy Bhusan Chowdhury 68. Shri Dilip Kumar Mitra 69. Shri Pramode Chandra Roy 70. Shri Barindra Nath Ghosh 71. Shri Dhirendra Nath Saha 72. Shri Ramani Ranjan Nag 73. Shri Adhir Kumar Bose (Since retired) 74. Shri Ajit Kumar Deb (Since retired) 75. Shri Krishan Mohan 76. Shri Jogesh Chandra Roy (Since retired) 77. Shri Jogesh Chandra Roy (Since retired) 78. Shri Jogesh Chandra Roy (Since retired) 79. Shri Jogesh Chandra Roy (Since retired)
3. Shri Prafulla Nath SANYAL. 1st Mar. 1968 4. Shri Tirtha Prasad BAGCHI (Since retired) 1st Mar. 1968 5. Shri Kanai Lal MUKHERJEE 1st Mar. 1968 6. Shri Harl Pada CHATTERJEE 1st Mar. 1968 7. Shri Manindra Nath MOITRA (Since retired) 1st Mar. 1968 8. Shri Silananda BRAHMACHARI (Since retired) 1st Mar. 1968 9. Shri Pulin Behari GHOSH (Since retired) 1st Mar. 1968 10. Shri Satyabrata NAG 1st Mar. 1968 11. Shri Gopal Chandra Das GUPTA (Since retired) 1st Mar. 1968 12. Shr Timir Ranjan Dutta 1st Mar. 1968 13. Shri Amiya Ranjan Bose 1st Mar. 1968 14. Shri Nirmal Chandra Sengupta 1st Mar. 1968 15. Shri Bhupati Bhusan Biswas 1st Mar. 1968 16. Shri Santi Kumar Banerjee 1st Mar. 1968 17. Shrl Rajeswar Mitra (Since retired) 1st Mar. 1968 18. Shri Kshirode Lal Sengupta 1st Mar. 1968 19. Shri Amarendra Nath Chaudhuri 1st Mar. 1968	57. Shri Ganesh Lal Ganguli (Since retired) 58. Shri Bibhuti Bhusan Chowdhury 59. Shri Kalika Prasad Sukul 60. Shri Santosh Kumar Sen 61. Shri Manik Lal Ganguli 62. Shri Ram Narayan Prasad Deo 63. Shri Nirmalaya Bhusan Chakraborty 64. Shri Sabitansu Prokash Goswami 65. Shri Parimal Chandra Bose (Since retired) 66. Shri Shiv Chandra Sarkar 67. Shri Benoy Bhusan Chowdhury 68. Shri Dilip Kumar Mitra 69. Shri Pramode Chandra Roy 70. Shri Barindra Nath Ghosh 71. Shri Dhirendra Nath Ghosh 72. Shri Ramani Ranjan Nag 73. Shri Adhir Kumar Bose (Since expired) 74. Shri Ajit Kumar Deb (Since retired) 75. Shri Krishan Mohan 76. Shri Jogesh Chandra Sen 77. Shri Jogesh Chandra Sen 78. Shri Manoranjan Roy (Since retired) 79. Shri Manoranjan Roy (Since retired) 79. Shri Jogesh Chandra Sen 79. Shri Manoranjan Roy (Since retired) 70. Shri Jogesh Chandra Sen 71. Shri Jogesh Chandra Sen 75. Shri Manoranjan Roy (Since retired) 76. Shri Jogesh Chandra Sen 77. Shri Jogesh Chandra Sen 78. Shri Manoranjan Roy (Since retired) 79. Shri Manoranjan Roy (Since retired)
3. Shri Prafulla Nath SANYAL. 1st Mar. 1968 4. Shri Tirtha Prasad BAGCHI (Since retired) 1st Mar. 1968 5. Shri Kanai Lal MUKHERJEE 1st Mar. 1968 6. Shri Harl Pada CHATTERJEE 1st Mar. 1968 7. Shri Manindra Nath MOITRA (Since retired) 1st Mar. 1968 8. Shri Silananda BRAHMACHARI (Since retired) 1st Mar. 1968 9. Shri Pulin Behari GHOSH (Since retired) 1st Mar. 1968 10. Shri Satyabrata NAG 1st Mar. 1968 11. Shri Gopal Chandra Das GUPTA (Since retired) 1st Mar. 1968 12. Shr Timir Ranjan Dutta 1st Mar. 1968 13. Shri Amiya Ranjan Bose 1st Mar. 1968 14. Shri Nirmal Chandra Sengupta 1st Mar. 1968 15. Shri Bhupati Bhusan Biswas 1st Mar. 1968 16. Shri Santi Kumar Banerjee 1st Mar. 1968 17. Shrl Rajeswar Mitra (Since retried) 1st Mar. 1968 18. Shri Kshirode Lal Sengupta 1st Mar. 1968 19. Shri Amarendra Nath Chaudhuri 1st Mar. 1968	57. Shri Ganesh Lal Ganguli (Since retired) 58. Shri Bibhuti Bhusan Chowdhury 59. Shri Kalika Prasad Sukul 60. Shri Santosh Kumar Sen 61. Shri Manik Lal Ganguli 62. Shri Ram Narayan Prasad Deo 63. Shri Nirmalaya Bhusan Chakraborty 64. Shri Sabitansu Prokash Goswami 65. Shri Parimal Chandra Bose (Since retired) 66. Shri Shiv Chandra Sarkar 67. Shri Benoy Bhusan Chowdhury 68. Shri Dilip Kumar Mitra 69. Shri Pramode Chandra Roy 70. Shri Barindra Nath Ghosh 71. Shri Dhirendra Nath Ghosh 72. Shri Ramani Ranjan Nag 73. Shri Adhir Kumar Bose (Since expired) 74. Shri Ajit Kumar Deb (Since retired) 75. Shri Krishan Mohan 76. Shri Jogesh Chandra Sen 77. Shri Jogesh Chandra Sen 78. Shri Manoranjan Roy (Since retired) 79. Smt. Ranu Rajagopalan
3. Shri Prafulla Nath SANYAL. 1st Mar. 1968 4. Shri Tirtha Prasad BAGCHI (Since retired) 1st Mar. 1968 5. Shri Kanai Lal MUKHERJEE 1st Mar. 1968 6. Shri Harl Pada CHATTERJEE 1st Mar. 1968 7. Shri Manindra Nath MOITRA (Since retired) 1st Mar. 1968 8. Shri Silananda BRAHMACHARI (Since retired) 1st Mar. 1968 9. Shri Pulin Behari GHOSH (Since retired) 1st Mar. 1968 10. Shrl Satyabrata NAG 1st Mar. 1968 11. Shri Gopal Chandra Das GUPTA (Since retired) 1st Mar. 1968 12. Shr Timir Ranjan Dutta 1st Mar. 1968 13. Shri Amiya Ranjan Bose 1st Mar. 1968 14. Shri Nirmal Chandra Sengupta 1st Mar. 1968 15. Shri Bhupati Bhusan Biswas 1st Mar. 1968 16. Shri Santi Kumar Banerjee 1st Mar. 1968 17. Shrl Rajeswar Mitra (Since retired) 1st Mar. 1968 18. Shrl Kshirode Lal Sengupta 1st Mar. 1968 19. Shri Amarendra Nath Chaudhuri 1st Mar. 1968 19. Shri Amarendra Nath Chaudhuri 1st Mar. 1968 19. Shri Amarendra Nath Chaudhuri 1st Mar. 1968 20. Shri Pravash Kumar Mukherjee (Since retired) 1st Mar. 1968	57. Shrì Ganesh Lal Ganguli (Since retired) 58. Shrì Bibhuti Bhusan Chowdhury 59. Shrì Kalika Prasad Sukul 60. Shrì Santosh Kumar Sen 61. Shrì Manik Lal Ganguli 62. Shrì Ram Narayan Prasad Deo 63. Shrì Nirmalaya Bhusan Chakraborty 64. Shrì Sabitansu Prokash Goswami 65. Shrì Parimal Chandra Bose (Since retired) 66. Shrì Shiv Chandra Sarkar 67. Shrì Benoy Bhusan Chowdhury 68. Shrì Dilip Kumar Mitra 69. Shrì Pramode Chandra Roy 70. Shrì Barindra Nath Ghosh 71. Shrì Dhirendra Nath Ghosh 72. Shrì Ramani Ranjan Nag 73. Shrì Adhir Kumar Deb (Since retired) 74. Shrì Jogesh Chandra Roy 75. Shrì Krishan Mohan 76. Shrì Jogesh Chandra Roy 778. Shrì Manoranjan Roy (Since retired) 788. Shrì Manoranjan Roy (Since retired) 799. Smt. Ranu Rajagopalan 790. Shrì Sushil Chandra Roy 790. Shrì Jogesh Chandra Roy 790. Shrì Jogesh Chandra Roy 791. Shrì Jogesh Chandra Roy 792. Shrì Krishan Mohan 793. Shrì Adhir Kumar Deb (Since retired) 794. Shrì Jogesh Chandra Roy 795. Shrì Krishan Mohan 796. Shrì Jogesh Chandra Roy 797. Shrì Jogesh Chandra Roy 798. Shrì Manoranjan Roy (Since retired) 799. Smt. Ranu Rajagopalan 799. Smt. Ranu Rajagopalan 790. Shrì Sushil Chandra Roy 790. Shrì Sushi
3. Shri Prafulla Nath SANYAL. 1st Mar. 1968 4. Shri Tirtha Prasad BAGCHI (Since retired) 1st Mar. 1968 5. Shri Kanai Lal MUKHERJEE 1st Mar. 1968 6. Shri Harl Pada CHATTERJEE 1st Mar. 1968 7. Shri Manindra Nath MOITRA (Since retired) 1st Mar. 1968 8. Shri Silananda BRAHMACHARI (Since retired) 1st Mar. 1968 9. Shri Pulin Behari GHOSH (Since retired) 1st Mar. 1968 10. Shri Satyabrata NAG 1st Mar. 1968 11. Shri Gopal Chandra Das GUPTA (Since retired) 1st Mar. 1968 12. Shr Timir Ranjan Dutta 1st Mar. 1968 13. Shri Amiya Ranjan Bose 1st Mar. 1968 14. Shri Nirmal Chandra Sengupta 1st Mar. 1968 15. Shri Bhupati Bhusan Biswas 1st Mar. 1968 16. Shri Santi Kumar Banerjee 1st Mar. 1968 17. Shri Rajeswar Mitra (Since retired) 1st Mar. 1968 18. Shri Kshirode Lal Sengupta 1st Mar. 1968 19. Shri Amarendra Nath Chaudhuri 1st Mar. 1968 19. Shri Amarendra Nath Chaudhuri 1st Mar. 1968 19. Shri Pravash Kumar Mukherjee (Since retired) 1st Mar. 1968 10. Shri Fravash Kumar Mukherjee (Since retired) 1st Mar. 1968	57. Shrì Ganesh Lal Ganguli (Since retired) 58. Shrì Bibhuti Bhusan Chowdhury 59. Shrì Kalika Prasad Sukul 60. Shrì Santosh Kumar Sen 61. Shrì Manik Lal Ganguli 62. Shrì Ram Narayan Prasad Deo 63. Shrì Nirmalaya Bhusan Chakraborty 64. Shrì Sabitansu Prokash Goswami 65. Shrì Parimal Chandra Bose (Since retired) 66. Shrì Shiv Chandra Sarkar 67. Shrì Benoy Bhusan Chowdhury 68. Shrì Dilip Kumar Mitra 69. Shrì Pramode Chandra Roy 70. Shrì Barindra Nath Ghosh 71. Shrì Dhirendra Nath Ghosh 72. Shrì Ramani Ranjan Nag 73. Shrì Adhir Kumar Bose (Since expired) 74. Shrì Ajit Kumar Deb (Since retired) 75. Shrì Krishan Mohan 76. Shrì Jogesh Chandra Sen 77. Shrì Jogesh Chandra Roy 78. Shrì Manoranjan Roy (Since retired) 79. Smt. Ranu Rajagopalan 79. Smt. Ranu Rajagopalan 79. Smt. Ranu Rajagopalan 79. Smt. Ranu Rajagopalan 79. Shrì Sushil Chandra Roy 70. Shrì Sushil Chandra Roy 70. Shrì Sushil Chandra Roy 71. Shrì Jogesh Chandra Roy 72. Shrì Krishan Mohan 73. Shrì Adhir Kumar Deb (Since retired) 74. Shrì Jogesh Chandra Roy 75. Shrì Krishan Mohan 76. Shrì Jogesh Chandra Roy 77. Shrì Jogesh Chandra Roy 78. Shrì Manoranjan Roy (Since retired) 79. Smt. Ranu Rajagopalan 79. Smt. Ranu Rajagopalan 79. Smt. Ranu Rajagopalan 79. Shrì Sushil Chandra Roy 79. Shrì Sush
3. Shri Prafulla Nath SANYAL. 1st Mar. 1968 4. Shri Tirtha Prasad BAGCHI (Since retired) 1st Mar. 1968 5. Shri Kanai Lal MUKHERJEE 1st Mar. 1968 6. Shri Harl Pada CHATTERJEE 1st Mar. 1968 7. Shri Manindra Nath MOITRA (Since retired) 1st Mar. 1968 8. Shri Silananda BRAHMACHARI (Since retired) 1st Mar. 1968 9. Shri Pulin Behari GHOSH (Since retired) 1st Mar. 1968 10. Shrl Satyabrata NAG 1st Mar. 1968 11. Shri Gopal Chandra Das GUPTA (Since retired) 1st Mar. 1968 12. Shr Timir Ranjan Dutta 1st Mar. 1968 13. Shrl Amiya Ranjan Bose 1st Mar. 1968 14. Shri Nirmal Chandra Sengupta 1st Mar. 1968 15. Shri Bhupati Bhusan Biswas 1st Mar. 1968 16. Shri Santi Kumar Banerjee 1st Mar. 1968 17. Shrl Rajeswar Mitra (Since retried) 1st Mar. 1968 18. Shrl Kshirode Lal Sengupta 1st Mar. 1968 19. Shri Amarendra Nath Chaudhuri 1st Mar. 1968 19. Shri Amarendra Nath Chaudhuri 1st Mar. 1968 19. Shri Pravash Kumar Mukherjee (Since retired) 1st Mar. 1968 19. Shri Pravash Kumar Mukherjee (Since retired) 1st Mar. 1968 20. Shri Fravash Kumar Mukherjee (Since retired) 1st Mar. 1968 21. Shri Krishan Lal Debnath 1st Mar. 1968 22. Shri Suresh Chandra Banerjee (Since	57. Shri Ganesh Lal Ganguli (Since retired) 58. Shri Bibhuti Bhusan Chowdhury 59. Shri Kalika Prasad Sukul 60. Shri Santosh Kumar Sen 61. Shri Manik Lal Ganguli 62. Shri Ram Narayan Prasad Deo 63. Shri Nirmalaya Bhusan Chakraborty 64. Shri Sabitansu Prokash Goswami 65. Shri Parimal Chandra Bose (Since retired) 66. Shri Shiv Chandra Sarkar 67. Shri Benoy Bhusan Chowdhury 68. Shri Dilip Kumar Mitra 69. Shri Pramode Chandra Roy 70. Shri Barindra Nath Ghosh 71. Shri Dhirendra Nath Ghosh 72. Shri Ramani Ranjan Nag 73. Shri Adhir Kumar Bose (Since expired) 74. Shri Ajit Kumar Deb (Since retired) 75. Shri Krishan Mohan 76. Shri Jogesh Chandra Sen 77. Shri Jogesh Chandra Roy 78. Shri Manoranjan Roy (Since retired) 79. Smt. Ranu Rajagopalan 79. Smt. Banolata Majumdar 70. Shri H. B. Sensharma 70. Shri H. B. Sensharma 70. Shri Banolata Majumdar 70. Shri Banolata Majumdar 70. Shri Sushil Chandra Roy 70. Shri Sushil Chandra Roy 71. Shri Jogesh Chandra Roy 72. Shri Manoranjan Roy 73. Shri Manoranjan Roy 74. Shri Jogesh Chandra Roy 75. Shri Krishan Mohan 76. Shri Jogesh Chandra Roy 77. Shri Jogesh Chandra Roy 78. Shri Manoranjan Roy 79. Smt. Ranu Rajagopalan
3. Shri Prafulla Nath SANYAL. 1st Mar. 1968 4. Shri Tirtha Prasad BAGCHI (Since retired) . 1st Mar. 1968 5. Shri Kanai Lal MUKHERJEE 1st Mar. 1968 6. Shri Harl Pada CHATTERJEE 1st Mar. 1968 7. Shri Manindra Nath MOITRA (Since retired) . 1st Mar. 1968 8. Shri Silananda BRAHMACHARI (Since retired) . 1st Mar. 1968 9. Shri Pulin Behari GHOSH (Since retired) 1st Mar. 1968 10. Shri Satyabrata NAG 1st Mar. 1968 11. Shri Gopal Chandra Das GUPTA (Since retired) . 1st Mar. 1968 12. Shr Timir Ranjan Dutta 1st Mar. 1968 13. Shri Amiya Ranjan Bose 1st Mar. 1968 14. Shri Nirmal Chandra Sengupta 1st Mar. 1968 15. Shri Bhupati Bhusan Biswas 1st Mar. 1968 16. Shri Santi Kumar Banerjee 1st Mar. 1968 17. Shrl Rajeswar Mitra (Since retired) 1st Mar. 1968 18. Shri Kshirode Lal Sengupta 1st Mar. 1968 19. Shri Amarendra Nath Chaudhuri 1st Mar. 1968 19. Shri Amarendra Nath Chaudhuri 1st Mar. 1968 19. Shri Pravash Kumar Mukherjee (Since retired) 1st Mar. 1968 20. Shri Pravash Kumar Mukherjee (Since retired) 1st Mar. 1968 21. Shri Krishan Lal Debnath 1st Mar. 1968 22. Shri Suresh Chandra Banerjee (Since retired) 1st Mar. 1968	57. Shri Ganesh Lal Ganguli (Since retired) 58. Shri Bibhuti Bhusan Chowdhury 59. Shri Kalika Prasad Sukul 60. Shri Santosh Kumar Sen 61. Shri Manik Lal Ganguli 62. Shri Ram Narayan Prasad Deo 63. Shri Nirmalaya Bhusan Chakraborty 64. Shri Sabitansu Prokash Goswami 65. Shri Parimal Chandra Bose (Since retired) 66. Shri Shiv Chandra Sarkar 67. Shri Benoy Bhusan Chowdhury 68. Shri Dilip Kumar Mitra 69. Shri Pramode Chandra Roy 70. Shri Barindra Nath Ghosh 71. Shri Dhirendra Nath Ghosh 72. Shri Ramani Ranjan Nag 73. Shri Adhir Kumar Bose (Since expired) 74. Shri Ajit Kumar Deb (Since retired) 75. Shri Krishan Mohan 76. Shri Jogesh Chandra Sen 77. Shri Jogesh Chandra Roy 78. Shri Manoranjan Roy (Since retired) 79. Smt. Ranu Rajagopalan 79. Smt. Banolata Majumdar 70. Shri Tulsi Charan Das 71. Shri Tulsi Charan Das 72. Shri Tulsi Charan Das 73. Shri Tulsi Charan Das
3. Shri Prafulla Nath SANYAL. 1st Mar. 1968 4. Shri Tirtha Prasad BAGCHI (Since retired) 1st Mar. 1968 5. Shri Kanai Lal MUKHERJEE 1st Mar. 1968 6. Shri Harl Pada CHATTERJEE 1st Mar. 1968 7. Shri Manindra Nath MOITRA (Since retired) 1st Mar. 1968 8. Shri Silananda BRAHMACHARI (Since retired) 1st Mar. 1968 9. Shri Pulin Behari GHOSH (Since retired) 1st Mar. 1968 10. Shri Satyabrata NAG 1st Mar. 1968 11. Shri Gopal Chandra Das GUPTA (Since retired) 1st Mar. 1968 12. Shr Timir Ranjan Dutta 1st Mar. 1968 13. Shri Amiya Ranjan Bose 1st Mar. 1968 14. Shri Nirmal Chandra Sengupta 1st Mar. 1968 15. Shri Bhupati Bhusan Biswas 1st Mar. 1968 16. Shri Santi Kumar Banerjee 1st Mar. 1968 17. Shri Rajeswar Mitra (Since retired) 1st Mar. 1968 18. Shri Kshirode Lal Sengupta 1st Mar. 1968 19. Shri Amarendra Nath Chaudhuri 1st Mar. 1968 19. Shri Amarendra Nath Chaudhuri 1st Mar. 1968 20. Shri Pravash Kumar Mukherjee (Since retired) 1st Mar. 1968 21. Shri Krishan Lal Debnath 1st Mar. 1968 22. Shri Suresh Chandra Banerjee (Since retired) 1st Mar. 1968 23. Shri Kalipada Mukherjee 1st Mar. 1968 24. Shri S. Sivasankaran (Since retired) 1st Mar. 1968 25. Shri S. Sivasankaran (Since retired) 1st Mar. 1968	57. Shri Ganesh Lal Ganguli (Since retired) 58. Shri Bibhuti Bhusan Chowdhury 59. Shri Kalika Prasad Sukul 60. Shri Santosh Kumar Sen 61. Shri Manik Lal Ganguli 62. Shri Ram Narayan Prasad Deo 63. Shri Nirmalaya Bhusan Chakraborty 64. Shri Sabitansu Prokash Goswami 65. Shri Parimal Chandra Bose (Since retired) 66. Shri Shiv Chandra Sarkar 67. Shri Benoy Bhusan Chowdhury 68. Shri Dilip Kumar Mitra 69. Shri Pramode Chandra Roy 70. Shri Barindra Nath Ghosh 71. Shri Dhirendra Nath Ghosh 72. Shri Ramani Ranjan Nag 73. Shri Adhir Kumar Bose (Since expired) 74. Shri Ajit Kumar Deb (Since retired) 75. Shri Krishan Mohan 76. Shri Jogesh Chandra Roy 77. Shri Jogesh Chandra Roy 78. Shri Manoranjan Roy (Since retired) 79. Smt. Ranu Rajagopalan 79. Smt. Banolata Majumdar 70. Shri Tulsi Charan Das 70. Shri Sushil Kumar Das 70. Shri Tulsi Charan Das 70. Shri Sushil Kumar Das 71. Shri Josesh Chandra Roy 72. Shri Manoranjan Roy 73. Shri Manoranjan Roy 74. Shri Jogesh Chandra Roy 75. Shri Krishan Mohan 76. Shri Jogesh Chandra Roy 77. Shri Jogesh Chandra Roy 78. Shri Manoranjan Roy 79. Smt. Ranu Rajagopalan 79.
3. Shri Prafulla Nath SANYAL 1st Mar. 1968 4. Shri Tirtha Prasad BAGCHI (Since retired) 1st Mar. 1968 5. Shri Kanai Lal MUKHERJEE 1st Mar. 1968 6. Shri Harl Pada CHATTERJEE 1st Mar. 1968 7. Shri Manindra Nath MOITRA (Since retired) 1st Mar. 1968 8. Shri Silananda BRAHMACHARI (Since retired) 1st Mar. 1968 9. Shri Pulin Behari GHOSH (Since retired) 1st Mar. 1968 10. Shri Satyabrata NAG 1st Mar. 1968 11. Shri Gopal Chandra Das GUPTA (Since retired) 1st Mar. 1968 12. Shr Timir Ranjan Dutta 1st Mar. 1968 13. Shri Amiya Ranjan Bose 1st Mar. 1968 14. Shri Nirmal Chandra Sengupta 1st Mar. 1968 15. Shri Bhupati Bhusan Biswas 1st Mar. 1968 16. Shri Santi Kumar Banerjee 1st Mar. 1968 17. Shri Rajeswar Mitra (Since retired) 1st Mar. 1968 18. Shri Kshirode Lal Sengupta 1st Mar. 1968 19. Shri Amarendra Nath Chaudhuri 1st Mar. 1968 20. Shri Pravash Kumar Mukherjee (Since retired) 1st Mar. 1968 21. Shri Krishan Lal Debnath 1st Mar. 1968 22. Shri Suresh Chandra Banerjee (Since retired) 1st Mar. 1968 23. Shri Kalipada Mukherjee (Since retired) 1st Mar. 1968 24. Shri S. Sivasankaran (Since retired) 1st Mar. 1968 25. Shri Narayan Das Chowdhury 1st Mar. 1968	57. Shri Ganesh Lal Ganguli (Since retired) 58. Shri Bibhuti Bhusan Chowdhury 59. Shri Kalika Prasad Sukul 60. Shri Santosh Kumar Sen 61. Shri Manik Lal Ganguli 62. Shri Ram Narayan Prasad Deo 63. Shri Nirmalaya Bhusan Chakraborty 64. Shri Sabitansu Prokash Goswami 65. Shri Parimal Chandra Bose (Since retired) 66. Shri Shiv Chandra Sarkar 67. Shri Benoy Bhusan Chowdhury 68. Shri Dilip Kumar Mitra 69. Shri Pramode Chandra Roy 70. Shri Barindra Nath Ghosh 71. Shri Dhirendra Nath Ghosh 72. Shri Ramani Ranjan Nag 73. Shri Adhir Kumar Bose (Since expired) 74. Shri Ajit Kumar Deb (Since retired) 75. Shri Krishan Mohan 76. Shri Jogesh Chandra Roy 77. Shri Jogesh Chandra Roy 78. Shri Manoranjan Roy (Since retired) 79. Smt. Ranu Rajagopalan 79.
3. Shri Prafulla Nath SANYAL. 1st Mar. 1968 4. Shri Tirtha Prasad BAGCHI (Since retired) 1st Mar. 1968 5. Shri Kanai Lal MUKHERJEE 1st Mar. 1968 6. Shri Harl Pada CHATTERJEE 1st Mar. 1968 7. Shri Manindra Nath MOITRA (Since retired) 1st Mar. 1968 8. Shri Silananda BRAHMACHARI (Since retired) 1st Mar. 1968 9. Shri Pulin Behari GHOSH (Since retired) 1st Mar. 1968 10. Shri Satyabrata NAG 1st Mar. 1968 11. Shri Gopal Chandra Das GUPTA (Since retired) 1st Mar. 1968 12. Shr Timir Ranjan Dutta 1st Mar. 1968 13. Shri Amiya Ranjan Bose 1st Mar. 1968 14. Shri Nirmal Chandra Sengupta 1st Mar. 1968 15. Shri Bhupati Bhusan Biswas 1st Mar. 1968 16. Shri Santi Kumar Banerjee 1st Mar. 1968 17. Shri Rajeswar Mitra (Since retired) 1st Mar. 1968 18. Shri Kshirode Lal Sengupta 1st Mar. 1968 19. Shri Amarendra Nath Chaudhuri 1st Mar. 1968 19. Shri Amarendra Nath Chaudhuri 1st Mar. 1968 20. Shri Pravash Kumar Mukherjee (Since retired) 1st Mar. 1968 21. Shri Krishan Lal Debnath 1st Mar. 1968 22. Shri Suresh Chandra Banerjee (Since retired) 1st Mar. 1968 23. Shri Kalipada Mukherjee (Since retired) 1st Mar. 1968 24. Shri S. Sivasankaran (Since retired) 1st Mar. 1968 25. Shri Narayan Das Chowdhury 1st Mar. 1968 26. Shri Subodh Chandra Chaudhury (Since	57. Shri Ganesh Lal Ganguli (Since retired) 58. Shri Bibhuti Bhusan Chowdhury 59. Shri Kalika Prasad Sukul 60. Shri Santosh Kumar Sen 61. Shri Manik Lal Ganguli 62. Shri Ram Narayan Prasad Deo 63. Shri Nirmalaya Bhusan Chakraborty 64. Shri Sabitansu Prokash Goswami 65. Shri Parimal Chandra Bose (Since retired) 66. Shri Shiv Chandra Sarkar 67. Shri Benoy Bhusan Chowdhury 68. Shri Dilip Kumar Mitra 69. Shri Pramode Chandra Roy 70. Shri Barindra Nath Ghosh 71. Shri Dhirendra Nath Ghosh 72. Shri Ramani Ranjan Nag 73. Shri Adhir Kumar Bose (Since expired) 74. Shri Ajit Kumar Deb (Since retired) 75. Shri Krishan Mohan 76. Shri Jogesh Chandra Roy 77. Shri Jogesh Chandra Roy 78. Shri Manoranjan Roy (Since retired) 79. Smt. Ranu Rajagopalan 79. Smt. Banolata Majumdar 70. Shri Tulsi Charan Das 70. Shri Sushil Kumar Das 70. Shri Tulsi Charan Das 70. Shri Sushil Kumar Das 71. Shri Josesh Chandra Roy 72. Shri Manoranjan Roy 73. Shri Manoranjan Roy 74. Shri Jogesh Chandra Roy 75. Shri Krishan Mohan 76. Shri Jogesh Chandra Roy 77. Shri Jogesh Chandra Roy 78. Shri Manoranjan Roy 79. Smt. Ranu Rajagopalan 79.
3. Shri Prafulla Nath SANYAL . 1st Mar. 1968 4. Shri Tirtha Prasad BAGCHI (Since retired) . 1st Mar. 1968 5. Shri Kanai Lal MUKHERJEE . 1st Mar. 1968 6. Shri Harl Pada CHATTERJEE . 1st Mar. 1968 7. Shri Manindra Nath MOITRA (Since retired) . 1st Mar. 1968 8. Shri Silananda BRAHMACHARI (Since retired) . 1st Mar. 1968 9. Shri Pulin Behari GHOSH (Since retired) 1st Mar. 1968 10. Shri Satyabrata NAG . 1st Mar. 1968 11. Shri Gopal Chandra Das GUPTA (Since retired) . 1st Mar. 1968 12. Shr Timir Ranjan Dutta . 1st Mar. 1968 13. Shri Amiya Ranjan Bose . 1st Mar. 1968 14. Shri Nirmal Chandra Sengupta . 1st Mar. 1968 15. Shri Bhupati Bhusan Biswas . 1st Mar. 1968 16. Shri Santi Kumar Banerjee . 1st Mar. 1968 17. Shrl Rajeswar Mitra (Since retried) . 1st Mar. 1968 18. Shri Kshirode Lal Sengupta . 1st Mar. 1968 19. Shri Amarendra Nath Chaudhuri . 1st Mar. 1968 19. Shri Amarendra Nath Chaudhuri . 1st Mar. 1968 20. Shri Pravash Kumar Mukherjee (Since retired) . 1st Mar. 1968 21. Shri Krishan Lal Debnath . 1st Mar. 1968 22. Shri Suresh Chandra Banerjee (Since retired) . 1st Mar. 1968 23. Shri Kalipada Mukherjee . 1st Mar. 1968 24. Shri S. Sivasankaran (Since retired) . 1st Mar. 1968 25. Shri Narayan Das Chowdhury . 1st Mar. 1968 26. Shri Subodh Chandra Chaudhury (Since retired) . 1st Mar. 1968	57. Shri Ganesh Lal Ganguli (Since retired) 58. Shri Bibhuti Bhusan Chowdhury 59. Shri Kalika Prasad Sukul 60. Shri Santosh Kumar Sen 61. Shri Manik Lal Ganguli 62. Shri Ram Narayan Prasad Deo 63. Shri Nirmalaya Bhusan Chakraborty 64. Shri Sabitansu Prokash Goswami 65. Shri Parimal Chandra Bose (Since retired) 66. Shri Shiv Chandra Sarkar 67. Shri Benoy Bhusan Chowdhury 68. Shri Dilip Kumar Mitra 69. Shri Pramode Chandra Roy 69. Shri Pramode Chandra Roy 70. Shri Barindra Nath Ghosh 71. Shri Dhirendra Nath Saha 72. Shri Ramani Ranjan Nag 73. Shri Adhir Kumar Bose (Since retired) 74. Shri Ajit Kumar Deb (Since retired) 75. Shri Krishan Mohan 76. Shri Jogesh Chandra Roy 77. Shri Jogesh Chandra Roy 78. Shri Manoranjan Roy (Since retired) 79. Smt. Ranu Rajagopalan 79
3. Shri Prafulla Nath SANYAL 1st Mar. 1968 4. Shri Tirtha Prasad BAGCHI (Since retired) 1st Mar. 1968 5. Shri Kanai Lal MUKHERJEE 1st Mar. 1968 6. Shri Harl Pada CHATTERJEE 1st Mar. 1968 7. Shri Manindra Nath MOITRA (Since retired) 1st Mar. 1968 8. Shri Silananda BRAHMACHARI (Since retired) 1st Mar. 1968 9. Shri Pulin Behari GHOSH (Since retired) 1st Mar. 1968 10. Shri Satyabrata NAG 1st Mar. 1968 11. Shri Gopal Chandra Das GUPTA (Since retired) 1st Mar. 1968 12. Shr Timir Ranjan Dutta 1st Mar. 1968 13. Shri Amiya Ranjan Bose 1st Mar. 1968 14. Shri Nirmal Chandra Sengupta 1st Mar. 1968 15. Shri Bhupati Bhusan Biswas 1st Mar. 1968 16. Shri Santi Kumar Banerjee 1st Mar. 1968 17. Shri Rajeswar Mitra (Since retired) 1st Mar. 1968 18. Shri Kshirode Lal Sengupta 1st Mar. 1968 19. Shri Amarendra Nath Chaudhuri 1st Mar. 1968 19. Shri Amarendra Nath Chaudhuri 1st Mar. 1968 20. Shri Pravash Kumar Mukherjee (Since retired) 1st Mar. 1968 21. Shri Krishan Lal Debnath 1st Mar. 1968 22. Shri Suresh Chandra Banerjee (Since retired) 1st Mar. 1968 23. Shri Kalipada Mukherjee 1st Mar. 1968 24. Shri S. Sivasankaran (Since retired) 1st Mar. 1968 25. Shri Narayan Das Chowdhury 1st Mar. 1968 26. Shri Subodh Chandra Chaudhuri 1st Mar. 1968	57. Shri Ganesh Lal Ganguli (Since retired) 58. Shri Bibhuti Bhusan Chowdhury 59. Shri Kalika Prasad Sukul 60. Shri Santosh Kumar Sen 61. Shri Manik Lal Ganguli 62. Shri Ram Narayan Prasad Deo 63. Shri Nirmalaya Bhusan Chakraborty 64. Shri Sabitansu Prokash Goswami 65. Shri Parimal Chandra Bose (Since retired) 66. Shri Shiv Chandra Sarkar 67. Shri Benoy Bhusan Chowdhury 68. Shri Dilip Kumar Mitra 69. Shri Dilip Kumar Mitra 69. Shri Parimade Chandra Roy 70. Shri Barindra Nath Ghosh 71. Shri Dhirendra Nath Saha 72. Shri Adhir Kumar Bose (Since expired) 73. Shri Adhir Kumar Bose (Since expired) 74. Shri Ajit Kumar Deb (Since expired) 75. Shri Krishan Mohan 76. Shri Jogesh Chandra Roy 77. Shri Jogesh Chandra Roy 78. Shri Manoranjan Roy (Since retired) 79. Smt. Ranu Rajagopalan 79. Smt. Ranu

91. Shri Rabindra Nath Hazra	,	2nd Jan. 1975
92. Shri Priya Gopal Goswami		29th May, 1975
93. Sh ri Amiya Kumar Basu .		29th May 1975
94. Shri Sisir Kumar Chakravorty		1st Sep. 1975
95. Shri Biswa Ranjan Gupta .		3rd Oct. 1975
96. Shri Lakshmi Narayan Samanta		4th Nov. 1975
		4h Nov. 1975
98. Shri Dilip Sen		4th Nov. 1975

No. 15/76/G.—The D.G.O.F. is pleased to appoint the undermentioned Offg. Assistants to the grade of Assistant Staff Officer (Class II, Gazetted) in an offg. capacity on ad hoc basis for the period indicated against each:—

- 1. Shri Surendra Nath Biswas-From 13th June 1975 to 26th January 1976.
- Shri Amal Kumar Saha—From 1st August 1975 to 26th January 1976.

No. 14/76/G.—The D.G.O.F. is pleased to appoint Shri Vaidyanatha Natarajan, Offg. P.S. to DGOF to the grade of Stenographer (Selection Grade)/P.S. to DGOF (Class II Gazetted post) in an offg. capacity, with effect from 9th March, 1970 until further orders. (This Dtc. Genl. Notification No. 10/73/C dt. 31st March, 1973 is hereby cancelled.)

M. P. R. PILLAI Asstt. Director-General Ordnance Factories

MINISTRY OF LABOUR

MICA MINES LABOUR WELFARE FUND, BIHAR

Karma, the 30th October 1975

No. Mica-4(37)/75.—Shri S. P. Garga, Overseer, Coal Mines Labour Welfare Organisation, has been appointed as Assistant Engineer, Mica Mines Labour Welfare Organisation, Bihar on ad hoc basis with effect from 20th September 1975 (F.N.) till further orders.

R. P. SINHA Welfare Commissioner, Mica Mines Labour Welfare Fund, Bihar, Karma

COAL MINES LABOUR WELFARE ORGANISATION Jagjivan Nagar, the 10th February 1976

No. ADM.12(4)72.—Shri K. K. Mukherjee, Assistant Secretary to the Coal Mines Welfare Commissioner, Dhanbad has been appointed as Welfare Administrator, Central Office, Dhanbad for UNFPA Project on ad hoc basis with effect from 19-1-1976 (forenoon).

R. P. SINHA
Coal Mines Welfare Commissioner
Dhanbad

MINISTRY OF COMMERCE

OFFICE OF THE JT. CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL
(ESTABLISHMENT)

New Delhi, the 19th February 1976

No. 6/1114/76-Adm(G)/1258.—The President is pleased to appoint Shri U. C. Chohan, a permanent Stenographer in the Grade II of the CSSS as Senior Personal Assistant (Grade I of the CSSS) in this office with effect from 1-1-1976 (forenoon) until further orders.

The 24th February 1976

No. 6/521/58-Admn(G)/1398.—The President is pleased to retire Shri M. M. Sanghi, a permanent officer of the Section Officer's Grade of the CSS and Controller of Imports and Export (CSS) in this office from Government service with effect from 20-12-1975 (forenoon) under clause (j) of rule 56 of the Fundamental Rules.

P. K. KAUL Chief Controller of Imports & Exports

ORDER

Madras-600001, the 14th October 1975

the 4th February 1976

SUBJECT:—Cancellation of Customs Copy of Licence No. PL 2734305/C/XX/56/M/39-40/P.1.1 dated 8-2-75 issued in favour of Central Silk Board, Bombay with letter of Authority in favour of M/s. Radha Silk Emporium No. 1, Sannadhi Street. Mylapore, Madras-4.

The above mentioned licence was issued in favour of the Central Silk Board, Bombay with letter of Authority in the name of M/s. Radha Silk Emporium (P) Ltd., 1, Sannadhi St., Mylapore, Madras-1, for the import of the Silk.

The firm applied for grant of duplicate Customs purpose copy of the above mentioned licence in the ground that the original licence was lost. It has been stated that the licence was not utilised by them for the balance amount of Rs. 1,07,467/- in support of their claim M/s. Radha Silk Emporium (P) Ltd., Mylapore, Madras-4 have filed affidavit.

I am satisfied that the original Customs Copy of the licence has been lost and direct that a duplicate Customs Copy of the licence should be issued to the applicant. The original Customs copy of the licence mentioned above is cancelled.

(Issued from file No. NSF/6/JS74/EPC.III)

M. F. R. BIJLI

Dy. Chief Controller of Imports & Exports for Jt. Chief Controller of Imports and Exports

OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER

Bombay-400020, the 19th February 1976

No. EST.I-2(615)/425.—The President is pleased to appoint with effect from the forenoon of the 12th December, 1975 and until further orders Shri S. Ravindran, Assistant Director, Grade II (P&D) in the Weavers' Service Centre, Bombay, as Assistant Director, Grade I (P&D) in the same centre.

R. P. KAPOOR Textile Commissioner

Bombay-400020, the 18th February 1976

No. EST.I-2(657).—The Textile Commissioner is pleased to appoint with effect from the forenoon of the 20th January, 1976 and until further orders Shri J. P. Tyagi, Enforcement Inspector (Technical) in the Regional Office of the Textile Commissioner, Bombay as Assistant Director, Grade-II (Non-Technical) in the same office.

C. R. NEELAKANTAN Deputy Director

DEPARTMENT OF SUPPLY

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS (ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi-1, the 17th February 1976

No. A-1/1(825).—Shri M. D. Nayar permanent Superintendent and officiating as Assistant Director (Grade II) in the office of the Director of Supplies (Textiles) Bombay retired from Government service with effect from the afternoon of 31st January, 1976 on attaining the age of superannuation (58 years).

The 20th February 1976

No. A-1/1(1013).—The Director General of Supplies & Disposals, New Delhi hereby appoints Shri N. L. Parameswaran, Dock Inspector in the office of the Director of Supplies & Disposals, Bombay to officiate on ad-hoc basis as Assistant Director (Grade II) in the same office at Bombay with effect from the forenoon of 2nd February, 1976 and until further orders.

2. The appointment of Shri Parameswaran as Asstt. Director (Grade II) is temporary and subject to the result of Civil Writ Petition No. 739/71 filed by Shri M. Kuppuswamy in the High Court of Delhi.

Deputy Director (Administration)
for Director General of Supplies & Disposals

New Delhi, the 18th February 1976 (ADMINISTRATION SECTION A-6)

No. A-6/247(398)/62-II.—Shri G. R. Bhatia Deputy Director of Inspection in the Engineering Branch of Grade II of the Indian Inspection Service, Class I in the Northern Inspection Circle New Delhi under the Directorate General of Supplies and Disposals retired from Govt. Service in the afternoon of the 31st January 1976 on attaining the age of superannuation.

The 20th February 1976

No. A-6/247(291)/73.—Shri S. K. Taraphdar, permanent Examiner of Stores and Officiating Asstt. Inspecting Officer (Engg.) in the Calcutta Inspection Circle of this Directorate General of Supplies and Disposals has been retired from Govt. service on 31-12-1975 (A.N.) under F.R. 56(j).

The 21st February 1976

No. A-6/247(149)/56.—Shri H. K. Ghosh permanent Examiner of Stores and officiating Asstt. Inspecting Officer (Engg), in the Calcutta Inspection Circle of this Directorate General of Supplies and Disposals has been retired from Govt, Service on 31-1-76 (AN) under F.R. 56(j).

No. A6/247(125)/58/III.—Shri Debabrata Chaudhury Inspecting Officer in the Engineering Branch of grade III of the Indian Inspection Service, Class I in the office of the Director of Inspection, Calcutta under the Directorate General of Supplies and Disposals New Delhi retired from Govt, Service in the afternoon of the 31st January 1976 on attaining the age of Superannuation (i.e. 58 years).

No. A-6/247(509)/65.—Shri B. B. Mitra, Inspecting Officer in the Engineering Branch of Grade III of the Indian Inspection Service, Class I in the office of the Director of Inspection, Calcutta under the Directorate General of Supplies and Disposals New Delhi retired from Govt. service from the afternoon of the 31st January 1976 on attaining the age of Superannuation.

SURYA PRAKASH
Dy, Director (Administration)
for Director General of Supplies and Disposals

(DEPARTMENT OF SUPPLY)

OFFICE OF THE CHIEF PAY & ACCOUNTS OFFICER

New Delhi, the 11th February 1976

No. A-32014/75-76/Admn(CDN)/5627-429,—The Chief Pay and Accounts Officer Department of Supply & Rehabilitation and Ministry of Food & Agriculture New Delhi has appointed Shri O. P. Sharma, Section Officer (Pay & Accounts) of his Organisation to officiate as Pay & Accounts Officer in the office of the Dy. Chief Pay & Accounts Officer, Department of Supply, New Delhi with effect from the forenoon of 30-1-1976 till further orders.

This promotion is without prejudice to the rights and claims of his seniors in the panel.

This promotion is subject to the conditions laid down in the Chief Pay & Accounts Officer's Organisation (Pay & Accounts Officer) Recruitment Rules, 1974.

ARUNA MAKHAN
Dy. Chief Pay & Accounts Officer

SURVEY OF INDIA

SURVEYOR GENERAL'S OFFICE

Dehra Dun, the 20th February 1976

No. I:1-5047/1117-LPR.—The Surveyor General of India is pleased to retire Shri Hari Dev, Registrar of the Surveyor General's Office, Survey of India, Dehra Dun from the Government Service on superannuation with effect from 31st January, 1976 (A.N.).

No. E1-5048/1117-LPR.—The Surveyor General of India is pleased to retire Shri B. R. Pant, Establishment & Accounts Officer of the Map Record & Issue Officer (M.P.), Survey of

India Dehra Dun from the Government Service on superannuation with effect from 30th November, 1975 (A.N.).

D. P. GUPTA Major Engrs. Assistant Surveyor General

DIRECTORATE GENERAL, ALL INDIA RADIO New Delhi, the 12th February 1976

No. 2/12/75-SIII.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri L. D. Sharma, S.E.A., All India Radio, Jodhpur to officiate in the grade of Assistant Engineer on ackhoc basis with effect from 12-1-76 (F.N.) at All India Radio, Jammu until further orders,

HARJIT SINGH Deputy Director of Admn., for Director General

CORRIGENDUM

New Delhi, the 18th February 1976

No. A.31014/1/74-SVI.—In this Directorate's Notification No. A-31014/1/74-SVI (Vol. III) dated 4-12-75 the following corrections may please be made:—

Against S. No. 39, read Shri S. Satyanarayana for Shri S. Satyabhama.

Against S. No. 73 read Shri B. M. Mathew, for Shri B. N. Mathew.

Against S. No. 75 read Shri M. N. Athavale, for Shri M. N. Athavalu,

P. K. SINHA Deputy Director of Administration for Director General

New Delhi, the 19th February 1976

No. 2/37/60-SII.—Director General, All India Radio, is pleased to appoint Shri R. P. Saxena, Administrative Officer, All India Radio, Lucknow to officiate as Sr. Administrative Officer, Television Centre, All India Radio, Lucknow on ad hoc basis with effect from 9th December 1975 (F.N.).

The 23rd February 1976

No. 10/49/61-SII.—Director General, All India Radio, is pleased to appoint Shri P. Mohd. Sr. Accountant, Central Sales Unit, All India Radio, Bombay to officiate as Administrative Officer, Radio Kashmir, Srinagar on an ad hoc basis with effect from 27th January 1976 (forenoon).

2. Shri Mohd, passed away on 3-2-1976

I. S. PANDHI Section Officer, for Director General.

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING (DIRECTORATE OF ADVERTISING & VISUAL PUBLICITY)

New Delhi-1, the 19th February 1976

No. A-19012/2/74-Est.II.—The Director of Advertising and Visual Publicity hereby appoints Shri N. N. Bahl, to officiate as Field Exhibition Officer in this Directorate on regular basis with effect from 4th February, 1976 (forenoon), until further orders.

R. L. JAIN
Deputy Director (Admn.),
for Director of Advertising & Visual Publicity

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 19th February 1976

No 9-15/75-Admn.1,—The Director General of Health Services is pleased to appoint Smt. Mehar Sultana Zafar in a substantive capacity to the permanent post of Lecturer in lenglish at the Rajkumari Amrit Kaur College of Nursing, New Delhi with effect from the 22nd April, 1972.

No. 11-2/75-Admn.I.—Shri S. Srinivasan relinquished charge of the post of Director of Administration and Vigilance in the Directorate General of Health Services on the afternoon of 31st January, 1976

No. A-12022/1/76-(CSSS)/Admn.-I.—The President is pleased to appoint Shri D. N. Dhingra, a Grade II Stenographer belonging to the Cadre of the Ministry of Health & Family Planning, to the post of Senior Personal Assistant (Grade I of the Central Secretariat Stenographers' Service) in the Directorate General of Health Services, with effect from the forenoon of the 9th February, 1976, until further orders.

S. P. JINDAL. Dy. Driector Administration.

DELHI MILK SCHEME

New Delhi-8, the 20th February 1976

No. 5-2/75-Estt. (Spl.).—Shri S. C. Suri, Dairy Supervisor/Assistant Manager is appointed to officiate as Manager, Milk Collection & Chilling Centre/Section Manager (Class II Gazetted) on a purely ad hoc and temporary basis under the Delhi Milk Scheme with effect from 22nd October 1975 for a period not exceeding 6 months, or till alternative regular arrangements are made, whichever is earlier.

A. MOHAN LAL, Chairman.

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY (HEAVY WATER PROJECTS)

Bombay-400008, the 29th January 1976

Ref. No. HWPs/Estt./1/M-13/1013.—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri Achyut Mukund Vaidya, a permanent Assistant Accountant and officiating Assistant Accounts Officer of Bhabha Atomic Research Centre now on deputation to Heavy Water Projects (Central Office) in the same grade. to officiate as Accounts Officer II in Heavy Water Project (Tuticorin) from December 1, 1975 (FN) to December 31, 1975 (AN), vice Shri K. K. Gopalakrishnan, Accounts Officer II, granted leave.

The 17th February 1976

Ref. No. HWPs/Estt./1/S-25/1014.—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri Shivputra Revappa Shidlyali, a permanent Lower Division Clerk and officiating Assistant Accountant of Bhabha Atomic Research Centre now on deputation to Heavy Water Project (Kota) in the same grade, to officiate as Assistant Accounts Officer in Heavy Water Project (Kota) for a period of 120 days w.e.f. January 16, 1976 or till such time a regular Assistant Accounts Officer is posted to Heavy Water Project (Kota), whichever is earlier.

Ref. No. HWPs/Estt/1/M-13/1013,—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri Vasant Krishna Mahagaonkar, a permanent Upper Division Clerk of Bhabha Atomic Research Centre and officiating Assistant Accountant of Heavy Water Projects (Central Office) to officiate a sassistant Accounts Officer in the same office from January 31, 1976 to March 19, 1976 vice Shri A. M. Vaidya, Assistant Accounts Officer, granted leave.

T. C. SATHYAKEERTHY, Senior Administrative Officer.

MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION (INDIA MÉTEOROLOGICAL DEPARTMENT)

New Delhi-3, the 13th February 1976

No. E(I)-03768.—On attaining the age of superannuation. Shri M. M. Wadhwani, Officiating Assistant Meteorologist, Office of the Dy. Director General of Observatories (Climatology & Geophysics), Poona retired from Government service with effect from the afternoon of 31st December, 1975.

No. E(1)/04202.—On attaining the age of superannuation, Shii G. Appa Rao. Officiating Assistant Meteorologist, Head-quarters office of the Director General of Observatories, New Delhi retired from Government service with effect from the afternoon of 31st January 1976.

No. E(1)/06680.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri R. C. Dube, Professional Assistant, office of the Director, Agricultural Meteorology. Poona as Assistant Meteorologist in an officiating capacity for a period of eighty-nine days with effect from the forenoon of 1st January 1976 to 29th March 1976.

Shri Dube, Officiating Assistant Meteorologist remains posted to the office of the Director, Agrimet, Poona.

M. R. N. MANIAN
Meteorologist
for Director General of Observatories.

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 5th February 1976

No. A. 31014/1/75-EC—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint the following eighteen officers in a substantive capacity in the grade of Assistant Communication Officer in the Aeronautical Communication Organisation of the Civil Aviation Department with effect, from the 1st February, 1976:—

- 1. Shri B. B. Dutta
- 2. Shri Ramji Singh
- 3. Shri A. K. Narayanan
- 4. Shri J. S. Vedi
- 5. Shri S. K. Sen
- 6. Shri K. C. Sengupta
- 7. Shri B. K. Roy
- 8. Shri P. I. Idicula
- 9. Shri Mohd. Ali
- 10. Shri Madhu S. Menon
- 11. Shri H. Deb
- 12. Shri K. S. Chopra
- 13. Shri K. M. Mathew
- 14. Shri S. Madhu
- 15. Shri R. K. Mitra
- 16. Shri S. S. Gill
- 17. Shri K. Swaminathan
- 18. Shri S. Govindarajan

The 17th February 1976

No. A-32013/14/75-EC.—In continuation of this Department notification No. A-32013/14/75-EC, dated the 20th October, 1975, read with this Department notification of even number dated the 15th November, 1975, the President is pleased to extend the promotion of Shri P. Paulose as Communication Officer on an ad hoc basis upto the 30th April, 1976 or till the posts are filled on a regular basis, whichever is earlier.

In continuation of this Department notification No. A-32013/6/72-EC, dated the 9/10th January, 1975, the President is also pleased to extend the ad hoc promotion of Shri R, H. Subramaniam as Communication Officer in the CAD upto the 30th April, 1976, or till the post is filled up on a regular basis, whichever is earlier.

The 19th February 1976

No. A-32014/1/75-EC.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri Saibala Gupta, Communication Assistant, Aeronautical Communication Station. Calcutta as Assistant Communication Officer with effect from the 24th January, 1976 and post him at the same station.

H. L, KOHLI
Deputy Director of Administration
for Director General of Civil Aviation

New Delhi, the 19th February 1976

No. A-32013/4/75-EC.—The President is pleased to appoint Shri T. R. Seshadri, Assistant Technical Officer, Aeronautical Communication Station, Bombay as Technical Officer with effect from the 31st January 1976 (FN) on regular basis and until further orders and to post him in the office of the Regional Director, Bombay Region, Bombay Airport, Bombay.

No. A-39012/1/75-EC.—The President is pleased to accept the resignation of Shri Mohinder Kumar Seth, Technical Officer in the office of the Director, Radio Construction and Development Units, Safdarjung Airport, New Delhi with effect from the 5th February 1976 (A.N.).

The 23rd February 1976

No. A-38013/1/75-EC.—Shri C. L. Magoo, Assistant Communication Officer in the office of the Controller of Communication, Aeronautical Communication Station, Safdarjung Airport, New Delhi relinquished charge of his office on the 31st January 1976 (AN) on retirement from Government service on attaining the age of superannuation.

H. L. KOHLI Dy. Director (Administration)

New Delhi-110022, the 18th February 1976

No. A-19014/85/72-E(H).—On attaining the age of superannuation, Shri S, K, Ganguly relinquished charge of the office of the Director of Aeronautical Communcations in the Clvil Aviation Department and retired from Government service on the afternoon of the 31st January, 1976.

T. S. SRINIVASAN Assistant Director of Administration.

New Delhi, the 20th February 1976

No. A-12032/5/75-EA.—Shri G. S. Batura, Assistant Aerodrome Officer, Safdarjung Airport New Delhi resigned from Government service with effect from the 29th December, 1975 (A.N.).

C. K. VATSA Assistant Director of Administration.

COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE & CUSTOMS

Patna, the 10th February 1976

C. No. II(7)5-ET/75/1589.—In pursuance of this office Estt. order No. 442/75 dated 6-12-75 issued under endt. C. No. II(3)43-ET/73/Loose/73256-84 dated 9-12-75, appointing Sri Biswa Nath Pd. Sinha, Inspector (S.G.) of Central Excise and Customs to officiate as Superintendent of Central Excise Class-II in the scale of Rs, 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- plus usual allowances as admissible under rules, Sri Biswa Nath Pd. Sinha assumed charge as Superintendent (Prev) Central Excise, Dhanbad in the fore-noon of 1-1-76.

The 20th February 1976

C. No. II(7)5-ET/75/1788.—In pursuance of this office Estt. order No. 410/75 dated 4-11-75 issued under endt. C. No. II(3)43-ET/73/Loose/163725-47 dated 5-11-75, appointing Two Inspectors (S.G) of Central Excise to officiate as Superintendent of Central Excise Class-II in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- plus usual allowances as admissible under rules, Sri Bhudeo Narain Jha assumed charge as Superintendent Central Excise, Barkipur Range in the forenoon on 12-1-1976.

H. N. SAHU, Collector.

Allahabad, the 18th February 1976

No. 11/1976.—Shri Baij Nath Prasad Officiating Administrative Officer (Hdqrs) of Central Excise posted in

the Central Excise Collectorate Hdqrs. Office, Allahabad handed over the charge of the office of the Administrative Officer (Hdqrs) of Central Excise Collectorate Hdqrs. Office, Allahabad on 31-1-1976 (Afternoon) to Shri D. K. Saxena, Assistant Chief Accounts Officer of Central Excise Collectorate Hdqrs. Office, Allahabad and retired from Government Service with effect from the said date and hours.

H. B. DASS, Collector.

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-22, the 19th February 1976

No. A-32012/9/75-Adm.V.—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee Class-II), the Chairman, Central Water Commission, is pleased to appoint Shri C. G. Deshpande, Research Assistant, to the post of Assistant Research Officer (Engineering) at the Central Water and Power Research Station, Poona in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200, on regular basis, in an officiating capacity, until further orders, with effect from the date and time he takes over charge of the above post.

2. The above officer will be on probation in the cadre of Assistant Research Officer (Engineering). Central Water and Power Research Station, Poona for a period of two years, from the date of taking over charge of the above post.

K. P. B. MENON, Under Secy. for Chairman, C. W. Commission.

CENTRAL GROUND WATER BOARD

Faridabad, the 8th January 1976

No. 3-307/73-CH(Estt).—The resignation tendered by Dr. L. Venkataratnam. Assistant Soil Chemist, Central Ground Water Board North Western Region, Chandigarh has been accepted w.e.f. 28-11-75 (A.N.).

The 18th February 1976

No. 3-294/73-CH (Estt.).—The resignation tendered by Shri R. S. Lihipaude, Assistant Hydrogeologist, Central Ground Water Board, Dist. Unit Trivandrum vide his letter No. RSL/R-JMS/CGWB/75-2 dated 15-12-75 has been accepted w.e.f. 19-1-76 (A.N.).

D. S. DESHMUKH Chief Hydrogeologist & Member

N.H.IV, Faridabad, the 19th February 1976

No. 3-420/75-CH(Estt),—Shri J. K. Varma is hereby appointed to the post of Assistant Hydrogeologist GCS Class II (gazetted) in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—FB—35—880—40—1000—EB—40—1200 on temporary basis in the Central Ground Water Board with his headquarter at Gauhati w.e.f. 20-1-1976 (F.N.) till further orders.

No. 3-414/75-C.H.(Estt.).—Dr. Atma Ram Pandey is hereby appointed to the post of Assistant Hydrogeologist, G.C.S. Class-II (Gazetted) in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 on temporary basis in the Central Ground Water Board with his headquarter at Abmedabad w.e.f. 22-11-1975 (F.N.) till further orders.

No. 3-411/75-C.H.(Estt.).—Shri A. K. Misra is hereby appointed to the post of Assistant Hydrogeologist G.C.S. Class—II (Gazetted) in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 on temporary basis in the Central Ground Water Board with his headquarter at Calcutta w.e.f. 30-12-1975 (F.N.) till further orders.

B. K. BAWEJA Chief Hydrogeologist & Member

INTEGRAL COACH FACTORY

Madras-38, the 23rd February 1976

No. PB/GG/9/Misc.II.—Sri M. D. KHAJA MOHIDEEN, Chief Design Assistant (Class III) has been promoted to officiate in Class II service as Assistant Mechanical Engineer/Jig & Tool on ad hoc basis from 16-1-76 to 7-2-1976.

Sri S. SANKARALINGAM, Officiating Works
Electrical (S.S.) (ad hoc) has been reverted to as temporary
Assistant Electrical Engineer/Construction from 24-1-1976

Sri P. R. NARAYANAN, Officiating Production Englneer/ Progress/Furnishing (S.S.) (ad hoc) has been reverted to Class II service from 7-2-1976 A.N.

> S. SUBRAMANIAN Deputy Chief Personnel Officer for General Manager

NORTHERN RAILWAY HEADQUARTERS OFFICE

New Delhi, the 18th February 1976

No. 4-The following Assistant Medical Officers who stand confirmed provisionally in Class II Service w.c.f. 1-1-1966 in terms of Northern Railway Notification No. 142 dated 18-9-71 circulated under endorsement No. 752E/104-II (Eia), dated 24-9-1971 are confirmed finally as Assistant Medical Officers in Class II service with effect from the same date:-

- 1. Dr. G. C. Chandra
- 2. Dr. J. C. Saluja
- 3. Dr. D. N. Chakravarty.
- 4. Dr. R. C. Mitra
- 5. Dr. S. K. Ganguly
- 6. Dr. D. R. Rao
- 7. Dr. A. N. Bose
- 8. Dr. Manoranjan Sen
- 9. Dr. S. D. N. Sinha
- 10. Dr. S. C. P. Verma
- 11. Dr. J. N. Mehta.
- 12. Dr. P. C. Chakravarty
- 13. Dr. P. D. Chatterjee
- 14. Dr. K. L. Mukherjee
- 15. Dr. S. G. Basu
- 16. Dr. B. Jha
- 17. Dr. S R. Chakravarty
- 18. Dr. A. Ghosh
- 19. Dr. N. N. Basu
- 20. Dr. D. D. Banerjee
- 21. Dr. Sukumar Mandal
- 22. Dr. K. C. Suthradhar
- 23. Dr. K. C. Das Gupta.
- 24. Dr. B. K. Chandra
- 25. Dr. K. C. Modak.
- 26. Dr. Arun Kumar
- 27. Dr. S. P. Basu
- 28. Dr. Nirpdda Santra
- 29. Dr. (Mrs) S. Srivastava
- 30. Dr. N. N. Mathur
- 31. Dr. J. S. Khalsa
- 32. Dr. N. K. Verma
- 33. Dr. V. P. Jain
- 34. Dr. S. N. P. Agarwal
- 35. Dr. C. M. Mukherjee
- 36. Dr. S. Raut
- 37. Dr. M. N. Gauri
- 38. Dr. S. Dey
- 39. Dr. M. L. Khan
- 40. Dr. M. M. Chaberia
- 41. Dr. A. K. Ghosh
- 42. Dr. G. S. Saxena
- 43. Dr. O. P. Goel,
- 44. Dr. R. P. Mathur
- 45. Dr. N. K. Kohli
- 46. Dr. S. C. Srivastava
- 47. Dr. J. P. Singh
- 48. Dr. K. N. Gupta 49. Dr. Prem Prakash
- 17-506GI/75

- 50. Dr. Shamshad Ali
- 51. Dr. S. N. Aggarwal
- 52. Dr. (Mrs) M. I. Khan
- Dr. L. R. Munjial
- 54. Dr. V. K. Sanadhya
- 55. Dr. S. P. Kholi
- 56. Dr. S. P. Ahuja
- 57. Dr. D. B. Ghosh
- 58. Dr. O. P. Mittal
- 59. Dr. A. P. Arora
- 60. Dr. (Mrs) S. Saluja
- 61. Dr. H. P. Rajmalani
- 62. Dr. A. K. Jolly.
- 63. Dr. S. S. S. Singhal
- 64. Dr. T. N. Mehrotra
- 65. Dr. M. L. Dewan
- 66. Dr. M. B. Singh
- 67. Dr. M. C. Gupta
- 68. Dr. Usha Goel
- 69. Dr. S. M. Govil
- 70. Dr. Kulwant Rai
- 71. Dr. V. K. Verma
- 72. Dr. K. G. Misra
- 73. Dr. Y. Man Singh
- 74. Dr. S. Malhotra
- 75. Dr. Rajindra Pal 76. Dr. Raj Kumar
- 77. Dr. S. N. Srivastava
- 78. Dr. (Mrs) K. Rajkumar
- 79. Dr. (Mrs.) Santosh Sharma
- 80. Dr. S. C. Gupta
- 81. Dr. R. N. Mathur
- 82. Dr. A. K. Bose
- 83. Dr. (Mrs) L. D. Tahiliani
- 84. Dr. Ram Devnani
- 85. Dr. O. P. Sharma
- 86. Dr. S. K. Kapoor
- 87. Dr. Jagdish Raj
- 88. Dr. R. N. Sharma
- 89. Dr. B. P. Srivastava 90. Dr. J. S. Bathla
- 91. Dr. R. K. Goswami
- 92. Dr. Shashi Verma
- 93. Dr. (Mrs.) C. J. Garg 94. Dr. (Mrs.) Rashmi Goyal,

In addition, the following doctors are confirmed provisionally as Asstt. Medical Officers in Class II service on this Railway from the dates shown against each:-

Sl. No.	Name of doctor			Date from which n firm-
				ed provisionally
1. D	r, Chiman Lal	·	 	. 15-8-1973
	r. M. M. Bancrjee	٠		. 1-4-1973
			 	V. P. SAWHNEY General Manager

DEPARTMENT OF COMPANIES AFFAIRS COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956, and of Mehar Publications (Andhra) Private Limited

Hyderabad, the 17th February 1976

No. 524/T (560).—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Mehar Publications (Andhra) Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of Citrus Products Private Limited

Hyderabad, the 17th February 1976

No. 1162/560/T.—Notice is hereby given pursuant to subsection (3) of Section 560 of the Companies Act 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Citrus Products Private Limited, unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

Registrar of Companies Andhra Pradesh

In the matter of the Companies Act, 1956, and of Nellai Venus Limited (In Liquidation)

Madras-600006, the 13th February 1976

No. 1919/5-560(5)/Liqn/75.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act 1956 that the name of Nellai Venus Limited (In Liquidation) has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

> (Sd/-) ILLEGIBLE Additional Registrar of Companies Madras

In the matter of the Companies Act, 1956, and of M/s. Narkatlagan Sugar Mills Limited

Bombay, the 21st February 1976

No. 16454/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Narkatiaganj Sugar Mills Limited un-less cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

> S. NARAYANAN Addl. Registrar of Companies Maharashtra, Bombay

In the matter of the Companies Act, 1956, and of M/s. Bharatpur Dairy Private Limited

Jaipur, the 23rd February 1976

No. Stat/1198.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Bharatpur Dairy Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of M/s. Agarwal Agro Industrial Manufacturers Private Limited

Jaipur, the 23rd February 1976

No. Stat/1341.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Agarwal Agro Industrial Manufacturers Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off company will be dissolved.

> R. D. KUREEL Registrar of Companies Rajasthan, Jaipur

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX New Delhi, the 19th February 1976 INCOME-TAX

No. JUR-D.L.I./II/75-76/40753-In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 124 of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) and in modification of all provious orders/ notifications on the subject, the Commissioner of Income-tax, Delhi-II, New Delhi hereby directs that the Income-tax officers mentioned in Column 2 of the Schedule herein below shall

perform their functions in respect or persons of classes of persons, incomes or classes of income and cases or classes of cases specified in Column 3 of the said schedule other than the persons or classes of persons, income or classes of income and cases or classes of cases which have been assigned or may hereafter be assigned u/s 127 of the said act to any other Income-tax officer

S. Designation of the ITO Inrisdiction No. 1. 2 3

- 1. Income-tax officer, Contractors Circle, Ward-A, New Delhi.
 - (a) All persons or classes of person incomes or classes of income and cases or classes of cases falling within the jurisdiction of the Income-tax officer, Contractors Circle, Delhi whose name begin with any of the alphabets from A to M (both inclusive.)
 - (b) All persons being ners of firms falling in item (a) above.
- 2. Income-tax officer, Contrac- (a) All persons or classes of tors Circle, Ward-B, New Delhi
- persons incomes or classes of income and cases or classes of cases falling within the jurisdiction of the Income-tax officer, Contractors Circle, Delhi whose names begin with any of the alphabets from N to Z (both inclusive.)
 - (b) All persons being partners of firms falling in item (a) above.
- tors Circle, Ward-C, New Delhi.

3. Income-tax officer, Contac- All persons or classes of persons incomes or classes income and cases or classes of cases which are assigned u/s 127 of the Income-tax Act. 1961,

4. Income-tax officer, Contractors Circle, Ward-D, New Delhi.

All persons or classes of person incomes or classes of income and cases or classes of cases wheih are assigned u/s 127 of the Incometax Act, 1961.

5. Income-tax officer, Contractors Circle Ward-E, New Delhi.

All persons or classes of persons incomes or classes of income and cases Of classes of cases which are assigned u/s 127 of the income-tax Act, 1961.

This notification shall take effect from 20-2-1976.

No. JUR-DLI/II/75-76/40662.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 124 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and of all other powers enabling him in this behalf, the Commissioner of Income-tax Delhi-II, Delhi hereby directs that the following new wards, shall be created in the Contractors' Circle, Delhi.

1. Contractors' Circle, Ward-E, New Delhi. This order shall come into force w.e.f. 20-2-76.

> JAGDISH CHAND Commissioner of Income-tax Delhi-II, New Delhi

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE, AMRITSAR.

Amritsar, the 21st February 1976

Ref. No. ABR/263/75-76—Whereas, I. V. R. SAGAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 50 situated at Gali No. 10, New Abadi Alamgarh,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Abohar in July, 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Kapoor Singh, Gurdev Singh ss/o Shri Sher Singh S/o Shri Dial Singh R/o Giddarwali Teh. Fazilka,

(Transferor)

(2) Shri Sohan Lal S/o Shri Arjan Dass S/o Shri Tota Ram R/o Gali No. 10, Nai Abadi Abohar.

(Transferce)

- (3) As at S. No. 2 above and tenant(s) if any. [Person(s) in occupation of the property].
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 50, Gall No. 10 New Abadi, Alamgarh (Abohar) as mentioned in the Registered Deed No. 973 of July, 1975 of the Registering Authority, Abohar.

V. R. SAGAR.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tex,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 21-2-1976.

Seal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

AMRITSAR.

Amritsar, the 21st February 1976

Ref. No. ABR/264/75-76.—Whereas, 1. V. R. SAGAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Gali Gian Talkie Wali, Abohar. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Abohar in July, 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Shri Mangat Rai
 S/o Shri Saudagar Chand
 S/o Shri Roni Ram
 R/o Gali Gian Talkie Wali, Abohar.

(Transferor)

(2) Smt. Piari Singh D/o Shri Hira Singh S/o Shri Bhagwana Singh r/o Abohar.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above and tenant(s) if any. [Person(s) in occupation of the property.]
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property.]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

TH SCHEDULE

House in Gali Gian Talkie Wali Abohar as mentioned in the Registered Deed No. 941 of July 1975 of the Registering Authority, Abohar.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 21-2-1976.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING

ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR.

Amritsar, the 21st February 1976

Ref. No. GSP/265/75-76.—Whereas, I, V. R. SAGAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25;000/- and

Land situated at Near Naushera Bhandar,

transfer with the object of-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurdaspur in July, 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Prithi S/o Shri Kesar Singh s/o Shri Budh Singh R/o V. Naushera

(Transferor)

(2) S/Shri Ajit Singh, Sardar Singh, Tara Singh, Chanan Singh, Sulakhan Singh, Sarwan Singh, Se/o Shri Nanak Singh, R/o V. Naushera.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above and tenant(s) if any. [Person(s) in occupation of the property].
- (4) Any person interested in the property.

 [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Cozette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 2908 of July, 1975 of the Registering Authority, Gurdaspur,

V. R. SAGAR.

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 21-2-1976.

FORM ITNS .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR.

Amritsar, the 21st February, 1976

Ref. No. GSP/266/75-76.—Whereas, I, V. R. SAGAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Land situated at Near Naushera Bahadar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurdaspur in July, 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act'. I hereby initiate proceedings for the acquisition at the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons. namely:—

 Shri Milkhi and Prithi S/o Shri Kesar Singh s/o Shri Budh Singh R/o V. Naushera.

(Transferor)

(2) S/Shri Ajit Singh, Sardar Singh Taya Singh Chanan Singh, Sulakhan Singh, Sarwan Singh Se/o Shri Nanak Singh, R/o V. Naushera.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above and tenant(s) if any. [Person(s) in occupation of the property].
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 2941 of July 1975 of the Registering Authority, Gurdaspur.

V. R. SAGAR.

Competent Authority.

Inspecting Assistant Commissioner of

Income-Tax,

Acquisition Range, Amritsar.

Date: 21-2-1976.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR.

Amritsar, the 6th March, 1976

Ref. No. BTD/267/75-76.—Whereas, I, V. R. SAGAR, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot of land situated at Rattan Nagar Guniana Road, Bhatinda.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda in June, 1975

for an apparent consideration which is less than
the fair market value of the aforesaid property and I
have reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer
as agreed to between the parties has not been truly stated
in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Ajinder Singh S/o Shri Gurcharan Singh, Near Panj Rattan Hotel, Guniana Road, Bhatinda.

(Transferor)

(2) M/s, Panj Rattan Hotel, Guniana Road, Bhatinda.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above and tenant(s) if any. [Person(s) in occupation of the property].
- (4) Any person interested in the property.
 [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land situated at Rattan Nagar, Guniana Road, Bhatinda as mentioned in the registered deed No. 1847 of June, 1975 of the registering authority, Bhatinda,

V. R. SAGAR.

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 6-3-1976.

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR.

Amritsar, the 6th March, 1976

Ref. No. BTD/268/75-76.—Whereas, I. V. R. SAGAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Plot of land situated at Rattan Nagar Guniana Road, Bhatinda.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda in June, 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely:—

 Shri Gurcharan Singh S/o Shri Rattan Singh, Near Panj Rattan Hotel, Guniana Road, Bhatinda.

(Transferor)

(2) M/s. Panj Rattan Hotel Guniana Road, Bhatinda.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above and tenant(s) if any. [Person(s) in occupation of the property].
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land situated at Rattan Nagar, Guniana Road, Bhatinda as mentioned in the registered Deed No. 1868 of June, 1975 of the registering authority. Bhatinda.

V. R. SAGAR Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Amritsar.

Date: 6-3-1976.

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR.

Amritsar, the 6th March, 1976

Ref. No. MLT/269/75-76.—Whereas, I, V. R. SAGAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot of land situated at Surja Ram Market, Malout. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Malout in June, 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

18---506GI/75

 Shri Jaswant Singh S/o Chaudhry Harji Ram C/o Jaswant Singh & Sons, Cotton Ginning and Pressing Factory. Abohar.

(Transferor)

- (2) Shri Atma Ram S/o Shri Walaiti Ram Shri Vijay Kumar s/o Shri Phool Chand Shri Pawan Kumar s/o Shri Raja Ram C/o Walaiti Ram Raja Ram, Commission Agents Surja Ram Market Malout.
- (3) As at S. No. 2 above and tenant(s) if any.
 [Person in occupation of the property]
- (4) Any person interested in the property.

 [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land situated at Surja Ram Market, Malout as mentioned in the Registered Deed No. 711 of June, 1975 of the Registering Authority, Malout.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Amritaar.

Date: 6-3-1976.

Scal:

[PART III—SEC. 1

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 4th March 1976

Ref. No. AP/1477.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Juliundur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Jullundur in July, 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fuir market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the mansferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in purusance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the 'said Act' 5, to the following persons, namely:—

 Shri Mohinder Kumar s/o Shri Ramji Das S/o Jawand Lal, R/o N.D. 112, Bikrampura, Jullundur City.

(Transferor)

(2) Shrimati Saraswati Bai W/o Shri Ram Lal S/o Shri Ram Chand Ali Mohalla W.F. 145, Jullundur City.

(Transferce)

- (3) As at S. No. 2 above and tenant(s) if any, (Person in occupation of the property).
- (4) Any person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land/Property as mentioned in the Registered Deed No. 2624/6/75 with SR. Jullundur,

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 4-3-1976. Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR.

Juliundur, the 4th March 1976

Ref. No. AP/1478.—Whereas I, RAVINDER KUMAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

As per Schedule situated at Jullundur.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in June 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Smt. Sardaro Wd/o Shri Ramji Das, Bikrampura, Jullundur City.

(Transferor)

(2) Shrimati Saraswati Bai Wd/o Shri Ram Lal S/o Shri Ram Chand R/o Ali Mohalla W.F. 145, Jullundur City.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above and tenant(s) if any. [Person(s) in occupation of the property].
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 4041/7/1975 with S. R. Jullundur.

RAVINDER KUMAR,

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range, Jullundur.

Date: 4-3-76

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR.

Jullundur, the 4th March 1976

Ref. No. AP/1484.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax/Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Juliundur.

(and more fully described in the

Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at Jultundur in July 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Mohinder Kumar s/o Shri Ramji Dass S/o Shri Jawand Lal, R/o Bikrampura, Jullundur City.

(Transferor)

(2) Krishan Lal S/o Shri Ram Lal S/o Shri Ram Chand, Ali Mohalla W.F. 145, Jullundur City.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above and tenant(s) if any. [Person(s) in occupation of the property].
- (4) Any person interested in the property.
 [Person(5) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as registered vide Registered Deed No. 4044/7/1975 in the office of the Sub-Registrar, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 4-3-76

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 4th March 1976

Ref. No. AP/1485.—Whereas I, RAVINDER KUMAR being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Jullundur.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in July 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealthtax Act 1957 (27 of 1957).

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following persons namely:—

(1) Shri Partap Chand S/o Shri Ramji Dass S/o Shri Jawand Lal, R/o Bikrampura, Jullundur City.

(Transferor)

(2) Shri Ram Parkash S/o Shri Ram Lal S/o Shri Ram Chand, Ali Mohalla W.F. 145, Jullundur City.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 Any body interested in the property. [Person(s) in occupation of the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Land as registered vide Registered Deed No. 4042/7/1975 of sub-Registrar, Jullundur,

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date: 4-3-1976

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR.

Jullundur, the 4th March, 1976

Ref. No. AP/1486.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

As per Schedule situated at Jullundur.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jullundur in July 1975

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the

apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the llability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons namely:—

 Shri Parshotam Lal S/o Shri Ramji Dass S/o Shri Jawand Lal R/o Nehru Garden, Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Ram Parkash, Bansi Lal, Krishan Lal Ss/o Shri Ram Lal S/o Shri Ram Chand, R/o W.F. 145, Ali Mohalla, Jullundur City.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 Any body interested in the property. [Person(s) in occupation of the property].
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as registered vide Registered Deed No. 3767/7/1975 of Sub-Registrar, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 4.3.1976.

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR.

Jullundur, the 4th March 1976

Ref. No. AP/1487.—Whereas I, RAVINDER KUMAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Re. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Juliundur.

(and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at

Jullundur in June 1975

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has

not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Partap Chand S/o Shri Ramji Dass S/o Shri Jawand Lal, R/o N.D. 112,Bikrampura, Jullundur City.

(Transferor)

(2) Shri Ram Parkash S/o Shri Ram Lal S/o Shri Ram Chand R/o Ali Mohalla, W.F. 145, Jullundur City.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above and tenant(s) if any. [Person(s) in occupation of the property].
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 2620/6/1975 with Sub-Registrar, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 4.3.1976.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR.

Jullundur, the 4th March, 1976

Rcf. No. AP/1488.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Juliundur. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in June 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the porperty as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Sald Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Devinder Kumar S/o Shri Dev Raj S/o Shri Jawand Lal, R/o N.L. 60, Bazar Kalan, Jullundur City.

(Transferor)

(2) Shri Ram Parkash S/o Shri Ram Lal S/o Shri Ram Chand, R/o W.F. 145, Ali Mohalla, Jullundur City.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the property].
- (4) Any person interested in the property.
 [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as registered vide Registered Deed No. 3005/6/1975 of Sub-Registrar, Jullundur,

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 4.3.1976.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR.

Jullundur, the 4th March 1976

Ref. No. AP/1489.—Whereas I, RAVINDER KUMAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

As per Schedule situated at Jullundur.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in June 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under he 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—
19—506GI/75

 Smt. Hans Rani alias Sardaio Wd/o Shri Dev Raj S/o Shri Jawand Lal, R/o N.L. 60, Bazar Kalan, Jullundur City, GA of Smt. Darshana D/o Shri Dev Raj (W/o Narinder Bhalla)

(Transferor)

(2) Shrimati Saraswati Bai Wd/o Shri Ram Lal R/o W.F. 146. Ali Mohalla, Jullundur.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the property].
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as registered vide Registered Deed No. 3006/June, 1975 of Sub-Registrar Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 43.1976.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR.

Jullundur, the 4th March, 1976

Ref. No. AP/1490.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Juliundur.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in June 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons namely:—

(1) Smt. Sardaro Rani alias Hans Rani Wd/o Shri Dev Raj S/o Shti Jawand Lal R/o N.L. 60, Bazar Kalan Jullundur City.

(Transferor)

(2) Krishan Lal S/o Shri Ram Lal S/o Shri Ram Chand, R/o W.F. 146, Ali Mohalla, Jullundur.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the property].
- (4) Any person interested in the property.
 [Pelson(9) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 3004/June, 1975 of Sub-Registrar Jullundur.

RAVINDER KUMAR,

Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jullundur.

Date: 4.3.1976,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

JULLUNDUR.

Jullundur, the 4th March 1976

Ref. No. AP/1491.—Whereas I, RAVINDER KUMAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

As per Schedule situated at Jullundur.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in June 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration on such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the instrument of transfer with the object of:—

- (a) faciliting the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act,
 in respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act. I hereby in:tiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shrimati Uma D/o Shri Dev Raj S/o Shri Jawand Lal R/o Hall Mahli Gate Phagwara.

(Transferor)

(2) Shri Bansi Lal S/o Shri Ram Lal S/o Shri Ram Chand, R/o W.F. 145, Ali Mohalla Jullundur City.

(Transferce)

- (3) As at S. No. 2. [Person(s) in occupation of the property].
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as registered vide Registered Deed No. 3036/June, 1975 of Sub Registrar, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Jullundur.

Date: 4.3.1976.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR.

Jullundur, the 4th March 1976

Ref. No. AP/1492.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No As per chedule situated at Juliundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer, at Juliundur in June, 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Devinder Kumar S/o Shri Dev Raj S/o Shri Jawand Lal R/o N.L. 60, Bazar Kalan Jullundur,

(Transferor)

(2) Shri Ram Parkash S/o Shri Ram Lal S/o Shri Ram Chand, R/o W, F. 145 Ali Mohalla, Jullundur.

(Transferce)

- (3) As at S. No. 2. [Person(s) in occupation of the property].
- (4) Any person interested in the property, [Person(5) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as registered vide Registered Deed No. 3037/June, 1975 of Sub-Registrar, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 4.3,1976.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Partap Chand S/o Shri Ramji Dass S/o Shri Jawand Lal R/o N.D. 112,Bikrampura Jullundur City.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Ram Parkash S/o Shri Ram Lal S/o W.F. 145, Ali Mohalla Jullundur City.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR.

Jullundur, the 4th March 1976

Ref. No. AP/1493.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Jullundur in June, 1975

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said. Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (3) As at S. No. 2. [Person(s) in occupation of the property].
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 2729/June, 1975 of Sub-Registrar, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 4.3,1976.

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR.

Jullundur, the 4th March 1976

Ref. No. AP/1495.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Jullundur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jullundur in June, 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any Moneys or other assets which have not been on which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1972 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Smt. Hans Rani alias Sardaro Wd/o Shri Dev Raj S/o Shri Jawand Lal R/o
 L. 60 Bazar Kalan, Jullundur City, (Transferor)
- (2) Smt. Saraswati Bai Wd/o Shri Ram Lal S/o Shri Ram Chand, R/o W. F. 145, Ali Mohalla Jullundur City.

(Transferce)

- (3) As at S. No. 2 above. (Person in occupation of the property).
- (4) Anybody interested in the property.
 [Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter, XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as registered vide Registered Deed No. 3038/June, 1975 of Sub-Registrar Jullundur.

RAVINDER KUMAR,

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Juliundur.

Date: 4.3.1976.

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR.

Jullundur, the 4th March 1976

Ref. No. AP/1496.-Whereas I, RAVINDER KUMAR

being the Competent Authority
under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'said Act'), have
reason to believe that the immovable property, having a fair
market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
As per Schedule situated at Jullundur.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration
Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer
at Jullundur in June 1975
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more

than fifteen per cent of such apparent consideration

instrument of transfer with the object of-

and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Km. Uma D/o Shri Dev Raj S/o Shri Jawand Lal R/o Lal Mohli Gate, Phagwara.

(Transferee)

(2) Shri Bansi Lal S/o Shri Ram Lal S/o Shri Ram Chand, R/o W. F. 145, Ali Mohalla, Jullundur City.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above. [Person in occupation of the property]
- (4) Any person interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as registered vide Deed No. 3142/June, 1975 of Sub-Registrar Jullundur.

RAVINDER KUMAR,

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 4.3.1976.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR.

Jullundur, the 4th March, 1976

Ref. No. AP/1497.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing as per Schedule situated at Jullundur

(and more fully described in

the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jullundur in June 1975

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely.—

- Smt. Sardaro Rani alias Hans Rani Wd/o Shri Dev Raj S/o Shri Jawand Lal R/o
 L. 60 Bazar Kalan, Jullundur City, (Transferor)
- (2) Shri Krishan Lal S/o Shri Ram Lal S/o Shri Ram Chand W. F. 145, Ali Mohalla Jullundur City.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above. [Person in occupation of the property]
- (4) Any person interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as registered vide Deed No. 3039/June, 1975 of S. R. Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 4.3.1976

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR.

Jullundur, the 4th March, 1976

Ref. No. AP/1498.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a

fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
As per Schedule situated at Jullundur.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jullundur in June 1975 for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said ct, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

20-506GI/75

(1) Smt. Hans Rani alias Sardaro Rani Wd/o Shri Dev Raj S/o Shri Jawand Lal R/o N. L. 60 Bazar Kalan, Jullundur City. G. A. of Priti.

(Transferor)

(2) Shri Bansi Lal S/o Shri Ram Lal S/o Shri Ram Chand, W. F. 145, Ali Mohalla, Jullundur City.

(Transferce)

- (3) As at S. No. 2 above.
 [Person in occupation of the property]
- (4) Any person interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Registered Deed No. 3040/June, 1975 with S. R. Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 4.3.1976.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR.

Jullundur, the 4th March, 1976

Ref. No. AP/1499.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing

As per Schedule situated at Jullundur.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Juliundur in June 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following prsons, namely:—

Shri Jagdish Kumar S/o
 Shri Dev Raj S/o
 Shri Jawan Lal,
 N. L. 60, Bazar Kalan, Jullundur City.

(Transferor)

 Shri Bansi Lal S/o Shri Ram Lal S/o Shri Ram Chand. W. F. 145. Ali Mohalla, Jullundur City.

(I'ransferee)

- (3) As at S. No. 2 above.
 [Person in occupation of the property]
- (4) Any person interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as registered vide Registered Deed No. 3041/June, 1975 with S. R. Jullundur.

RAVINDER KUMAR.

Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.

Acquisition Range, Jullundur.

Date: 4.3.1976.

FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR.

Jullundur, the 4th March 1976

Ref. No. AP/1500.—Whereas J. RAVINDER KUMAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No. As per Schedule situated at Jullundur.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jullundur in June 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely:—

(1) Smt. Hans Rani alias Saidaro Rani Wd/o Shri Dev Raj S/o Shri Jawand Lal, r/o N. L. 60, Bazar, Kalan Jullundur. G.A. of Priti Jain.

(Transferor)

- (2) S,Shri Ram Parkash, Bansi Lal, Krishan Lal, ss|o Shri Ram Lal s|o Shri Ram Chand, r|o W.F. 145, Ali Mohalla, Jullundur.

 (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above.
 [Person in occupation of the property]
- (4) Anybody interested in the property.
 [Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazotte or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as registered vide Regd. Deed No. 3141/June, 1975 of S. R. Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 4.3.1976.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 4th March 1976

Ref. No. AP/1501.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961). (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

as per Schedule situated at Jullundur.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jullundur in June, 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely:—

- (1) Shri Jagdish Kumar S/o Shri Dev Raj S/o Jawand Lal, N.L. 60 Bzr. Kalan Jullundur City. (Transferor)
- (2) Shri Bansi Lal S|o Shri Ram Lal S|o Ram Chand, W.F. 145, Ali Mohalla, Jullundur. (Transferce)
- (3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the property].
- (4) Anybody interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a pelod of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

I and as registered vide Deed No. 3140/June, 75 of Sub-Registrar Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 4-3-1976,

Scal:

Officer

FORM ITNS-

(1) Shri Raj Gopal alias Ram Gopal So Shri Ramji Dass So Sh. Jawand Lal, N.D. 112, Bikarampura, Jullundur City.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Krishan Lal S/o Shri Ram Lal S/o Sh. Ram Chand, W.F. 145, Ali Mohalla, Jullundur City.

GOVERNMENT OF INDIA

(3) As at S, No. 2 above. [Person in occupation of the property]

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE. JULLUNDUR

(4) Anybody interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Jullundur, the 4th March 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. AP/1502.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR being the Competent Authority

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fa'r market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

defined in Chapter XXA of the said Act,

shall have the same meaning as given in that

as per Schedule situated at Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(16 of 1908) in the Office of the Registering

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are

has been transferred under the Registration Act, 1908

Jullundur in June, 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and

I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (37 of 1957);

Land as registered vide Registered Deed No. 2618/June, 1975 of S. R. Jullundur,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

RAVINDER KUMAR, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jullundur.

Date: 4-3-1976.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 4th March 1976

Ref. No. AP/1503.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per Schedule situated at Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jullundur in June 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly

stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Mohinder Kumar S|o Shri Ramjidass S|o Shri Jawand Lal, R|o N.D. 112, Bikaram pura, Jullundur City.

 (Transferor)
- (2) Smt. Saraswati Bai wd/o Sh. Ram Lal, so Shri Ram Chand, W.F. 145. Ali Mohalla, Jullundur. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above.
 [Person in occupation of the property]
- (4) Anybody interested in the property.
 [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of, 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as registered vide Deed No. 2727/June, 1975 by S. R. Jullundur

RAVINDAR KUMAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Juliundur

Date: 4-3-1976.

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-I

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DFLHI-1 (110001)

New Delhi-1 (110001), the 26th February 1976

Ref. No. IAC/Acq.I/SR.III/883(42)/75-76.—Whereas, I, C. V. GUPTE.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. W-25 situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under

the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at New Delhi on 15-7-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have leason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any more or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. D.L.F United Ltd., 40-F, Connaught Place, New Delhi. (Transferor)

(2) M/s. Mehta Cotton Mills (P) Ltd., 59, Golf Links, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are definned in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A plot of land bearing No. 25 Block No. 'W' measuring 1528 sq. yds. in the residential Colony known as Greater Kailash-II New Delhi situated at Village Bahapur, in the Union Territory of Delhi and bounded as under:—

East: Plot No. W-23. West: Plot No. W-27. North: Road. South: Other's Land

C. V. GUPTE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Date: 26-2-1976

Seal .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1 (110001)

New Delhi-1 (110001), the 26th February 1976

Ref. No. IAC/Acq.I/SR.III/Oct.1(15)/75-76,—Whereas, J, C. V. GUPTE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 4-E situated at Connaught Place, New Delhi,

(and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on 10-10-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s. Bhola Nath & Bros. (HUF).
 C/o M/s. Bhola Nath Bros. Jewellers, Connaught
 Circus, New Delhi.
 (Transferor)
- (2) M/s. Lal Chand Har Narain & Amar Chand Seth, 4-E, Connaught Place, New Delhi. (Transferee)
- (3) (1) M/s. Ragho Mull & Sons, Delhi, (2) M/s. Dena Bank (3) M/s. Anand Finance (P) Ltd. [Prsons in occupation of the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The lease hold land under the Shop No. 4, Flat No. 9. Block 'E' Connaught Place, New Delhi with a right of joint use of staircase between this property and property of Mool Chand Trust of its successors together with all superstructure fittings' fixture with all ways passage rights privileges, easements of this property and bounded as under:—

East: Common passage between Connaught House, the property of the Vendors and the property under sale.

West: Connaught Place, Main Road.

North: Joint wall and staircase with property owned by Mool Chand Trust or its successors.

South : Joint wall with property of L. Narain Dutt Thekedar, or his successors.

C. V. GUPTE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Date: 26-2-1976

Scal +

(1) M/s. D.L.F. United Ltd., 40-F. Connaught Place. New Delhi. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME

(2) Smt, Kamlesh Kaur w/o Shri S. K. Kapur C/o. R. Chopra & Co., Chartered Accou D. B. Road, Batala (Punjab). Accountant, (Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1 (110001)

New Delhi-1 (110001), the 26th February 1976

Ref. No. IAC/Acq.I/SR.III/August-I(10)/75-76.—Whereas, as, I, C. V. GUPTE,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovproperty, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. S-222 situated at Greater Kailash-II, New (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 7-8-1975,

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

therefore, in pursuance of Section of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

21-506 GI/75

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Piece of land being Plot No. 222 Block 'S' measuring 454 sq. yds. in the residential Colony known as Greater Kallash-II, New Delhi, situated at Village Bahapur, in the Union Territory of Delhi and bounded as under :---

East : Service Lane.

West: Road.

North: Plot No. S-220, South: Plot No. S-224

> C. V. GUPTE Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 26-2-1976

Scal a

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMF-TAX. ACQUISITION RANGE-I

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1 (110001)

New Delhi-1(110001, the 26th February 1976

Ref. No. IAC/Acq.I/SR.III/July-II(38)/900/75-76.—Whereas, I, C. V. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. E-263 situated at Greater Kailash-I, New Delhi,

(and more fully described in the

Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at New Delhi on 30-7-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exoceds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the education or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

(1) Smt. Patasho Devi w/o Shri Chet Singh, r/o. House No. 1876, Gurdawara Road, Kotla Mubarakpur, New Delhi

(Transferor)

(2) Smt. Chander Mohini Nigam w/o Dr. Indeshwar Nigam r/o, F-263. Greater Kallash-I, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meening as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

A free-hold plot of land measuring 215 sq. yds, bearing No. 263 in Block No. 'E' in the residential Colony known as Greater Kailash-I. New Delhi, together with a single storey house constructed thereon, and bounded as under :-

Fast: Road. West: Plot No. E-261.

North: Road, South: Service Road,

C. V. GUPLE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-I Delhi/New Delhi

Date · 26-2-1976

Scal : '

(1) Shri Krishan Lal Khanna s/o Shri Bahadur Chand Khanna, r/o 4/94, Ramesh Nagar, New Delhi. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II 4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DFLHI-1 (110001)

New Delhi-1(110001), 19th February 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/2085/1083/75-76,---Whereas, 1, S. N. L. AGARWALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to

believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

No. C/32, Chiniot Basti situated at Pahar Ganj, Multani Dhanda, New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Delhi in June 1975,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value

of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated

in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(2) Smt. Janak Rani w/o Shri Raghbir Lal Sharma, r/o C-32, Chiniot Basti, Multani Dhanda, Pahar Gani, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House constructed on a plot of land measuring 100 sq. yds. situated at C/32, Chiniot Basti, Pahar Ganj, New Delhi (Multani Dhanda).

S. N. L. AGARWALA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi.

Date: 19-2-1976

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, 4/14A, ASAF ALJ ROAD, NEW DELHI-1(110001)

New Delhi-1(110001), 19th February 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/1084/2195/75-76.—Whereas, N. L. AGARWALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the said Act) have reason

to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 17-C Jhabhu Colony, situated at Near Filmistan, Model Basti, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the

Office of the Registering Officer

at Delhi in June 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:-

(1) (1) Smt. Ram Mala Devi

(2) Shri Satish Kumar

(3) Shri Shailendra Kumar (minor)

(4) Km. Seema Rani (minor), both through Smt. Ram Mala Devi their mother and natural guardian all residents of 4578, Deputy Ganj, Sadar Bazar, Delhi.

(Transferor)

[PART III—SEC. 1

(2) (1) Shri Radhey Mohan Goel (2) Shri Brij Mohan Goel, s/o Shri Babu Ram Goel, r/o 32, Manohar Market, Katra Neel, Chandni Chowk, Delhi-6.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLINATION:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Piece of plot of land No. 17-C measuring 200 sq. yds. inside Jhabhu Lal Colony, Near Filmistan Cinema, Model Basti, New Delhi and bounded as under :—

North: 60 feet wide road. South 15 feet wide road. East : Plot No. 17-D. West: Plot No. 17-B.

> S. N. L. AGARWALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II Delhi/New Delhi.

Date: 19-2-1976

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1(110001)

New Delhi-! (110001), 21st February 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/1085/2101/75-76.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 65 to 85 situated at Chowk Qutab Road, Sadar Bazar, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on June 1976,

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :--

(1) Shri Klshan Mohan Bijll 5/0 Shri Sain Dass Mehra alias Bijli Pahlwan (2) Smt. Sandhuro Rani w/o Shri Krishan Mohan Bijli r/o 31-32, New Rohtak Road, New Delhi.

(Transferor)

- (2) (1) Smt, Ram Pyari w/o Shri Gian Chand
 - (2) Shri Gian Chand s/o Shri L. Hans Raj Qr. No. 8 Punjabi Qrs. Naini, Allahabad (U.P.).
 - (3) Shri Harı Shanker s/o Shri Kasturi Lal
 - (4) Smt. Raj Rani w/o Shri Kasturi Lal r/o 73, Raja Garden, New Delhi.
 - (5) Smt. Kamla Vig w/o Shri Brij Mohan, T-438, Ahata Kidara, Delhi.

(6) Shri Satish Lal s/o Shri Hari Chand, r/o F-55, Malka Gani, Delhi.

(Transferee) Name of tenants and Shop No. Ground Floor 1. M/s. Baldev Singh & Sons 65 2. M/s. Bata India Ltd. 66-67 3. M/s. Bansi Lal Roshan Lal 68 69 4. M/s. Narinder Kumar Ashok Kumar 70-71 5. M/s.. Sita Ram Kidar Nath 6. M/s. Amar Nath Verma & Co. 72-73 7. Shri Joginder Singh 75 8. M/s. Star Light House 75 9. M/s. Shahdi Lal Jain 76 10. M/s. Frontier Crockery House 77 11. M/s. Mohan Parkash Sarwan Kumar 82 12. M/s. Delhi Glass House 80-81 13. M/s. Jayana Watch Co. Godown 78-79 14. M/s. Krishan Lal Harbans Lal 15. M/s. R. S. Mulakh Raj 83 16. M/s. Sethi General Stores 84 17. M/s. Bombay Glass House 85 First Floor 18. M/s, A. Dass and Co. 74

19. Shri Durga Dass Nayyar

20. M/s. Malik Trading Co.

21. S. Inder Singh

22. M/s. Pardeep Cable Co.

23. M/s. Mangat Ram and Sons.

24. Shri Chander Bhan.

[Person in occupation of the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Double storeyed house bearing Municipal No. 65 to 85 situated in Chowk Qutab Road, Sadar Bazar, Delhi with the land measuring 6110 sq. ft. under the said property and bounded as under :--

East: Others property. West: Rasta Mandi Pan.

North: Road.

South: Ahta under the possession of Lala Chaman Lal ctc.

S. N. L. AGARWALA

Competent Authority,

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-II

Delhi/New Delhi

Date : 21-2-1976

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-II 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1(110001)

New Delhi-1(110001), 27th February 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/1086/75-76,--Whereas, I, S. N. L. AGARWALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. X-B-2 situated at East Azad Nagar, Illaga Shahdara, Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Dolhl in June 1975.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C. of the Said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely:-

Smt, Tej Kaur w/o Shri Didar Singh r/o B-2, East Azad Nagar, Delhi-51.

(Transferor)

(2) Shri Vas Dev Mankhand 5/0 Shri Shadi Ram Mankhand C/0 State Bank of Bikaner and Jaipur, Krishna Nagar, Delhi-51.

(Transferce)

Objections if any, to the acquisition of the said property. may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION :-The terms and expressions nsed herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Single storyed house constructed on a plot of land measuring 107.5 sq. yds. situated at No. B-2, East Azad Nagar. Delhi and bounded as under:—

North: Road South: Portion of Plot B-2 East: Portion of plot B-2 West: Plot No. 2-A.

> S. N. L. AGARWAI A Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II Delhi/New Delhi.

Date: 27-2-1976

Scal ·

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-II

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1(110001)

New Delhi-1(110001), 27th February 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/1087/75-76,-Whereas, I, S. N. L. AGARWALA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason

to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Municipal No. 1/53 situated at Village Chanderawali. Shahdara, Delbi

(and more fully

described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer

at Delhi in June 1975,

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid as exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to

between the Parties has not

been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the 'said Act' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Shri Vinod Kumar Jain 5/0 Sh. Basant Lal Jain
 Smt. Brij Kishore Jain w/0 Sh. Basant Lal Jain
 Smt. Kamla Devi Jain d/0 Sh. Basant Lal Jain

r/o 1430 Gali Sanghian Fountain, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Bimla Wati Jain w/o Shrì Sat Pal Jain r/o L/5728, Balbir Nagar, Gali No. 16, Shahdara, Delhi-32.

(Transferce)

(3) M/s. Hindustan Petroleum Corporation Ltd. Parliament Street, New Delhi. [Person in occupation of the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

Explanation:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Piece of land measuring 1030 sq. yd. forming part of Khasra No. 2828/977/439, 2952/980/440, 1967/978/439 and 1971/979/440 Municipal No. 1/53 in the revenue Estate of Village Chanderawali, Alias Shahdara. Delhi and hounded as under -

North : G. T. Road. South : Jain Samaj Property.

East : others land. West; others building.

> S. N. L. AGARWALA Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II Delhi/New Delhi

Date: 27-2-1976

Scal:

FORM ITNS....

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME.TAX,

ACQUISITION RANGE-III 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1(110001)

New Delhi-1 (110001), the 28th February 1976

Ref. No. 1AC/Acq.III/SR.II/Oct/1062(20) /75-76.—Whereas, I, S. C. PARIJA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax

Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act.), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. J-/70, situated at Rajouri Garden, Delhi (1/3rd share) (and more fully described in the

Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 31-10-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Dalip Singh s/o S. Jaswant Singh J-7/70. Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferor)

[PART III--SEC. 1

(2) Shri Khem Chand Bathla s/o Shri Topan Dass Bathla c/o M/s. Khem Chand Bathla, 506, Bartan Market, Sadar Bazar, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3 share of 2½ storeyed House No. 3-7/70, on a freehold plot of land measuring 160 sq. yds. situated in the colony known as Rajouri Garden, area of village Tatarpur, Delhi State, Delhi and bounded as under:—

North: House on plot No. J-7/71. South: House on plot No. J-7/69.

East: Service on Road. West: Service lane.

S. C. PARIJA

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III
Delhi/New Delhi

Date: 28-2-1976

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Kulvinder Singh 5/0 S. Jaswant Singh, H, No. 2103, Prem Nagar, New Delhi. (Transferor)

(2) Shri Khem Chand Bathla s/o Shri Topan Dass Bathla, c/o M/s. Khem Chand Bathla, 506, Bartan Market, Sadar Bazar, Delhi. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1(110001)

New Delhi-1 (110001), the 28th February 1976

Ref. No. IAC.Acq.III/SR.II/Oct/1061(19)/75-76,—Whereas, I, S. C. PARIJA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Re. 25,000/and bearing

No. J-/70, situated at Rajouri Garden, Delhi (1/3rd share) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 31-10-1975,

for an apparent

transfer with the object of :---

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the ransfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922), or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:---

22-506GI/75

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd share of a 2½ storeyed House No. I-7/70, on a free-hold plot of land measuring 160 sq. yds. situated in the colony known as Rajouri Garden, area of village Talarpur, Delhi State, Delhi and bounded as under :-

North: House on plot No. J-7/71.

South: House on plot No. J-7/69 East: Service on Road, West: Service lane

S. C. PARIJA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III Delhi/New Delhi

Date : 28-2-1976

Soal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1(110001)

New Delhi-1(110001), the 28th February 1976

Ref. No. IAC.Acq.III/SR.II/Oct/1060(18)/75-76.---Whereas, I, S. C. PARIJA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

J-7/70, situated at Rajouri Garden, Delhi (1/3rd share) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Delhi on 31-10-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Amarjit Singh 3/0 S. Jaswant Singh, 2103, Prem Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Khem Chand Bathla s/o Shri Topan Dass Bathla, c/o M/s. Khem Chand Bathla, 506. Bartan Market, Sadar Bazar, Delhi, (Transferee)

(transfered)

Objections, if any, to the acquisition of the said Property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd share of a 2½ storeyed House No. J-7/70, on a free-hold plot of land measuring 160 sq. yds. situated in the colony known as Rajouri Garden, area of village Tatarpur, Delhi State, Delhi and bounded as under:—

North: House on plot No. I-7/71. South: House on plot No. I-7/69.

East: Service on Road. West: Service lane.

S. C. PARIJA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III
Delhi/New Delhi.

Date : 28-2-1976

(1) Shri Avtar Singh Sethi s/o S. Teja Singh, 2/39, Punjabi Bagh, Delhi.

(2) Shri Onkar Singh s/o S, Sardar Singh, Link Road, Cuttack (Orissa).

may be made in writing to the undersigned-

(Transferor)

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1(110001)

New Delhi-1(110001), the 28th February 1976

Ref. No. IAC.Acq.III/SR.IJ/Aug/1000(14)/75-76.—Whereas, I, S. C. PARIJA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 83, situated at West Avenue Road, Punjabi Bagh, Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Delhi on 26-8-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A portion of the plot No. WA/83, measuring 300 sq. yds. situated at Punjabi Bagh, area of Villagge Madipur, Delhi State, Delhi and bounded as under :—

North: Service lane.
South: West Avenue Road.
East: Portion of plot No. WA/83, measuring 366.66
sq. yds. of the vendor sold to Shri Prithpal Singh.

West: Shopping market.

S. C. PARIJA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-III Delhi/New Delhi.

Date: 28-2-1976

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1(110001)

New Delhi-1(110001), the 28th February 1976

Ref. No. IAC.Acq.III/SR.II/Aug/999(12)/75-76,--Whereas, I, S. C. PARIJA,

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961). (hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 83, situated at West Avenue Road, Punjabi Bagh, Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on 26-8-1975,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesail property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely:—

 Shri Avtar Singh Sethi s/o S. Teja Singh, 2/39, Punjabi Bagh, Delhi.

(Transferor)

 Shri Prithpal Singh s/o S. Sardar Singh, Link Road, Cuttack (Orissa).

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Cazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said, Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A portion of the plot No. WA/83, measuring 366.66 sq. yds. situated at Punjabi Bagh, area of Village Madipur, Delhi State, Delhi and bounded as under :—

North: Service lane.

South : West Avenue Road.

East : Plot No. 81.

West: Portion of plot No. WA/83, measuring 300 sq. yds. of the vendor sold to Shri Onkar Singh.

S. C. PARIJA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III
Delhi/New Delhi.

Date: 28-2-1976

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMI-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001.

New Delhi-110001, the 4th March 1976

Ref. No. IAC/Acq.I/SR.886/July-II(4)/75-76.—Whereas, I, C. V. GUPTE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'; have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 10, Panchsheel Marg, situated at Chanakya Puri, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on 19/7/1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than filteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'Said Act,' I hereby imitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely:

(1) Shri J. S. Sahani s/o Shri Maya Dass Sahani. r/o 20, Amrita Sher Gill Marg, New Delhi,

(Transferor)

(2) M/s. Rajdhani Vanijya Ltd., Himalaya House, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any o fthe aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land admeasuring 2181.6 sq. yds, or three abouts situate at Plot No. 30 in Block No. 48 in the site acquired for the erection of the New Capital of Delhi and bearing municipal No. 10, Panchsheel Marg Chanakyapuri, New Delhi, within the limits of New Delhi Municipality with constructions thereon of a double storey pucca building with a Barsati and garages and servants quarters and boundary walls on all four sides and bounded as follows:

North : By Service Road.

South: By East West Main Road.
East: By Plot No. 31, Block No. 48, New premises
No. 11, Panchsheel Marg, New Delhi.
West By Plot No. 29, Block No. 48, New premises No.

9. Panchsheel Marg, New Delhi,

C. V. GUPTE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range-I Delhi/New Delhi

Date: 4-3-1976

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH 156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 28th Februay 1976

Ref. No. LDH/R/1574/75-76,---Whereas, V. P. 1. MINOCHA.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition

Range, Chandigarh,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Agricultural Land 12 Kanals situated at Village Dhandari Kalan Tehsil and Distt. Ludhiana,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ludhiana in June, 1975

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely :-

(1) Shri Maghar Singh S/o Shri Ratna Resident Village Dhandari Kalan Tehsil and District Ludhlana.

(Transferor)

(2) S/Shri Darshan Singh and Nachhatar Singh s/o Shri Faquiria R/o Village Dhandari Kajan Tehsil and Distt, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the Service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural Land 12 Kanals situated at Village Dhandari Kalan Tehsil and District Ludhiana.
(Property as mentioned in the Registered Deed No. 2600 of June, 1975 of Registering Authority Ludhiana).

> V. P. MINOCHA Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Chandigarh

Date : 28-2-1976

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTION ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH 156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 28th February 1976

Ref. No. LDH/R/1573/75-76.—Whereas, I. V. P. MINOCHA.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh,

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/2 and bearing

No. Agricultural Land 2 Kanals situated at Village Dhandari Kalan Tehsil and Distt. Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in June 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Maghar Singh S/o Shri Ratna Resident of Village Dhandari Kalan Tehsil and District Ludhiana.
 (Transferor)
- (2) S/Shri Gurdev Singh and Sukhdev Singh s/o Shri Faquiria R/o Village Dhandari Kalun Tehsil and District Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and efflpressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural Land 12 Kanals situated at Village Dhandari Kalan Tehsil and District Ludhiana.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 2579 of June, 1975 of Registering Authority Ludhiana).

V. P. MINOCHA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Chandigarh

Date : 28-2-1976

Seal ·

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 O F1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH 156, SECTOR '9-B

Chandigarh, the 28th February 1976

Ref. No. LDH/R/1572/75-76,—Whereas, I. V. P. MINOCHA.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market

value exceeding Rs. 25,000/ and bearing Kothi No. 33-B, Vikas Nagar Pakhowal Road Ludhiana situated at Ludhiana,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration

Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana (R) in June 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisiton of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persens, namely:—

- Shri Din Dayal Talwar s/o Shri Jagan Nath Talwar, R/o 33-B. Vikas Nagar Pakhowal Road Ludhiana.
 (Transferor)
- (2) Shri Santokh Singh s/o Shri Kehar Singh and Shri Kehar Singh s/o Shri Basawa Singh, R/o Vikas Nagar Pakhowal Road Ludhiana. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this Notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE CHEDULE

Kothi No. 33-B, Vikas Nagar Pakhowal Road Ludhiana. (Property as mentioned in the Registered Deed No. 1567 of June, 1975 of the Registering Authority).

V. P. MINOCHA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Chandigarh

Date: 28-2-1976

Soal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME, TAX,

ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH
156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 28th February 1976

Ref. No. LDH/C/123/75-76.—Whereas, I, V. P. MINOCHA,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

No. ½ share of Kothi No. 43-B, Udham Singh Nagar situated at Ludhiana,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Ludhiana in July 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the patties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liabllity of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

23—506GI/75

(1) Shri Om Parkash s/o Shri Hira Nand D-2/31 Janak Puri, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Sohan Lal Ghai s/o Shri Bansi Ram, 301 Neelam Building, Sea Face Road Bombay-37. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPI ANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

i share of Kothi No. 43-B, situated at Udham Singh Nagar Ludhiana.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 2974 of June, 1975 of the Registering Authority).

V. P. MINOCHA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Chandigarh

Date: 28-2-1976

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH 156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 28th February 1976

Ref. No. LDH/C/122/75-76,--Whereas, I, V. P. MINOCHA,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 1 share of Kothi No. 43-B, Udham Singh Nagar situated at Ludhiana,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ludhiana in June 1975,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act', I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely:—

 Shri Ram Sarup s/o Shri Hira Nand, 43-B, Udham Singh Nagar Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Sohan Lal Ghai s/o Shri Bansi Ram, 301, Neclam Building Sea-Face Road Bombay-37. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

½ share of Kothi No. 43-B, situated at Udham Singh Nagar Ludhiana.
(Property as mentioned in the Registered Deed No. 2973 of June, 1975 of the Registering Authority).

V. P. MINOCHA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Chandigarh

Date: 28-2-1976

Seat :

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH 156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 28th February 1976

Ref. No. LDH/C/121/75-76.—Whereas, I, V. P. MINOCHA.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 46-A, Industrial Area 'A' situated at Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in June 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated

in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely:—

 Shri Gian Parkash S/o Shri Tara Chand, Mohalla Bandian Ludhiana,

(Transferor)

(2) Shri Rai Sahib s/o Shri Tirath Singh, 54-Industrial Area 'A' Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 46-A situated at Industrial Area 'A' Ludhiana. (Property as mentioned in the Registered Deed No. 2956 of June, 1975 of the Registering Officer Ludhiana).

V. P. MINOCHA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Chandigarh

Date: 28-2-1976

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH
156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 28th February 1976

Ref. No. LDH/C/105/75-76.—Whereas, I, V. P. MINOCHA.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House No. B-XV/538, Millerganj situated at Ludhiana, (and more fully described in the Scheduled hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in June 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indain Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely:—

 Shri Arjan Singh s/o Shri Babu Singh, B-XV/538, Millerganj Ludhiana

(Transferor)

(2) M/s. B. D. Steel Traders, Gill Road, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. B-XV/538 situated at Millerganj, Ludhiana. (Property as mentioned in the Registered Deed No. 2255 of June, 1975 of the Registering Officer Ludhiana).

V. P. MINOCHA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Chandigarh

Date: 28-2-1976

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH
156. SECTOR 9-B

Chandigarh, the 28th February 1976

Ref. No. LDH/C/1575/75-76,—Whereas, I, V. P. MINOCHA.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Ranger Chandigarh,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Plot Area 607 sq. yards situated at Tagorc Nagar Civil Lines, Ludhiana,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana (C) in June 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent to such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) faciliating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- Shri Narinder Kumar s/o Shri Hans Raj, R/o Kucha Karta Ram Ghas Mandi Ludhiana, (Transferor)
- (2) Smt. Raj Rani Sehgal w/o Shri M. S. Sehgal, R/o Kucha Maleri Mal 261/1 Ludhiana. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the that of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot Area 607 sq. yards situated at Tagore Nagar Civil Lines Ludhiana.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 2307

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 2307 of June, 1975 of the Registering Authority Ludhlana).

V. P. MINOCHA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Chandigarh

Date: 28-2-1976

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH 156. SECTOR 9-B

Chandigarh, the 5th March 1976

Ref. No. LDH/80/75-76.—Whereas, I, V. P. MINOCHA.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and being No.

Land measuring 8 Kanal 0 marla, situated at Village Sunct. Fehsil and District Ludhiana,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ludhiana in June 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in

the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facil tating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Chanan Singh s/o Shri Ran Singh, R/o Village Sunet, Tehsil and District Ludhiana. (Transferor)
- (2) The Principal Officer,
 The Kabir Cooperative House Building Society Ltd;
 Village Sunet Tehsil and District Ludhlana
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land, measuring 8 Kanal 0 marla, situated at Village Sunet, Tehsil and District Ludhiana.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 2045 of June, 1975 of the Registering Authority).

V. P. MINOCHA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Chandigarh

Date: 5-3-1976

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH
156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 5th March 1976

Ref. No. LDH/C/81/75-76.—Whereas, I, V. P. MINOCHA,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 8 Kanal 0 marla, situated at Village Sunet, Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the office of the Registering Officer a Ludhiana in June, 1975.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act'. or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act, by the following person, namely:—

- (1) Shri Bikram Singh S/o Shri Kartar Singh, R/o Village Sunet Tehsil and District Ludhiana. (Transferor)
- (2) The Principal Officer, The Kabir Cooperative House Building Society Ltd; Sunct. Tehsil and District Ludhiana.

 (Transferce)

Objections if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable propery, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land, measuring 8 Kanal 0 marla, situated at Village Sunet, Tehsil and District Ludhiana.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 2452 of June 1975 of the Registering Authority Ludhiana).

V. P. MINOCHA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Chandigarh

Date: 5-3-1976

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH
156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 5th March 1976

Ref. No. J DH/C/82/75-76.—Whereas, I, V. P. MINOCHA.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh,

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (here-inafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land, measuring 3 Kanal 1-11/12 marlas,

situated at Village Sunet, Tehsil and District Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ludhiana in June 1975.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of tansfrer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

- (1) Shri Kapoor Singh s/o Shri Ram Singh, R/o Village Sunet, Tehsil and District Ludhiana, (Transferor)
- (2) The Principal Officer,
 The Kabir Cooperative House Building Society Ltd.,
 Village Sunet, Tehsil and District Ludhiana,
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land, measuring 3 kanal 1-11/12 marlas, situated in R/o Village Sunet, Tehsil and District Ludhiana.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 3009 of June, 1975 of the Registering Officer, Ludhiana).

V. P. MINOCHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Chandigarh

Date: 5-3-1976

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH
156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 5th March 1976

Ref. No. LDH/C/291/75-76.—Whereas, I, V. P. MINOCHA.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason

to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land, measuring 5 kanal 7½ marlas, situated at Village Sunet, Tchsil and District Ludhiana.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in June 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
24—506GI/75

- (1) Shri Charan Singh s/o Shri Ran Singh, R/o Village Sunet, Tehsil and District Ludhiana. (Transferor)
- (2) The Principal Officer, The Kabir Cooperative House Building Society Ltd.; Village Sunet, Tehsil and District Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land, measuring 5 kanal 74 marlas, situated in Village Sunet, Tehsil and District Ludhiana.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 3899 of July, 1975 of the Registering Officer Ludhiana).

V. P. MINOCHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Chandigarh

Date: 5-3-1976 Seal:

(1) Sarwan Singh s/o Shri Ram Singh, R/o Village Sunet, Tehsil and District Ludhiana. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) The Principal Officer,
The Kabir Cooperative House Building Society Ltd.,
Village Sunet, Tehsil and District Ludhiana,
(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH 156, SECTOR 9-B

Chandigarh the 5th March 1976

Ref. No. LDH/C/1583/75-76.—Whereas, I, V. P. MINOCHA,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Land, measuring 4 kanal 9-11/12 marlas, situated at Village Sunet, Tehsil and District Ludhiana,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at

Ludhiana in July 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of

the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Land, measuring 4 kanal 9-11/12 marlas, situated in Village Sunet, Tehsil and District I udhiana.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 3446 of July, 1975 of the Registering Officer, Ludhiana).

V. P. MINOCHA

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Chandigarh

Dote: 5-3-1976

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH 156, SECTOR 9-B

Chandigath, the 5th March 1976

Ref. No. SNP/780/75-76.—Whereas, I, V. P. MINOCHA,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh,

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Factory building situated at Village Jatheri, Tehsil and

No. Factory building situated at Village Jatheri, Tehsil and District Sonepat,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Sonepat in June 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the 'sald Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely:—

- Shri Ram Niwas Modi s/o Shri Nagar Mal Modi,
 Smt. Sharda Devi Modi w/o Shri Kesar Dev Modi.
 - Smt. Uma Devi Modi w/o Shri Ram Jiwan Modi,
 Smt. Usha Devi Modi w/o Shri Hari Bhagwan Modi,
 R/o E/2/9, Model Town, Delhi,

(Transferor)

M/s. Victory Rubber Products,
 20th Mile Jatheri Road P.O. Partap Stadium,
 Sonepat, (Haryana).
 Admn. Office 41, Khan Market, New Delhi,
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Factory building situated in Village Jatheri, Tehsil and District Sonepat.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 1217 of June, 1975 of the Registering Officer Sonepat),

V. P. MINOCHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Chandigarh

Date: 5-3-1976

(1) Col. B. K. Sharma S/o Shri A. D. Sharma.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-9,
FOREST PARK, BHUBANESWAR-9

Bhubaneswar-9, the 27th February 1976

Ref. No. 22/75-76/IAC(A/R)/BBSR.—Whereas, I, G. B. CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 5(B) situated at Bhamanagar, Phubaneswar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under

the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Bhubaneswar on 19-7-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated

in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the Aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Shri E. B. Patra \$/o. Shri E. Bharat Patra.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- .(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as ae rdefined in Chapter XXA of the
Said Act, shall have the same meaning as
given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Single Storeyed building situated at Bhamanagar, Bhubaneswar bearing plot No. 5(B) registered on 19-7-1975 in the Office of the Sub-Registrar, Bhubaneswar vide sale deed No. 4591.

C. B. CHAND
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhubaneswar

Date: 27-2-1976

NOTICE: UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 4th February 1976

Ref. No. 851/Acq./Saharanpur/75-76/2652.—Whereas, I, F. J. BAHADUR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. per schedule situated at As per schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Saharanpur on 22-7-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27th of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

(1) Shri Lala Arun Kumar s/o Seth Bhagwan Das R/o Ambala Road, Saharanpur, self and Mukhtaraam Minjanib Smt. Angoori Devi w/o Seth Bhagwan Das.

(Transferor)

(2) Shri Surendia Kumar Mittal s/o Shri Mohan Lal Mittal, R/o Moh. Chauntala. District Saharanpur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of plot of land measuring 1086 2/3 sq. yds. Number 773, Khasra Sahrai Mutallika Number 273 Khewat, situated at Shivpuri, Idgab Road, Distt. Saharanpur, transferred for an apparent consideration of Rs. 11,000/-.

F. J. BAHADUR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Kanpur

Date: 4-2-1976

FORM ITNS ----

(1) Shri Baljeet Singh s/o Shri Barkat Singh, R/o 4724 Roshna Road, Delhi,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Sudheer Gupta s/o Shri Hari Ram, R/o 302, Akash De Building, Delhi, (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 23rd February 1976

Ref No. 703/Acq./G.Bad/75-76/2653.—Whereas, I, F. J. BAHADUR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad on 10-7-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of Factory Building named as M/s. Jaipal Udyog, situated at Loni Shahadra Road, Loni, transferred for an apparent consideration of Rs. 1,90,000/-.

> F. J. BAHADUR Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Income-Tax. Acquisition Range, Kanpur

Date: 23-2-1976

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 23rd February 1976

Ref. No. 509/Acq./G.Bad/75-76/2654.—Whereas, I, F. J. BAHADUR. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad on 14-7-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

transfer with the object of :---

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) of the Said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act'. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely:-

(1) (1) Shri Jagdish Chand Mittal, R/o 152, Gandhi Nagar, Ghaziabad, (2) Shiv Chander Mittal,

R/o 109, Sarai Kauna, Bulandshaher, and (3) Shri Om Prakash Mittal, R/o K-L-49, Kavi Nagar, Ghaziabad.

(Transferor)

 (2) (1) Smt. Kailashee Devi w/o Jassi Ram Sharma,
 (2) Smt. Indra Prabha w/o Umesh Chand Sharma, R/o Moh, Kazimal, Dasna Gate, Ghaziabad, Distt. Meerut.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the Said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of double storeyed house (Eastern side) built on an area of 250 sq. yds. situated at Puckki Mori, Ghaziabad, Distt. Meerut, transferred for an apparent consideration of Rs. 72,000/-.

F, J. BAHADUR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Kanpur

Date: 23-2-1976

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 3rd February 1976

Ref. No. 838/Acq./Saharanpur/75-76.—Whereas, I, F. J. BAHADUR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at As per schedule (and more fully

described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration

Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Saharanpur on 27-2-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922, (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforexaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Kumar√ Sanyogita Gupta D/o Late Sri Prakash Chand Gupta R/o Bajoria Road, Saharanpur. (Transferor)
- (2) Modern Cooperative Housing Society Ltd.
 Through its Secretary Sri Trilok Chand S/o Lala
 Hari Chand R/o Mohalla Chauntala, Saharanpur.
 (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immevable property consisting of a piece of land in plot No. 1 measuring 1200 sq. yds. situated in Janakpuri (Khanalampura) pertaining to Khasra Nos. 119/2. 3, 4 and 119/B Mahal Aimr Ahmad of village Khanalampura transferred for an apparent consideration of Rs. 48,000/-.

F. J. BAHADUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 3-2-1976

 Kumari Madhulika Gupta D/o Late Shri Prakash Chand Gupta R/o Bajoria Road, Saharanpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
. OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 4th February 1976

Ref. No. 839/Acq./Saharanpur/75-76/2641.—Whereas, I, F. J. BAHADUR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Saharanpur on 22-7-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

25-506GI/75

(2) Modern Cooperative Housing Society Ltd. Through its Secretary Sri Trilok Chand S/o Lala Hari Chand R/o Mohalla Chauntala Saharanpur.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein, as are defined in Chapter XXA of the 'said Act'. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of a piece of land in plot No. 1, measuring 1200 sq. yds. comprised in Khasra No. 119/4, 5 and 119/B, Mahal Amir Ahmed, situated in Village Janakpuri (Khanalampura), Distt. Saharanpur, transferred for an apparent consideration of Rs. 48,000/-.

F. J. BAHADUR Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date: 4-2-1976

(1) Kumari Madhulika Gupta D/o Late Shri Prakash Chand Gupta R/o Bajoria Road, Saharanpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 4th February 1976

Ref. No. 844/Acq./Saharanpur/75-76/2642.—Whereas, I, F. J. BAHADUR,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Saharanpur on 27-7-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Modern Cooperative Housing Society Ltd.
Through its Secretary Sri Trilok Chand S/o Lala
Hari Chand R/o Mohalla Chauntala, Saharanpur.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the
said Act shall have the same meaning as
given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of a piece of land in plot No. 4, measuring 1200 sq. yds. comprised in Khasra No. 119/2, 3, 4 and 119/B Mahal Amir Ahmed, situated in Village Khanalampura, Saharanpur, transferred for an apparent consideration of Rs. 30,000/-.

F. J. BAHADUR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date: 4-2-1976

FORM ITNS-----

(1) Kumari Sanyogita Gupta D/o Late Sri Prakash Chand Gupta R/o Bajoria Road, Saharanpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Modern Cooperative Housing Society Ltd. Through its Secretary Srl Trilok Chand S/o Lala Hari Chand R/o Mohalla Chauntala, Saharanpur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said Property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE, KANPUR

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which-

Kanpur, the 4th February 1976

ever period expires later;

Ref. No. 845/Acq./Saharanpur/75-76/2643.—Whereas, I, F. J. BAHADUR,

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act')

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at As per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed herto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Saharanpur on 22-7-1975 for an apparent

THE SCHEDULE

for an apparent

Immovable property consisting of a price of land in plot No. 4, measuring 1200 sq. yds. situated in Janakpuri (Khan-No. 119/2, 3, 4 and 119/B Mahal Ahmed of Village Khanalampura) pertaining to Khasra No. 119/2, 3, 4 and 119/B Mahal Ahmed of Village Khanalampura, Saharanpur, transferred for an apparent consideration of Rs. 30,000/-.

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believ that the fair market value of the property as aforesaid excess the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration and such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

F. J. BAHADUR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

Date: 4-2-1976

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA ·

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 4th February 1976

Ref. No. 849/Acq./Saharanpur/75-76/2644.—Whereas, I, F. J. BAHADUR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'). have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act.

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Saharanpur on 22-7-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Kumari Madhulika Gupta D/o Late Shri Prakash Chand Gupta R/o Bajoria Road, Saharanpur.

(Transferor)

(2) Modern Cooperative Housing Society Ltd. Through its Secretary Sri Trilok Chand S/o Lala Hari Chand R/o Mohalla Chauntala Saharanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of a plot of land No. 3, measuring 1200 sq. yds. comprised in Khasra No. 119/3 of 119/B Mahal Amir Ahmed, situated in Village Khanalampura, Distt. Saharanpur, transferred for an apparent consideration of Rs. 30,000/-.

F. J. BAHADUR

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date: 4-2-1976

(1) Kumari Sanyogita Gupta D/o Late Shri Prakash Chand Gupta R/o Bajoria Road, Saharanpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 3rd February 1976

Ref. No. 850/Acq./Saharanpur/75-76/2645.—Whereas, I, F. J. BAHADUR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing,

No. As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Saharanpur on 22-7-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitaiting the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferge for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Modern Cooperative Housing Society Ltd.
Through its Secretary Sri Trilok Chand S/o Lala
Hari Chand R/o Mohalla Chauntala Saharanpur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person transferred in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of land in plot No. 3, measuring 1200 sq. yds, situated in Janakpuri (Khanalampura) pertaining to Khasra No. 119/4 of 119/B Mahal Amir Ahmed of Village Khanalampura, Saharanpur, transferred for an apparent consideration of Rs. 30,000/-.

F. J. BAHADUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date: 3-2-1976

(1) Kumari Sanyogita Gupta D/o Late Sri Prakash Chand Gupta R/o Bajoria Road, Saharanpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 3rd February 1976

Ref. No. 853/Acq./Saharanpur/75-76/2646.—Whereas, I, F. J. BAHADUR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

No. As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in

the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Saharanpud on 22-7-1975.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (3 facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been on which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(2) Modern Cooperative Housing Society Ltd. Through its Secretary Sri Trilok Chand S/o Lala Hari Chand R/o Mohalla Chauntala Saharanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of a plot of land No. 5, measuring 1200 sq. yds. situated in Janakpuri (Khanalampura) pertaining to Khasra No. 119/5 of 119/B Mahal Amir Ahmed of Village Khanalampura, transferred for an apparent consideration of Rs. 30,000/-.

F. J. BAHADUR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date: 3-2-1976

(1) Kumari Madhulika Gupta D/o Late Shri Prakash Chand Gupta R/o Bajoria Road, Saharanpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Modern Cooperative Housing Society Ltd. Through its Secretary Sri Tirlok Chand S/o Lala Hari Chand R/o Mohalla Chauntala Saharanpur. (Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 4th February 1976

Ref. No. 854/Acq./Saharanpur/75-76/2647.—Whereas, I, F. J. BAHADUR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at Saharanpur on 22-7-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the trnasferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'sald Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of plot of land No. 2, measuring 1200 sq. yds. situated in Janakpuri (Khanalampura) pertaining to Khasra No. 119/3 of 119/B Mahal Amir Ahmed of Village Khanalampura, Saharanpur, transferred for an apparent consideration of Rs. 30,000/-.

F. J. BAHADUR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date: 4-2-1976

Soal:

FORM ITNS ...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 3rd February 1976

Ref. No. 787-A/Acq./Saharanpur/75-76/2648.—Whereas, J. F. J. BAHADUR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

No. As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Saharanpur on 22-7-1975.

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid

exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the considration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax, Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons namely:—

 Kumari Sanyogita Gupta D/o Late Shri Prakash Chand Gupta R/o Bajoria Road, Saharanpur.

(Transferor)

(2) Modern Cooperative Housing Society Ltd.
Through its Secretary Shri Tirlok Chand S/o Lala
Hari Chand R/o Mohalla Chauntala Saharanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Quzette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of a plot of land No. 2 measuring 1200 sq. yds. situated in Janakpuri (Khanalampura) Saharanpur pertaining to Khasra No. 119/2, 3, 4 and 119/B Mahal Amir Ahmad of Village Khatalampura, transferred for an apparent consideration of Rs. 36,000/-.

F. J. BAHADUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range, Kanpur

Date: 3-2-1976

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 21st February 1976

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/76-77.—Whereas, I. V. K. SINHA,

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act,

1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs.

25,000/- and bearing

No. agricultural land measuring 4.665 acres situated at Village Katangi of Patan Tehsil Distt. Jabalpur,

situated at Jabalpur

(and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer

at Jabalpur on 24-7-1975.

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties

has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

26-506GJ/75

Shri Todar Singh S/o Tarwar Singh,
 Shri Raguvar Singh minor S/o Shri Malkan Singh Lodhi, Chouki, Jabalpur.

(Transferor)

(2) Shri Swamiprasad S/o Parasram Agrawal, Village Katangi, Tehsil Patan, District Jabalpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 4,665 acres situated at Village Katangi of Patan Teh. Distt. Jabalpur,

V. K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range, Bhopal

Date: 21-2-1976

 Shri Sk. Habib s/o Abdul R/o 177 Azad Nagar, Indore.

(2) Shri Krishnachandra s/o Shri Vishwanath Acharya, R/o 54, Rupram Nagar Colony, Indore.

(Transferor)

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 21st February 1976

Ref. No. 1AC/ACQ/BPL/76-77.—Whereas, I, V. K. SINHA, $\begin{bmatrix} 1 & 1 & 1 & 1 \\ & & 1 & 1 \end{bmatrix}$

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land of 2.66 acres at Village Piplya Hana, Teh. Indore situated at Indore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 17-7-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice 'under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act,' to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act,' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land of 6.66 acres at Village Piplya Hana, Tehsil Indore.

V. K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Jucome-Tax
Acquisition Range, Bhopal

Date: 21-2-1976

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 21st February 1976

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/76-77.—Whereas, I. V. K. SINHA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 3 Blocks No. 1140, 1141 and 1142 situated at Madan Mahal Ward, Jabalpur situated at Jabalpur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on 14-7-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri A. B. Shinde, 1407, 52/5 Napier Town, Jabalpur.

(Transferor)

(2) Shri Ramnath Pandey S/o Jainarayan Pande, Beraspur, Gopigani, Varanasi—1142, Prem Nagar, Madan Mahal Ward Nagpur Road, Jabalpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

3 Blocks No. 1140, 1141 and 1142 situated at Madan Mahal Ward, Jabalpur.

V. K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range, Bhopal

Date: 21-2-1976

(1) Shri Pratap Singh S/o Shri Pishora Singh Siyal, Nelson Square, Nagpur,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACI, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 21st February 1976

Ref. No. JAC/ACQ/BPL/76-77,—Whereas, I. V. K. SINHA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the

immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One house measuring 42 ft \times 42 ft, situated at Jamai Teh, Distt. Chhindwara, situated at Chhindwara

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chhindwara on 7-7-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assests which have not been or which ought to be disclosed bу transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1911 (11 of 1922) or the 'said Act., or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely:-

R/o Ajit Flact R/o Jamai, Near Caolfields Welfare Hospital Jamai, Chhindwara, (Transferce)

(2) Sint. Kanta Singh w/o Shri Tavinder Singh,

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act,' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One house measuring 42 ft. × 42 ft. situated at Jamai Tehsil, District Chhindwara.

> V. K. SINHA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bhopal

Date: 21-2-1976

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 21st February 1976

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/76-77,--Whereas, SINHA,

being the Competent Authority under

Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act')

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/_ and bearing

No. Agricultural land of 86 Bigha-7 Biswa at Village Nauganj, Tehsil and District Gwalior situated at Gwalior, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gwalior on 3-9-1975,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsuction (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

- (1) (1) Shri Shridharlal s/o Shri Narayandasji Sindhi, Shri Nanakiam s/o Shri Shitaldasji Dyani, (2) Mukhtiyar,
 - (3) Shri Bhagwandas s/o Shri Shitaldasji Dyani, R/o Daulatgani, Lashkar, Gwalior c/o Hemandas Book Seller, Jalamsing-io-Goth, Topi Bazar, Lashkar.
 - (4) Dr. Nanakram s/o Shri Shitaldas Dyani, Janata Bachat Yojna R/o Opp: to Saraswati Praka-shan, Nadim Road, Bhopal.

(Transferor)

- (2) (1) Shri Rustam Singh 5/0 Ramcharan, Advocate Durga Colony, Dal Bazzaraz Lashkar, Gwalior,
 - Shri Ramjidas s/o Kataman, Mill, Chhatri Bazar, Lashkar Gwalior-3, Vishambhardayal Shri Ramjidas s/o Ratanlal,
 - (3) Shri Narayandas s/o Shri Vishambhardayal
 Singh Teli Bada Naya Bazar Lashkar, Gwalior,
 (4) Shri Prakash Singh s/o Vishambhardayal
 - Vishambhardayal (4) Shri Singh Shivpuri,
 - (5) Shri Kashiram s/o Lalchand R/o Lashkar, Gwalior.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which. ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land of 86 Bigha-7 Biswa at Village Naugani, Tehsil and District Gwalior.

> V. K. SINHA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Bhopal

Date: 21-2-1976

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 7th February 1976

Ref. No. P.R. No. 285 Acq. 23-634/6-2/75-76.—Whereas, I, P. N. MITTAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to

believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Vadodara Kasba S.No. 532 Plot No. 72 situated behind Viswas Colony, on Jetalpur Road Alkapuri, Baroda (and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Baroda on 31-7-1975

for an apparent consideration which is less than

the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Sunitkumar Hiralal Shah, Shri Mukeshkumar Hiralal Shah, and Shri Hiralal Chunilal Shah, Nutan Bharat Society, Near Alkapuri, Baroda.

(Transferor)

(2) Shri Krishnakant Jayantilal Patel; Smt. Jyotiben Manharbhai Patel, Chhelli Pole, Wedi, Baroda, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION ·—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Vadodara Kasba S.No. 532, Plot No. 72 admeasuring 5085 Sq. ft. situated at Alkapuri Behind Viswas Colony, on Jetalpur Road, Baroda, as described in Saledeed bearing Registration No. 4128 of July, 1975, Registering Office, Baroda-II.

P. N. MITTAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date: 7th February 1976

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMI-SSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 6th February 1976

Ref. No. P.R. No 286 Acq 23-635/19-8/75-76.—Whereas, I, P. N. MITTAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Ward No. 1 Nondh No. 3377 & 3378 paiki land situated at Kazi Medan, Gopipura, Surat

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 14-7-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely:—

(1) Shri Puspsen Panachand Zaveri; Shri Rameshbhai Panachand Zaveri; Shri Ashokbhai Panachand Zaveri 497, Sardar Vallabhbhai Patel Road Roop Raj, Bombay-4.

(Transferor)

(2) Vimal Apartments Coop. Housing Society, Limited, Through:
Chairman; Shri Jayantilal Mafatlal Shah, Vania Sheri, Mahidharpura, Surat.
Secretary; Smt. Malvika Vijaykumar Shah, Apartments Gopipura, Kaji Medan, Surat.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land bearing Nondh No. 3377 and 3378 admeasuring 87 and 121 Sq. yds, respectively situated in Ward No. I Kazi Medan, Gopipura, Surat as fully described in sale deed registered at No. 3150 of July, 1975 by Registering Officer, Surat.

P. N. MITTAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Dated: 6th February, 1976

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMI-SSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 16th February 1976

Ref. No. P.R. No. 287 Acq. 23-636/6-1/75-76.—Whereas, I, P. N. MITTAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and beaning No. As per Schedule situated at Jullundur,

No. S.No. 732 situated Near Sadhananagar Society, Karelibag, Baroda,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Baroda in July, 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely:—

 Dr. Sumantlal Motilal Modikhana Road, Behind Jubileebag, Baroda.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Manilal Chotalal Parikh;
 - Shantaben Manilal Parikh, 10, Millan, Bapubhai Vasi Road, Vile-Parle, Bombay.

(Transferce)

(3) Employees State Insurance Corporation Near Sadhananagar Coop. Society, Roopam area, Karelibag, Baroda.

(person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisiton of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building known as 'Monktic' bearing Survey No. 732 Hisso-B, Near Sadhananagar Society, Karelibag, Baroda, land admeasuring 0-3 guntha 108 sq. yds. as described in the sale deed bearing registration No. 3736 of July, 1975-Registering Officer, Baroda.

P. N. MITTAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Dated: 16th February, 1976

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMI-SSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 20th February 1976

Ref. No. Acq 23-I-704(271)/1-1/75-76.—Whereas, I, KATHURIA

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No. Survey No. 209, 209-1, 209/2, F.P. No. 269, of T.P.S. No. 14 vituated at Shahibaug, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Regis-

tration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Ahmedabad on 29-7-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

27—506GI/75

- (1) Shri Bharatkumar Chinubhai Bankar, Madhu van Dufnala, Shahibaug, Ahmedabad. (Transferor)
- (2) Shri Jaswantlal Romdas Patel, Shyamaldas-III Khadki, Village Kanij, Tal. Mehmedabad, Distt: Kaira.

(Transferce)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressons used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share of undivided immovable property admeasuring in all 1304 sq. yds. (i.e. 652 sq. yds.) bearing Survey No. 209., 209-1, 209-2, Final Plot No. 269A, Plot No. 3 of T.P.S. No. 14 situated at Dariapur-Khazipur, Shahibaug, Ahmedabad and fully described in the tale deed No. 10260 dt. 29-7-1975.

J. KATHURIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Incomet-ax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 20-2-1976

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASIIRAM ROAD AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 20th February 1976

Ref. No. Acq. 23-1-704(272)/1-1/75-76 —Whereas, I, J. KATHURIA

being the Competent Authority under Section 269B of the

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/No. Survey No. 209, 209-1, 209-2, F.P.No. 269A, Plot No. 3 situated at Dariyapur Kazipur, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

at Ahmedabad on 29-7-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in

the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Bharatkumar Chinubhai Bankar, Madhu van Dufnala, Shahibaug, Ahmedabad.

 (Transferor)
- (2) Shri Jayantılal Joitaram Ramdas Patel, Shyamaldas, in Khadki, Village Kanij, Tal. Mehmedabad, Distt: Kaira (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the public cation of this notice in the Official Gazet'e.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share of undivided immovable property admeasuring in all 1304 sq. yds. (i.e. 652 sq. yds.) bearing Survey No. 209., 209-1, 209-2, Final Plot No. 269A, Plot No. 3 of T.P.S. No. 14, situated at Dariyapur-Kazipur, Shahibaug, Ahmedabad and as fully described in the sale deed No. 10261 dt. 29-1-1975.

J. KATHURIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 20-2-1976

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMI-SSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 24th February 1976

Ref. No. P.R. No. Λcq. 23-I-685(275)/10-1/75-76.—Wheras, I. J. KATHURIA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act)

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Survey No. 4-A and 83-3-A-1 and 82-2-A-1 Block D, first floor, situated at Super market Bedi Naka, Jamnagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

at Jamnagar on July, 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated

in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of in any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Amritlal Velji Dodhia, Near New Jail, Jamnagar.
 (Transferor)
- (2) Muktaben Wakatchand Mehta, Near Dhanbai Delha, Jamagar. (Transferee)
- (3) Anand Guest House (Proprietors N.M. Patel and I.S. Mehta). (person in occupation of the property).

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of Block D, on first floor of super Market bearing Survey No. 4-A and 83-3-A-1 & 82-2-A-1, situated at Bedi Naka, Jamnagar having a plinth area of 2947 sq. ft.

J. KATHURIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 24-2-1976

(1) Kasmal K. Porbunderwala & Others.

(Transferor)

(2) Hilton Co-Op. Housing Society Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-BOMBAY
400002

Bombay-400002, the 13th February 1976

Ref. No. AIR/1307/20July 75.—Whereas, I, V. R. AMIN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 128 (PG) New C.T.S. No. A/720 situated at Village Bandra

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration tor such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indain Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;—

(3) Members of the Society.

(person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land or ground situate at 35A Junction of Hill Road and Boran Road, Bandra in Greater Bombay in the registration Sub-district of Bandra District Bombay Suburban together with the messuages tenement or dwelling house and grages standing thereon to contain an area of 887.59 sq. meters or thereabouts and bearing non-agricultural survey Nos 128 (part) New City Survey No. A/720 and assessed by the Bombay Municipal Corporation of Greater Bombay under H Ward No. 573 and Street No. 35A and bounded as follows: that is to say on or towards the North by Hill Road, on or towards the Sourth by the property of Mr. Thomas William D, Almeida, on or towards the East by Boran Road on or towards the West by the property of Anthony Rodrigues.

V. R. AMIN,

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range-I, Bombay.

Date: 18-2-1976

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-V, Bombay 400002

Bombay-400002, the 18th February 1976

Ref. No. AR.V/366/23/75-76.—Whereas, I, P. M. MEHRA: being teh Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 1, Survey No. 96/1(P)&96-B(P).—situated at Village Hariali

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 21-7-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been

truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitate the reduction or evasion of liability the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) (1) Pratapsinh Shoorji Vallabhdas,
 - (2) Mrs. Khatijabai S. Barodawalla,
 - (3) Jamnadas C. Kapadia

(Transferor)

(2) (1) Shri Himatlal K. Doshi &

(2) Mrs. Alee R. Dubash

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL THAT piece or parcel of land situate, lying and being at Hariali in the Registration District and Sub-District of Bombay City and Bombay Suburban being Plot No. 1 in Survey Nos. 96/1 (Part) and Survey No. 96-B(Part) bearing City Survey No. Nil Village Hariali, Vikhroli in Greater Bombay and admeasuring 5353 square yards I.E. 4475.7 square metres of thereabouts and shown on the plan hereto annexed and thereon surrounded by red coloured boundary lines and bounded as follows: that is to say on or towards the East by the Bombay Agra Road on or towards the West by proposed 50 feet wide road on or towards the South by 50 feet wide road in Survey No. 96/B and on or towards the North by Plot No. 2 Survey No. 96/1 (Part) and 96-B(Part).

J. M. MEHRA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-V.
Bombay.

Date: 18-2-1976

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-V BOMBAY

Bombay-400002, the 25th February 1976

Rcf. No. AR.V/361/18/75-76.—Whereas, I, J. M. MEHRA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

No. S.No. 15, H.No. 14(Pt), S.No. 15 H.No. 15(Pt), S.No. 52 H. No. 16(Pt) at Mohilli Village situated at Mohilli Village

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 15-7-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Dharampal Mehra.
 Shri Vedprakash Mehra
 Shri Devprakash Mehra

(Transferor)

(2) M/s Vijay Synthetic Prints P. Ltd.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of he said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL that piece or parcel of land or ground together with massuages, tenements, and buildings including the building knows as Block C thereon situate lying and being at Mohilli Bombay Suburban District in the Registration District Bandra containing by admeasurement 7385 Sq. yds. (6175 Sq. mtrs.) according to Title Deed and 7657 sq. yds. (i.e. 6401 sq. mtrs.) according to actual survey and being the following survey Numbers.

 SURVEY NO.
 HISSA NO.

 15
 14(Part)

 15
 15(Part)

 52
 16(Part)

and assessed by the Municipality of Greater Bombay under Ward "L" Ward 3938(1) and 3938(8) and Sheet No. 52A. Mohilli and bounded as follows: that is to say on or towards the North by the property forming part of Survey No. 15 and belonging to Mehra Industrial Corporation on or towards the South by the property bearing Survey No. 52 Hissa No. 17 (Part) on or towards the East by the property bearing Survey No. 52 Hissa No. 18 and on or towards the West by Kurla Andheri Road.

J. M. MEHRA,
Competent Authority,
Inspectnig Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-V.
Bombay

Date: 25-2-1976

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Prakash Ch. Sezhi.

(Transferor)

(2) Shri Swapan Saha, Tapan Kumar Saha, Sm. Priya-(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta the 19th February 1976

Ref. No. AC-234/R-IV/Cal/75-76.—Whereas, I, A. BATABYAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter refered to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Plot. 106 situated at Bangur Avenue

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in tht Office of the Registering Officer

at Dum Dum on 18-6-1975

for an apparent consideration,

which is less han the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-Tax act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

6 Kottahs & 5 sft of vacant land at Plot No. 106, Block-D. Bangur Avenue, P.S. Dum Dum, Dist. 24 Parganas.

> A. K. BATABYAL, Competent Authority. Inspecting Assistant Comissioner of Income-Tax. Acquisition Range-IV, Calcutta.

Date: 19-2-1976

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, CALCUTTA

Cacutta, the 27th February 1976

Ref. No. 319/Acq.R-III/75-76/Cal.—Whereas, I, L. K. BALASUBRAMANIAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-aud bearing

No. 11 situated at Dover Lane, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Alipore on 14-7-1975

for an apparent consi-

deration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the llability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Secion 269D of the Said Act to the following person, namely:—

- (1) Alok Kumar Ghosh& others
 - 1. Alok Kumar Ghosh
 - 2. Protip Kr. Ghosh
 - 3. Dipankar Gosh

All of 1 Ballygunge Park, Calcutta Also of 11 Dover Lane, Calcutta.

(Transferor)

(2) Sm. Juthika Burman 1/1, Olaichandi Road, Cal-27. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said lmmovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All the piece and parcel of vacant land measuring 2 cottans 11 chittacks 26 sft. more or less at No. 11 Dover lane, P. S. Ballygunge, Calcutta as per deed No. I-6622 of 1975 registered before the Dist. Registrar, Alipore.

L. K. BALASUBRAMANIAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III
Calcutta-16.

Date: 27-2-1976

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, CALCUTTA

Cacutta, the 27th February 1976

Ref. No. 320 /Acq.R-III/75-76/Cal.—Whereas, I, L. K. BAI ASUBRAMANIAN

being the Competent Authority under Section of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 11 situated at Dover Lane, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 11-7-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

28--506GI/75

- (1) Alok Kumar Ghosh& others
 - 1. Alok Kumar Ghosh
 - 2. Protip Kr. Ghosh
 - 3. Dipankar Gosh All of 1 Ballygunge Park, Calcutta Also of 11 Dover Lane, Calcutta.

(Transferor)

(2) Atindia Nath Shee 1D, Mandeville Gardens, Col. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All the piece and parcel of vacant land measuring 2 cotahs 10 shittacks at No. 11 Dover lane, P. S. Ballygunge, Calcutta as per deed No. I-4032 of 1975 registered before the Dist. Registrar, Assurance, Calcutta.

L. K. BAI ASUBRAMANIAN,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, Calcutta-16.

Date: 27-2-1976

Seal ;

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSION OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-HI CALCUITA

Cacutta, the 27th February 1976

Ref. No. 318/Acq.R-III/75-76/Cal—Whereas, I, I. K. BALASUBRAMANIAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to

believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 44B situated at Baburam Ghosh Road, Cal-40

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alipore on 7-7-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been trully state

in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Prokash Chandra Roy, 40 Baburam Ghosh Road, Cal-40. (Transferor)
- (2) Shri Benoy Krishna Dev & Sm. Madhuri Dev, 4 Udbodhan Lune, Calcutta-3.

Objections, if any, to the acquistion of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHFDULE

All the piece and parcel of vacant land measuring 5 cottohs more or less at 44B, Baburam Ghosh Road, P.S. Jadavpur, Calcutta.

L. K. BALASUBRAMANIAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range-III,
Calcutta 16.

Date: 27-2-1976

Seal .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, CALCUITA

Calcutta, the 4th March 1976

Ref. No. TR-78/C-79/CAL-1/75-76.—Whereas, I, S. K. CHAKRAVARTY.

being the Competent Authority under

Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

23A, situated at Royd St, and 53A, B, C, D Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer 5. Govt. Place North, Calcutta on 4-7-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee, for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely:

(1) 1. Shri Ajoyendra Kumar Bose 2. Shrı Ajit Krishna Mitter and

3. Sm. Sipra Bosc.

(Transferor)

(2) 1, Shri Ahmed Hossain.

2, Must. Daulat Unnessa.

3. Sk. Nasim Ali. 4. Sk. Sabir Ali. 5. Sk. Arib Ali.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned,-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XX-A of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided 1/4th share of premises No. 23A, Royd St, and 53A, B, C, D, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta together with land measuring 1 Bigha 2 Cottahs.

> S. K. CHAKRAVARTY Competent Authority, Inspecting Assit, Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Calcutta

Date: 4-3-1976

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

JYOTHI BUILDINGS, GOPALAPRABHU ROAD, ERNAKULAM, COCHIN-JI

Cochin-11, the 4th aMrch 1976

Ref. L.C. No. 55/75-76,-Whereas, I, S. N. CHANDRA-CHOODAN NAIR.

being the Competent Authority under

Section 269B of the

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sy. Nos. as per schedule,

situated at Kanathur desom in Cannannore Dist.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Cannannore on 9-6-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:--

- (1) M/s. Thiruvapathy Mills Ltd; Cannannore. (Fransferor)
- (2) 1. S/Shii S. A. Puthenpura alias Puthenpurayil Sadanandan, C/o Vasava Tyre Works, Station Road, Dhulia, Maharashtra.

(Transferce)

J. A. Puthenpura alias Puthenpurayil Jaganathan, M/s. Vasava Tyre Works, Station Road, Dhulia, Maharashtra.

(Transferce)

(3) Shri P. Krishnan, C/o M/s. Vasava Tyre Remoulding Works, Cannannore-2.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as per schedule attached to document No 1244/75 dated 9-6-75 registered with the S.R.O., Cannannore.

S. N. CHANDRACHOODAN NAIR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Ernakulam

Date: 4-3-1976

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 24th February 1976

X/12/140(JUNE)/75-76,—Whereas, I, G. No. Ref. **RΛΜΛΝΛΤΗΛΝ**, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) thereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing Plot No 3, T.S. 2782 situated at Chokkikulam Extension Ward 6, Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Fallakulam (Doc. No. 191175) on June, 1975, for an apparent consideration which is Jess than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of

such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not

been truly stated in the said instrument of transfer with

the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely—

 Smt. Mallikambal, No. 26, Rakkiappa Mudali Street, Mylapore, Madras.

(Transferor)

(2) Smt. K. Syamala Devi, w/o K. Karunakaran, Kamayagoundenpatti 626521, Uthamapalayam taluk, Madurai District,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by the other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land measuring 13 cents in plot No .3, T.S. No. 2782, Ward, 6. Chokkikulam Extension, Madurai.

G. RAMANATHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Date: 24-2-1976

Seal ·

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 24th February 1976

Ref. No. X/12/141(JUNE)/75-76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 4, T.S. No. 2782,

situated at Chokkikulam Extension Ward 6, Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Thallakulam (Doc. No. 1941/75) on June 1975,

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer—as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Mallikambal,
 26. Rakkiappa Mudali Street,
 Mylapore, Madras.

(Transferor)

(2) Smt. R. Tharani, W/o A. Ravindran, Pudupatti 626(16, Maderai District.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Vacant land measuring 11 and 3/8 cents in plot No. 4, T.S., No. 2782, Chokkikulam Extension, Madurai.

G. RAMANATHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range-I, Madras-6

Date: 24-2-1976

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-1,
MADRAS-6

Madras-6, the 24th February 1976

Ref. No. X/12/142(JUNE)/75-76.—Whereas, I, R. RAMANATHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Plot No. 5, T.S. No. 2782,

situated at Chokkikulam Extension Madurai

(and more fully described in the Schedule annexed hereto has been transferred under

the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Tallakulam (Doc. No. 1942/75) on June 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Mallikambal, No. 26, Rakkiappa Mudali Street, Mylapore, Madras.

(Transferor)

 Shri R. K. Krishnaswamy Gowder, Kamayagoundenpatti 626521, Madurai District.

(Fransferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land measuring 9 and 3/8 cents in plot No. 5, I S. No. 2782, Chokkikulam Extension, Ward 6, Madurai.

G. RAMANATHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-I, Madras-6

Date: 24-2-1976

Scal:

FORM ITNS ----

 Mohd. Abdul Hakeem, S/o Late Mohd. Abdul Gafoor, Labbipeta, Vijayawada.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

KAKINADA

Kakinada, the 7th February 1976

Ref. No. Acq. File No. 207/J. No. I(96, 104, 107 & 124/KR/75-76.—Whereas, I, B. V. SUBBARAO, being the competent authority under section 269B of the Income tay Act 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the

Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereafter referred to as the Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market

value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

12-6-22 and 12-7-20,

situated at Hyatkhan Street, Vijayawada

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on 15-7-75 & 31-7-75,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) faciliting the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely:—

 Shri Tokachichu Subramanya Sarma, S/o Narasimharao.

 Smt. Ramineni Rajeswarai W/o. Seetharamabrahmam.

 Shri Tokachichu Narasimharao S/o Subra-Vijayawada.

 Shri Andraju Gopalaswamy S/o Samudrulu, Vijayawada.

(Transferce) -

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per document Nos. 2194/75, 563/75, 2538/75 and 2397/75 of the S.R.O., Vijayawada registered during the month of July, 1975.

B. V. SUBBARAO
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada

Date: 7-2-1976

(1) Shrimati Pusarla Kamalavati, W/o Subbarao, Vijayanagaram.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

1. Pratap Singh Chhajer,
 2. Bavarsingh Chhajer,
 Vijayanagaram,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
KAKINADA

Kakinada, the 11th February 1976

Ref. No. Acq. File No. 315/J. No. 73/VSP/75-76.—Whereas, I, B. V. SUBBARAO,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

8-1-9(1)(2), situated at M G. Road, Vijayanagaram (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908

(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayanagaram on 15-7-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes, of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act'. or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely:—

29--506GI/75

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per document No. 3046/75 of the S.R.O. Vijayanagaram, registered during the fortnight ended on 15-7-1975.

B. V. SUBBARAO
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Kakinada

Date: 11-2-1976

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 11th February 1976

Ref. No $\,$ Acq. File No. 316/J. No. I(74)/VSP/75-76 --- Whereas, I, B. V. SUBBARAO,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/4 and bearing No.

Survey No. 198, 199/1, 2, 3 situated at Dwarapudi (and more fully described in the Schedule annexed hereto has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayanagaram on 15-7-1975.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'Said Act'. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely:—

(1) Shri Patnala Venkata Bangaru Setty, Vijayanagaram.

(Transferor)

 Shrimati Alavilli Savitramma, W/o Apparao, Vijayanagaram.

(Transferce)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per document No. 3115/75 of the S.R.O., Vijayanagaram, registered during the fortnight ended on 15-7-1975.

B. V. SUBBARAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Kakinada

Date: 11-2-1976

(1) Sri Kantamani Ratnakumar Rajahmundry.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Motu Industries (Pvt) Ltd., Rajahmundry. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KAKINADA

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Kakinada, the 19th February 1976

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. Acq. File No. 317/J. No. I(139)EG. -- Whereas I. B. V. SUBBARAO,

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 52 situated at Kallijolla Village

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajahmundry on 31-7-75,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the patties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

THE SCHEDULE

The schedule property as per document No. 4693/75 of the SRO, Kakinada registered during the fortnight ended on 31-7-75.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

B. V. SUBBARAO
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons namely:—

Date: 19-2-1976

FORM ITNS----- (1) S/

(1) S/Shri Vemuri Narasimha Rao and Vemuri Subba Rao, Masulipatam.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Satpal Singh,

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 19th February 1976

Ref. No. Acq. File No. 319/J. No. I(158/KR). — Whereas, I, B. V. SUBBA RAO,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

27-6-115, situated at Prakasam Road, Vijayawada, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Vijavawada on 31-7-75.

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per document No. 2559/75 of The SRO, Vijayawada registered during the fortnight ended on 31-7-75.

B. V. SUBBARAO
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Kakinada

Date: 19-2-1976

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (1) 1. Shri Vemuri Narasimha Rao and 2. ShriVemuri Subba Rao, Masulipatam.

((ransferor)

(2) Shri Dulab Singh, Vijayawada.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-J.
KAKINADA

Kakinada, the 19th February 1976

Ref. No. Acq. File No. 320/J No. I(159/KR) — Whereas, I, B. V. SUBBARAO,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the Said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/-and bearing No.

27-6-115, situated at Prakasam Road, Vijayawada

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on 31-7-75

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of consideration.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULF

The schedule property as per document No. 2560/75 of the SRO, Vijayawada registered during the fortmusht ended on 31-7-75.

B. V. SUBBARAO
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada

Date: 19-2-1976

 Shri Raj Gopal alias Ram Gopal s/c Shri Ramji Dass s/o Shri Jawand Lal, R/o Bikrampura, Jullundur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (4) OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, IULI.UNDUR

Jullundum the 4th March 1976

Ref. No. AP 1494.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Sction 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the Said Act, have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value As per Schedule

exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

situated at Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jullundur in June, 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the soid instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability
 of the transferor to pay tax under the Said Act,
 in respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely:—

(2) Shri Krishan Lal s/o Shri Ram Lal s/o Shri Ram Chand, W.P 145, Ali Mohalla, Jullundur City.

(Transferee)

(3) At S. No. 2

[Person in occupation of the property]

(4) Anybody interest in the property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property.]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 2728/ June 1975 of Sub-Registrar, Jullundur

RAVINDER KUMAR

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date: 4-3-1976